THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 291 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.14, 2082 शनिवार, 17 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

डीएमके सांसद दयानिधि मारन के खिलाफ कोर्ट में मामला दर्ज

मुज्जफरपुर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर की कोर्ट में डीएमके के सांसद दयानिधि मारन के खिलाफ परिवाद दायर किया गया है। मामला उस विवादित बयान से जुड़ा है, जिसमें दयानिधि मारन ने उत्तर भारत की महिलाओं की तुलना दक्षिण भारत की महिलाओं से की थी। चेन्नई सेंट्रल सीट से चार बार सांसद रह चुके दयानिधि मारन ने अपने बयान में कहा था कि उत्तर भारत की महिलाएं मुख्य रूप से घर का काम और बच्चों की देखभाल करने के लिए हैं, जबकि तमिलनाडु की महिलाएं पढ़ाई-लिखाई और कामकाजी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दक्षिण भारत की लड़कियां सर्वगुण सम्पन्न और हर काम में सक्षम हैं।

...>>> महाराष्ट्र नगर निगम रिजल्ट <<<...

29 में 23 निगमों में बीजेपी

लातूर में कांग्रेस ने 70 में से 43 सीटें जीतीं

मुंबई, 16 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नगर निगम चुनाव में ठाकरे बंधुओं के साथ आने से भी कोई फायदा नहीं हुआ। दोनों भाइयों का गठबंध चारो खाने चित्त हो गया। उम्मीद के मुताबिक भाजपा गठबंधन ने एकतरफा जीत हासिल कर ली है। रुझानों में 29 नगर निगमों में से 23 में भाजपा गठबंधन का कब्जा हो चुका है। मुंबई के बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में भाजपा+शिवसेना (शिंदे) अलायंस कुल 227 सीटों में से 118 सीटों पर आगे है। इसके अलावा नागपुर, पुणे, ठाणे, नवी मुंबई, पिंपरी चिंचवाड और नासिक में भी भाजपा गठबंधन ने बढ़त हासिल की है। लातूर में कांग्रेस ने जीत हासिल की है। उसे

70 में से 43 सीटें मिली है। चंद्रपुर में भी कांग्रेस लीड कर रही है। परभणी नगर निगम में शिवसेना (उद्धव) को बढ़त है। वसई विरार में बहुजन विकास अगाड़ी (वीबीए) और मालेगांव में शिवसेना (शिंदे) बाजी मारने में सफल रही है।

बड़े बजट वाले बीएमसी से लंबे समय बाद ठाकरे परिवार का प्रभुत्व खत्म हो गया है। ठाकरे परिवार की सियासत के लिए बीएमसी का रोल कुछ उसी तरह का रहा है, जैसे मछलियों के लिए पानी। यही वजह है कि महाराष्ट्र में बीजेपी की अगुवाई वाली महायुति से मिल रही चुनौती ने वर्षों बाद उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे को बीएमसी चुनाव के लिए साथ आने को मजबूर कर दिया। इस चुनाव में बीजेपी गठबंधन की बड़ी जीत को कुछ विश्लेषक ठाकरे परिवार के राजनीतिक भविष्य से जोड़ रहे हैं। वास्तव में इस चुनाव नतीजे ने ठाकरे परिवार को वहां पर चोट मारी है, जहां से उसने सियासत की शुरूआत की थी।

बीएमसी की 227 सीटों के लिए गुरुवार को हुई वोटिंग के दौरान एक सर्वे हो रहा था, जिससे पता चलता है कि इस चुनाव में बीजेपी और शिवसेना को किसने अधिक वोट दिए और शिवसेना (उद्धव ठाकरे), महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) और एनसीपी (शरद पवार) पर किसने ज्यादा भरोसा जताया। इस सर्वे का जो नतीजा है, उसे परिमाण के साथ देखने से पता चलता है कि उद्धव और राज ठाकरे परिवार की राजनीति ही आखिरकार उन्हें अपने ही गढ़ में ले डूबी है।

'बीएमसी में भाजपा ने बनाया जीत का रिकॉर्ड'

मुंबई, 16 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नगर निकाय चुनावों में इस बार बड़ा राजनीतिक संदेश सामने आया है। देश की सबसे समृद्ध महानगरपालिका बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने जीत का रिकॉर्ड बनाते हुए स्पष्ट बहुमत हासिल की है। इस नतीजे को मुंबई की सत्ता में लंबे समय बाद स्थिर सरकार की वापसी के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने इसे जनता का आशीर्वाद और विकास की राजनीति की जीत बताया।

भाजपा ने इस जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन और संगठनात्मक मजबूती को दिया है। राज्य स्तर पर कार्यकर्ताओं की मेहनत और स्थानीय नेतृत्व की रणनीति को भी निर्णायक बताया गया। बीएमसी देश का सबसे अमीर नगर निगम है, इसलिए इसके चुनाव का असर केवल मुंबई नहीं, पूरे राज्य की राजनीति पर पड़ता है।

दक्षिण भारतीय वोटरों ने बजा दी 'पुंगी'

उद्धव ठाकरे के पिता बाल ठाकरे ने मराठी मानुष की बात करके इस समुदाय पर अपनी गहरी छाप छोड़ी थी। 1966 में उन्होंने शिवसेना की स्थापना ही एक तरह से मुंबई में दक्षिण भारतीयों के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए की थी। इसके लिए उनका एक नारा 'उठाओ लुंगी, बचाओ पुंगी' काफी प्रभावशाली साबित हुआ। उनके निशाने पर सबसे ज्यादा तमिल ही रहे। बाद में दक्षिण भारतीयों की तुलना में उत्तर भारतीयों की संख्या ज्यादा बढ़नी शुरू हो गई। लेकिन, आज भी एक अच्छी-खासी दक्षिण भारतीय आबादी मुंबई में है और सर्वे से पता चलता है कि उन्होंने ठाकरे परिवारों की 'पुंगी' बचाने में बड़ी भूमिका निभाई है।

ईरान में करीब 9,000 भारतीय नागरिक फंसे : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान में बिगड़ते हालात के बीच भारत सरकार ने अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि वर्तमान में ईरान में लगभग 9,000 भारतीय नागरिक रह रहे हैं, जिनमें अधिकांश छात्र हैं।

उन्होंने बताया कि हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए भारत सरकार ने दो-तीन एडवाइजरी जारी की हैं। इन एडवाइजरी के माध्यम से भारत में रह रहे नागरिकों को फिलहाल ईरान की यात्रा न करने की सलाह दी गई है। वहीं, ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों से कहा गया है कि वे उपलब्ध साधनों का उपयोग कर सुरक्षित रूप से देश छोड़ने की कोशिश करें।

रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया कि भारत सरकार ईरान की स्थिति पर लगातार और करीबी नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि वहां रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और भलाई सर्वोच्च प्राथमिकता है और सरकार उनकी मदद के लिए हर जरूरी कदम उठाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

शक्सगाम घाटी को लेकर उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर भारत की स्थिति पहले ही स्पष्ट की जा चुकी है और इससे संबंधित टिप्पणियां पहले जारी की जा चुकी हैं। चाबहार पोर्ट के संबंध में उन्होंने बताया कि अमेरिका ने 28 अक्टूबर 2025 को सशर्त प्रतिबंधों पर मार्गदर्शन पत्र जारी किया था, जो 26 अप्रैल 2026 तक वैध है। भारत इस व्यवस्था पर अमेरिका के साथ लगातार काम कर रहा है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने म्यांमार चुनावों पर कहा कि भारत ने हमेशा निष्पक्ष और समावेशी चुनावों की आवश्यकता को दोहराया है, जिसमें सभी हितधारक शामिल हों। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, म्यांमार में अब तक दो चरणों के चुनाव हो चुके हैं और आगे भी अन्य चरण आयोजित किए जाएंगे।

बीएमसी परिणाम से देवेंद्र फडणवीस का कद बढ़ा

फडणवीस ने एक बार फिर से आलाकमान के अटूट विश्वास को सही साबित कर दिखाया है।

राजनीति के धुरंधर देवेंद्र फडणवीस को पता है कि साथियों को कंट्रोल में रखते हुए कैसे काम किया जाता है।

मुंबई, 16 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र बीजेपी को पहली बार देवेंद्र फडणवीस के रूप में ऐसा नेता मिला है जिसने पार्टी को शहरों से निकालकर कस्बों और गांवों तक पहुंचा दिया। निकाय चुनाव में इस चेहरे के दम पर बीजेपी को ऐतिहासिक जीत मिली है। 29 में से 25 नगर निगमों में बीजेपी ने जीत हासिल की है। इस जीत के बाद राष्ट्रीय स्तर पर किसी चेहरे में अगर उभार आया है तो वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस हैं। फडणवीस ने एक बार फिर से आलाकमान के अटूट विश्वास को सही साबित कर दिखाया है। महाराष्ट्र की राजनीति में बीते एक दशक से देवेंद्र फडणवीस बीते एक दशक से धुरी बने हुए हैं। सत्ता में रहे तब भी और विपक्ष में भी बैठकर वह सक्रिय रहे। इस दौरान जमीनी स्तर पर फडणवीस ने खूब काम किया। इसका असर विधानसभा चुनाव के दौरान भी दिखा। अलाकमान ने भी महाराष्ट्र में फडणवीस को फ्री हैंड दे रखा था। उन्होंने शहरों से लेकर गांवों तक में बीजेपी को पहुंचा दिया है।

महाराष्ट्र में बीजेपी गठबंधन के साथ शिंदे गुट शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी है। बीच-बीच में मनमुटाव की खबरें आती हैं। मगर राजनीति के धुरंधर देवेंद्र फडणवीस को पता है कि साथियों को कंट्रोल में रखते हुए कैसे काम किया जाता है।

निकाय चुनाव में 25 नगर निगमों में मिली जीत के बाद बीजेपी के अंदर भी देवेंद्र फडणवीस की धाक बढ़ी है। महाराष्ट्र में सारे फैसले उनकी सहमति से ली जाती है। ने आलाकमान के भी गुड बुक में हैं। साथ ही आरएसएस के अंदर भी उनकी अच्छी पकड़ है। >14

जापानी विदेश मंत्री से जयशंकर की गुगली

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में भारत-जापान विदेश मंत्रियों की अहम मुलाकात की शुरूआत कुछ अलग अंदाज में हुई। गंभीर वैश्विक हालात, रणनीतिक साझेदारी और इंडो-पैसिफिक जैसे बड़े मुद्दों के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी से बातचीत की शुरूआत क्रिकेट के जिक्र से की। जयशंकर ने मुस्कुराते हुए कहा, आपकी क्रिकेट में रुचि जानकर अच्छा लगा।

आपके होम टाउन में एक प्लेइंग फील्ड है, उम्मीद है एक दिन हम वहां पिच पर मिलेंगे। इस हल्के-फुल्के अंदाज ने साफ कर दिया कि कूटनीति सिर्फ फाइलों और बयानों तक सीमित नहीं, बल्कि आपसी भरोसे और सहज रिश्तों से भी मजबूत होती है।

इस मुलाकात में क्रिकेट सिर्फ मजाक नहीं था, बल्कि दोस्ताना रिश्तों का प्रतीक बनकर उभरा। इसके साथ ही बातचीत का एजेंडा बेहद गंभीर और रणनीतिक रहा।

कर्नाटक भाजपा नेतृत्व में तालमेल का अभाव : प्रियांक खड़गे

बेंगलुरू, 16 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खड़गे ने प्रदेश की भाजपा इकाई के नेतृत्व पर सवाल उठाया है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा में तालमेल का अभाव है। इसी वजह से इस पार्टी में अव्यवस्था की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अब अगर भाजपा चाहे तो राज्य में कहीं पर भी किसी भी मुद्दे को लेकर सभा या प्रदर्शन का आयोजन कर सकती है। यह उनका अधिकार है, वे कर सकते हैं। इस बात को बिल्कुल भी खारिज नहीं किया जा सकता है कि आज की तारीख में भाजपा माहौल में अव्यवस्था बनाए हुए है। नेताओं के बीच तालमेल का अभाव है। कर्नाटक सरकार में मंत्री ने कहा कि कुछ दिनों पहले भाजपा ने पदयात्रा की शुरूआत की थी, लेकिन यह पदयात्रा संपन्न होने से पहले ही

समाप्त हो गई। पार्टी को इसका अपेक्षित फायदा नहीं मिल पाया। इससे यह साफ जाहिर होता है कि भाजपा में शीर्ष नेतृत्व पर किसी भी निर्णय को लेकर कोई एकरूपता नहीं है।

प्रियांक खड़गे ने कहा कि अभी कुछ दिनों पहले ही विधानसभा में आधे विधायक थे और आधे नदारद थे। इससे यह साफ जाहिर होता है कि इन लोगों के जेहन में प्रदेश की जनता को लेकर कोई करुणा नहीं है। ये सिर्फ लोगों का अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करते हैं, लेकिन अब इस तरह की स्थिति को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि अब भाजपा के लोग सभा का आयोजन करने जा रहे हैं, तो वो कर सकते हैं। हमें इससे कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन निसंदेह इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता कि जिस तरह से भाजपा की पदयात्रा विफल हुई थी, ठीक उसी प्रकार से आगामी दिनों में यह सभा भी विफल होगी। भाजपा को अपने किसी भी कार्यक्रम से कोई फायदा होने वाला नहीं है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि मेरा मानना है कि हमें इन चीजों में नहीं उलझना चाहिए कि कौन किस तरह का कार्यक्रम कर रहा है और क्या नहीं कर रहा है। इसके विपरीत हमें प्रदेश की जनता के कल्याण पर ध्यान देना चाहिए।

ग्रोक एआई की बुरी हरकत!

एलन मस्क के बेटे की मां को आपत्तजिनक तरीके से दिखाने का आरोप, कंपनी पर केस

नई दिल्ल, 16 जनवरी (एजेंसियां)। एलन मस्क एक और मुश्किल में फंस गए हैं। उनके एक बेटे की मां एश्ले सेंट क्लेयर ने एक्सएआई पर मुकदमा दायर किया है। क्लेयर ने आरोप लगाया है कि ग्रोक एआई चैटबॉट ने उनकी आपत्तिजनक डीपफेक फोटो बनाई है। बता दें कि एलन मस्क का एआई चैटबॉट ग्रोक पिछले काफी दिनों से महिलाओं और कभी-कभी बच्चों की सहमति के बिना उनके न्यूड फोटो बनाने को लेकर विवादों में घिरा हुआ है। सेंट क्लेयर ने अपने मुकदमे में कहा है कि एक्सएआई का एक जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चैटबॉट ग्रोक, एआई का उपयोग यूजर्स को निर्वस्त्र करने, अपमानित करने और यौन शोषण करने के लिए करता है। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस डर में जी रही हैं कि एक्सएआई द्वारा उनकी न्यूड फोटोज लगातार बनाई जाती रहेंगी और वह उन लोगों से सुरक्षित नहीं रहेंगी, जो इन फोटोज का इस्तेमाल करते हैं।

जस्टिस वर्मा को सुप्रीम कोर्ट से झटका

संसदीय समिति के गठन के खिलाफ याचिका हुई खारिज

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा की याचिका खारिज कर दी। जज वर्मा ने उस संसदीय समिति की वैधता को चुनौती दी थी, जिसे लोकसभा के स्पीकर ने उन पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए बनाया था। जस्टिस दीपंकर दत्ता और जस्टिस एस.सी. शर्मा की पीठ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर सुनवाई की। पीठ ने इस मामले में सुनवाई पूरी कर 8 जनवरी 2026 को अपना निर्णय सुरक्षित रखा लिया था।

जस्टिस वर्मा की ओर से दायर याचिका में न्यायाधीश जांच अधिनियम में निर्धारित प्रक्रिया के तहत लोकसभा की तरफ से गठित तीन सदस्यीय समिति की वैधता को चुनौती दी गई थी।

याचिका में कहा गया है, न्यायाधीश (जांच) अधिनियम,

1968 की धारा 3(2) के तहत माननीय समिति का गठन करने के संबंध में लोकसभा के माननीय अध्यक्ष की ओर से की गई विवादित कार्रवाई को असंवैधानिक घोषित और निरस्त करने के लिए निर्देश जारी किया जाए।

याचिका में इस आदेश को भारत के संविधान के अनुच्छेद 124, 217 और 218 का उल्लंघन बताते हुए न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत कानून की ओर से स्थापित प्रक्रिया के उलट कहा गया।

जस्टिस वर्मा की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने सुनवाई के दौरान तर्क दिया था कि संसद के दोनों सदनों में उन्हें हटाने के संबंध में प्रस्ताव पेश करने के लिए यह जरूरी है कि तीन सदस्यीय समिति का गठन लोकसभा और राज्यसभा दोनों की ओर से संयुक्त रूप से किया जाना चाहिए था, न कि लोकसभा अध्यक्ष की तरफ से एकतरफा रूप से। गौरतलब है कि जज वर्मा को हटाने के लिए पेश प्रस्ताव को राज्यसभा के डिप्टी चेयरमैन ने खारिज कर दिया था।

21 जुलाई 2025 को जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए दो अलग-अलग प्रस्तावों को लोकसभा और राज्यसभा में पेश किया गया था। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जस्टिस वर्मा के खिलाफ जांच के लिए एक संसदीय समिति का गठन करने का आदेश दिया।

सरकार के 2 और कानून में बदलाव होगा

मनरेगा के बाद शिक्षा और खाद्य सुरक्षा अधिकार कानून में सुधार की तैयारी शुरू

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार मनरेगा के बाद यूपीए सरकार के समय बने दो बड़े कानूनों- शिक्षा का अधिकार और खाद्य सुरक्षा कानून में सुधार करने की तैयारी कर रही है। सरकार चाहती है कि इन योजनाओं का लाभ हर सही व्यक्ति तक पहुंचे और सभी लाभार्थियों का रजिस्ट्रेशन हो।

सरकार पहले नियमों और आदेशों से सुधार करने की कोशिश करेगी। अगर इससे बात नहीं बनी, तो संसद में नए कानून (बिल) भी लाए जा सकते हैं। इसके अलावा सरकार यह भी सोच रही है कि लोगों को घर पाने के अधिकार को कानूनी अधिकार बनाया जाए।

परामर्श प्रक्रिया से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि मनमोहन सिंह सरकार के समय जो विकास से जुड़े अधिकार बनाए गए थे, उनमें 3 बड़ी कमियां थीं। उन कानूनों से न तो हर बच्चे को सही शिक्षा मिल पाई और न ही हर परिवार तक खाद्य सुरक्षा पहुंची।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निर्देश है कि सभी लाभार्थियों का पूरा (100 प्रतिशत) रजिस्ट्रेशन हो। योजनाओं का लाभ सही लोगों तक समय पर और सही तरीके से पहुंचना चाहिए। संसद के शीतकालीन सत्र में मनरेगा की जगह लाया गया वीबी-जी राम जी बिल पास हुआ था।

सरकार 3 टारगेट लेकर बढ़ रही...

सरकार ने इन योजनाओं की जांच करने पर पाया कि किसी चीज को कानूनी अधिकार बना देना और उसे जमीन पर सही तरीके से लागू करना, दोनों अलग बातें हैं। योजनाओं को लागू करने में जो कमियां आ रही हैं, उनकी वजह से सरकार के भरोसे पर सवाल उठने लगे हैं। शिक्षा, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और आवास इन पांच जरूरी क्षेत्रों को लेकर सरकार अब तीन अहम बातों को पक्का करना चाहती है।

मुकुल रॉय को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कलकत्ता हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें वरिष्ठ नेता मुकुल रॉय को पश्चिम बंगाल विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराया गया था। मुकुल रॉय पर भाजपा छोड़कर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में शामिल होने के बाद दल-बदल कानून के तहत कार्रवाई की गई थी।

गौरतलब है कि कलकत्ता हाईकोर्ट ने पहली बार अपने संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए दल-बदल विरोधी कानून के तहत किसी निर्वाचित विधायक को सीधे अयोग्य घोषित किया था। हाईकोर्ट ने माना था कि मुकुल रॉय का पार्टी बदलना दसवीं अनुसूची का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से फिलहाल मुकुल रॉय की विधानसभा सदस्यता पर राहत मिल गई है और मामले का अंतिम फैसला शीर्ष अदालत की आगे की सुनवाई के बाद होगा।

मुर्गे को खिलाया सूखा मेवा

बदले में जिताए 1.53 करोड़ रुपये, आंध्र में हुई गजब कॉक फाइट

अमरावती, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले में एक युवक मुर्गे की लड़ाई में करोड़पति बन गया। गुरुवार को मकर संक्रांति के पर्व पर जिले के ताडेपल्लीगुडेम कस्बे में कॉक फाइट आयोजित की गई थी। मुर्गे की लड़ाई में रमेश नाम का युवक करोड़पति हो गया। उसने 1.53 करोड़ रुपये जीते। रमेश में अपने मुर्गे को सूखा मेवा खिलाकर इस लड़ाई के लिए तैयार किया था।

राजमंड्री रमेश और गुडीवाडा प्रभाकर के मुर्गों के बीच फाइट हुई थी। बताया जाता है कि दोनों मुर्गों के पैरों में चाकू भी बांधे गए थे। लड़ाई में रमेश का मुर्गा, प्रभाकर के मुर्गे पर भारी पड़ा और रमेश ने इस फाइट को जीत लिया। अब रमेश और उसके दोस्त जीत की खुशी मना रहे हैं।

डेगा ने सेतुवा को दिया मात : फाइट रमेश के 'डेगा' मुर्गे और प्रभाकर के 'सेतुवा' मुर्गे के बीच हुई थी। डेगा ने कुछ ही मिनट में सेतुवा को हराकर लड़ाई जीत ली।

फाइल

विजेता रहे रमेश ने बताया कि उसने अपने विशेष नस्ल के मुर्गे को लगातार 6 महीने तक सूखा मेवा खिलाकर इस लड़ाई के लिए तैयार किया था। डेगा की देखभाल में बहुत मेहनत की, जो रंग लगाई और 1.53 करोड़ रुपये जीते। संक्रांति पर्व पर आयोजित किए गए मुर्गे की लड़ाई में इस फाइट की चर्चा पूरे प्रदेश भर में हो रही है।

प्रतिबंध के बाद भी हुई कॉक फाइट :

कॉक फाइट पर कोर्ट ने प्रतिबंध लगाया है। वहीं अधिकारियों ने भी इसे लेकर अलर्ट जारी किया था। पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और आंध्र प्रदेश जुआ अधिनियम के तहत कॉक फाइट को प्रतिबंधित किया गया है। इसके बाद भी इसका आयोजन किया गया। बताया जाता है कि स्थानीय नेताओं के समर्थकों की ओर से मुर्गों की लड़ाई का आयोजन किया जाता है। पूर्वी गोदावरी, पश्चिमी गोदावरी, डॉ. बीआर अंबेडकर कोनासीमा, एलुरु, पोलावरम और कृष्णा जिलों में कॉक फाइट के लिए विशेष अखाड़े भी बनाए गए थे।

काकीनाडा में शुरू होगा भारत का पहला ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट

8,000 लोगों को मिलेगी नौकरी

अमरावती, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू के नेतृत्व वाली सरकार ने शुक्रवार को घोषणा की कि राज्य में भारत का पहला और दुनिया का सबसे बड़ा ग्रीन अमोनिया संयंत्र शुरू किया जाएगा। एएम ग्रीन, काकीनाडा में 1.5 मिलियन टन प्रति वर्ष की प्लान्ड कैपेसिटी वाला ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया कॉम्प्लेक्स लगा रहा है। एएम ग्रीन के प्लांट का पहला बड़ा इक्विपमेंट लगाने का समारोह शनिवार को होना है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायुडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण शामिल होंगे।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि कुल 10 बिलियन डॉलर के निवेश के साथ, एएम ग्रीन प्रोजेक्ट भारत में अब तक किए गए सबसे बड़े क्लीन-एनर्जी निवेशों में से एक है।

यह प्रोजेक्ट कंस्ट्रक्शन फेज के दौरान 8,000 नौकरियां लोगों को देगा। साथ ही ऑपरेशन्स के दौरान और रिन्यूएबल्स, लॉजिस्टिक्स, स्टोरेज और पोर्ट सर्विसेज जैसे संबंधित उद्योगों में बड़े पैमाने पर हाई स्किल रोजगार भी पैदा करेगा।

भारत के इतिहास में पहली बार, देश में बने ग्रीन एनर्जी मॉलिक्यूल्स को जर्मनी, जापान और सिंगापुर सहित ग्लोबल मार्केट में एक्सपोर्ट किया जाएगा, जिससे भारत और आंध्र प्रदेश दुनिया के मंच पर एक क्लीन एनर्जी एक्सपोर्टर के तौर पर मजबूती से अपनी जगह बना पाएंगे।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नरेश लोकेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि आंध्र प्रदेश ग्रीन एनर्जी का सऊदी अरब बनने के और करीब आ जाएगा। यह प्रोजेक्ट मौजूदा अमोनिया-यूरिया कॉम्प्लेक्स के ब्राउनफील्ड कन्वर्जन के जरिए डेवलप किया जा रहा है।

यह प्रोजेक्ट तीन चरणों में शुरू होगा और 2030 तक 1.5 मिलियन टन प्रति वर्ष तक पहुंच जाएगा।

धुंध के कारण प्लेन नहीं हुआ टेकऑफ, राष्ट्रपति नहीं पहुंची

1452 विद्यार्थियों को दी जा रही डिग्री

कन्वोकेशन में इस वर्ष कुल 1452 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जानी हैं। इनमें 1011 अंडरग्रेजुएट (बीटेक), 238 पोस्टग्रेजुएट (एमटेक), 21 एमबीए, 90 एमएससी तथा 92 पीएचडी डिग्रीधारक शामिल हैं। इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान 31 अवॉर्ड्स भी दिए जा रहे हैं, जिनमें 30 विषयवार पुरस्कार और एक ओवरऑल बीटेक टॉपर अवॉर्ड शामिल है। एनआईटी जालंधर में आयोजित यह समारोह विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए विशेष महत्व रखता है। हालांकि राष्ट्रपति के न पहुंच पाने से कुछ निराशा रही, लेकिन समारोह उत्साह और गरिमा के साथ जारी है।

जालंधर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। डॉ बीआर अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जालंधर का बहुप्रतीक्षित 21वां कन्वोकेशन शनिवार को औपचारिक रूप से शुरू हुआ। हालांकि इस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के शामिल होना था, लेकिन खराब मौसम के कारण उनके विमान को अमृतसर से टेक ऑफ की अनुमति नहीं मिल सकी। परिणामस्वरूप राष्ट्रपति का जालंधर दौरा रद्द करना पड़ा और वे कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकीं। राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में समारोह की शुरुआत राज्यपाल पंजाब गुलाबचंद कटारिया ने की। वे सुबह निर्धारित समय पर एनआईटी परिसर पहुंचे और कन्वोकेशन के मंच पर पहुंचते ही उनका औपचारिक स्वागत किया गया। बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष जे.एस. यादव ने कन्वोकेशन की रस्मी शुरुआत की और इसके बाद राज्यपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित किया।

कॉलेज ड्रॉप आउट स्टूडेंट ने मां के साथ मिलकर खोले 4200 अकाउंट

बेंगलुरु, 16 जनवरी (एजेंसियां)। देशभर में साइबर क्राइम की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। बेंगलुरु से भी एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 22 साल के युवक ने 4,200 अकाउंट खोले और इनके जरिए करोड़ों रुपये की ठगी की है। बेंगलुरु में 22 साल का युवक ज्यादा पैसों के लालच में साइबर क्राइम का बड़ा नेटवर्क चला रहा था। बेंगलुरु पुलिस ने इस मामले में मोहम्मद उजैफ नाम के युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उजैफ के साथ उसकी मां सबाना अब्दुल बारी को भी हिरासत में लिया है। मां-बेटे पर ऑनलाइन ठगी के जरिए करोड़ों रुपये इधर से उधर ट्रांसफर करने का आरोप है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, उजैफ बी.कॉम ड्रॉप आउट स्टूडेंट है। इस युवक ने ग्रेजुएशन की पढ़ाई बीच में छोड़कर मनी म्यूल नेटवर्क खड़ा किया।

राजोरी में मिली बैग में छिपी 3.50 किलो की आईईडी

पुंछ-सांबा में ड्रोन की फिर घुसपैठ

राजोरी/पुंछ/सांबा, 16 जनवरी (एजेंसियां)। सुरक्षाबलों ने वीरवार को पाकिस्तान और आतंकियों के दो बड़े षड्यंत्र विफल कर दिए। राजोरी के मंजाकोट क्षेत्र में आतंकियों ने भारी नुकसान पहुंचाने के लिए 3.50 किलोग्राम की आईईडी लगा रखी थी। इसे एक बैग में भरकर रखा गया था। सेना ने समय रहते इस विस्फोटक का पता लगाकर इसे निष्क्रिय कर दिया। इस बीच, पुंछ और सांबा जिले में नियंत्रण रेखा व अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी ड्रोन की फिर से घुसपैठ हुई। सुरक्षाबलों ने सांबा में एक ड्रोन मार गिराया है। हालांकि, आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) और भारतीय सेना की 49 आरआर को मंजाकोट पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले ककोड़ा गांव संदिग्ध गतिविधि की पुख्ता सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर दोनों बलों ने जंगली इलाके में तलाशी अभियान चलाया। तलाशी में झाड़ियों में छिपाकर रखा गया एक बैग मिला। जब सेना के बम निरोधक दस्ते ने बैग की जांच की तो उसमें से लगभग 3.50 किलोग्राम की आईईडी बरामद हुई। खतरे को देखते हुए सुरक्षाबलों ने तुरंत आईईडी को एक सुनसान जगह पर पहुंचाया और उसे सफलतापूर्वक डिफ्यूज कर दिया। इस कार्रवाई से किसी भी तरह के जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव के लिए अधिसूचना जारी, नितिन नबीन की ताजपोशी तय

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। रिटर्निंग ऑफिसर डॉ. के लक्ष्मण ने पूरा चुनाव कार्यक्रम जारी किया है। इस चुनाव को संगठन पर्व 2024 का नाम दिया गया है। अभी पार्टी ने नितिन नबीन को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। माना जा रहा है कि इस प्रक्रिया के बाद उन्हें ही पार्टी का अध्यक्ष नियुक्त किया जाएगा। पार्टी ने लिखा है कि बीजेपी का संगठन पर्व 2024 अपने गंतव्य की ओर अग्रसर है। पार्टी की जारी विज्ञप्ति में लिखा गया है कि आज राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया की आधिकारिक घोषणा जारी किया जा रहा है। पार्टी ने आज ही निर्वाचक मंडल की सूची जारी कर दी है।

पार्टी मुख्यालय में इस सूची का प्रकाशन किया गया है। इसके बाद 19 जनवरी को नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी। दोपहर 2 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं। 19 जनवरी को ही शाम 4 से 5 बजे तक नामांकन पत्रों की जांच होगी। इसके बाद शाम 5 से 6 बजे तक नाम वापस लिया जा सकता है। शाम साढ़े 6 बजे राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी बयान जारी करेंगे। अगर जरूरी हुआ तो 20 जनवरी को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कराया जाएगा।

कपिल मिश्रा पर एफआईआर

दिल्ली सरकार जल्द बुला सकती है विधानसभा का विशेष सत्र; पंजाब पुलिस के जवाब पर उठे सवाल

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ पंजाब पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर मामले में दिल्ली सरकार जल्द विधानसभा का विशेष सत्र बुला सकती है। जिसमें आगे की कार्यवाही पर फैसला लिया जाएगा। दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने पंजाब की फोरेंसिक लैब के निदेशक को नोटिस भेजकर कहा कि किस आधार पर आपने दिल्ली विधानसभा की संपत्ति यानी विधानसभा सदन के वीडियो पर अपनी रिपोर्ट दे दी।

कहा कि दिल्ली विधानसभा से वीडियो लेना उचित क्यों नहीं समझा। वहीं, दिल्ली विधानसभा के नोटिस पर पंजाब पुलिस के महानिदेशक सहित तीन अधिकारियों ने अपने जवाब दिल्ली विधानसभा को भेज दिए हैं, जिसमें दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर पर किसी ने भी संतोषजनक जवाब नहीं दिया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक ने कहा कि उनके परिवार में किसी का निधन हो गया है, इसलिए वह अभी उस प्रक्रिया में व्यस्त हैं और जवाब देने की स्थिति में नहीं है। जालंधर के पुलिस आयुक्त ने कहा कि राष्ट्रपति के कार्यक्रम के कारण वह उस आयोजन में व्यस्त हैं, इसलिए जवाब नहीं दे पाए हैं। वहीं, पंजाब के विशेष महानिदेशक (साइबर क्राइम) ने कहा कि वह रेफर किए गए मामलों पर एफआईआर दर्ज करते हैं, उनका सीधे तौर पर कोई मामला एफआईआर दर्ज करने का नहीं है। दिल्ली विधानसभा इन जवाबों को पंजाब पुलिस की बहानेबाजी मान रही है।

आईआरसीटीसी घोटाला

राबड़ी की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सीबीआई को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की याचिका पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को नोटिस जारी किया है। इस याचिका में उन्होंने कथित आईआरसीटीसी घोटाले मामले में ट्रायल कोर्ट द्वारा उनके खिलाफ आरोप तय करने के फैसले को चुनौती दी है। हाई कोर्ट ने आरोप तय करने के आदेश को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए सीबीआई से जवाब मांगा है। बता दें कि इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया था।

इस याचिका में तेजस्वी ने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें आईआरसीटीसी होटल घोटाला मामले में उनके और परिवार के सदस्यों के खिलाफ आपराधिक आरोप तय करने का निर्देश दिया गया था। मामले की संक्षिप्त सुनवाई के बाद जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की सिंगल-जज बेंच ने सीबीआई से जवाब मांगा और तेजस्वी यादव की आपराधिक रिवीजन याचिका के साथ-साथ ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाने की अर्जी पर भी नोटिस जारी किया था। अपनी याचिका में तेजस्वी यादव ने राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा पारित आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें आईआरसीटीसी घोटाले के संबंध में भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी से संबंधित अपराधों के लिए उनके और अन्य आरोपियों के खिलाफ आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त आधार पाए गए थे।

13 अक्टूबर 2025 को पारित एक आदेश में, राउज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज विशाल गोगने ने लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, उनके बेटे तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 120बी (आपराधिक साजिश) के साथ-साथ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत ट्रायल का रास्ता साफ कर दिया था।

वहीं, स्पेशल कोर्ट ने 29 मई को लालू प्रसाद यादव, उनके परिवार के सदस्यों, प्रेम गुप्ता, सरला गुप्ता और रेलवे अधिकारियों राकेश सक्सेना और पी.के. गोयल के खिलाफ आरोप तय करने के मुद्दे पर विस्तृत दलीलें सुनने के बाद अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। यह कथित घोटाला 2004 से 2009 के बीच का है, जब लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री थे। उनके कार्यकाल के दौरान तय नियमों का पालन किए बिना दो आईआरसीटीसी होटलों को लीज पर दिया गया था। इनमें से एक होटल सरला गुप्ता को अलॉट किया गया था, जो उस समय आरजेडी प्रमुख के करीबी सहयोगी और राज्यसभा सदस्य प्रेम गुप्ता की पत्नी हैं।

क्रॉकरी फैक्ट्री की लिफ्ट टूटकर गिरी दो मजदूरों की मौत

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। समयपुर बादली इलाके में क्रॉकरी बनाने वाली फैक्ट्री की लिफ्ट टूटकर गिर गई, जिससे दो श्रमिकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान 32 वर्षीय हरिओम और 45 वर्षीय संजय मिश्रा के रूप में हुई है। घटना के बाद पुलिस ने फैक्ट्री परिसर को सील कर दिया है, वहीं, लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर विस्तृत जांच शुरू कर दी है। लिफ्ट टूटने के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है।

मृतक हरिओम समयपुर बादली की गली नंबर नौ में ही रहते थे, जबकि संजय मिश्रा अपने परिवार के साथ सिरसपुर हरिजन बस्ती में निवास करते थे। पुलिस मालिक और प्रबंधन से पूछताछ कर रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि लिफ्ट का रखरखाव सही तरीके से हो रहा था या नहीं। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

तमिलनाडु में पावर शेयरिंग को लेकर कांग्रेस में मंथन

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में पावर शेयरिंग को लेकर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व और राज्य के नेताओं के बीच अहम बैठक होने जा रही है। यह बैठक कल यानि शनिवार (17 जनवरी) को शाम 4 बजे दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित होगी। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली में कल होने वाली इस बैठक में तमिलनाडु कांग्रेस की ओर से पावर शेयरिंग एग्रीमेंट की औपचारिक मांग रखी जाएगी। पार्टी नेताओं की मांग है कि राज्य सरकार में कांग्रेस को कम से कम 6 मंत्री पद दिए जाएं। जानकारी के मुताबिक इस हाई-लेवल मीटिंग में कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता विपक्ष और सांसद राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, तमिलनाडु कांग्रेस के अध्यक्ष प्रभारी गिरीश, सांसद मानिक टैगोर समेत कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

'तमिलनाडु में मौजूदा सीट शेयरिंग से ज्यादा हिस्सेदारी मिलनी चाहिए'

कांग्रेस के कुछ प्रदेश स्तरीय नेताओं का मानना है कि पार्टी को तमिलनाडु में मौजूदा सीट शेयरिंग से ज्यादा हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक लोकसभा में कांग्रेस लगभग 25 फीसदी सीटों पर चुनाव लड़ती है। यानि की कुल 40 में से 10 सीटें, जबकि विधानसभा में सिर्फ करीब 10 फीसदी सीटें (234 में से 25) मिलती हैं। इस असंतुलन को भी ठीक किया जाना जरूरी है। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस पार्टी अब 2021 में मिली 25 विधानसभा सीटों के मुकाबले 35 से 40 सीटों की मांग पर विचार कर रही है। इसी बीच अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी टीवीके (टीवीके) के उभार के बाद कांग्रेस के भीतर राजनीतिक समीकरणों को लेकर हलचल तेज हो गई है।

'टीवीके के साथ संभावित गठबंधन की पैरवी'

कांग्रेस सूत्रों ने एबीपी न्यूज को बताया कि कई नेता जमीनी सर्वे और विजय की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए टीवीके के साथ संभावित गठबंधन की पैरवी कर रहे हैं। हालांकि, दूसरी ओर डीएमके ने गठबंधन सरकार को लेकर सख्त रुख अपनाया है। तमिलनाडु सरकार में कैबिनेट मंत्री पेरियासामी ने साफ कहा है कि राज्य में कोई भी गठबंधन सरकार नहीं बनेगी।

इनकम टैक्स का बीआर गोयल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड पर छापा

इंदौर में ऑफिस-घर पर चल रहा सर्वे, दस्तावेजों और डिजिटल डेटा की हो रही जांच

इंदौर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर में इनकम टैक्स विभाग ने सड़क निर्माण करने वाली कंपनी बीआर गोयल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के ठिकानों पर छापा मारा है। कंपनी के सपना-संगीता रोड स्थित कार्यालय और कंपनी के डायरेक्टर के घर पर सर्वे चल रहा है। शुक्रवार अलसुबह इनकम टैक्स की टीमें इन ठिकानों पर पहुंचीं और कार्रवाई शुरू की। इस दौरान दस्तावेजों और डिजिटल डेटा की विशेष रूप से जांच की जा रही है। बीआर गोयल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड इंदौर की एक प्रमुख निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी है। कंपनी की स्थापना 1986 में हुई थी। 2005 में यह प्राइवेट लिमिटेड बनी और बाद में पब्लिक लिमिटेड कंपनी में परिवर्तित हुई।

यह कंपनी सड़क, राजमार्ग, पुल और इमारतों के निर्माण के साथ-साथ आरएमसी (रेडी मिक्स कंक्रीट) की आपूर्ति, टोल कलेक्शन और इंदौर में बीआरजी हिल व्यू जैसे आवासीय प्रोजेक्ट्स का संचालन करती है। इसके अलावा कंपनी देशभर में अलग-अलग इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में सक्रिय है। इनकम टैक्स विभाग को कंपनी के कामकाज, बड़े पैमाने पर लेन-देन और टैक्स में गड़बड़ी से संबंधित सूचनाएं मिली थीं। इसी के आधार पर शुक्रवार सुबह सर्वे की कार्रवाई शुरू की गई। फिलहाल कार्रवाई जारी है।

राहुल गांधी की मीटिंग को नहीं मिली मंजूरी

अब सिर्फ बॉम्बे हॉस्पिटल और भागीरथपुरा जाएंगे, दूषित पानी से अब तक 24 मौतें

इंदौर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी के कारण अब तक 24 लोगों की मौत के बाद हालात का जायजा लेने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार 17 जनवरी को इंदौर आ रहे हैं। हालांकि, इस दौरान इंदौर में कांग्रेस नेताओं और नगरीय जनप्रतिनिधियों के साथ प्रस्तावित बैठक को प्रशासन से अनुमति नहीं मिल पाई है। कांग्रेस ने प्रदेशभर के पार्षदों, महापौरों, नगर पालिका और नगर परिषद अध्यक्षों व उपाध्यक्षों के साथ राहुल गांधी की बैठक के लिए अभय प्रशाल और आनंद मोहन माथुर सभागार में कार्यक्रम प्रस्तावित किया था। इसके लिए करीब एक हजार लोगों की मौजूदगी की अनुमति मांगी गई थी, लेकिन जिला प्रशासन ने बैठक को मंजूरी नहीं दी।

कांग्रेस बोली- अनुमति नहीं मिलने से बैठक रद्द

कांग्रेस के संगठन प्रभारी डॉ. संजय कामले ने बताया कि प्रशासन से अनुमति नहीं मिलने के कारण बैठक को रद्द करना पड़ा है। अब राहुल गांधी का इंदौर दौरा सीमित कार्यक्रम तक ही रहेगा।

अब सिर्फ पीड़ित परिवारों से मुलाकात करेंगे राहुल

राहुल गांधी इंदौर पहुंचने के बाद पहले बॉम्बे हॉस्पिटल जाएंगे, जहां वे दूषित पानी से बीमार हुए मरीजों और उनके परिजन से मुलाकात करेंगे। इसके बाद वे भागीरथपुरा पहुंचकर उन परिवारों से मिलेंगे, जिनके परिजनों की दूषित जल के कारण मौत हुई है। राहुल गांधी के दौरे को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है।

राहुल गांधी का शेड्यूल आज से 31 जनवरी तक कांग्रेस का प्रदेशव्यापी आंदोलन

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने 17 से 31 जनवरी 2026 तक आंदोलन की घोषणा की है। यह आंदोलन मनरेगा में बदलाव कर कानूनी अधिकारों की बहाली, इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों और प्रदेश में बिगड़ती जल गुणवत्ता के विरोध में किया जाएगा।

राहुल के दौरे से आंदोलन की शुरुआत

आंदोलन का पहला चरण 17 जनवरी को होगा। इस दिन शहरी जिला कांग्रेस कमेटियां भागीरथपुरा की घटना और जल गुणवत्ता के मुद्दे पर जिला स्तर पर एक दिवसीय उपवास रखेंगी। यह उपवास सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक रहेगा। ग्रामीण जिलों में भी मनरेगा और जल गुणवत्ता को लेकर उपवास आयोजित किए जाएंगे। दूसरा चरण 18 से 31 जनवरी तक चलेगा, जिसमें जनजागरूकता अभियान, जल गुणवत्ता से जुड़े तथ्य और साक्ष्य जुटाने, दूषित जल स्रोतों, सीवेज लाइनों और औद्योगिक अपशिष्ट क्षेत्रों के आसपास पानी की जांच जैसे कार्यक्रम किए जाएंगे।

इंजीनियरिंग स्टूडेंट को महंगी पड़ी हवाबाजी, 70 हजार की सेकंड हैंड कार पर कटा एक लाख का चालान

कन्नूर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। केरल के एक इंजीनियरिंग स्टूडेंट के लिए न्यू ईयर की शाम एक लाख रुपये का चालान लेकर आई। बेंगलुरु के परिवहन अधिकारियों ने शहर की सड़कों पर आग उगलने वाली अवैध रूप से संशोधित कार चलाने के लिए युवक पर 1.1 लाख रुपये का भारी जुर्माना लगा दिया। कन्नूर जिले के एक युवक ने 2002 मॉडल की एक पुरानी होंडा सिटी 70,000 रुपये में खरीदी और उसमें अवैध संशोधन कराए। युवक ने कार को शोर मचाने वाली और आग उगलने वाली कार में बदलाव किया। बेंगलुरु की सड़कों पर दौड़ती इस कार पर पुलिस का ध्यान भी गया। केरल के यह स्टूडेंट नए साल के मौके पर बेंगलुरु में पार्टी करने आया था, तब इसने खतरनाक स्टंट करते हुए वीडियो बनाए और इन वीडियो को सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया।

इस वीडियो को देखकर लोगों ने पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया, 'युवक दोस्तों के साथ नए साल का जश्न मनाने बेंगलुरु आया था और वह लगातार कार की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट कर रहा था।

भाजपा ने मनरेगा की आत्मा खत्म की, गरीबों के अधिकारों पर सीधा प्रहार : सैलजा

अंबाला, 16 जनवरी (एजेंसियां)। सिरसा से कांग्रेस सांसद, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने मनरेगा जैसी ऐतिहासिक और जनकल्याणकारी योजना को सुनियोजित ढंग से कमजोर किया है, जिसके चलते आज देशभर में गहरा जनआक्रोश देखने को मिल रहा है। वे आज अंबाला में पत्रकारों से बात कर रही थीं। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि जमीनी सच्चाई यह है कि गरीबों को न तो 100 दिन का रोजगार मिल रहा है, न समय पर मजदूरी का भुगतान हो रहा है और न ही व्यवस्था में किसी प्रकार की जवाबदेही शेष बची है।

मजदूरों को काम के लिए भटकना पड़ रहा है और भुगतान के लिए महीनों इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और अधिक बदहाल हो गई है। कुमारी सैलजा ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस की आपत्ति केवल मनरेगा के नाम परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि असली और गंभीर मुद्दा यह है कि भाजपा सरकार ने महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज और गरीबों के अधिकारों की मूल भावना को ही कमजोर कर दिया है। मनरेगा कोई साधारण योजना नहीं थी, बल्कि यह गरीबों का कानूनी अधिकार था, जिसमें रोजगार की गारंटी के साथ-साथ बेरोजगारी भत्ता तक का प्रावधान किया गया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जानबूझकर इस कानून की आत्मा को समाप्त करना चाहती है, ताकि गरीब, मजदूर और ग्रामीण जनता अपने अधिकारों से वंचित रह जाए। मनरेगा के माध्यम से गांवों में सम्मानजनक रोजगार, पलायन पर रोक और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती थी, लेकिन मौजूदा नीतियों के कारण यह पूरी व्यवस्था चरमरा गई है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस जनविरोधी सोच के खिलाफ सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष जारी रखेगी और गरीबों के संवैधानिक व कानूनी अधिकारों की रक्षा के लिए हर मंच पर मजबूती से आवाज उठाती रहेगी।

सुविचार: कलह पर विजय पाने के लिए मौन से बड़ा कोई अस्त्र नहीं!

सदरमत बैराज का नाम पी. नरसा रेड्डी के नाम पर होगा : रेवंत रेड्डी

>> सीएम ने कहा सदरमत बैराज से हजारों एकड़ जमीन की सिंचाई

>> पिछड़े समुदायों का विकास सरकार का मुख्य लक्ष्य है

>> बासर में यूनिवर्सिटी बनाने के लिए कदम उठाए गए हैं

निर्मल, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को निर्मल ज़िले के मामडा मंडल में पोंकल गांव के पास बने सदरमत बैराज का औपचारिक उद्घाटन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सदरमत बैराज से हज़ारों एकड़ जमीन की सिंचाई होगी। अक्टूबर 2016 में शुरू हुए इस प्रोजेक्ट को 676.592 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है और इसके लिए 1,176 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया गया है।

सीएम ने कहा कि इस बैराज से निर्मल ज़िले के कडेम और खानपुर मंडल में 12 हज़ार एकड़ और जगतियाल ज़िले के इब्राहिमपट्टनम और मल्लापुर इलाकों में 5 हजार एकड़, कुल 18,016 एकड़ जमीन की सिंचाई होगी। बताया गया कि इस प्रोजेक्ट के तहत कडेम, खानपुर और कोरुतला मंडल के 34 गांवों को सिंचाई का पानी मिलेगा। उन्होंने कहा कि पुराने सदरमत एनीकट और गंगानाला आयाकट को स्थिर करने के लिए सिंचाई की जरूरतों के हिसाब से 1.58 टीएमसी स्टोरेज कैपेसिटी वाला पानी छोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य किसानों की भलाई है और रायथु बंधु, रायथु भरोसा और कर्ज माफी जैसी योजनाओं के साथ-साथ खरीद केंद्रों के ज़रिए सपोर्ट प्राइस पर फसलें खरीदी जा रही हैं।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को निर्मल शहर के एनटीआर मिनी स्टेडियम में एक पब्लिक मीटिंग में भी हिस्सा लिया। इस मौके पर सीएम ने कहा कि सरकार राज्य के सभी वर्गों के विकास के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य कई योजनाओं के साथ आगे बढ़ेगा, जैसे कि नए राशन कार्ड देना, जो देश में पहले कभी नहीं हुआ, और महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, मुफ्त बिजली और सस्ता चावल। उन्होंने याद दिलाया कि महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा देने के अलावा, महिला ग्रुप की सदस्यों को एक हजार बसों का मालिक बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद के बीचों-बीच महिला ग्रुप्स को 1,000 करोड़ रुपये की जमीन दी गई है और उन्हें अपने प्रोडक्ट्स बेचने के लिए बढ़ावा दिया जा रहा है। तेलंगाना राज्य को देश का नंबर वन राज्य बनाया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि जिले के लोगों की इच्छा के अनुसार बासरा में एक यूनिवर्सिटी बनाई जाएगी। इसके लिए जरूरी प्लान तैयार करने का आदेश दिया। संयुक्त आदिलाबाद जिले के किसानों को सिंचाई का पानी दिया जाएगा। जिन गरीबों के पास घर नहीं हैं, उन्हें रहने की जगह देने के लिए इंदिराम्मा हाउस बनाए जा रहे हैं। वे जमीन के छोटे प्लॉट के लिए 500 रुपये का बोनस देकर किसानों को बढ़ावा दे रहे हैं। आदिलाबाद जिले में दस हजार एकड़ एरिया में एक इंडस्ट्रियल एस्टेट बनाया जाएगा। उन्होंने भरोसा जताया कि इससे ज़िले के युवाओं को नौकरी और रोजगार के काफ़ी मौके मिलेंगे। निर्मल ज़िले को पलामुरु जिले की तरह ही फंड दिया जाएगा और ज़िले का पूरी तरह से विकास किया जाएगा। फरवरी के पहले हफ्ते में अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ मीटिंग की जाएगी और जिले के विकास के लिए कदम उठाए जाएंगे। चनाका कोरटा और सदरमत बैराज से ये जमीनें उपजाऊ हो जाएंगी।

बाद में, मुख्यमंत्री, मंत्रियों और डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर अभिलाषा अभिनव ने मिलकर डिस्ट्रिक्ट रूरल डेवलपमेंट ऑर्गनाइज़ेशन के महिला ग्रुप्स को लोन चेक दिए। निर्मल उत्सव की दीवार पर लगी कॉपियों का अनावरण किया गया।

हम किसानों को पूरी सिंचाई देंगे : मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने साफ़ किया कि हम राज्य के किसानों को पूरी सिंचाई देंगे। उन्होंने कहा कि संयुक्त आदिलाबाद जिले में हर एकड़ तक सिंचाई का पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि तुम्मिडी हेट्टी प्रोजेक्ट का काम शुरू किया जाएगा और सिंचाई की व्यवस्था की जाएगी। संयुक्त ज़िले के सभी प्रोजेक्ट्स को मॉडर्नाइज किया जाएगा। सत्ता में आने के बाद से हम बचे हुए प्रोजेक्ट्स का काम पूरा कर रहे हैं। हम राज्य के सभी गरीब लोगों को अच्छी क्वालिटी का चावल दे रहे हैं।

जिला इंचार्ज मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा कि कंबाइंड आदिलाबाद जिले में टूरिज्म सेक्टर को डेवलप किया जाएगा। सरकार गरीबों की भलाई के लिए काम कर रही है और हर विधानसभा क्षेत्र में 3,500 इंदिराम्मा घरों का कंस्ट्रक्शन शुरू किया गया है, जिसका मकसद देश में कहीं भी घर न रखने वाले सभी गरीबों के लिए घर का सपना पूरा करना है।

इससे पहले, आदिलाबाद के पार्लियामेंट मेंबर गोदाम नागेश ने कहा कि कंबाइंड आदिलाबाद जिले को और डेवलप करने की जरूरत है। उन्होंने स्पेशल फंड देने की मांग की।

निर्मल विधायक येलेटी महेश्वर रेड्डी ने कहा कि जिले के सभी प्रोजेक्ट्स को मॉडर्नाइज़ किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्मल म्युनिसिपैलिटी के डेवलपमेंट के लिए जरूरी फंड दिए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि जेडपी बिल्डिंग के कंस्ट्रक्शन के साथ-साथ सड़कों और पुलों की मरम्मत की जानी चाहिए। निर्मल जिले के बड़े डेवलपमेंट के लिए जरूरी फंड दिए जाने चाहिए।

इस कार्यक्रम में जिला इंचार्ज मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव, लेजिस्लेटिव काउंसिल के सदस्य डांडे विट्ठल और अंजी रेड्डी, विधायक वेदमा बोज्जू पटेल और पवार रामा राव पटेल, डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर अभिलाषा अभिनव, एडिशनल कलेक्टर फैजान अहमद, एसपी जानकी शर्मिला और किशोर कुमार, भैंसा सब-कलेक्टर अजमीरा संकेत कुमार, आरडीओ रत्ना कल्याणी, एग्रीकल्चरल मार्केट कमेटी के चेयरमैन, पब्लिक रिप्रेजेंटेटिव, दूसरे ऑफिसर और स्टाफ व अन्य शामिल हुए।

मेट्रो रेल को एलएंडटी से अपने नियंत्रण में लेने की प्रक्रिया तेज करे राज्य सरकार : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शुक्रवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को एक खुला पत्र लिखकर हैदराबाद मेट्रो रेल फेज-2 के कार्यों की प्रगति पर चिंता जताई है।

पत्र में किशन रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार ने यातायात समस्या के समाधान और परिवहन सुविधाओं के विस्तार के लिए हैदराबाद मेट्रो के दूसरे चरण के निर्माण की अनुमति केंद्र सरकार से मांगी थी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार पहले ही घोषणा कर चुकी है कि वर्तमान में संचालित मेट्रो के पहले चरण को एलएंडटी कंपनी से अपने नियंत्रण में लेकर स्वयं संचालन करेगी।

किशन रेड्डी ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर मेट्रो के दूसरे चरण के निर्माण पर चर्चा की है।

केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट किया कि पहले चरण को एलएंडटी से अपने नियंत्रण में लेने से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं, समझौते और लेनदेन पूरे होने के बाद ही दूसरे चरण पर केंद्र सरकार आगे की कार्रवाई करेगी।

उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार के बीच संयुक्त समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है, जिसमें दो अधिकारी राज्य सरकार और दो अधिकारी केंद्र सरकार से होंगे। इस समिति का उद्देश्य पहले चरण के अधिग्रहण और दूसरे चरण की तैयारी करना है। किशन रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य से समिति के लिए अधिकारियों के नाम भेजने को कहा था, लेकिन अब तक नाम नहीं भेजे गए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि अधिकारियों के नाम तत्काल भेजे जाएं, बैठक की व्यवस्था की जाए और मेट्रो नेटवर्क को जल्द से जल्द एलएंडटी से अपने नियंत्रण में लिया जाए, ताकि दूसरे चरण के प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजे जा सकें।

18 को मेडारम में होगी तेलंगाना मंत्रिमंडल की ऐतिहासिक बैठक

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के इतिहास में पहली बार मंत्रिमंडल की बैठक राजधानी हैदराबाद से बाहर किसी धार्मिक स्थल पर आयोजित की जा रही है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सरकार ने यह बैठक प्रसिद्ध आदिवासी तीर्थस्थल मेडारम में आयोजित करने का निर्णय लिया है। यह मंत्रिमंडल बैठक रविवार, 18 जनवरी को शाम 5 बजे मुलुगु जिले के मेडारम स्थित हरिता होटल में होगी। आमतौर पर मंत्रिमंडल की बैठकें सचिवालय में आयोजित होती हैं, लेकिन इस बार इसे आदिवासी क्षेत्र में आयोजित किया जा रहा है। मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने शुक्रवार को इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी किए।

सूत्रों के अनुसार बैठक का मुख्य एजेंडा मेडारम सम्मक्का-सरलम्मा जातरा की तैयारियों की समीक्षा करना और आदिवासी क्षेत्रों के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लेना है। इसके साथ ही राज्य बजट, नगर निकाय चुनाव और किसानों से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं पर भी अहम फैसले लिए जाने की संभावना है। इस महत्वपूर्ण बैठक की जानकारी उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, सभी मंत्रियों, योजना आयोग के उपाध्यक्ष और सरकारी सलाहकारों को दे दी गई है। वहीं, मुलुगु जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को बैठक की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

शब-ए-मेराज को लेकर फ़्लाईओवरों पर यातायात प्रतिबंध

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शब-ए-मेराज के अवसर पर यातायात नियंत्रण और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हैदराबाद शहर के सभी फ़्लाईओवर, नेकलेस रोड सहित, 16 और 17 जनवरी की मध्यरात्रि को रात 10 बजे के बाद बंद रहेंगे। हालांकि ग्रीनलैंड्स फ़्लाईओवर, पीवीएनआर एक्सप्रेस-वे और लंगर हाउस फ़्लाईओवर इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। इसके अलावा आवश्यकता के अनुसार तेलंगाना तल्ली, शेखपेट, मनमोहन सिंह और बहादुरपुरा एक्स रोड फ़्लाईओवर भी बंद किए जा सकते हैं।

संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) डी. जोएल डेविस ने यात्रियों से अपील की है कि वे शहर पुलिस के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यातायात से जुड़ी ताजा जानकारी प्राप्त करते रहें। इसके लिए हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस के फेसबुक पेज और ट्विटर हैंडल का उपयोग किया जा सकता है। किसी भी आपात स्थिति में यात्रा सहायता के लिए यातायात हेल्पलाइन नंबर 9010203626 पर संपर्क करने की अपील की गई है। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे यातायात डायवर्जन की जानकारी ध्यान में रखें, वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस के साथ सहयोग करें।

सबरीमाला से लौट रहे दंपति की सड़क हादसे में मौत

कन्याकुमारी में अज्ञात वाहन की टक्कर

मंचेरियल, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केरल के सबरीमाला तीर्थयात्रा पर गए लक्सेट्टीपेट कस्बे के एक दंपति की

तमिलनाडु के कन्याकुमारी कस्बे में गुरुवार शाम सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों और पुलिस के अनुसार, कन्याकुमारी कस्बे के बाहरी इलाके में रात करीब नौ बजे किराना दुकान के मालिक कलाकुर्थी सत्यनारायण (63) और उनकी पत्नी रमादेवी (59) सड़क पार कर रहे थे, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई।

बताया गया कि दंपति अय्यप्पा भक्तों के साथ छह जनवरी को निजी बस किराए पर लेकर सबरीमाला तीर्थयात्रा पर निकले थे। उन्होंने शबरी स्थित अय्यप्पा स्वामी मंदिर में दर्शन किए और वापस मंचेरियल लौट रहे थे। इसी दौरान वे कन्याकुमारी में पर्यटक स्थलों और मंदिरों के दर्शन के लिए कुछ देर रुके थे। पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ हिट एंड रन का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शवों को पोस्टमार्टम के बाद लक्सेट्टीपेट कस्बे ले जाया जा रहा है। मृतक दंपति के परिवार में दो बेटियां हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I. No. 14667591M, NK, Borse Pankaj Pandurang, R/o, Dist: Dhule, Maharashtra, changed my Father's name from Pandurang to Pandurang Babulal Borse, vide Affidavit No 284287 dt. 12.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No 14667591M, NK, Borse Pankaj Pandurang, R/o, Dist: Dhule, Maharashtra, changed my Mother's name from Lata Borse to Latabai Pandhurang Borase, vide Affidavit No. 284289 dt. 12.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14667591M, NK, Borse Pankaj Pandurang, R/o, Dist: Dhule, Maharashtra, changed my Daughter's name from Vaishnavi to Vaishnavi Pankaj Borse, vide Affidavit No. 284291 dt. 12.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I , No. 14667304X, NK, Shankarling Khaski, R/o, Dist: Bijapur, Karnataka, changed my Father's name from Kantappa Khaski to Kantappa Chandramappa Khaski, vide Affidavit No. 284298 dt. 12.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I , No.14669630Y, NK, Kishore Maharana,R/o, Dist: Balasore, Odisha, changed my Mother's name from Sunati Maharana to Basanti Maharana, vide Affidavit No.284306 dt.13.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No.14668478K, NK, Deep Chandra Sati,R/o, Dist: Nainital, Uttarakhand changed my Mother's name from Champa Sati to Champa, vide Affidavit No 284294 dt.12.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

संपत कुमार के खिलाफ एसआईटी जांच की मांग

बीआरएस नेताओं ने लगाए गंभीर आरोप

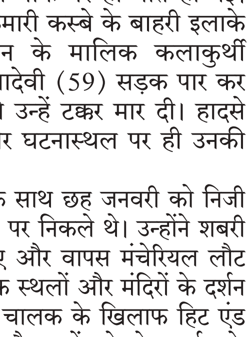

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेताओं ने एआईसीसी सचिव और पूर्व कांग्रेस विधायक संपत कुमार पर गंभीर आरोप लगाते हुए राज्य सरकार से उनके कथित भूमि अतिक्रमण, धमकियों, जबरन वसूली और सत्ता के दुरुपयोग की जांच के लिए विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित करने की मांग की है। शुक्रवार को तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व टीजीएमडीसी अध्यक्ष मन्ने कृशांक ने कहा कि श्री भ्रमरा इंफ्रास्ट्रक्चर नामक निजी कंपनी ने संपत कुमार और उनके सहयोगियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कंपनी के प्रतिनिधियों को जानलेवा हथियारों से धमकाया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि संपत कुमार ने अपने चुनावी हलफनामे में जमीन न होने की जानकारी दी थी, जबकि बाद में उन्होंने हाल ही में आवंटित भूमि को अपनी पत्नी के नाम पर पंजीकृत करा लिया। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस नेता ने अधिकारियों पर दबाव बनाकर अपने परिवार से जुड़ी कंपनियों को निविदाएं और ठेके दिलवाए। मन्ने कृशांक ने कहा कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद संपत कुमार ने दबाव बनाकर 100 बिस्तरों वाले सरकारी अस्पताल का ठेका अपने बेटे की कंपनी ग्लोबेन को दिलवाया, लेकिन पिछले नौ महीनों से कर्मचारियों को वेतन नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि विपक्षी नेताओं और पत्रकारों के खिलाफ एसआईटी गठित करने वाली सरकार क्या कांग्रेस नेता के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई करेगी।

पुराना पुल घटना की बीआरएस ने की निंदा

साम्प्रदायिक अशांति पर कांग्रेस सरकार को ठहराया जिम्मेदार

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के वरिष्ठ नेता शेख अब्दुल्ला सोहेल ने पुराना पुल में हुई घटना की कड़ी निंदा की है और तेलंगाना में बढ़ती साम्प्रदायिक घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह घटना एक बार फिर कानून-व्यवस्था बनाए रखने और साम्प्रदायिक सौहार्द सुनिश्चित करने में कांग्रेस सरकार की विफलता को उजागर करती है। सोहेल ने आरोप लगाया कि दिसंबर 2023 में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से राज्य में लगातार साम्प्रदायिक घटनाएं सामने आ रही हैं और लगभग हर सप्ताह किसी न किसी इलाके से तनाव की खबर आ रही है।

उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं से आम नागरिकों में भय का माहौल बन रहा है और राज्य की छवि एक शांतिपूर्ण व प्रगतिशील प्रदेश के रूप में प्रभावित हो रही है। उन्होंने कांग्रेस सरकार के सुशासन के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि बार-बार होने वाली घटनाएं प्रशासनिक कमजोरी और गंभीरता की कमी को दर्शाती हैं। बीआरएस नेता ने कहा कि पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार के कार्यकाल में सख्त पुलिसिंग और सतर्कता के कारण राज्य में शांति बनी रही। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार की ढिलाई और असामाजिक तत्वों के खिलाफ ठोस कार्रवाई न होने से ऐसे तत्वों का हौसला बढ़ा है। अब्दुल्ला सोहेल ने सरकार से स्थिति की पूरी जिम्मेदारी लेने, संवेदनशील क्षेत्रों में निवारक पुलिसिंग मजबूत करने और दोषियों के खिलाफ निष्पक्ष व सख्त कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने हैदराबाद और तेलंगाना के लोगों से शांति बनाए रखने और सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने वाली ताकतों से सतर्क रहने की अपील की।

आज निकलेगी सिकंदराबाद बचाओ रैली

केटी रामाराव रहेंगे शामिल

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव पार्टी के निर्वाचित प्रतिनिधियों और नेताओं के साथ सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से एमजी रोड स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा तक निकाली जाने वाली बचाओ सिकंदराबाद रैली में भाग लेंगे। सुबह 9 बजे शुरू होने वाली इस रैली में नागरिक संगठनों, गैर सरकारी संगठनों, आवासीय कल्याण संघों और व्यापारी संगठनों के सदस्य भी शामिल होंगे। शुक्रवार को मीडियाकर्मियों से बातचीत में पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि यह रैली कांग्रेस सरकार द्वारा सिकंदराबाद के नाम और पहचान को मिटाने के प्रयासों के विरोध में निकाली जा रही है, जिसका 220 वर्षों से अधिक का इतिहास और सांस्कृतिक विरासत है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रमुख सरकारी कार्यालयों को स्थानांतरित कर और शहर को आसपास के क्षेत्रों के नाम पर बने नगर निगमों व पुलिस आयुक्तालयों में मिलाकर नाम बदलने की साजिश की जा रही है। उत्तर जोन आयुक्त कार्यालय को सिकंदराबाद से मलकाजगिरि स्थानांतरित किया जाना भी इसी योजना का हिस्सा बताया गया।

उन्होंने कहा कि पुलिस आयुक्तालयों का हालिया विलय जनता से परामर्श किए बिना अवैध रूप से किया गया है। ऐसे एकतरफा फैसले आत्मसम्मान और पहचान के लिए खतरा हैं, जिन्हें बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सिकंदराबाद के हर परिवार से शनिवार को होने वाली विशाल रैली में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि सरकार पर दबाव बनाने का यही सही समय है। सनतनगर विधायक ने कांग्रेस पर तुगलक जैसी सरकार चलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 420 से अधिक वादों के साथ सत्ता में आई कांग्रेस उन्हें पूरा करने में विफल रही है और अब मनमाने फैसलों से जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने सिकंदराबाद के सांस्कृतिक महत्व, ऐतिहासिक स्थलों और लश्कर बोनालू जैसे त्योहारों के संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने सभी सामुदायिक संगठनों और राजनीतिक दलों से शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की। साथ ही कहा कि यदि पुलिस रैली की अनुमति नहीं देती है तो वे आवश्यक कार्रवाई के लिए उच्च न्यायालय का रुख करेंगे।

रेवंत रेड्डी को किसानों से ज्यादा चुनावों की चिंता

आदिलाबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री जोगु रामन्ना ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को किसानों की समस्याओं से ज्यादा चुनावों में रुचि है। शुक्रवार तड़के मुख्यमंत्री के जिले के दौरे का विरोध करने की घोषणा पर उन्हें और बीआरएस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। रामन्ना ने कहा कि अपने दो साल के कार्यकाल में रेवंत रेड्डी सिंचाई क्षेत्र को मजबूत करने में पूरी तरह विफल रहे हैं और अब तक एक एकड़ भूमि की भी सिंचाई सुनिश्चित नहीं कर पाए हैं।

उन्होंने कहा कि इसके विपरीत पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना और चानाका-कोराटा जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की परिकल्पना कर बड़े पैमाने पर धनराशि आवंटित की, जिससे सिंचाई क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया।

पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि आगामी नगर निगम चुनावों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री निर्मल और आदिलाबाद जिलों का दौरा कर रहे हैं। उनका कहना था कि रेवंत रेड्डी का ध्यान किसानों की समस्याओं के समाधान पर नहीं, बल्कि चुनावी राजनीति पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को सोयाबीन और कपास किसानों की समस्याओं की कोई चिंता नहीं है और वे केवल चुनावों और राजनीतिक गतिविधियों में ही व्यस्त रहते हैं।

अफवाहों पर पूर्व आईपीएस अधिकारी ने दी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के महासचिव और पूर्व आईपीएस अधिकारी आर.एस. प्रवीण कुमार ने सोशल मीडिया पर उनके पार्टी बदलने को लेकर फैल रही झूठी खबरों की कड़ी निंदा की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह खबरें पूरी तरह निराधार हैं और इन्हें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आर.एस. प्रवीण कुमार ने कहा कि बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ झूठा प्रचार किया जा रहा है, जिससे भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने इस तरह की अफवाहों पर गंभीर चिंता जताई।

उन्होंने कहा कि कुछ संगठन और सोशल मीडिया हैंडल समाज के हित से जुड़ी खबरों पर ध्यान देने के बजाय टीआरपी और रेटिंग बढ़ाने के लिए फर्जी खबरें फैला रहे हैं, जो बेहद निंदनीय है। प्रवीण कुमार ने साफ शब्दों में कहा कि उनके बारे में झूठी खबरें फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और जरूरत पड़ी तो उनके खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

हैदराबाद में टीजीएसआरटीसी बस सेवा में अव्यवस्था

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाकों में टीजीएसआरटीसी बस सेवाओं की कम आवृत्ति और अनियमित समय तालिका के कारण सुबह के समय यात्रियों को विशेष रूप से कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। यह समस्या पहाड़िशरीफ, शाहीनगर, थुक्कूगुडा और आसपास के क्षेत्रों में गंभीर रूप से देखने को मिल रही है। महेश्वरम के एक सरकारी कॉलेज में पढ़ने वाले एक इंटरमीडिएट छात्र ने बताया कि केशमपेट जाने वाली बस सुबह 9:30 बजे आती है और वे कॉलेज लगभग 10 बजे पहुंच पाते हैं। छात्रा नजमा बेगम ने कहा कि उचित बस स्टॉप न होने के कारण उन्हें सड़क पर खड़ा होना पड़ता है और दुकानदार उन्हें डांटते हैं।

यात्रियों का कहना है कि बसें अक्सर समय पर नहीं आतीं, कभी तीन-चार बसें एक साथ आती हैं और कभी लंबा इंतजार करना पड़ता है। कई बार ड्राइवर बसों को निर्धारित स्टॉप पर नहीं रोकते या तेज़ी से चलाते हैं।

CAUTION NOTICE

The General Public are hereby informed that my clients Mr.H.Ramesh Kumar S/o Late Budappa, Mr. H.Durga Prasad S/o Late Budappa both R/o Hyderabad are Joint owners and having one share each respectively in House property bearing No.14-9-69 (Old No 69/1) consisting of Ground and First floor admeasuring 38 Square Yards situated at CHUDI BAZAR JINSI CHOWRAHI Hyderabad (PTIN No 1051406384) hereinafter referred to as "SCHEDULE PROPETY".

1. That Originally the said Schedule Property belonged to my client's father Sri Budappa S/o Malkaji purchased the same under a registered sale deed vide document No 755/1951. That after the death of Sri Budappa intestate, his three sons i.e. my clients and another son by name Hameelpur Dhanu Lal inherited the said property, equally, that H.Dhaunlal expired on 20-1-1991 leaving behind him his legal heirs Smt H.Ratna Bai, two daughters, Smt U.Sunitha, Smt H.Renna and sons H.Sandeep, & H.Preetam Kumar who also inherited a share in the schedule property, being legal heirs of Late H.Dhanu Lal along with my clients...

2 That it is learnt that Legal heirs of Late H.Dhanu lal - his wife, two daughters, and two sons are trying to alienate the schedule property to some third person without my clients consent., as such the General Public is hereby cautioned, not to enter into any type of sale and purchase agreement in respect of above referred schedule property., inspite of this notice if any person or persons enter into any transaction in respect of schedule property then in that case they are doing so at their own risk, cost and they will have to face the legal consequences.

(Pramod kinhalkar) Advocate
Sylvan Shelter, Flat No. 209,
Gaddiannaram, Dilsuknagar,
Hyderabad. Mobile. No.9246545804.

PUBLIC NOTICE

The general public is hereby informed that our client Sri. Srinivas Alladi S/o Sri.DinamanyAlladi R/o 5-1-235, JPN Nagar, Miyapur, Tirumalgiri, Hyderabad. T.S. is intending to purchase Plot bearing No. 43/3, admeasuring 120.0sq.yards or 100.33 sq.meters.Class-III, in Survey No. 25/P, 1 to 9, of Kancha Gachi Bowli Village, Serilingampally Mandal, under GHMC Serilingampally Circle, Ranga Reddy, Dist. T.S. and Bounded by: **NORTH**: Plot No. 42/3, **SOUTH**: Plot No. 44/3, **EAST**: 30'.0" Wide Road, **WEST**: Plot No. 38/3. from owner Smt. Kiran Upadhyay W/o Sri.Yogesh Upadhyay & other R/o TNGO'S Colony, Phase-I, Gachibowli, Ranga Reddy, Dist. T.S.and substantial earnest amount has been paid to the owner. If any person(s) having any right, interest or claim over the said property may contact the undersigned within (03) days from the date hereof with relevant documents, failing which sale deed would be executed and objections if any, received there¬after will not be entertained and deemed to have been waived.
dt;17-01-2026
T.V.S. Associates
(Thakur Veerendra Singh Associates)
H.NO.14-1-367/1, New Agapura,
Lane opp: Jain Bhawan) HYD. T.S.
Satyendra Singh, Ajju Singh,
-Advocates-,
PH: 9908508133, 8919960413.

PUBLIC NOTICE

The general public is hereby informed that our client Smt. Kiran Upadhyay W/o Sri.Yogesh Upadhyay & other R/o TNGO'S Colony, Phase-I, Gachibowli, Ranga Reddy, Dist. T.S.isintending to purchase Plot bearing No. 6/2, admeasuring 183.0 sq.yards or 152.98 sq.mts., Class-II, in Survey No. 25/P, 1 to 9, of KanchaGachi Bowli Village, Serilingampally Mandal, under GHMC Serilingampally Circle, Ranga Reddy, Dist. T.S. and Bounded by: **NORTH**: Plot No. 29/2, **SOUTH**: 120'.0" Wide Road, **EAST**: Plot No. 7/2, **WEST**: Plot No. 5/2. fromowner Sri. Srinivas Alladi S/o Sri.DinamanyAlladi R/o 5-1-235, JPN Nagar, Miyapur, Tirumalgiri, Hyderabad.T.S. and substantial earnest amount has been paid to the owner. If any person(s) having any right, interest or claim over the said property may contact the undersigned within (03) days from the date hereof with relevant documents, failing which sale deed would be executed and objections if any, received thereafter will not be entertained and deemed to have been waived.
dt; 17-01-2026
T.V.S. Associates
(Thakur Veerendra Singh Associates)
H.NO.14-1-367/1, New Agapura,
Lane opp: Jain Bhawan) HYD. T.S.
Satyendra Singh, Ajju Singh,
-Advocates-,
PH: 9908508133, 8919960413.

नीट छात्रा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई सामने, खुद को बचाने के लिए बेटी ने बहुत संघर्ष किया था

पटना, 16 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी पटना के कंकड़बाग इलाके में मुन्ना चौक के पास शंभू गर्ल्स हॉस्टल में रहकर मेडिकल की तैयारी कर रही छात्रा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट अब सामने आ गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। छात्रा के शरीर पर जांचोपरांत जख्म और नाखून के निशान मिले हैं। नाखून और जख्म के निशान मिलने के बाद पुलिस के आत्महत्या वाले दावे पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। कंकड़बाग के चित्रगुप्त नगर थाना अंतर्गत शंभू गर्ल्स हॉस्टल में रहकर नीट की तैयारी कर रही छात्रा की मौत आत्महत्या नहीं बल्कि संभावित दुष्कर्म और सोची समझी हत्या की ओर इशारा कर रहा है।

छात्रा की जो पोस्टमार्टम रिपोर्ट पीएमसीएच मेडिकल बोर्ड द्वारा दी गई उसके बाद पूरे मामले में नया मोड़ आ गया है। कई गंभीर सवाल शासन और प्रशासन पर खड़े हो गए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि छात्रा के शरीर पर 10 से ज्यादा गंभीर जख्म हैं। गर्दन, कंधे और अन्य अंगों पर नाखून के खरोच स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं।

अखिलेश बोले- काशी ही बीजेपी के विनाश का कारण बनेगी

प्रियंका ने कहा- मणिकर्णिका घाट को मिटाना पाप, साजिशें बंद हों

वाराणसी, 16 जनवरी (एजेंसियां)। काशी के महा श्मशान मणिकर्णिका घाट के ध्वस्तीकरण पर कांग्रेस और सपा ने सवाल उठाया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- अविनाशी काशी ही भाजपा के विनाश का कारण बनेगी। भाजपा ये सब सिर्फ पैसे कमाने के लिए कर रही। प्रियंका गांधी ने एक्स पर लिखा- देश की धार्मिक एवं ऐतिहासिक धरोहरों को मिटाना घोर पाप है। जबकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर पोस्ट करके प्रधानमंत्री से 2 सवाल पूछे। दरअसल, मणिकर्णिका घाट पर 25 करोड़ रुपए की लागत से पुनर्विकास परियोजना का काम चल रहा है। इसके तहत मणिकर्णिका घाट को तोड़ा गया है। इससे निकले मलबे को बड़ी नाव की मदद से गंगा पार भेजा जा रहा है। तोड़फोड़ के दौरान मिले कलाकृतियों को जिला प्रशासन ने सांस्कृतिक विभाग के मदद से संरक्षित करके गुरुधाम में रखवाया है।

प्रियंका ने लिखा- सांस्कृतिक पहचान मिटा रहे

प्रियंका गांधी ने एक्स पर लिखा- बनारस में मणिकर्णिका घाट पर बुल्डोजर चलाकर सदियों पुरानी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को ध्वस्त करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। मणिकर्णिका घाट और इसकी प्राचीनता का धार्मिक महत्व तो है ही, इससे लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी की स्मृतियां भी जुड़ी हैं। विकास के नाम पर, चंद लोगों के व्यवसायिक हितों के लिए, देश की धार्मिक एवं ऐतिहासिक धरोहरों को मिटाना घोर पाप है। इसके पहले भी बनारस में रिनोवेशन के नाम पर कई सदी पुराने अनेक मंदिर ध्वस्त किए जा चुके हैं। काशी की धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान मिटाने की ये साजिशें तत्काल बंद होनी चाहिए।

खड़गे ने लिखा- क्या धरोहर को मिटाकर नेम प्लेट चिपका देंगे

मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री को टैग करके एक्स पर लिखा- क्या इन सब के पीछे व्यवसायिक मित्रों को फायदा पहुंचाने की मंशा है? जल, जंगल, पहाड़, सब आपने उनके हवाले किए हैं, अब सांस्कृतिक विरासत की बारी आ गई है।

देश की जनता के आपसे 2 सवाल हैं

1 जीर्णोद्धार, साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण विरासत को सहेज कर भी हो सकता था?

पूरे देश को याद है संसद परिसर से आपकी सरकार ने किस तरह से महात्मा गांधी, बाबासाहेब अंबेडकर समेत भारत की महान हस्तियों की प्रतिमाओं को बिना किसी राय-मशवरे के एक कोने में रखवा दिया। जलियांवाला बाग मेमोरियल की दीवारों से इतिहास से हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों को इसी नवीनीकरण के नाम पर मिटाया गया।

2 सैकड़ों साल पुरानी मूर्तियों को मलबे में क्यों डाला, किसी म्यूजियम में संभाल कर रखा जा सकता था? आपने दावा किया था "मां गंगा ने बुलाया है" आज आपने मां गंगा को भुला दिया है। बनारस के घाट बनारस की पहचान हैं। क्या आप इन घाटों को जनता की पहुंच से दूर करना चाहते हैं? लाखों लोग हर वर्ष काशी मोक्ष प्राप्ति के लिए अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में आते हैं। क्या आपकी मंशा इन श्रद्धालुओं से विश्वासघात करने की है?

'भाजपा को न काशी और न ही काशी वासियों से मतलब'

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा- राजमाता, पुण्यश्लोक, धर्मरक्षिका पूजनीय देवी अहिल्याबाई होल्कर जी की मूर्ति के अपमान और उनकी सनातनी काशी-विरासत के प्रति तिरस्कार पूर्ण कार्रवाई को कोई भी सच्चा आस्थावान नहीं सहेगा। भाजपाई ये सब काम सिर्फ पैसा कमाने के लिए कर रहे हैं, उनको न काशी से मतलब है न काशी वासियों से, न उनसे जुड़े किसी ऐतिहासिक महान व्यक्तित्व से। अविनाशी काशी ही भाजपा के विनाश का कारण बनेगी। मणिकर्णिका काशी के 84 प्रमुख घाटों में शामिल है। यह देवी अहिल्याबाई होल्कर के बनाए 5 घाटों में से एक है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इसी जगह पर भगवान विष्णु की मणि गिरी थी, जिससे इसका नाम मणिकर्णिका पड़ा।

पारंपरिक स्थापत्य, ऐतिहासिक शिल्पकला और धार्मिक आस्था जुड़ी है। देवी अहिल्याबाई ने यहां तीर्थयात्रियों के लिए कई काम कराया था। अब इस घाट को तोड़ा जा रहा है। यहां नए सिरे से घाट तैयार होगा, इसकी डिजाइन फाइनल है। मणिकर्णिका घाट को साल-1771 में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने बनवाया था। फिर 1791 में उन्होंने ही इसका जीर्णोद्धार कराया था। लोगों ने जब मलबे में अहिल्याबाई की मूर्ति देखी, तो विरोध शुरू कर दिया। लोगों के विरोध के बाद डीएम सत्येंद्र ने कहा- घाट की मूर्तियों को नुकसान नहीं पहुंचाया गया है। उन्हें सुरक्षित रखा गया है। कुछ लोग एआई से घाट के गलत वीडियो बनाकर जारी कर रहे हैं। ऐसे लोगों को ट्रेस किया जा रहा है।

आज होगी विराट शिवलिंग की स्थापना: बनेगी 18 फुट की माला

कंबोडिया-कोलकाता से आए एक ट्रक फूल, अयोध्या राम मंदिर-काशी विश्वनाथ से आ रहे पंडित

मोतिहारी, 16 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के पश्चिमी चंपारण स्थित विराट रामायण मंदिर में 17 जनवरी को दुनिया के सबसे बड़े शिवलिंग की स्थापना होगी। इसके लिए मंदिर कमेटी की ओर से भव्य तैयारी की जा रही है। शिवलिंग को इंस्टॉल करने के लिए राजस्थान और भोपाल से दो क्रेन मंगाए गए हैं। आज इन क्रेन की मदद से ट्रायल रन भी किया जाएगा। यह दोनों क्रेन 750 टन की कैपेसिटी के हैं और इसकी मॉनिटरिंग टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज करेगी। पूजा के लिए कंबोडिया और कोलकाता से फूल मंगाया गया है। मंदिर परिसर में स्थापना को लेकर एक ट्रक फूल पहुंच गए हैं, जिसमें गुलाब, गेंदा, गुलदाउदी, आदि फूल शामिल है। शिवलिंग पर चढ़ाने के लिए खास तरह का 18 फीट का माला तैयार किया जा रहा है, जिसे फूल सहित भांग, धतूरा, बेलपत्र मिलाकर बनाया जा रहा है।

अयोध्या राम मंदिर, काशी विश्वनाथ के पंडित होंगे शामिल

सुबह 8 से 10:30 बजे तक पीठ पूजन होगा और उसके बाद हवन और फिर सहस्त्रलिंगम की स्थापना होगी। वहां पूजा के लिए महावीर मंदिर से करीब सात पंडित जा रहे हैं। इसके साथ ही अयोध्या राम मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर, गुजरात, हरिद्वार महाराष्ट्र से भी पंडित आ रहे हैं। पीठ पूजन में ये लोग शामिल होंगे। सहस्त्र लिंगम की स्थापना के दौरान होने वाले भव्य यज्ञ में चारों वेदों के विद्वानों को आमंत्रित किया गया है। 4 एलईडी बड़े स्क्रीन लगाए गए हैं, ताकि लोग लाइव स्थापना को देख सके।

8 पवित्र स्थलों के जल से किया जाएगा अभिषेक

शिवलिंग की स्थापना के लिए अलग-अलग जगहों से जल मंगाया गया है। कैलाश मानसरोवर, गंगोत्री, यमुनोत्री, हरिद्वार, प्रयागराज, गंगा सागर, सोनपुर, रामेश्वरम से गंगा जल मंगाया गया है। इसके साथ ही सिंधु, नर्मदा, नारायणी, कावेरी, गंडक नदी के जल से भी अभिषेक होगा। 17 जनवरी को माघ कृष्ण चतुर्दशी की तिथि है। ऐसा माना जाता है कि इसी दिन शिवलिंग की उत्पत्ति हुई थी और भगवान शिव की लिंग के रूप में पूजा हुई थी। इस दिन का महत्व शिवरात्रि के समान माना जाता है। इसलिए स्थापना के लिए यह दिन चुना गया है।

नीतीश कुमार और दोनों डिप्टी सीएम रहेंगे मौजूद

शिवलिंग की स्थापना के मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मौजूद रहेंगे और उनके साथ दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा भी आएंगे। इसके अलावा राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान सहित अन्य मंत्री, विधायकों, सांसदों को भी निमंत्रण भेजा गया है।

कुख्यात नीतीश का एनकाउंटर,पुलिस ने दौड़ाकर मारी गोली

पटना, 16 जनवरी (एजेंसियां)। पटना पुलिस और कुख्यात के बीच रात एनकाउंटर हुआ। जिसमें कुख्यात नीतीश कुमार को पुलिस ने दौड़ाकर गोली और उसे कस्टडी में लेकर इलाज के लिए पीएमसीएच भेज दिया गया। नीतीश कुमार ने एक करीब एक हफ्ते पहले लूट की नीयत से एक व्यवसायी को गोली मारी थी, इस मामले में पुलिस उसे तलाश रही थी। मनेर थाना और एसटीएफ को नीतीश के रतन टोला में होने की खबर मिली, जिसके बाद टीम रात करीब 11 बजे मौके पर पहुंची और इलाके को घेर लिया। नीतीश ने जैसे ही एसटीएफ को देखा उसने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की गोली नीतीश के बाएं पैर में लगी। गोली लगने के बाद नीतीश जमीन पर गिर पड़ा। जिसके बाद पुलिस ने उसे अरेस्ट कर लिया। इस साल जनवरी में पटना पुलिस और एसटीएफ का ये तीसरा एनकाउंटर है।

सामने पड़ी थी मां की लाश, डर से नहीं आया कोई रिश्तेदार 10 साल के मासूम ने अकेले करवाया पोस्टमार्टम

एटा, 16 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में एक 10 वर्षीय बच्चे की बेबसी और हिम्मत की कहानी सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। इस मासूम ने अपनी मां को खोने के बाद जिला अस्पताल में उनका शव अकेले ही संभाला। दरअसल, बच्चे की मां टीबी और एचआईवी जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रही थीं। बुधवार रात को उन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हैरानी और दुख की बात ये थी कि जब महिला का निधन हुआ, तो उस मासूम के साथ न तो कोई रिश्तेदार था और न ही कोई पड़ोसी।

वह बच्चा घंटों अपनी मां के शव के पास बैठकर किसी के आने का इंतजार करता रहा, लेकिन समाज ने जैसे उससे मुंह मोड़ लिया था। जब पुलिस को इस मामले की भनक लगी, तो अधिकारी तुरंत अस्पताल पहुंचे। आंखों में आंसू लिए मासूम ने बताया कि उसके पिता की मौत भी पिछले साल एड्स के कारण हो गई थी। पिता के जाने के बाद रिश्तेदारों ने उनसे बात करना बंद कर दिया और कभी घर नहीं आए। बच्चे ने रोते हुए कहा- पापा मौत के बाद मेरा स्कूल जाना छूट गया। मैं ही मां की देखभाल कर रहा था। रिश्तेदारों ने हमें अकेला छोड़ दिया। यहां तक कि मेरे चाचा को भी मां के गुजरने की खबर नहीं है।

बच्चे ने बताया कि उसने मां का इलाज कानपुर और फर्रुखाबाद के लोहिया अस्पताल में भी कराया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। अस्पताल के प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब मां की मौत के बाद कोई नहीं आया, तो अस्पताल के ही एक कर्मचारी की मदद से बच्चा अपनी मां के शव को स्ट्रेचर पर रखकर अकेले ही मॉर्चुरी (शवगृह) तक ले गया। पोस्टमार्टम की औपचारिकताओं के दौरान भी वह बच्चा अकेला ही खड़ा रहा। कई घंटों बाद जब यह खबर फैली, तब कुछ दूर के रिश्तेदार अस्पताल पहुंचे। करीब 60 किलोमीटर दूर कासगंज में रहने वाले उसके चाचा के आने के बाद ही बच्चे ने मां का साथ छोड़ा।

जेठ से अवैध संबंध बनाने का दबाव

मना करने पर पत्नी को दिया तीन तलाक

गाजियाबाद, 16 जनवरी (एजेंसियां)। गाजियाबाद में कोतवाली क्षेत्र में एक महिला को उसके पति ने अपने भाई से संबंध बनाने को कहा। महिला ने मना किया तो कहा कि अपनी मां को फोन लगाओ। महिला ने जैसे ही अपनी मां को कॉल लगाया तो आरोपी पति ने उन्हें गवाह बनाते हुए फोन पर ही तीन बार तलाक-तलाक बोल दिया। वहीं, विरोध करने पर महिला को जान से मारने की धमकी दी गई और रसूखदार लोगों से संबंधों का हवाला देकर डराया गया।

पीड़िता की शिकायत पर आरोपी पति, जेठ और चार ननद के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि यह पहली बार नहीं था। पति और जेठ लंबे समय से उसे अनैतिक संबंध बनाने के लिए मजबूर कर रहे थे। इन सब में उसकी चार ननदें भी शामिल थीं, जो लगातार मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न करती थीं। आरोप है कि आए दिन गाली-गलौज, मारपीट और धमकी दी जाती रही। पीड़िता की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

केस में यौन उत्पीड़न, मारपीट, आपराधिक धमकी और मुस्लिम महिला (विवाह पर अधिकारों की सुरक्षा) अधिनियम 2019 के तहत केस दर्ज किया गया है। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने कहा कि महिला कि शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कराई गई है। कॉल रिकॉर्ड, बयान और डिजिटल साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। जांच के आधार पर शीघ्र सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आज से शुरू होंगी 3 नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन

पटना, 16 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के लोगों को 17 जनवरी से नई अमृत भारत ट्रेन की सौगात मिलने वाली है। यह ट्रेन पनवेल से अलीपुरद्वार के बीच चलेगी। हालांकि, यह बिहार के 14 स्टेशनों में रुकेगी। इससे स्थानीय लोगों को फायदा होगा। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर रेल प्रशासन कटिहार से होकर अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त नई अमृत भारत ट्रेन का परिचालन प्रारंभ कर रहा है। इस संबंध में सीपीआरओ ने जानकारी देते हुए बताया कि अमृत भारत ट्रेन नंबर 11031/11032 पनवेल-अलीपुरद्वार-पनवेल अमृत भारत एक्सप्रेस 17 जनवरी से शुरू होगी। इस ट्रेन की परिचालन गाड़ी संख्या 01032 सिलीगुड़ी-पनवेल अमृत भारत उद्घाटन स्पेशल के रूप में प्रारंभ किया जाएगा। यह उद्घाटन स्पेशल ट्रेन सिलीगुड़ी से 13.45 बजे चलेगी और तीसरे दिन 11.30 बजे पनवेल पहुंचेगी।

18 जनवरी से शुरू होगी डिब्रूगढ़-गोमतीनगर अमृत भारत

ट्रेन नंबर 15949/15950 डिब्रूगढ़-गोमतीनगर-डिब्रूगढ़ अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन 18 जनवरी से शुरू होगी। गाड़ी संख्या 05949 डिब्रूगढ़-गोमतीनगर अमृत भारत उद्घाटन स्पेशल डिब्रूगढ़ से 11.00 बजे खुलकर दूसरे दिन 14.00 बजे कटिहार, 14.55 बजे नौगछिया, 16.05 बजे खगड़िया, 16.40 बजे बेगुसराय, 17.10 बजे बरौनी जंक्शन, 19.10 बजे हाजीपुर, 19.25 बजे सोनपुर सहित विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए तीसरे दिन 09।00 बजे गोमतीनर पहुंचेगी।

रोहतक के लिए भी ट्रेन शुरू

ट्रेन नंबर 15671/15672 कामाख्या-रोहतक-कामाख्या अमृत भारत एक्सप्रेसन का 18 जनवरी को गाड़ी संख्या 05671 कामाख्या-रोहतक अमृत भारत उद्घाटन स्पेशल के रूप में परिचालन प्रारंभ किया जाएगा। यह उद्घाटन स्पेशल कामाख्या से 11.00 बजे खुलकर 22.30 बजे कटिहार, 23.22 बजे नौगछिया, अगले दिन 00.25 बजे मानसी, 00.38 बजे खगड़िया, 01.15 बजे बेगुसराय, 02.00 बजे बरौनी जंक्शन, 04.15 बजे हाजीपुर, 04.27 बजे सोनपुर सहित विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए तीसरे दिन 04.00 बजे रोहतक पहुंचेगी।

पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

इन सभी उद्घाटन स्पेशल ट्रेनों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। कटिहार सीमांचल क्षेत्र से इन ट्रेनों के परिचालन से यात्रियों में काफी हर्ष व्याप्त है। वहीं इससे सीमांचल के यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। रेल प्रशासन द्वारा सभी नई अमृत भारत ट्रेनों का नियमित परिचालन की सूचना अलग से जारी की जाएगी।

देह व्यापार ने उड़ाई पुलिस की नींद! रिहायशी इलाकों में ये गंदा धंधा

वाराणसी, 16 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में पुलिस ने देह व्यापार का भंडाफोड़ किया है। पुलिस नेकैंट थाना क्षेत्र के मकबूल आलम रोड पर स्थित एक स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे देह व्यापार का पुलिस ने भांडाफोड़ किया।पुलिस को मौके से कई आपत्तिजनक चीजें मिली हैं। स्पा सेंटर की मालकिन समेत चार को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कमाल की बात ये है कि ये स्पा सेंटर पुलिस अफसरों की कॉलोनी से बहुत दूर नहीं था और ये रिहायशी इलाके में चल रहा था। जानकारी के मुताबिक, जिस स्पा सेंटर में देह व्यापार चल रपहा था, वो रिहायशी इलाके में था। इसे समीर सिद्दीकी अपनी पत्नी तरन्नुम के साथ मिलकर चला रहा था। पुलिस की कार्रवाई के बाद से समीर फरार है, लेकिन स्पा सेंटर की आड़ में ये कोई अकेला ऐसा खुलासा नही है जहां देह व्यापार हो रहा हो। पिछले कुछ महीनो में स्पा सेंटर्स की आड़ में चल रहे देह व्यापार की ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं,

उज्बेकिस्तान कफ सिरप मामला: मैरियन बायोटेक को हाईकोर्ट से झटका, खारिज हुई याचिकाएं

प्रयागराज, 16 जनवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नोएडा स्थित मैरियन बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशकों द्वारा दायर चार क्रिमिनल रिवीजन याचिकाओं को खारिज कर दिया है। यह मामला साल 2022 में भारत निर्मित कफ सिरप के सेवन से उज्बेकिस्तान में कथित तौर पर 18 बच्चों की मौत से जुड़ा है। जस्टिस हरवीर सिंह की सिंगल बेंच ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े कानूनों को तकनीकी बारीकियों के आधार पर बाधित नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने माना कि ट्रायल कोर्ट (नोएडा सीजेएम कोर्ट) द्वारा जारी समन और संज्ञान आदेश पूरी तरह कानून के अनुसार है और इसमें किसी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के वकील ने दलील दी थी कि जिस टेस्ट एनालिसिस रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की गई, उसमें ड्रग्स रूल्स, 1945 के नियम 46 का पालन नहीं हुआ है। हालांकि, कोर्ट ने इन तर्कों को केवल तकनीकी बातें करार दिया। कोर्ट ने कहा कि घटिया और जहरीली दवाएं स्वास्थ्य प्रणाली के लिए एक गंभीर खतरा हैं। ऐसे में अधिकारियों की जवाबदेही और प्रक्रियात्मक कमियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने यह भी जोड़ा कि आरोपियों को अभी ट्रायल कोर्ट में आरोप तय होने के समय खुद को निर्दोष साबित करने का पूरा अवसर मिलेगा।

भारत सरकार के वकील ने कोर्ट में तर्क दिया कि कंपनी द्वारा निर्मित डीओके-1 मेक्स सिरप में डाइएथिलीन ग्लाइकोल और एथिलीन ग्लाइकोल की भारी मात्रा पाई गई थी, जो कि स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक और जहरीले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2021 में जब इन दवाओं का निर्माण हुआ, तब ब्रिटिश और इंडियन फार्माकोपिया के नियमों के तहत इन तत्वों का इस्तेमाल कफ सिरप में पूरी तरह प्रतिबंधित था। आरडीटीएल चंडीगढ़ की जनवरी 2023 की रिपोर्ट ने इस बात की पुष्टि की कि नमूने मानक गुणवत्ता के नहीं थे।

मैरियन बायोटेक और उसके निदेशकों के खिलाफ ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की धारा 18, 17-ए (मिलावटी दवाएं), 17-बी (नकली दवाएं) और धारा 27 व 28 जैसी गंभीर दंडात्मक धाराओं के तहत मामला दर्ज है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश सरकार पहले ही 2023 में कंपनी का विनिर्माण लाइसेंस रद्द कर चुकी है। हाईकोर्ट के इस ताजा आदेश के बाद अब कंपनी के अधिकारियों पर कानूनी शिकंजा और कस गया है और उन्हें ट्रायल का सामना करना होगा।

पति-पत्नी दोनों के अफेयर में महिला, 3 बच्चों की हत्या

6 दिन से लापता थे, आरोपी ने भाभी से कहा था- शादी करूंगा; पति पर भी शक

मुजफ्फरपुर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में पति-पत्नी के अफेयर में महिला और उसके 3 बच्चों की हत्या का मामला सामने आया है। चारों के शव गुरुवार को लकड़ी ढाई पुल के नीचे बूढ़ी गंडक नदी किनारे दुपट्टे से बंधे मिले। बच्चों के चेहरे पर बालू लगा था। शव पानी में फूला होने से आशंका है कि लापता होने के दिन ही हत्या कर शव नदी में फेंक दिए गए थे। छह दिन पहले घर से मार्केट जाने के दौरान ऑटो ड्राइवर कृष्ण मोहन की पत्नी ममता देवी (22) तीन बच्चों आदित्य कुमार (6), अंकुश कुमार (4) और कृति कुमारी (2) के साथ लापता हो गई थी। अहियापुर थाने में पति कृष्ण मोहन कुमार ने अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस को शक है कि ऑटो ड्राइवर और उसकी पत्नी दोनों का अलग-अलग प्रेम संबंध चल रहा था। पुलिस ने औराई से अपहरण के एक आरोपी अमोद को उठाया है।

जनता दर्शन में सीएम योगी ने दिए सख्त निर्देश जमीन पट्टा आवंटन में धांधली पर होगी कड़ी कार्रवाई

गोरखपुर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। लगातार दो दिन मकर संक्रांति/खिचड़ी महापर्व को लेकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं के प्रबंधन व निगरानी में व्यस्त रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को जनता दर्शन का आयोजन किया। गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री ने लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और शीघ्रता से निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। जनता दर्शन में जमीन पट्टा आवंटन से जुड़ी कतिपय शिकायतों पर गंभीर दिखे मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिस भी गांव में रुपया लेकर जमीन पट्टा आवंटन की शिकायत हो, वहां जांच कर दोषी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में शुक्रवार सुबह आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। कुर्सियों पर बैठे लोगों तक खुद गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को सुना और समझा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

जनता दर्शन में एक महिला ने गांव में गरीबों के जमीन पट्टा आवंटन में अनियमितता की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने अफसरों से कहा कि जहां भी रुपया लेकर जमीन पट्टा दिया गया हो, वहां संबंधित की जिम्मेदारी तय कर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए। अपराध से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

पश्चिम बंगाल में फरक्का से चाकुलिया तक सड़क-रेल जाम

भाजपा ने कानून-व्यवस्था पर उठाए सवाल

कोलकाता, 16 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के फरक्का समेत अलग-अलग हिस्सों में सड़कों और रेल यातायात को रोका जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया कि पिछले दो दिन से फरक्का से लेकर चाकुलिया तक अराजकता दिख रही है, जो जंगल की आग की तरह फैल रही है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया कि मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में नेशनल हाईवे को असामाजिक तत्वों ने लगभग 3 घंटे से पूरी तरह से ब्लॉक कर दिया है। लगातार पत्थरबाजी हो रही है। ट्रेनों को जबरदस्ती रोक दिया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा, पूरा इलाका बदमाशों, गुंडों और लफंगों के कब्जे में है।

अब तक पुलिस की कोई कार्रवाई नहीं दिख रही है। हजारों यात्री फंसे हुए हैं, जो डरे हुए हैं और जिनके पास खाना-पानी नहीं है। राहत की कोई उम्मीद नहीं दिख रही है। सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के डीजीपी से अनुरोध किया कि वे फोर्स भेजें और इलाके पर दोबारा कंट्रोल करें। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, संदेश बहुत साफ है कि पश्चिम बंगाल राज्य प्रशासन की पकड़ से बाहर जा रहा है और असामाजिक तत्व व दंगाई कब्जा कर रहे हैं। उन्हें सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस पार्टी का समर्थन प्राप्त है, जिससे वे सामान्य स्थिति को बिगाड़ने के लिए जब चाहें और जो चाहें कर सकें।

भाजपा की राज्य इकाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था बेकाबू होती जा रही है। फरक्का से चाकुलिया तक हर जगह अराजकता फैली हुई है। बेलडांगा (मुर्शिदाबाद) में नेशनल हाईवे को घंटों तक ब्लॉक कर दिया गया है। ट्रेनों को जबरन रोका गया है और लगातार पत्थरबाजी जारी है। यह टीएमसी के जंगल राज का असली चेहरा है, जहां असामाजिक तत्व, दंगाई और गुंडे राजनीतिक संरक्षण में राज कर रहे हैं, जबकि प्रशासन मूक दर्शक बना हुआ है।

क्या हिंदू पत्नी अपने पति की बेची हुई संपत्ति पर दावा कर सकती है?

हाई कोर्ट ने दिया ये फैसला

कोच्चि, 16 जनवरी (एजेंसियां)। केरल हाई कोर्ट ने हिंदू पत्नियों के मेंटिनेंस को लेकर एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट के मुताबिक, पत्नी अपने पति के अचल संपत्ति के ट्रांसफर के बाद भी उस पर मेंटेनेंस का दावा कर सकती है। कोर्ट के मुताबिक, ऐसा करने के लिए हिंदू पत्नी संपत्ति के ट्रांसफर से पहले मेंटेनेंस के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू की हो। या फिर जो इस संपत्ति का खरीदार को उसको पत्नी के दावे की जानकारी हो। कोर्ट ने ये फैसला सुलोचना बनाम अनीता और अन्य के मामले में सुनाया है।

जस्टिस सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी, जस्टिस पीवी कुन्हीकृष्णन और जस्टिस जी गिरीश की बेंच ने एक डिवीजन बेंच की ओर से भेजे गए मामले पर यह फैसला सुनाया। डिवीजन बेंच ने इस मुद्दे पर विरोधाभासी फैसलों पर ध्यान दिया था कि क्या हिंदू दत्तक ग्रहण और भरण-पोषण अधिनियम, 1956 एक पत्नी को अपने पति की अचल संपत्ति से मेंटेनेंस का दावा करने की अनुमति देता है।

यह सवाल मुख्य रूप से संपत्ति हस्तांतरण अधिनियम की धारा 39 और हिंदू दत्तक ग्रहण और भरण-पोषण अधिनियम की धारा 28 की प्रयोज्यता से जुड़ा हुआ था।

ये दोनों प्रावधान यह बताते हैं कि पत्नी के मेंटेनेंस के अधिकार को ट्रांसफर के बाद भी पति की संपत्ति के खिलाफ लागू किया जा सके। कोर्ट ने कहा कि अगर यह दिखाने के लिए सबूत मौजूद थे कि खरीदार को बिक्री के समय, विक्रेता द्वारा अपनी पत्नी को भरण-पोषण से इनकार कर रहा था। ऐसे इनकार से पत्नी के भरण-पोषण का अधिकार एक्टिव हो गया। अगर खरीदार को इसकी जानकारी थी, तो पत्नी नई संपत्ति से अपना क्लेम लागू कर सकती है।

वहीं अगर ये संपत्ति गिफ्ट के द्वारा दी गई है, यानी मुफ्त में ट्रांसफर की गई है तो पत्नी को खरीदार को नोटिस नहीं देना है बल्कि ऐसी स्थिति में पत्नी का अधिकार सीधे लागू हो जाता है। ऐसी स्थिति में पत्नी के भरण-पोषण के अधिकार को टीपी। अधिनियम की धारा 39 का संरक्षण और विशेषाधिकार मिलेगा।

इसके अलावा, कोर्ट ने फैसला सुनाया कि अगर पत्नी कानूनी कार्रवाई शुरू करती है या फिर पति की मौत के कारण उसे मेंटेनेंस न मिलने की अवधि के दौरान ऐसा कोई चल संपत्ति का ट्रांसफर किया जाता है, तो खरीदार को ट्रांसफर ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट की धारा 39 या हिंदू एडॉप्शंस एंड मेंटेनेंस एक्ट की धारा 28 के मकसद से ऐसे अधिकार की जानकारी होने का माना जाएगा।

दिनदहाड़े नर्स पर चाकू से हमला हुई मौत; आरोपी गिरफ्तार

कोलार, 16 जनवरी (एजेंसियां)। टाउन से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां सुबह एक 28 साल की नर्स पर एक शख्स ने हमला कर दिया। आरोपी की पहचान 27 साल चिरंजीवी के तौर पर हुई है। आरोपी ने पीड़िता पर कई बार चाकू से बेरहमी से हमला किया, जिससे युवती की मौत हो गई। यह पूरी घटना कोलार शहर के बस डिपो के पास हुई। बताया जा रहा है कि पीड़िता ड्यूटी पर जा रही थी, तभी आरोपी ने उसे रास्ते में घेर लिया और उसपर चाकू से हमला कर दिया। हालांकि घटना के बाद आरोपी को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया और उसकी पिटाई करने के बाद उसे पुलिस को सौंप दिया।

पीड़िता की पहचान सुजाता के रूप में हुई है, जो एक प्राइवेट हेल्थकेयर फैसिलिटी में काम करती थी। वह सुबह ड्यूटी जा रही थी, उसी समय आरोपी चिरंजीवी ने उसे रास्ते में रोक लिया। आरोपी भी एक प्राइवेट फाइनेंशियल फर्म में काम करता है। पुलिस के अनुसार, दोनों के बीच किसी बात को लेकर बहस हुई, जिसके बाद चिरंजीवी ने एक धारदार हथियार निकाला और सुजाता पर छह बार चाकू से हमला किया। वहां लोगों के मौजूद होने के बावजूद, हमला इतनी तेजी से हुआ कि सुजाता किसी के दखल देने से पहले ही गिर गई। उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हालांकि आस-पास मौजूद लोगों ने चिरंजीवी को पकड़ लिया और उसे भागने से रोक लिया। स्थानीय लोगों ने आरोपी की पिटाई कर दी और इसके बाद उसे पुलिस को सौंप दिया। जांच से पता चला है कि सुजाता और चिरंजीवी एक-दूसरे को करीब एक साल से जानते थे। हालांकि, हाल ही में उनके रिश्ते में खटास आ गई थी।

कथित तौर पर सुजाता यह रिश्ता खत्म करना चाहती थी। पीड़िता लगातार मतभेदों के कारण आरोपी से दूरी बना रही थी। इस बात से गुस्सा होकर चिरंजीवी ने उस पर हमला कर दिया। पुलिस ने चिरंजीवी को गिरफ्तार कर लिया है और बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

बेअदबमी विवाद पर पंजाब पुलिस का दिल्ली विधानसभा में रिप्लाई, स्पीकर बोले-आतिशी को देना होगा 19 तक जवाब

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा ने पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को हाल ही में खत्म हुए शीतकालीन सत्र में सिख गुरुओं के खिलाफ 'अपमानजनक टिप्पणी' के बारे में अपना लिखित बयान देने का निर्देश दिया है. स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आतिशी जी को जो नोटिस दिया गया है, वह एक अलग मामला है, क्योंकि यह विषय सदन के पटल पर आते ही प्रिविलेज कमेटी को सौंप दिया गया था. उन्होंने कहा जो भी कार्रवाई की जा रही है, वह विपक्ष की मांग पर की गई है.

विपक्ष के सदस्यों ने खुद मेरे चैंबर में आकर यह मांग रखी थी. उन्होंने कहा कि 8 तारीख को हमने इस मामले को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा. इसके अगले ही दिन यह खबर आती है कि पंजाब सरकार ने जांच भी पूरी कर ली और एफआईआर भी दर्ज कर दी. उन्होंने कहा इससे ऐसा प्रतीत होता है मानो सदन की प्रक्रिया को चुनौती दी जा रही हो.

स्पीकर ने कहा कि सच को झुठलाया नहीं जा सकता. सदन के प्रति न्याय करना मेरी जिम्मेदारी है और मैं उसी दायित्व का निर्वहन कर रहा हूं. डीजीपी ने जवाब देते हुए अतिरिक्त समय की मांग की है. उन्हें अपना जवाब प्रस्तुत करने के लिए 22 जनवरी तक का समय दिया गया है. विधानसभा सचिवालय द्वारा उन्हें भेजे गए एक कम्युनिकेशन में कहा गया है कि विधानसभा की विशेषाधिकार समिति के चेयरपर्सन ने आतिशी से 19 जनवरी तक अपना लिखित बयान देने को कहा है. पिछले साल 350वीं शहादत वर्षगांठ मनाने के लिए दिल्ली सरकार के कार्यक्रम पर 6 जनवरी को विधानसभा सत्र में चर्चा के बाद आतिशी का सिख गुरुओं के प्रति दिखाए गए अनादर का मुद्दा एक बड़े राजनीतिक विवाद में बदल गया है, इसमें दिल्ली में बीजेपी और आप शासित पंजाब शामिल हैं.

आतिशी को भेजे गए विधानसभा के कम्युनिकेशन में कहा गया है कि 6 जनवरी को शीतकालीन सत्र की कार्यवाही के दौरान, उन्होंने स्पीकर की बात न मानते हुए दिल्ली में प्रदूषण पर चर्चा की मांग की. जबकि स्पीकर ने उन्हें बताया था कि बहस अगले दिन के लिए लिस्टेड है. इसमें कहा गया है कि ऐसा करते समय आपने कथित तौर पर सिख गुरुओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की, जिससे सदन में हंगामा हुआ और कार्यवाही बाधित हुई. प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए स्पीकर ने आपसे बैठक में शामिल होने और सही स्थिति स्पष्ट करने का अनुरोध किया.

बीएलओ की बाथरूम में लटकी मिली लाश

कोलकाता, 16 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता के अहल्यानगर इलाके में एक बड़ा हादसा सामने आया है। 109 नंबर वार्ड के 110 नंबर पार्ट के बीएलओ अशोक दास की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव घर के बाथरूम से लटका हुआ मिला। परिजन उन्हें तुरंत आरएन। टैगोर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। यह आत्महत्या है या किसी अन्य कारण से मौत हुई है, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। मृतक बीएलओ की पत्नी ने आरोप लगाया है कि अशोक दास को एसआईआर से जुड़े काम को लेकर चुनाव आयोग की ओर से लगातार दबाव झेलना पड़ रहा था। उन्होंने कहा कि घर के पड़ोस से भी उन पर मानसिक दबाव बनाया जा रहा था। अशोक दास की बहन ने बताया कि कुछ दिन पहले भाई ने उन्हें अपनी तबीयत खराब होने की जानकारी दी थी और यह भी कहा था कि काम का बोझ बढ़ता जा रहा है। बहन के अनुसार, उन्हें दिल की समस्या भी थी।

टेक ऑफ से पहले ही इंडिगो की फ्लाइट में बवाल, गेट पर लात मारने लगे पैसेंजर्स

मुंबई, 16 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई से थाईलैंड के क्राबी जा रही इंडिगो की एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान (6ई 1085) में गुरुवार को बवाल देखने को मिला। घंटों से इंतजार कर रहे यात्रियों का गुस्सा उस वक्त फूट पड़ा, जब पायलट ने अपनी 'ड्यूटी टाइम लिमिट' (एफडीटीएल) खत्म होने का हवाला देते हुए विमान उड़ाने से इनकार कर दिया। इसको लेकर पहले चालक दल और यात्रियों के बीच तीखी बहस हुई, इसी दौरान गुस्से में एक यात्री विमान के निकास द्वार पर लात मारते हुए और पायलट के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग करते हुए देखा जा सकता है। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट 24 पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, मुंबई से थाईलैंड के क्राबी जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट को सुबह 4:05 बजे उड़ान भरनी थी, लेकिन यह तीन घंटे से अधिक समय तक उड़ान नहीं भरी। यह फ्लाइट, जिसे सुबह 10 बजे क्राबी में उतरना था, दोपहर लगभग 1 बजे रिसॉर्ट शहर में पहुंची। यात्रियों का आरोप है कि पायलट ने ड्यूटी का समय समाप्त होने का हवाला देते हुए उड़ान भरने से इनकार कर दिया। इसके बाद मुंबई से थाईलैंड के क्राबी जाने वाली इंडिगो की उड़ान में अफरा-तफरी का माहौल छा गया। यात्रियों और केबिन क्रू के बीच तीखी बहस होने लगी। यात्रियों से घिरे चालक दल के सदस्य से यात्री ने चिल्लाते हुए पूछा- ... चूहे की तरह क्यों छिप रहा है? हमारे जो प्लान हैं, उसका क्या होगा? इस घटना को लेकर इंडिगो ने अपना बयान जारी किया है।

इंडिगो प्रवक्ता के अनुसार, मुंबई से उड़ान में शुरू में देरी आने वाले विमान के देर से आगमन, हवाई यातायात की भीड़ और चालक दल द्वारा अपने ड्यूटी समय की सीमा से अधिक काम करने सहित कई कारणों के संयोजन के कारण हुई थी। विमान में सवार दो यात्रियों ने प्रतीक्षा समय के दौरान अनुचित व्यवहार किया और उन्हें अनुशासनहीन घोषित कर दिया गया। उन्हें फ्लाइट से उतारा गया और सुरक्षा एजेंसियों को सौंप दिया गया। इंडिगो द्वारा जारी बयान में आगे कहा गया कि हम सभी के लिए एक सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और अपने ग्राहकों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हैं।

पुरी साइबर थाना कीबड़ी कामयाबी 58.40 करोड़ रुपये फ्रीज

पुरी, 16 जनवरी (एजेंसियां)। डिजिटल युग में तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों पर शिकंजा कसते हुए पुरी पुलिस के अंतर्गत कार्यरत पुरी साइबर थाना ने वर्ष 2025 में बड़ी सफलता हासिल की है। ऑनलाइन ठगी, फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट, नकली वेबसाइट और गलत मोबाइल नंबरों के जरिए होने वाले अपराधों के खिलाफ साइबर थाना ने सशक्त, सक्रिय और प्रभावी कार्रवाई की है।

पुरी के पुलिस अधीक्षक प्रतीक सिंह ने कहा कि साइबर अपराध आज एक गंभीर चुनौती है। पुरी पुलिस आम जनता की आर्थिक और डिजिटल सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यदि साइबर अपराध होने पर तुरंत शिकायत दर्ज कराई जाए, तो धन की रिकवरी की संभावना काफी बढ़ जाती है। लोग संदिग्ध लिंक, कॉल और ओटीपी से सतर्क रहें। पुरी एसपी ने कहा कि किसी भी प्रकार के साइबर या डिजिटल अपराध की स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन नंबर 8280491300 पर संपर्क करने के लिए लोगों से अनुरोध किया गया है।

पुरी साइबर थाना आने वाले दिनों में भी साइबर अपराध के खिलाफ सख्त अभियान जारी रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वर्ष 2025 में पुरी साइबर थाना में साइबर अपराध से जुड़े कुल 31 मामले दर्ज किए गए। सभी मामलों की गहन जांच के बाद 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

मुक्तसर सिविल सर्जन पर रिश्वत मांगने के आरोपः लंबी, दोदा और आलमवाला के एसएमओ ने स्वास्थ्य मंत्री को दी शिकायत

मुक्तसर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। मुक्तसर के तीन सरकारी अस्पतालों लंबी, दोदा व आलमवाला के सीनियर मेडिकल अफसरों (एसएमओ) ने सिविल सर्जन डा. राज कुमार पर रिश्वत मांगने के आरोप लगाए हैं। तीनों एसएमओ ने इसकी शिकायत स्वास्थ्य मंत्री डा. बलबीर सिंह को की है। वहीं यह मामला मुख्यमंत्री भगवंत मान के संज्ञान में भी लाया गया है। सिविल सर्जन डा. राज कुमार ने आरोपों को झूठा व बेबुनियाद बताया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 14 जनवरी को दोदा के सरकारी अस्पताल के एसएमओ डा.राबिन कुमार, लंबी के एसएमओ डा. हरिंदरपाल सिंह व आलमवाला के एसएमओ ने स्वास्थ्य मंत्री को लिखित शिकायत भेजी है।

मेहुल चोकसी का बेटा भी मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल, 8 साल बाद ईडी का दावा

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी के खिलाफ चल रही जांच के 8 साल बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पहली बार औपचारिक रूप से दावा किया है कि उसका बेटा रोहन चोकसी भी मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क में सक्रिय भूमिका निभा रहा था। यह दावा ईडी ने दिल्ली स्थित अपीलेट ट्रिब्यूनल के समक्ष अपनी लिखित दलीलों में किया है। इस मामले में चौंकाने वाली बात यह है कि पिछले आठ सालों में रोहन चोकसी का नाम न तो किसी एफआईआर में आया है और न ही सीबीआई या ईडी द्वारा दर्ज किसी भी पीएमएलए केस में उसे आरोपी बनाया गया। इसके बावजूद, ईडी का ताज़ा बयान मामले में नया मोड़ लाता है। ईडी ने ट्रिब्यूनल में कहा कि मेहुल चोकसी कई ऐसी कंपनियों का डायरेक्टर भी रहा, जो महज कागजों पर मौजूद थीं। इन कंपनियों के जरिए फर्जी लेन-देन दिखाए जाते थे, लेकिन इनमें असल में खरीदी–फरोख्त नहीं होती थी। एजेंसी का दावा है कि इन शेल कंपनियों का उपयोग अपराध से कमाए धन को घुमाने और सफेद दिखाने के लिए किया गया। इस मामले की जांच में सामने आया कि रोहन चोकसी लस्टर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी में 99.99% शेयरधारक है, जबकि इस कंपनी में मेहुल चोकसी डायरेक्टर है। ईडी के अनुसार, इसी कंपनी के जरिए विदेशों में धन की हेराफेरी की गई। एजेंसी ने बताया कि यूएस 1,27,500 (लगभग 81.6 लाख) रीस एशियन डायमंड एंड ज्वैलरी एफजेडई से सिंगापुर के मर्लिन लक्ज़री ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड को भेजी गई। ईडी का दावा है कि यह रकम सीधे तौर पर प्रोसीड्स ऑफ क्राइम थी। मर्लिन लक्ज़री ग्रुप भी मेहुल चोकसी के नियंत्रण में थी और इसे लस्टर इंडस्ट्रीज़ के जरिए संचालित किया जा रहा था। ईडी के मुताबिक, चूंकि इस संरचना में रोहन की प्रमुख हिस्सेदारी है, इसलिए वह संपत्तियों की अटैचमेंट से बच नहीं सकता। ईडी ने कहा कि रिकॉर्ड पर मौजूद दस्तावेज, ट्रांजैक्शन और जांच की जांच से साफ संकेत मिल रहा है कि कि रोहन चोकसी भी अपने पिता मेहुल चोकसी के साथ मिलकर मनी लॉन्ड्रिंग में सक्रिय रूप से शामिल था। इसी आधार पर ईडी ने रोहन चोकसी से जुड़ी संपत्तियों की अटैचमेंट को जायज बताया है। रोहन चोकसी के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं है और न ही किसी चार्जशीट में नाम है। किसी पीएमएलए केस में आरोपी भी नहीं है। ऐसे में ईडी के इस नए दावे ने यह बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या एजेंसी अब जांच का दायरा चोकसी परिवार के अन्य सदस्यों तक बढ़ाने की तैयारी में है? अब ये देखना अहम होगा कि क्या आने वाले दिनों में ईडी इस लाइन पर आगे बढ़ती है या नहीं।

दूध की जगह जहर तो नहीं पी रहे आप? नकली दूध बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़, मिलाई जा रही थीं ये चीजें

कोलार, 16 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के कोलार जिले के बॉर्डर पर मिलावटी दूध बनाने की फैक्ट्री का पता चला है। केजीएफ एंडरसन पुलिस और फूड सेफ्टी ऑफिसर्स ने कोलार में केजीएफ तालुक के बल्लागेरे गांव में एक घर पर छापा मारा ,जहां मिलावटी दूध बनाया जा रहा था। मिलावटी दूध बना रहे 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। चौंकाने वाली जानकारी मिली है कि बदमाश एक्सपायर हो चुके मिल्क पाउडर, पॉम आयल और केमिकल का इस्तेमाल मिलावटी दूध बनाने के लिए कर रहे थे,

जो स्कूलों और आंगनवाड़ियों में सप्लाई किया जाता है। अधिकारियों और पुलिस ने इस रैकेट का पर्दाफाश करते हुए आंध्र प्रदेश मूल के वेंकटेशप्पा, बालाजी, दिलीप, बलाराजू और मनोहर समेत कुल 5 लोगों को दूध गाढ़ा करने के लिए केमिकल मिला हुआ पॉम ऑयल इस्तेमाल करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

ठंड का 20 साल का रिकॉर्ड टूटा, कब होगी बारिश और कहां बढ़ेगी ठिठुरन

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली सहित उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड और कोहरे का डबल अटैक जारी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग की ताजा चेतावनी ने चिंताओं को और बढ़ा दिया है। मौसम विभाग ने अगले 2-3 दिनों के लिए कई राज्यों में 'गंभीर शीतलहर' की चेतावनी जारी की है। कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम होने से यातायात बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। दिल्ली में ठंड ने पिछले दो दशकों के रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। पालम में पारा 2.3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, जो पिछले 20 साल में सबसे कम है। दिल्ली का औसत न्यूनतम तापमान 2.9 डिग्री दर्ज किया गया। कड़ाके की ठंड के साथ प्रदूषण भी बढ़ गया है। दिल्ली का एक्यूआई 343 (बहुत खराब) श्रेणी में पहुंच चुका है। दिल्ली में शुक्रवार को भी शीतलहर जारी रहेगी और शाम को बादल छा सकते हैं।

21 जनवरी के बीच उत्तर भारत के मौसम में एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल और उत्तराखंड में मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना है। कश्मीर की डल झील का पानी कई जगहों पर जम गया है। वहीं, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान और पश्चिमी यूपी में 18 से 20 जनवरी के बीच छिटपुट बारिश हो सकती है।

वहीं, देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में एक बार फिर से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। पिछले कई दिनों से दोपहर में हो रही धूप से ठंड से कुछ राहत मिली थी, लेकिन अब एक बार फिर ठंड ने अपना प्रकोप दिखाना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग के अनुसार, 19 और 20 जनवरी को यूपी के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है। इससे ठंड में और इजाफा होगा।

राजस्थान में मौसम का मिजाज

राजस्थान के कई हिस्से में शीतलहर और घने कोहरे का प्रकोप जारी है। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी कुछ दिनों में तापमान में मामूली बढ़ोतरी होने की संभावना जताई गई है। एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 17-18 जनवरी को राज्य के उत्तरी व पश्चिमी हिस्से में कहीं-कहीं आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है। इससे आगामी 48 घंटों में न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी होने व शीतलहर से राहत मिलने का अनुमान है। वहीं, एक और मजबूत पश्चिमी विक्षोभ 22 से 24 जनवरी के दौरान सक्रिय हो सकता है।

वॉकी-टॉकी बेचकर देश की सुरक्षा से खिलवाड़? अमेज़न, फ्लिपकार्ट, मेटा पर गिरी गाज लगाया लाखों की फाइन

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। आज के डिजिटल दौर में हम सुई से लेकर गैजेट्स तक सब कुछ ऑनलाइन मंगवाना पसंद करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी पसंदीदा शॉपिंग वेबसाइट्स पर कुछ ऐसा भी बिक रहा है जो कानूनन गलत है? हाल ही में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने एक बड़ा खुलासा करते हुए बताया है कि अमेज़न और फ्लिपकार्ट जैसे बड़े प्लेटफॉर्म्स पर धड़ल्ले से गैर-कानूनी वॉकी-टॉकी बेचे जा रहे थे। यह किसी अवैध सामान को गैर-कानूनी तरीके से बेचनेभर का मामला नहीं है, बल्कि देश की सुरक्षा और कम्युनिकेशन सिस्टम से जुड़ा एक गंभीर मुद्दा है, जिस पर सरकार ने अब कड़ा रुख अपनाया है। इस पूरे मामले की शुरुआत तब हुई, जब सीसीपीए ने खुद संज्ञान लेते हुए पाया कि कई ई-कॉमर्स कंपनियां बिना किसी आधिकारिक अनुमति या लाइसेंस के वॉकी-टॉकी (पर्सनल मोबाइल रेडियो) की लिस्टिंग कर रही हैं।

राज्यसभा सांसद बोलीं- कांग्रेस विधायक की मानसिकता खराब

फूल सिंह बरैया ने कहा था- एससी-एसटी विधायकों की स्थिति कुत्ते जैसी; बाल्मीकि ने कहा-माफी मांगें

जबलपुर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के भांडेर से कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया ने अनुसूचित जाति–जनजाति वर्ग (एससी-एसटी) के विधायक-सांसदों की तुलना कुत्ते से कर दी थी। उन्होंने कहा था कि, 'बाबा साहब ने कहा था कि जॉइंट इलेक्टोरल में प्रवेश करने के बाद हमारे प्रतिनिधि कैसे होंगे... जैसे कुत्ते के मुंह पर बंधी पट्टी। काटने की बात छोड़िए, वह कुत्ता भौंक भी नहीं पाएगा।' कांग्रेस विधायक के इस बयान पर राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीक ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे मानसिक रूप से विकृत बयान करार देते हुए आलोचना की। राज्यसभा सांसद ने कहा कि जनता ने उन्हें चुनकर बड़ी गलती की है। फूल सिंह बरैया को यह नहीं पता कि इतिहास इस बात का गवाह है कि हिंदू धर्म की रक्षा में एससी वर्ग के लोगों की बड़ी भूमिका रही है।

सुमित्रा बाल्मीक ने कहा कि जिस तरह से उन्होंने एससी-एसटी वर्ग के विधायक और सांसदों के बारे में कहा, वह बेहद शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि फूल सिंह बरैया को एससी-एसटी समुदाय से माफी मांगना चाहिए। सांसद ने यह भी कहा कि कांग्रेस विधायक ने एससी-एसटी के प्रतिनिधियों को नहीं, बल्कि उन्हें चुनकर विधानसभा और लोकसभा तक पहुंचाने वाली जनता को गाली दी है। इनकी मानसिकता खराब हो गई है। बरैया ने कहा था, हम कोशिश करें कि हमारा आदिवासी हिंदू न बन पाए। अगर आदिवासी सरना (वनों का धर्म) बन जाए तो आदिवासी की भी मुक्ति का मार्ग निकल सकता है।

स्वतंत्र वार्ता
शनिवार, 17 जनवरी- 2026

ईरान में गहराता संकट

ईरान में जिस तरह से दिनों दिन संकट गहराता जा रहा है वह केवल एक देश की आंतरिक समस्या नहीं रह कर पूरी दुनिया को प्रभावित करने वाला है। अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच ईरान द्वारा अपने हवाई क्षेत्र को व्यावसायिक उड़ानों के लिए बंद किया जाना इस बात का संकेत है कि हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं। ऐसे में भारत के लिए भी यह घटनाक्रम किसी दूरस्थ क्षेत्र की उथल-पुथल नहीं, बल्कि पश्चिम और मध्य एशिया से जुड़े उसके रणनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा हितों को सीधे-सीधे प्रभावित करने वाला संकट है। बता दें कि भारत और ईरान के रिश्ते हमेशा से व्यावहारिक और संतुलित रहे हैं। ये संबंध केवल कूटनीतिक संवाद तक सीमित नहीं रहे, बल्कि व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय संपर्क से गहराई से जुड़े रहे हैं। अमेरिका और ईरान के बीच की बढ़ती टकराहट ने इन समीकरणों को झकझोर दिया है। ऐसे में भारत ने सावधानी भरा रुख अपनाते हुए ईरान के राजनीतिक नेतृत्व से संपर्क बनाए रखा है, ताकि बदलते हालात में भी भारत के हितों को सुरक्षित रखा जा सके। सबसे तात्कालिक और संवेदनशील मुद्दा ईरान में रह रहे हजारों भारतीयों की सुरक्षा का है। हालात के और बिगड़ने की आशंका को देखते हुए भारतीय अधिकारी ज़मीनी स्तर पर नागरिकों से संपर्क कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर उन्हें सुरक्षित निकालने की पूरी तैयारी है। ईरान में अस्थिरता का असर भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक परियोजनाओं पर भी पड़ सकता है। चाबहार बंदरगाह भारत के लिए केवल एक व्यापारिक परियोजना नहीं, बल्कि पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए अफगानिस्तान, मध्य एशिया, रूस और यूरोप तक पहुंचने का एक अहम रास्ता है। इस परियोजना में भारत ने भारी निवेश किया है। लेकिन ईरान में जारी राजनीतिक उथल-पुथल से भारत की रेलवे परियोजनाओं की प्रगति पर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर रही है। वहां चीन की बढ़ती भूमिका भारत की चिंता को और बढ़ाती है। यदि ईरान में चीन का प्रभाव और मजबूत होता है, तो इससे क्षेत्रीय शक्ति संतुलन बदल सकता है। इसका असर भारत की समुद्री और क्षेत्रीय रणनीति पर पड़ना तय है। पश्चिम एशिया में किसी भी बड़े बदलाव का सीधा प्रभाव भारत के रणनीतिक हितों पर पड़ना स्वाभाविक है। ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर भी हालात चुनौतीपूर्ण हैं। ईरान लंबे समय तक भारत के लिए एक महत्वपूर्ण तेल आपूर्तिकर्ता रहा है, लेकिन प्रतिबंधों और राजनीतिक अस्थिरता ने इस रिश्ते की डोर को कमजोर किया है। अब तनाव बढ़ने पर तेल बाजारों में अस्थिरता, कीमतों में उछाल और वैश्विक आपूर्ति पर दबाव भारत की अर्थव्यवस्था के लिए नई मुश्किलें खड़ी कर सकता है। इस वर्ष भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। ऐसे में ईरान संकट भारत के सामने एक कठिन संतुलन की चुनौती पेश कर सकता है, जहां उसे अपने रणनीतिक हितों की रक्षा भी करनी है और किसी महाशक्ति संघर्ष में सीधे उलझने से भी बचना है। भारत-ईरान संबंध कभी विचारधारा से संचालित नहीं रहे, बल्कि भूगोल, संपर्क और क्षेत्रीय स्थिरता की जरूरतों पर आधारित रहे हैं। ईरान में किसी भी तरह की बड़ी अस्थिरता भारत के वर्षों से बनाए गए व्यापारिक रिश्तें, कूटनीतिक समीकरणों और सुरक्षा गणनाओं को प्रभावित कर सकती है। यदि हालात और बिगड़ते हैं, तो इसका असर क्षेत्रीय राजनीति के साथ ही तेल बाजारों में उथल-पुथल,और वैश्विक सुरक्षा ढांचे पर भी पड़ेगा।

ईरान को तारणहार की तलाश!

कमलेश पाण्डेय

खाड़ी देश ईरान में बढ़ते जनअसंतोष से अमेरिका-इजरायल के पौ बारह हो चुके हैं। जिस तरह से अमेरिका ने इस जनअसंतोष को हवा दी, उससे तो यही प्रतीत होता है कि देर सबेर ईरान को घुटने टेकने ही पड़ेंगे या फिर चीन-रूस-तुर्किये के अलावा इस्लामिक देशों का साथ लेकर उसे अपने अस्तित्व की रक्षा करनी होगी है। हालांकि वेनेजुएला का नजीर उसके सामने है। अमेरिका जो चाहता है, कर लेता है। यहां भी रूस-चीन उसके राष्ट्रपति को नहीं बचा पाए। इसलिए यक्ष प्रश्न है आखिर ईरान कैसे अमेरिकी चक्रव्यूह को भेदेगा? क्या चीन-रूस-तुर्किये समेत 56 मुस्लिम देश ईरान की मदद को आगे आएंगे और उसका तारणहार बनेंगे?

ऐसा सुलगता सवाल इसलिए कि ईरान अमेरिकी दबाव, सैन्य धमकियों और आंतरिक विरोध प्रदर्शनों के बीच गंभीर संकट में फंसा हुआ है जहां ट्रंप प्रशासन स्ट्राइक विकल्पों पर विचार कर रहा है। ऐसे में ईरान के पास प्रतिक्रिया के सीमित लेकिन रणनीतिक विकल्प बाकी हैं जो सैन्य, कूटनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों में फैले हैं हालांकि, ईरान को यह ध्यान रखना होगा कि रूस या चीन के भरोसे वह कोई रिस्क नहीं ले क्योंकि वेनेजुएला का उदाहरण उसके सामने है।

बेहतर होगा कि ईरान दुनिया के 56 मुस्लिम देशों के साथ अपने अस्तित्व रक्षा की डील करे। इससे उनकी इस्लामिक सियासत की परीक्षा भी हो जाएगी क्योंकि अधिकांश मुस्लिम देश तो अमेरिका व यूरोप के गठजोड़ के समक्ष नतमस्तक रहते हैं। वहीं ईरान को इराक व सीरिया के हश्र से भी सबक लेनी चाहिए लेकिन अफगानिस्तान मॉडल को अपना कर देर सबेर ईरान खुद को अमेरिकी चंगुल से बचा सकता है। इसलिए, ईरान आत्मरक्षार्थ सैन्य विकल्प आजमाने हेतु अपनी रणनीति मजबूत करे क्योंकि ईरान अपनी मिसाइल क्षमता और क्षेत्रीय प्रॉक्सी ताकतों (जैसे-हिजबुल्लाह, हूती, इराकी मिलिशिया) का उपयोग करके अमेरिकी और उसके सहयोगियों के ठिकानों पर हमला कर सकता है। साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य बंद करना या अमेरिका के खिलाफ साइबर हमले भी संभावित हैं लेकिन ये पूर्ण युद्ध को आमंत्रित कर सकते हैं।

शायद इसलिए ईरान को कूटनीतिक रास्ते अपनाने होंगे। ईरान अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के साथ संवाद को पुनः शुरू कर सकता है जैसा विदेश मंत्री अराघची ने संकेत दिया है, वहीं क्षेत्रीय सहयोगियों (रूस, चीन) से समर्थन मांगना या परोक्ष वार्ता भी एक प्रयास हो सकता है। ईरान आर्थिक प्रतिरोध भी कर सकता है। इस हेतु ईरान अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद तेल निर्यात जारी रखे या वैकल्पिक व्यापारिक रास्ते (चीन, तुर्की) मजबूत करे जो ईरान की सफल रणनीति साबित हो सकती है हालांकि, ईरान का आर्थिक संकट गहरा रहा है जो उसकी आंतरिक अस्थिरता को बढ़ा सकता है। मौजूदा जनअसंतोष की यही वजह है।

जहां तक ईरान की आंतरिक स्थिरता की बात है तो विरोध दबाने के लिए आईआरजीसी और बसीज तैनाती बढ़ाना जारी है लेकिन यह विद्रोह को भड़का सकता है। जिस तरह से ईरानी सेना उपद्रवियों के दमन कर रही है, उससे जनअसंतोष और भड़क सकता है और भड़क भी रहा है क्योंकि प्रदर्शनकारियों को अमेरिका, रजा शाह और इजरायल का पूरा सहयोग व नैतिक समर्थन मिल रहा है। इसलिए, ईरान अपने न्यूक्लियर कार्यक्रम को तेज करे क्योंकि ऐसा करना उसकी हिफाजत का अंतिम हथियार हो सकता है।

कहना न होगा कि ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों और आर्थिक संकट ने भारी दबाव डाला है जहां मुद्रा अवमूल्यन और 64% खाद्य महंगाई आम जनता को प्रभावित कर रही है।

क्या ममता पर बड़ी कार्रवाई हो सकती है?

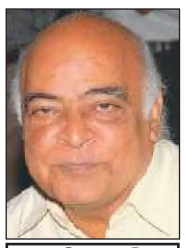
अशोक भाटिया

प्रवर्तन निदेशालय (ED) की कार्यवाही में ममता बनर्जी सरकार की कथित दखलंदाजी यदि अदालत में सिद्ध होती है, तो यह तृणमूल कांग्रेस सरकार के लिए गंभीर संवैधानिक संकट खड़ा कर सकती है। क्योंकि मुख्यमंत्री होने के नाते गिरफ्तारी से कोई संवैधानिक सुरक्षा नहीं मिलती और अगर ED साबित कर दे कि फाइल्स जांच से जुड़ी हैं, तो ममता पर बड़ी कार्रवाई हो सकती है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी। वी। आनंद बोस इस विषय को पहले ही संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन के रूप में चिन्हित कर चुके हैं। उनका यह कहना कि 'वे चुप नहीं बैठ सकते', संकेत देता है कि राजभवन इस पूरे घटनाक्रम को केवल राजनीतिक विवाद नहीं, बल्कि संवैधानिक प्रश्न मान रहा है। संविधान के तहत राज्यपाल केंद्र का प्रतिनिधि होता है और उसकी रिपोर्ट राष्ट्रपति शासन का आधार बन सकती है।

दरअसल, पश्चिम बंगाल की राजनीति पिछले डेढ़ दशक से केवल सत्ता परिवर्तन या चुनावी संघर्ष की कहानी नहीं रही है। 2011 में ममता बनर्जी के सत्ता में आने के बाद राज्य की राजनीति एक ऐसे दौर में दाख़िल हुई, जहां राज्य सरकार, राज्यपाल, न्यायपालिका और केंद्र सभी के बीच संबंध अक्सर तनावपूर्ण रहे। इसी कारण ममता बनर्जी के शासनकाल में कई बार ऐसा माहौल बना जब यह प्रश्न राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बना कि क्या पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है? हालांकि अब तक यह आशंका कभी वास्तविकता में नहीं बदली, लेकिन इसके पीछे की परिस्थितियां और टकराव बंगाल की समकालीन राजनीति को समझने के लिए अहम हैं।

फ़िलहाल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तृणमूल कांग्रेस की राजनीतिक सलाहकार आई-पैक के कोलकाता कार्यालय पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापे की कड़ी निंदा की। ममता बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा तृणमूल कांग्रेस के आईटी सेल के प्रमुख और तृणमूल कांग्रेस के आईटी सेल के प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर छापा मारकर उनकी पार्टी के आंतरिक डेटा को जब्त करने की कोशिश कर रही है। जब ईडी ने कार्यालय पर छापा मारा तो ममता नाराज हो गईं। यह संभवतः पहली बार है जब किसी मुख्यमंत्री ने ईडी के छापे के विरोध में व्यक्तिगत रूप से किसी सलाहकार निकाय के कार्यालय का दौरा किया है। पार्टी के सांसदों ने दिल्ली में भी विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारियों को इन आरोपों के खिलाफ विरोध करने का अधिकार होना चाहिए कि जांच तंत्र निष्पक्ष नहीं है; ईडी ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार को भी नोटिस जारी किया था, जिन्होंने उन्हें बिना किसी आक्रामकता के ईडी कार्यालय में आने की चुनौती दी थी।रॉबर्ट वाड्रा से ईडी कई बार पूछताछ कर चुकी है। उन्हें घंटों बैठाया गया; लेकिन उनमें से किसी ने भी आक्रामक तरीके से काम नहीं किया। इस पृष्ठभूमि में, यह ममता ही हैं जो सत्ता में होने के बाद भी मार्च निकालती हैं, जिसे तात्कालिकता की राजनीति कहा जाता है। पश्चिम बंगाल की राजनीति पर एक नज़र डालने से पता चलता है कि कांग्रेस पिछले पचास वर्षों में पहले की तरह सत्ता में नहीं आई है; लेकिन वामपंथियों ने कांग्रेस को सत्ता से छीन लिया और ममता ने वाम की सत्ता को चकनाचूर कर दिया। पिछले 15 वर्षों में, कांग्रेस और वाम कमजोर हो गए हैं और उनकी जगह भाजपा ने ले ली है। कांग्रेस अब शून्य पर है और 34 वर्षों तक शासन करने वाला वाम मोर्चा पिछले विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत सका। इसके विपरीत, भाजपा 41 प्रतिशत वोट और 77 सीटों के साथ मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी, हालांकि 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की संख्या 2019 की तुलना में कम थी। हालांकि, उनके 39 प्रतिशत वोट शेयर और 12 सीटें दर्शाती हैं कि उनके पास राज्य में तृणमूल कांग्रेस का एक मजबूत विकल्प है। ममता को शुरू में पश्चिम बंगाल में मुस्लिम वोट का समर्थन मिला था, जिसमें 29 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता हैं। ममता यह जानते हुए कि वह अकेले मुस्लिम वोटों के आधार पर नहीं चुनी जा सकती हैं, उन्होंने हिंदू वोट के लिए तुष्टिकरण की राजनीति का सहारा लिया। इस साल के विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने के भाजपा के दावे को अतिशयोक्ति के रूप में खारिज नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 2021 का चुनाव उसी आत्मविश्वास के साथ लड़ा था, जो तृणमूल कांग्रेस से पीछे रह गया था। पश्चिम बंगाल में 2021 की तुलना में राजनीतिक माहौल काफी बदल गया है। पड़ोसी बांग्लादेश की घटनाओं ने पूरे देश को प्रभावित किया। प्रभावित। पश्चिम बंगाल में लगभग 29 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता तृणमूल कांग्रेस की ताकत हैं और भाजपा विरोधी, वामपंथी मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा तृणमूल कांग्रेस की ताकत है। सत्ता परिवर्तन तभी संभव है जब मुस्लिम वोट बैंक को झटका लगे या भाजपा के पक्ष में हिंदू वोट का व्यापक ध्रुवीकरण हो। पिछले कुछ वर्षों में, वाम मोर्चे और बाद में ममता बनर्जी सरकार के दौरान बांग्लादेश से घुसपैठ पश्चिम बंगाल के बाहर के घुसपैठियों के 24 परगना क्षेत्रों में वितरित आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र की घुसपैठ में पाई गई है यह साबित हो चुका है।

हाल ही में शाह ने कहा था कि पश्चिम बंगाल के चारों ओर घेराबंदी की जाएगी ताकि कोई घुसपैठिया अंदर न आ सके। सवाल यह है कि पिछले दस सालों में किसने उनके हाथ बांधे थे। लेकिन शाह घुसपैठियों को रोकने की कोशिश करने के बजाय सीमा पर बाड़ लगाने में ममता को चित्रित करने में अधिक रुचि रखते हैं। मुस्लिम वोटों को मजबूत करने की कोशिश में, ममता वही कदम उठाती दिख रही हैं जिनका वह वामपंथी शासन के दौरान विरोध करती थीं। विशेष रूप से हिंदुओं के खिलाफ हिंसा और बांग्लादेश में बढ़ते चरमपंथ ने हिंदू मतदाताओं को पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है। इस पृष्ठभूमि में हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखी। हर शुक्रवार को वहां सामूहिक सभा और भारी मात्रा में धन की आमद ने हिंदू मतदाताओं के बीच पुनर्विचार की भावना पैदा की है। दूसरी ओर, ममता मुस्लिम वोटों के विभाजन का शिकार होंगी। पिछले विधानसभा चुनाव में ममता ने खुद को धर्मनिष्ठ हिंदू के रूप में पेश करने के लिए मंच से चंडी मठ का पाठ किया था। इस बार भी ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि वह चुनाव से पहले सिलीगुड़ी में दुर्गा आंगन और महाकाल मंदिर निर्माण की घोषणा करेंगी।इसलिए आंशिक ध्रुवीकरण की रणनीति ममता बनर्जी द्वारा अपनाई जा रही है। ममता सरकार के दौरान सामने आए राज्य प्रायोजित भ्रष्टाचार के मामले, विपक्ष का दमन, आरजी कार मेडिकल कॉलेज से लेकर संदेशखली तक महिलाओं के शोषण के आरोप, मुस्लिम कट्टरवाद को बढ़ावा देना, बेरोजगारी, पलायन और धीमी ग्रोथ ये सभी मुद्दे तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ जा रहे हैं। नतीजतन, भाजपा इस बार उन्हें चुनौती देने के लिए तैयार नजर आ रही है।

डिजिटल शोर में शब्दों का शाश्वत स्वर

योगेश कुमार गोयल

नई दिल्ली के भारत मंडपम में 10 से 18 जनवरी तक आयोजित हो रहा 53वां नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया तेजी से डिजिटल स्क्रीन पर सिमटती जा रही है और पढ़ने की आदत को लेकर लगातार चिंता व्यक्त की जाती रही है। ऐसे में यह आयोजन न केवल किताबों का बाजार है बल्कि यह उम्मीद का वह दीप भी है, जो बताता है कि शब्दों की रोशनी अब भी मनुष्यता का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय पुस्तक न्यास और भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन के सहयोग से आयोजित यह नौ दिवसीय मेला इस वर्ष कई मायनों में ऐतिहासिक है। पहली बार इसकी एंट्री पूरी तरह मुफ्त रखी गई है, जिससे ज्ञान तक पहुंच को सचमुच लोकतांत्रिक बनाया गया है। यह कदम केवल प्रतीकात्मक नहीं बल्कि उस सोच का विस्तार है, जिसमें किताबों को किसी विशेष वर्ग की वस्तु नहीं बल्कि समाज की साझा धरोहर माना गया है। जब किसी मेले में प्रवेश के लिए जेब नहीं, केवल जिज्ञासा की जरूरत हो तो वहां ज्ञान अपने आप ही जनांदोलन का रूप ले लेता है।

इस वर्ष पुस्तक मेले की थीम 'भारतीय सैन्य इतिहासः शौर्य और ज्ञान @75' अपने आप में गहरी अर्थवत्ता समेटे हुए है। आजादी के 75 वर्षों की यात्रा में भारत ने केवल सीमाओं की रक्षा ही नहीं की बल्कि रणनीतिक बुद्धिमत्ता, वैज्ञानिक प्रगति और मानवीय मूल्यों के साथ सैन्य परंपरा को आगे बढ़ाया है। हॉल नंबर 5 में बना थीम पवेलियन एक जीवंत इतिहास बनकर सामने आता है, जहां अर्जुन टैंक, आईएनएस विक्रांत और एलसीए तेजस की प्रतिकृतियां केवल तकनीकी उपलब्धियां नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत की कहानी कहती हैं। 21 परमवीर चक्र विजेताओं को समर्पित श्रद्धांजलि स्थल यह याद दिलाता है कि स्वतंत्रता और सुरक्षा केवल शब्द नहीं बल्कि अनगिनत बलिदानों का परिणाम हैं। यहां प्रदर्शित 500 से अधिक पुस्तकें और 100 से अधिक थीम आधारित कार्यक्रम सैन्य इतिहास को केवल युद्धों की कथा नहीं, नीति, विज्ञान और राष्ट्र निर्माण के व्यापक संदर्भ में प्रस्तुत करते हैं। मेले का उद्घाटन करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पुस्तकों को पीढ़ियों को जोड़ने वाला सेतु बताया। पुस्तकें सभ्यताओं की स्मृतियों को संजोती हैं और समाज को दिशा देती हैं। डिजिटल युग में ज्ञान को सुलभ और समावेशी बनाने की सरकार की प्राथमिकता इस मेले में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय के माध्यम से 23 से अधिक भाषाओं में उपलब्ध 6000 से ज्यादा मुफ्त ई-बुक्स और टेक्स्ट-टू-स्पीच जैसी सुविधाएं यह साबित करती हैं कि तकनीक और पुस्तकें एक-दूसरे की विरोधी नहीं बल्कि पूरक हो सकती हैं। यह मेला इस बहस को भी विराम देता है कि डिजिटल माध्यम छपी हुई किताबों का स्थान ले लेंगे। यहां दोनों एक साथ, एक-दूसरे को मजबूत करते दिखाई देते हैं।

विश्व पुस्तक मेले की सबसे सुंदर तस्वीर शायद वह है, जहां जेन-जी के युवा, जिन्हें अक्सर 'स्क्रीन की पीढ़ी' कहकर किताबों से दूर मान लिया जाता है, कागज के पन्नों में डूबे नजर आते हैं। पिक्सल्स के शोर से निकलकर वे शब्दों की गहराई को टटोलते हैं, अपनी पसंदीदा किताबें ढूंढ़ते हैं और बताते हैं कि तकनीक चाहे जितनी आगे बढ़ जाए, सुकून आज भी किताबों में बंद ज्ञान से ही मिलता है। कतर पवेलियन में हिंदी और उर्दू के तैरते अक्षरों को देखकर तकनीक में निपुण युवा भी ठहर जाते हैं। वे लुप्त होते पारंपरिक खेलों, गायब होते पक्षियों और सांस्कृतिक स्मृतियों की किताबों में खुद को खोजते हैं। यह दृश्य इस बात का प्रमाण है कि युवा पीढ़ी को किताबों से दूरी नहीं बल्कि सही मंच और माहौल की जरूरत है।

इस वर्ष मेले की अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति भी उल्लेखनीय है। 35 से अधिक देशों के 1000 से ज्यादा प्रकाशक, 1000 से अधिक लेखक और वक्ता तथा 600 से ज्यादा साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम इसे सचमुच वैश्विक उत्सव बनाते हैं। कतर का गेस्ट ऑफ ऑनर और स्पेन का फोकस कंट्री होना भारत के सांस्कृतिक कूटनीति के विस्तार को दर्शाता है। स्पेन-भारत ड्यूल ईयर 2026 के तहत दोनों देशों के लेखकों और साहित्य को मिला मंच यह बताता है कि किताबें केवल पढ़ने की वस्तु नहीं बल्कि देशों के बीच संवाद का माध्यम भी हैं। पुस्तक मेले की सांस्कृतिक आभा इसे और जीवंत बनाती है। एम्फीथिएटर में हर शाम संगीत, कविता पाठ और नाट्य प्रस्तुतियां आयोजित हो रही हैं, जहां शब्दों के साथ सुर और अभिनय मिलकर संस्कृति का उत्सव रचते हैं। यहां बुजुर्ग किताबों के बीच बने सेल्फी प्वाइंट पर मुस्कुराहटें कैद करते हैं तो बच्चे 'किड्ज एक्सप्रेस' पवेलियन में कहानी सत्रों और रचनात्मक गतिविधियों के जरिए सीखने की नई दुनिया में कदम रखते हैं। बच्चों के लिए यह मेला केवल मनोरंजन नहीं बल्कि एक ऐसा अनुभव है, जो उनके मन में किताबों के प्रति आजीवन प्रेम बो सकता है।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का इतिहास भी इसकी महत्ता को और गहराई देता है। 1972 में विंडसर प्लेस से शुरू हुआ यह सफर आज 53 वर्षों का हो चुका है। तब केवल 200 प्रकाशक और कुछ ही देश शामिल होते थे, आज यह एशिया के सबसे बड़े और दुनिया के सबसे बड़े बी2सी बुक फेयर में गिना जाता है। यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि बदलते समय के बावजूद पुस्तकों का महत्व कम नहीं हुआ बल्कि हर दौर में नए रूप में सामने आया है। पुस्तकें केवल जानकारी नहीं देती, वे सोचने की क्षमता विकसित करती हैं। इलैक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया हमें त्वरित सूचनाएं तो देते हैं लेकिन अक्सर निष्क्रिय स्वीकृति की आदत डाल देते हैं। इसके विपरीत, पुस्तकें ध्यान, एकाग्रता और कल्पनाशीलता की मांग करती हैं। वे प्रश्न पूछने की क्षमता जगाती हैं और उत्तर खोजने का धैर्य सिखाती हैं। जब हम अकेले होते हैं, उदास या परेशान होते हैं, तब किताबें ही सच्ची मित्र बनकर हमारा साथ देती हैं। यही कारण है कि साहित्यकारों ने सदैव पुस्तकों को अखंड संपत्ति और नैतिकता की संदेशवाहक माना है।

आज जब समयाभाव के नाम पर हम पढ़ने से कतराने लगे हैं, तब विश्व पुस्तक मेला जैसे आयोजन हमें यह याद दिलाते हैं कि ज्ञान कभी बेकार नहीं होता। किताबें विभिन्न संस्कृतियों, भाषाओं और पहचानों को एक साझा विरासत के इर्द-गिर्द जोड़ती हैं। अर्नेस्ट हेमिंग्वे के शब्दों में, एक अच्छी किताब से ईमानदार मित्र कोई नहीं होता। नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2026 इसी मित्रता का उत्सव है, जहां शब्द, विचार और संस्कृति एक-दूसरे से गले मिलते हैं। कुल मिलाकर, यह मेला केवल किताबों की खरीद-फरोख्त का स्थान नहीं बल्कि पढ़ने की संस्कृति का सबसे बड़ा सार्वजनिक उत्सव है। यह युवाओं को यह संदेश देता है कि भविष्य केवल तकनीक से नहीं, विचारों से बनता है। यह बच्चों को यह अहसास कराता है कि किताबें उनके जीवन की साथी हो सकती हैं, साथ ही यह समाज को भी स्मरण कराता है कि शब्दों की शक्ति कभी समाप्त नहीं होती। बिना टिकट, बिना बाधा और बिना भेदभाव, नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2026 ज्ञान, इतिहास, संगीत और संस्कृति का वह संगम है, जो सचमुच इसे बेहद खास बनाता है।

अभाव का उत्सव

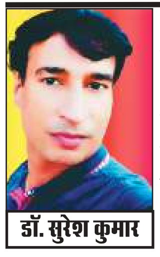
डॉ. सुरेश कुमार

रात के सन्नाटे में घड़ी की सुइयां जब एक-दूसरे पर चढ़ीं, तो लगा जैसे समय भी थककर सुस्ता रहा है। शरद ने ड्राइंग रूम की 'इटैलियन मार्बल' वाली ठंडी फर्श पर अपने पैर रखे। उसे लगा जैसे वह किसी बर्फीली झील पर चल रहा हो। बगल के कमरे से उसकी माँ, शारदा जी के खाँसने की आवाज़ आई—एक ऐसी सूखी, नपी-तुली खाँसी जिसे सुनकर कोई भी कह दे कि यह बीमारी से ज़्यादा 'स्मृति' दिलाने के लिए है। शरद दबे पाँव उनके कमरे के पास गया। दरवाज़ा थोड़ा खुला था। कमरे में मखमली गद्दे वाला 'किंग साइज' बेड खाली पड़ा था, और नीचे ज़मीन पर एक पुरानी, खुरदरी दरी बिछी थी। शारदा जी उसी पर लेटी थीं। सिर के नीचे तकिया नहीं, बल्कि एक मोटी धार्मिक किताब थी जिसे उन्होंने तौलिए में लपेट रखा था। माँ, बेड पर क्यों नहीं सोईं? कमर में दर्द हो जाएगा, शरद ने लगभग फुसफुसाते हुए कहा।शारदा जी ने आँखें नहीं खोलीं। धीमी आवाज़ में बोलीं, गद्दे में देह धंसती है बेटा, तो मन भी धंस जाता है। ज़मीन सख्त है, तो याद रहता है कि अभी सफर बाकी है। तू जा, अपनी रुई की गुफा में सो जा। यह 'रुई की गुफा' शब्द शरद के कलेजे में सुई की तरह चुभा। पिछले महीने उसने माँ के लिए तीन लाख की लागत से कमरे का कायाकल्प करवाया था, ताकि उन्हें बुढ़ापे में वह आराम मिल सके जो उन्होंने जवानी के अभावों में खो दिया था। पर माँ ने उस कमरे को 'असंग्रहालय' बना दिया था। अगली सुबह नाश्ते की मेज पर सन्नाटा था। शरद की पत्नी ने बड़े जतन से ओट्स और ताजे फल सजाए थे। शारदा जी अपनी कोठरी से निकलीं। उनके हाथ में एक लोहे की पुरानी कटोरी थी, जिसमें रात की बची हुई दो सूखी रोटियां थीं। अरे माँ, यह क्या? गरम परांठे बन रहे हैं, फल खाइए न, पत्नी ने चिढ़कर कहा। शारदा जी ने एक फीकी मुस्कान बिखेरी, जो पेट कल के जूठे से भर जाए, उसके लिए ताज़ा चूल्हा जलाना पाप है। तुम लोग खाओ छप्पन भोग, मुझे तो इसी बासी में तृप्ति मिलती है।

उस दिन शरद को अपना 'ब्रेकफास्ट' मिट्टी जैसा लगा। माँ ने बड़ी सादगी से यह साबित कर दिया था कि घर में वही अकेली 'संयमी' हैं और बाकी सब विलासिता के कीचड़ में लोट रहे हैं। दोपहर को शरद ने देखा कि माँ धूप में बैठी फटी हुई पुरानी साड़ियों के पैबंद जोड़ रही हैं। माँ, कल ही तो आपको पाँच नई सिल्क की साड़ियाँ लाकर दी थीं। उन्हें पहनिए न! शरद ने झुंझलाकर कहा। माँ ने चश्मे के ऊपर से उसे देखा। उनकी आँखों में एक 'पवित्र करुणा' थी, ₹बेटा, नई साड़ी तन ढँकती है, पुरानी यादें ढँकती है। इन फटे टुकड़ों में तेरे बाप की पसीने की गंध है। तू बड़ा आदमी बन गया, पर तुझे क्या पता कि गरीबी की सिलाई कितनी मज़बूत होती है।

शरद हार गया। वह समझ गया कि माँ को साड़ियों की ज़रूरत नहीं थी, उन्हें उस 'दिखावटी दरिद्रता' की ज़रूरत थी जिसके सहारे वह पूरे घर पर एक नैतिक दबाव बनाए रख सकें। वह 'शहीद' होने का सुख ले रही थीं। वह जताना चाहती थीं कि उनके बच्चे चाहे जितने महल खड़े कर लें, वह आज भी उसी 'संघर्ष के टापू' पर खड़ी हैं जहाँ से उन्होंने शुरुआत की थी।

खजाना लुट रहा और कोयले पर मुहर लगाने की जुगत

मनोज अग्रवाल

एक वरिष्ठ पत्रकार चिंतक संपादक ने फेसबुक पर लिखा है - कल खिचड़ी खाने के पूर्व पाँच मुट्ठी चावल और पाँच मुट्ठी उड़द की दाल दान के वास्ते हर सदस्य ने निकाली थी। घर में पाँच लोग हैं। इसलिए ढेर सारी खिचड़ी, रेवड़ियाँ, घी का पैकेट दे कर कहा गया, मंदिर में दे आओ। इसमें रुपये भी थे। मंदिर गया पर वहाँ जा कर लगा, पत्थर के देवता तो आस्था के प्रतीक हैं। ये तो खाएँगे नहीं। मंदिर की प्रबंध कमेटी के लोग हर तरह के धतकर्म करते हैं, वे रख लेंगे। यदि पुजारी को दूँ तो वही कौन-सा धर्मात्मा है! इसलिए मैंने वह सारा सामान जाड़े से ठिठुरते झाड़ू लगा रही एक स्त्री को दे दिया। पत्थर की मूर्ति से क्या

अपेक्षा और मंदिर के दानपात्र में डाल दो तो उस प्रबंध कमेटी के सेठ संभव है मेरी सामग्री को अपनी दुकान में ले जा कर बेच दें। मैंने निष्कर्ष निकाला कि दान वंचित को करें। भरे पेट सेठों को नहीं।

अब उनकी इस टिप्पणी पर मैंने सहृदयता से यह जबाव लिखा - देने वाला और है देवत है दिन रैन /लोग भरम मो पर करे ताको नीचे नैन। मैं ने आगे लिखा कि गीता के अनुसार सात्त्विक दान वह है जो एक हाथ से दूसरे हाथ को भी पता न चले। गीता में तीन तरह के दान बताए गए हैं एक सात्विक दूसरा राजसिक और तीसरा तामसिक। इसे आधुनिक कालखंड में इस तरह भी समझ सकते हैं राजसिक दान इन दिनों अडानी के हिस्से में आ रहा है तामसिक दान ट्रंप दादा येन-केन प्रकरेण वसूली करने पर आमादा है बचा सात्विक दान कथित अस्सी करोड़ लोगों को दीनदयाल अंत्योदय योजना से पिछले दशक से मिल रहा है जिनमें से आधे होंडा स्प्लेंडर बाइकों वैगन-आर सैंट्रो कार में बैठ कर मुफ्त का राशन लेने आते हैं और उसे बाजार में आधे पोने दाम पर बेच कर अपने राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण कर रहे हैं। अब अगर कोई श्रेष्ठ जन अपनी श्रद्धा आस्था से पांच मुठ्ठी चावल दाल मूंगफली और रेवड़ी मिला कर सुपात्र ढूंढ़ने का प्रयास करें और ढूंढ भी ले तो इस से किसी कर्मणाडी पंडित या भिखारी के परिवार का कितना भला हो सकता है? यह तो सिर्फ आत्म संतोष है बिल्कुल ऐसा कि सोना लुट गया और हम कोयले पर मुहर लगा रहे हैं।

देश पूंजीपति चला रहे हैं दल बदलते हैं दिल नहीं बदलते। अटल बिहारी वाजपेयी सही बता कर गए₹ सरकारें सब एक सी होती हैं कुछ कम खराब कुछ अधिक खराब सरकारों का मुखौटा बदलता है चरित्र नहीं बदलता क्योंकि जैसे ही सत्ता की लगाम किसी दूसरे राजनीतिक दल के पास पहुंचती है तो उसमें पिछले सत्ता धारी दूसरे दलों के कथित चरित्रवान सत्ता का आनंद उठाने के लिए एंट्री मार लेते हैं सत्ताधारी दल की मजबूरी होती है कि वह चीन की तर्ज पर विस्तार वादी नीति अपनाता है ताकि कुछ घटत बढ़त हो तो सत्ता बनी रहे और जब से विभिन्न क्षेत्रीय दलों के समर्थन और एलायंस से सत्ता पाने और चलाने का सिलसिला चला है हालात और भी रसातल में पहुंच गए हैं। अब एक गरीब वो वोट बैंक है जो जन्म से पैदा होता है और संविधान के दस साल की सीमा रेखा को 76 साल तक खींच कर मौज ले रहा है बेशक आइएएस आइपीएस सुप्रीम कोर्ट का न्यायमूर्ति बन जाए लेकिन आरक्षण की रेवड़ी को नहीं छोड़ ना चाहता इसी तर्ज पर कुछ और दबंग जाति से जुड़े होकर भी ओबीसी की मिठाई खाकर सेहत बना रहे हैं बचा कुचा बेड़ा गर्क उन अस्सी करोड़ मुफ्त के राशन खोरों में शामिल है जो पांच किलो मुफ्त राशन लेकर गरीब होने का फर्जी ढोंग कर पात्रों का हक मार रहें हैं यह सारा खेल भ्रष्ट व्यवस्था और नैतिकता के अलंबरदारों के देखरेख में चलता है और चलता रहेगा और हम मे से कुछ निरीह सज्जन हैं जो अपनी नेकी की कमाई से खरीदे पांच मुठ्ठी खिचड़ी के लिए भी सुपात्र की खोज करने की कोशिश कर रहे हैं। व्यवस्था धता बता रही है सत्ता खिलखिला रही है और आम आदमी रामराज की कल्पना में नैतिकता की नाव पर सवार होकर नीति नियंताओ की खोदी खाई से बाहर आने के लिए तिलमिला रहा है जय हो संविधान की जिसकी छत्रछाया में सब कुछ चल रहा है।

मौनी अमावस्या: स्नान-दान और पितृ तर्पण का दिन

मौनी अमावस्या 18 जनवरी रविवार के दिन है। धार्मिक दृष्टि से इस दिन को बेहद खास माना जाता है। इस दिन स्नान-दान और पितृ तर्पण करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। इस दिन क्या कार्य आपको करने चाहिए और क्या नहीं आइए इस बारे में जान लेते हैं।

मौनी अमावस्या को हिंदू धर्म में बेहद शुभ दिन माना जाता है। साल 2026 में मौनी अमावस्या 18 जनवरी को है। इस दिन धार्मिक क्रियाकलाप तो किए ही जाते हैं साथ ही पितृ तर्पण करना भी इस दिन शुभ होता है। इस पवित्र दिन पर आपको क्या कार्य करने से बचना चाहिए और किन कार्यों को करने से आपको शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है इसके बारे में आइए विस्तार से जानते हैं।

मौनी अमावस्या पर क्या करें

आपको मौनी अमावस्या के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान-ध्यान करना चाहिए और साथ ही अपने इष्ट देवी-देवता की पूजा करनी चाहिए। ऐसा करने से आपके जीवन की सभी परेशानियां दूर होने लगती हैं।

पितरों के निमित्त तर्पण, पिंडदान करना और पितरों की आराधना अगर आप इस दिन करते हैं तो आपको पितृ दोष से मुक्ति मिलती है और जीवन में सकारात्मकता आती है।

इस दिन आपको जरूरतमंद लोगों को अन्न, वस्त्र, धन का दान करना चाहिए। ऐसा करना पुण्य फलदायक होता है।

पितरों के निमित्त इस दिन आपको दक्षिण दिशा में चौमुखी दीपक जलाना चाहिए।

इस दिन पंचबली देने से भी शुभ फल प्राप्त होते हैं। पंचबली का अर्थ है कि घर में बनाए गए भोजन को गाय, कुत्ते, कौवे, चींटी और किसी ब्राह्मण को खिलाना।

मौनी अमावस्या के दिन आपको पीपल के पेड़ की आराधना करनी चाहिए और साथ ही इसकी परिक्रमा करनी चाहिए। ऐसा करना पितरों को प्रसन्न करता है।

इस दिन मौन व्रत रखना भी शुभ माना जाता है, ऐसा करने से आध्यात्मिक उन्नति आपको प्राप्त होती है। इसके साथ ही ध्यान और प्राणायाम भी आप इस दिन अवश्य करें।

मौनी अमावस्या पर क्या न करें

मौनी अमावस्या के दिन आपको गलती से भी मांस, मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए।

इस दिन जानवरों पर अत्याचार करने से बचें नहीं तो पितृ दोष लग सकता है।

इस दिन किसी के भी साथ वाद-विवाद और झगड़ा आपको नहीं करना चाहिए।

काम, क्रोध और लोभ को इस दिन खुद पर हावी न होने दें।

माघ अमावस्या के दिन घर में गलती से भी गंदगी न रखें।

मौनी अमावस्या के दिन गुप्त रूप से कर लें ये काम, बरकत बढेगी

कब है माघ अमावस्या?

पंचांग के अनुसार, माघ माह की अमावस्या तिथि की शुरुआत 18 जनवरी 2026 को दोपहर 12 बजकर 3 मिनट से शुरू हो रही है. वहीं इस तिथि का समापन अगले दिन 19 जनवरी 2026 को दोपहर 1 बजकर 21 मिनट पर हो जाएगा. इस तरह से उदय तिथि के अनुसार, इस साल माघ या कहें कि मौनी अमावस्या 18 जनवरी को मनाई जाएगी।

मौनी अमावस्या साल 2026 में 18 जनवरी को है। इस दिन को धार्मिक क्रियाकलापों, पितरों को प्रसन्न करने के लिए बेहद अहम माना जाता है। इसके साथ ही मौनी अमावस्या के दिन गुप्त रूप से आप एक काम कर लेते हैं तो आपके घर में बरकत आती है आज इसी के बारे में हम आपको जानकारी देंगे।

मौनी अमावस्या के दिन को पितृ कृपा प्राप्त करने के लिए बेहद शुभ माना जाता है। इसके साथ ही इस दिन भोलेनाथ और भगवान विष्णु की पूजा करने से भी आपको शुभ फलों की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही मौनी अमावस्या के दिन किए जाने वाला एक कार्य अगर आप

माघ अमावस्या पर क्या न करें?

इस दिन भूलकर भी तामसिक भोजन जैसे- मांस, मछली, लहसुन, प्याज आदि नहीं खाएं. क्रोध, लोभ और नकारात्मक विचारों से बचें. आसपास गंदगी न रहनें दें. भूलकर भी कुत्ता, गाय, कौवा आदि जानवरों को परेशान नहीं करें।

गुप्त रूप से कर लें तो आपके जीवन में बरकत आने लगती है और पितरों के साथ ही देवी-देवताओं का आशीर्वाद भी आपको प्राप्त होता है।

मौनी अमावस्या के दिन गुप्त से करें ये काम

आपको मौनी अमावस्या के दिन गुप्त रूप से कुछ चीजों का दान करना चाहिए। यानि दान इस तरह से किया जाना चाहिए कि जिसको आपने दान दिया है उसे आपके बारे में कभी कोई जानकारी न मिले। साथ ही आपके घर के लोगों को भी पता नहीं होना चाहिए कि आपने दान किया है।

इस तरह गुप्त रूप से अगर आप कुछ चीजों का दान करते हैं तो जीवन में समृद्धि आपको प्राप्त होती है और कई तरह के दोषों से भी आप मुक्ति होते हैं। आइए किन चीजों का दान आप इस दिन गुप्त रूप से कर सकते हैं।

आप अगर चाहते हैं कि मंगल ग्रह, और सूर्य का प्रभाव आपके जीवन पर शुभ हो और साथ ही श्रीहरि की कृपा भी आपको मिले तो मौनी अमावस्या के दिन आपको गुड़, गेहूं और लाल वस्त्र का दान गुप्त रूप से करना चाहिए। ऐसा करने से आपको पितरों का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है और सूर्य, मंगल की स्थिति भी कुंडली में सुधरती है। मौनी अमावस्या के दिन अगर आप काले तिल का दान करते हैं तो पितृ दोष से आपको मुक्ति मिलती है, आप चाहें तो गुप्त रूप से किसी मंदिर में भी काले तिल का दान कर सकते हैं। इस दिन काले तिल मिश्रित जल से शिवलिंग का जलाभिषेक करने से भी आपकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

मौनी अमावस्या के दिन धन का दान करना भी बेहद शुभ माना गया है। गुप्त रूप से अगर आप धन का दान करते हैं तो माता लक्ष्मी आप से प्रसन्न होती हैं और आपके जीवन में बरकत आती है।

ऊपर बताई गई चीजों के साथ ही अन्न, वस्त्र, जूते-चप्पल, चारपाई आदि का दान भी आप गुप्त रूप से मौनी अमावस्या के दिन कर सकते हैं। इन चीजों के दान से शनि, सूर्य, गुरु, मंगल, चंद्रमा सभी ग्रह शांत होते हैं और आपके जीवन में संकट नहीं आते।

परशुराम ने किस स्थिति में काटा था अपनी मां का गला, फिर पिता से मांगे तीन वरदान

परशुराम जी को बहुत बड़े पितृ भक्त के रूप में भी जाना जाता है. उन्होंने अपने पिता की आज्ञा का पालन करते हुए अपनी मां का सिर काट दिया था. फिर उन्होंने पिता से तीन वरदान मांगे थे. आइए इस कथा के बारे में विस्तार से जानते हैं।

जगत के पालनहार भगवान श्री हरि विष्णु के दस अवतार हैं. इन अवतारों में से ही एक है भगवान परशुराम. भगवान परशुराम विष्णु जी के छठवें अवतार हैं. माना जाता है कि भगवान परशुराम आज भी धरती पर वास कर रहे हैं. परशुराम भगवान का नाम राम था, लेकिन जब भगवान शिव ने उनको एक दिव्य फरसा दिया तो उनका नाम परशुराम पड़ गया.

भगवान परशुराम के पिता का नाम महर्षि जमदग्नि और उनकी माता का नाम रेणुका था. श्री हरुि विष्णु ने माता रेणुका के गर्भ से शुक्र की आंशिक उर्जा से परशुराम के रूप में जन्म लिया था. उनका कुल ब्राह्मण था, लेकिन वो स्वभाव और कर्म से क्षत्रिय के रूप में जाने जाते हैं. परशुराम जी को बहुत बड़े पितृ भक्त के रूप में भी जाना जाता है. उन्होंने अपने पिता की आज्ञा का पालन करते हुए अपनी मां का सिर काट दिया था. फिर उन्होंने पिता से तीन वरदान मांगे थे. आइए इस कथा के बारे में विस्तार से जानते हैं।

पतिव्रता नारी थीं माता रेणुका

बताया जाता है कि रेणुका माता का पतिव्रत धर्म बहुत ऊंचा था. रेणुका माता कभी भी पके हुए मिट्टी के घड़े में पानी नहीं लाती थीं, बल्कि वो अपने पतिव्रत धर्म से कच्ची मिट्टी के घड़े में ही में पानी लाया करती थीं.

घड़े से एक बूंद भी पानी नहीं गिरता था. एक कथा के अनुसार, एक दिन वो आश्रम से नदी में पानी लेने गईं. इस दौरान जल भरते समय उनकी नजर चित्रांगद नाम के एक गंधर्व पर पड़ी, जो अपनी अप्सराओं के साथ विलास में डुबा हुआ था।

ये सब देकखर माता रेणुका का मन एक छण के लिए मचल गया. फिर उसी समय उनका पतिव्रत धर्म नष्ट या कहें कि खंडित हो गया. इसके बाद जिस कच्ची मिट्टी के घड़े वो जल लेकर जाया करती थीं, उसमें पानी रुका ही नहीं. ये देखकर माता रोने लगीं और आश्रम वापस लौट आईं. इसके बाद महर्षि जमदग्नि आए और उन्होंने अपने तप के प्रभाव से सब कुछ जान लिया. महर्षि जमदग्नि सबकुछ जानकर बहुत क्रोधित हुए।

महर्षि जमदग्नि ने बेटों को दिया श्राप

महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के पांच बेटे थे. उन्होंने सबको बुलाया. सबसे पहले उन्होंने अपने सबसे बड़े बेटे को आदेश दिया कि अपनी मां का सिर काट दो. बेटे ने कहा कि आपकी आज्ञा हो तो मैं अपने प्राण दे सकता हूं, लेकिन मां के प्राण नहीं ले सकता. फिर उन्होंने क्रोध में बेटे को विवेकहीन हो जाने का श्राप दे दिया. इसी तरह तीनों बेटों ने मना कर दिया और सभी को महर्षि जमदग्नि ने विवेकहीन हो जाने का श्राप दे दिया।

परशुराम जी ने काटा मां सिर और मांगे वरदान

अंत में उन्होंने परशुराम जी को बुलाया और बाकी सब की तरह उन्हें भी मां का सिर काट देने के लिए कहा. परशुराम जी ने बिना एक पल विचार किए पिता की आज्ञा का पालन करते हुए माता रेणुका का सिर काट दिया. ये देखकर महर्षि जमदग्नि बहुत प्रसन्न हुए और बेटे से वरदान मांगने के लिए कहा. तब परशुराम जी ने तीन वरदान मांगे. परशुराम जी ने पहले वरदान के रूप में माता रेणुका का जीवन मांगा. दूसरे वरदान के रूप में परशुराम ने ये मांगा की मां को कभी याद न रहे कि मैंने उनका सिर काट दिया था।

तीसरे और अंतिम वरदान के रूप में उन्होंने पिता से अपने भाइयों की चेतना मांगी।

महर्षि जमदग्नि ने तीनों वरदान अपने पुत्र को दे दिए. एक कथा ये भी है कि माता रेणुका को सब कुछ याद था. उन्होंने एक दिन अपने पुत्र परशुराम को बुलाकर कहा था कि जिस तरह तुमने मुझे कष्ट दिया, उसी प्रकार एक दिन तुमको भी कष्ट होगा।

कहा जाता है कि रामायण काल में माता रेणुका कैकेयी के रूप में आई थीं. उन्होंने विष्णु जी के एक अन्य अवतार भगवान राम के लिए वनवास मांगा था।

सूखी तुलसी को यूं फेंकना पड़ जाएगा भारी; शास्त्रों में बताए गए हैं खास नियम

भारतीय हिंदू परिवारों के घरों में तुलसी का पौधा जरूर लगाया जाता है। सुबह शाम तुलसी वंदना सनातन धर्म की परंपरा रही है, जो वैदिक काल से आज तक निभाई जा रही है। सनातनियों के लिए तुलसी केवल एक औषधीय या सजावटी पौधा नहीं, बल्कि मां लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है। घर में तुलसी की नियम से आराधना से सकारात्मक ऊर्जा, सुख-समृद्धि और शांति का वास होता है। लेकिन कई बार मौसम, देखभाल की कमी या वास्तु दोष के कारण तुलसी का पौधा सूख जाता है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल होता है सूखी तुलसी का क्या करें? तुलसी सूख जाए तो क्यों न रखें घर में?

धार्मिक मान्यताओं और वास्तु शास्त्र के अनुसार सूखा हुआ तुलसी का पौधा घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ा सकता है। इसे लंबे समय तक घर में रखना मानसिक अशांति और आर्थिक रुकावटों का कारण बन सकता है। इसलिए सूखने के बाद तुलसी का सम्मानपूर्वक विसर्जन जरूरी होता है।

विसर्जन का सही समय और शुभ दिन

सूखी तुलसी को हटाने के लिए गुरुवार या शुक्रवार का दिन सबसे उत्तम माना गया है। इन दिनों भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा मानी जाती है। रविवार, एकादशी या ग्रहण के दिन तुलसी विसर्जन से बचना चाहिए।

सम्मानपूर्वक विसर्जन की सही विधि

तुलसी को जड़ से निकालते समय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करें। इसे कभी भी कचरे में न फेंकें। बेहतर है कि इसे किसी पवित्र नदी या बहते जल में प्रवाहित करें। नदी उपलब्ध न हो तो गमले की मिट्टी में गहरा गड्ढा खोदकर तुलसी को दबा दें, ताकि वह खाद बनकर मिट्टी में मिल जाए।

पुराने गमले की मिट्टी का क्या करें?

तुलसी की मिट्टी को भी पवित्र माना जाता है। इसे फेंकने की बजाय नए तुलसी के पौधे में या अन्य फूलों के गमलों में डाल सकते हैं। इससे मिट्टी की उर्वरता भी बनी रहती है।

तुलसी बार-बार सूख रही है तो अपनाएं ये उपाय

पुरानी तुलसी हटाने के बाद स्थान को गंगाजल से शुद्ध करें और नया पौधा लगाएं। सप्ताह में एक बार तुलसी की जड़ में थोड़ा जल और कच्चा दूध अर्पित करें। तुलसी को हमेशा उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा में रखें और उसके आसपास गंदगी या कांटेदार पौधे न लगाएं।

पवित्र विचारों से ही हमें शुभता मिलती है

हमारे विचार में बहुत बड़ी शक्ति होती है। जैसा हम सोचते हैं, वैसे ही हमारे कर्म होते हैं। विचारों से ही हमारा जीवन बनता है। जब हमारे विचार सकारात्मक, शुद्ध और वास्तविकता से जुड़ते हैं, तब हम अपने भीतर नई ताकत महसूस करते हैं। अच्छे विचार हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं और कठिनाइयों से लड़ने का साहस देते हैं। पवित्र और सही सोच के कारण हम अपनी अच्छाई को पहचान पाते हैं। इससे मन में शांति, विश्वास और खुशी आती है।

जनवरी के आखिरी 3 दिन खोल देंगे किस्मत के ताले

वैदिक ज्योतिष में ग्रहों का नक्षत्र परिवर्तन हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव डालता है। जब यह परिवर्तन लगातार और एक के बाद एक हो, तो इसका असर और तीव्र हो जाता है। 29 से 31 जनवरी के बीच 4 ग्रहों के नक्षत्र गोचर से कई शुभ योग बनेंगे। इस दौरान 7 राशियों के लिए धन लाभ और करियर ग्रोथ के प्रबल संकेत हैं।

ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों की चाल और उनका नक्षत्र परिवर्तन हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव डालता है। जब ग्रह एक के बाद एक बहुत कम समय में अपना नक्षत्र बदलते हैं, तो इसे बैक-टू-बैक नक्षत्र परिवर्तन कहा जाता है। इसे दुर्लभ माना जाता है, क्योंकि इसमें ग्रहों की ऊर्जा लगातार सक्रिय रहती है और जीवन के हर क्षेत्र जैसे धन, करियर, रिश्ते और मानसिक स्थिति पर तीव्र असर डालती है। जनवरी 2026 के अंतिम तीन दिनों में ऐसा ही एक दुर्लभ संयोग बन रहा है, जब 4 शक्तिशाली ग्रह बहुत कम समय के अंतराल में अपना नक्षत्र बदलेंगे।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस बैक-टू-बैक नक्षत्र गोचर का लाभ विशेष रूप से 7 राशियों को मिलेगा।

क्यों खास है ये बैक-टू-बैक ग्रह गोचर

मंगल, गुरु, बुध और शुक्र ये चारों ग्रह वैदिक ज्योतिष में बेहद प्रभावशाली माने जाते हैं। मंगल साहस और ऊर्जा का कारक है, गुरु ज्ञान और विस्तार का, बुध बुद्धि और व्यापार का, जबकि शुक्र सुख, ऐश्वर्य और धन का प्रतिनिधित्व करता है। जब ये सभी ग्रह थोड़े-थोड़े अंतराल में नक्षत्र बदलते हैं, तो विशेष योग बनते हैं, जो भाग्य को तेजी से सक्रिय कर सकते हैं।

29 से 31 जनवरी में होगा इन ग्रहों का गोचर

जनवरी 2026 में बहुत कम समय में चार बड़े ग्रह सक्रिय हो जाएंगे। आखिरी तीन दिनों में ग्रहों की चाल कुछ इस प्रकार रहेगी:

29 जनवरी को मंगल उत्तराषाढ़ा से श्रवण नक्षत्र में प्रवेश करेगा।

30 जनवरी को गुरु पुनर्वसु नक्षत्र के एक पद से दूसरे पद में गोचर करेगा।

31 जनवरी को बुध और शुक्र एक ही दिन धनिष्ठा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे।

वृषभ राशि: धन और स्थिरता में बढ़ोतरी
इन तीन दिनों में वृषभ राशि वालों के लिए आर्थिक स्थिति मजबूत होने के योग हैं। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं और मेहनत का अच्छा फल मिलेगा। पारिवारिक और प्रेम जीवन में भी संतुलन बना रहेगा। निवेश से जुड़े फैसले लाभकारी हो सकते हैं।

मिथुन राशि: प्रगति और नए अवसर
मिथुन राशि के जातकों के लिए यह समय विशेष रूप से लाभदायक रहेगा। पढ़ाई, नौकरी और व्यापार से जुड़े मामलों में सफलता मिलने के संकेत हैं। लंबे समय से रुके कार्य पूरे हो सकते हैं और अचानक धन लाभ की संभावना भी बन रही है।

कर्क राशि: आत्मविश्वास और सौभाग्य
कर्क राशि वालों के लिए यह गोचर साहस और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और परिवार का सहयोग मिलेगा। नौकरी या व्यवसाय में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जो आगे चलकर लाभ देंगी।

सिंह राशि: मान-सम्मान और तरक्की
सिंह राशि के जातकों के लिए यह ग्रह संयोग कार्यक्षेत्र में पहचान और सम्मान दिला सकता है। आय के नए स्रोत बन सकते हैं और शिक्षा या ज्ञान से जुड़े प्रयास सफल रहेंगे। नए प्रोजेक्ट्स में भी सफलता के संकेत हैं।

कन्या राशि: बुद्धि और आर्थिक लाभ
कन्या राशि वालों के लिए यह समय सोच-समझकर फैसले लेने का है। करियर में उन्नति के योग हैं और पारिवारिक माहौल सकारात्मक रहेगा। निवेश और नई योजनाओं के लिए यह समय अनुकूल माना जा रहा है।

धनु राशि: सौभाग्य का पूरा साथ
धनु राशि के जातकों को इस दौरान भाग्य का भरपूर सहयोग मिलेगा। धन लाभ के नए अवसर बनेंगे और पुरानी परेशानियां दूर हो सकती हैं। शिक्षा, यात्रा और नए कार्यों की शुरुआत के लिए यह समय अच्छा है।

मकर राशि: रुके काम होंगे पूरे
मकर राशि वालों के लिए ये तीन दिन बेहद शुभ हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, निवेश सफल हो सकते हैं और लंबे समय से अटके काम पूरे होंगे। करियर में भी तरक्की और सम्मान मिलने की संभावना है।

20 जनवरी से पहले निपटा लें शुभ काम, नहीं तो पंचक बिगाड़ देंगे सारी प्लानिंग

सनातन धर्म में भद्रा काल की तरह ही पंचक भी अशुभ माने जाते हैं. हर माह में पांच दिनों तक पंचक रहते हैं. पंचक के दौरान शुभ काम वर्जित होते हैं. विशेषकर इस दौरान शादी विवाह को तो धार्मिक दृष्टि से बिल्कुल भी शुभ नहीं माना जाता है. हालांकि, पंचक शुभ और अशुभ दोनों की तरह के होते हैं, लेकिन इसकी शुभता और अशुभता इस बात पर निर्भर करती है कि ये कौन से दिन और वार से शुरू हो रहे हैं।

ज्योतिष शास्त्र में पंचक को विशेष समय माना गया है. पंचक का समय पांच नक्षत्रों- धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वा भाद्रपद, उत्तरा भाद्रपद और रेवती, के संयोग से बनता है. पंचक के पांच दिन तब शुरू होते हैं, जब चंद्रमा धनिष्ठा नक्षत्र के अंतिम चरण से शुरू होकर रेवती नक्षत्र के अंत तक गोचर करता है. ऐसे में आइए जानते हैं कि जनवरी माह में पंचक कब शुरू हो रहा है? साथ ही जानते हैं कि इस दौरान कौन से काम नहीं करने चाहिए?

जनवरी 2026 में कब पड़ेगा पंचक?

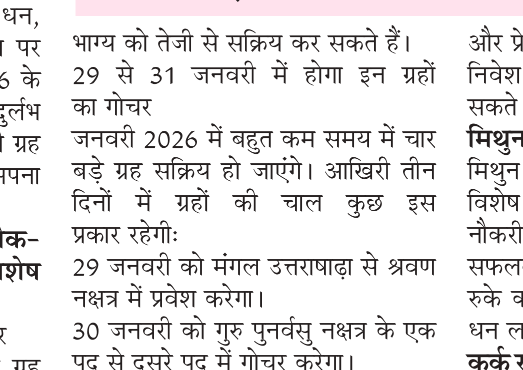

पंचांग के अनुसार, जनवरी महीने में पंचक 21 जनवरी 2026, बुधवार को रात को 01 बजकर 35 मिनट शुरू होगा। ये 25 जनवरी 2026, रविवार को दोपहर 01 बजकर 35 मिनट पर समाप्त होगा. चूंकि पंचक बुधवार को लगेगा, इसलिए ये दोषरहित पंचक होगा. इस पंचक को शुभ माना जाता है, लेकिन फिर भी कोई शुभ काम करना हो तो उसे 20 जनवरी से पहले कर लें।

दोषरहित पंचक क्यों होता है शुभ?

दोषरहित पंचक को शुभ फल देने वाला माना जाता है. क्योंकि ये पंचक भगवान श्री हरि विष्णु और गुरु बृहस्पति की कृपा की प्रभाव में पड़ता है. दोषरहित पंचक के दिनों में पंचक के सामान्य निषेधों का पालन आवश्यक नहीं माना जाता. हालांकि, फिर भी कुछ विशेष कार्यों को करने के लिए मना किया जाता है।

दोषरहित पंचक में क्या न करें?

दोषरहित पंचक के दौरान दक्षिण दिशा की यात्रा करने से बचना चाहिए. घर की छत ढलवाने, या लकड़ी का सामान बनवाने से भी बचना चाहिए. अगर दोषरहित पंचक के दौरान कोई आवश्यक कार्य करना हो, तो पंडित की सलाह से ही करना चाहिए।

क्या 'तू मेरी मैं तेरा' फ्लॉप होने पर कार्तिक ने लौटाए 15 करोड़? अफवाहों पर एक्टर की टीम का जवाब

कार्तिक आर्यन इन दिनों काफी सुर्खियों में हैं। बीते दिनों वे डेटिंग की खबरों को लेकर विवादों में रहे। इसके अलावा फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' की वजह से भी सुर्खियां बटोर रहे हैं। 25 दिसंबर 2025 को रिलीज हुई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बेदम साबित हुई। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि फिल्म के नहीं चलने पर कार्तिक आर्यन ने चौंकाने वाला फैसला लिया है। उन्होंने मेकर्स को करीब 15 करोड़ रुपये लौटा दिए हैं। इसे लेकर जब अमर उजाला ने एक्टर की टीम से बात की तो जानिए क्या जवाब मिला?

जानिए फीस लौटाने का सच?

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की फिल्म 'धुरंधर' के शोर के आगे सिनेमाघरों में अपना जादू नहीं चला पाई। फिल्म की कहानी भी दर्शकों को पसंद नहीं आई। रिलीज से पहले इस फिल्म का जोर-शोर से प्रमोशन हुआ। इसके बावजूद यह फिल्म कब आई और कब चली गई, किसी को पता नहीं चला। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस फिल्म के फ्लॉप होने पर कार्तिक आर्यन ने धर्मा प्रोडक्शंस को अपनी फीस में से 15 करोड़ रुपये वापस कर दिए हैं। मगर, अमर उजाला ने जब कार्तिक आर्यन की टीम से इसे लेकर बात की तो टीम ने फीस लौटाने की बात से इनकार किया है।

नुकसान की भरपाई के लिए उठाया कदम!

मीडिया रिपोर्ट्स दावा किया गया कि फिल्म के नहीं चलने पर कार्तिक ने फीस वापस करने का फैसला लेकर मेकर्स को सपोर्ट किया। उन्होंने फिल्म के फ्लॉप होने पर नुकसान की भरपाई के लिए यह कदम उठाया। कार्तिक के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी आगामी फिल्म 'नागजिला' है, जिसकी वे शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म के निर्माता भी करण जौहर हैं।

क्या करण जौहर से हो गई है अनबन?

फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' के फ्लॉप होने के बाद ऐसी अफवाहें भी शुरू हुईं कि कार्तिक आर्यन और करण जौहर में फिर से अनबन हो गई है। मगर, ऐसा कुछ नहीं है। अभिनेता अगली फिल्म 'नागजिला' की तैयारी में व्यस्त हैं। करण जौहर के साथ भी उनके रिश्ते बेहतर हैं।

नौ साल बड़े धनुष से शादी करेंगी मृणाल? दावा- वेलेंटाइन डे पर बनेंगे एक-दूजे के हमसफर

एक्टर धनुष का नाम मृणाल ठाकुर के साथ बीते एक साल से जोड़ा जा रहा है। फैंस लंबे वक्त से दोनों के रिलेशनशिप पर मुहर लगाने के इंतजार कर रहे है। हालांकि, इस मामले पर अब तक न तो मृणाल ने कुछ कहा है और न ही खुद धनुष ने कोई बयान दिया।

इंडस्ट्री में उड़ी ऐसी अफवाह

अब इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों की मानें तो धनुष और मृणाल इस रिश्ते को नया नाम देने की तैयारी कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक दोनों इस वेलेंटाइन डे यानी 14 फरवरी को शादी के बंधन में बंध सकते हैं। हालांकि, इस बारे में अब तक दोनों ने ही कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। इससे पहले पिछले साल जब मृणाल से एक इंटरव्यू में धनुष के बारे में सवाल कियाा गया तो उन्होंने कहा था कि वो और धनुष सिर्फ अच्छे दोस्त हैं।

'सन आफ सरदार 2' की स्क्रीनिंग से उड़ी था अफवाह

धनुष और मृणाल ठाकुर के डेटिंग की अफवाह फिल्म 'सन आफ सरदार 2' के प्रीमियर से उड़ी थी। यहां धनुष, मृणाल के बुलावे पर पहुंचे थे।

इसके बाद भी दोनों कई जगह साथ नजर आए। हाल ही में रिलीज हुई धनुष की फिल्म 'तेरे इश्क में' की रैप अप पार्टी में भी मृणाल पहुंचीं थीं। एक शो पर इस जोड़े के करीबी सूत्र ने भी ये बताया था कि दोनों डेट कर रहे हैं। सूत्र ने कहा था कि धनुष का परिवार जिस तरह सोशल मीडिया पर मृणाल को फॉलो करता है, उससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि परिवार इस रिश्ते पर सहमत है।

रजनीकांत की बेटी से तलाक ले चुके हैं धनुष

इससे पहले धनुष ने साल 2004 में रजनीकांत की बेटी एश्वर्या रजनीकंत से शादी की थी।

कपल के दो बच्चे भी हैं जिनकी परवरिश दोनों मिल कर करते हैं। कुछ दिनों पहले ही बेटे के साथ धनुष और एश्वर्या दिखाई भी दिए थे। धनुष और एश्वर्या का तलाक साल 2024 में हुआ था।

अल्लू अर्जुन की नई फिल्म की हुई घोषणा

निर्देशक लोकेश कनगराज के साथ पहली बार करेंगे काम

मकर संक्रांति, पोंगल और भोगी के मौके पर अल्लू अर्जुन की नई फिल्म की घोषणा हो गई है। अपनी 23वीं फिल्म के लिए अल्लू अर्जुन निर्देशक लोकेश कनगराज के साथ आ रहे हैं। आज लोकेश कनगराज ने इस नई फिल्म की घोषणा कर दी है। इसके लिए एक अनाउंसमेंट वीडियो जारी किया गया है। हालांकि, अभी फिल्म का नाम सामने नहीं आया है। अभी फिल्म को 'एए 23' के नाम से पहचाना जाएगा।

लोकेश कनगराज ने किया पोस्ट

फिल्म की घोषणा करते हुए लोकेश कनगराज ने अपने एक्स वीडियो के साथ एक पोस्ट किया है। इस पोस्ट में लोकेश ने लिखा, 'अल्लू अर्जुन आपके साथ इस सफर की शुरुआत करने के लिए उत्सुक हूं। चलिए इसे धमाकेदार बनाते हैं। एक बार फिर अपने भाई अनिरुद्ध रविचंद्र के साथ।' लोकेश की पोस्ट से साफ है कि फिल्म में संगीत अनिरुद्ध का होने वाला है। इस फिल्म को मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित किया जाएगा। इसके साथ ये भी साफ हो गया है कि फिल्म की शूटिंग इसी साल शुरू हो जाएगी।

अल्लू अर्जुन ने जताया उत्साह

अल्लू अर्जुन ने भी घोषणा का वीडियो अपने इंस्टाग्राम साझा किया है। इसे पोस्ट करते हुए एक्टर ने लिखा, 'मैं कहता हूं 23। धूम मचाने जा रहा हूं। Low-Key G. मानसिक रूप से पूरी तरह समर्पित। यह पक्का है। बेमिसाल लोकेश कनगराज गारू के साथ इस नई यात्रा को लेकर उत्साहित हूं। आखिरकार भाई अनिरुद्ध रविचंद्र के साथ आ रहा हूं। इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।'

पहली बार साथ आ रहे अल्लू अर्जुन और लोकेश कनगराज

लोकेश कनगराज के निर्देशन में बन रही ये सातवीं फिल्म है। पहली बार लोकेश कनगराज अल्लू अर्जुन के साथ काम कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो इससे पहले अल्लू अर्जुन जहां 'पुष्पा 2' में नजर आए थे। वहीं इन दिनों वो एटली के साथ अपनी आगामी फिल्म में व्यस्त हैं। इसे काफी बड़े स्तर पर बनाया जा रहा है। इसमें दीपिका पादुकोण भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी।

हालांकि, अभी इसके बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं लोकेश कनगराज की आखिरी फिल्म साल 2025 में आई 'कुली' थी। इस फिल्म में रजनीकांत प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। फिल्म में रजनीकांत के अलावा आमिर खान, उपेंद्र, नागार्जुन और सोबिन शाहिर जैसे कलाकार भी प्रमुख भूमिका में थे।

माही विज ने जय भानुशाली संग तलाक के बाद पूरा किया अपना बड़ा सपना

माही विज इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रही हैं. हाल ही में जय भानुशाली संग उन्होंने अपनी 14 साल की शादी को खत्म कर लिया है. सोशल मीडिया पर ज्वाइंट स्टेटमेंट शेयर करके एक्स कपल ने इस बारे में जानकारी दी थी.दोनों ने बताया था कि तालक ले रहे हैं.लेकिन, बच्चों की परवरिश एक साथ करेंगे. इनके तलाक की खबरों ने फैंस को हैरान कर दिया. वहां, तलाक के बाद माही विज ने अपना एक बड़ा सपना पूरा कर लिया है.दरअसल, खुद को उन्होंने एक नई कार गिफ्ट की है.जय भानुशाली संग तलाक के बाद माही ने खुद के लिए एक नई कार खरीदी है.

आरती सिंह ने शेयर की तस्वीर

हालांकि, सोशल मीडिया पर माही ने खुद अपनी नई कार की तस्वीर शेयर की है.तस्वीर में माही पिंक कलर की शॉर्ट ड्रेस पहने हुए कार के संग पोज देती हुई नजर आ रही हैं.माही इस ड्रेस में बेहद ही खूबसूरत लगीं.वहीं, आरती सिंह ने माही की तस्वीर को सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा,'मैं बहुत-बहुत खुश हूं, ऐसे 10वीं गाड़ी ले तू. तू सिर्फ खुशियों की हकदार है..मजबूत लड़की..भगवान तुझे हमेशा आशीर्वाद दे.तेरा ये गाना वाला रवैया हमेशा बनाए रख.'

इस पोस्ट को देख लोगों ने माही को खूब बधाईयां दीं.बता दें जय संग तलाक के बाद माही ने अपने खास दोस्त नदीम कुरैशी के जन्मदिन पर पोस्ट शेयर किया था. पोस्ट में नदीम को माही ने अपना प्यार बताया था. एक्ट्रेस ने पोस्ट में ये भी लिखा था कि उन्होंने उन्हें दिल से चुना है. इस पोस्ट को देखने के बाद लोगों ने माही और नदीं के रिश्ते पर सवाल खड़ा करना शुरू कर दिया.उसके बाद माही ने उन लोगों की जमकर क्लास लगाई, जिन्होंने नदीम संग रिश्ते पर ट्रोल किया था. माही ने वीडियो शेयर करते हुए कहा था कि उन लोगों पर थू है जो इस तरह की गंदगी को फैला रहे हैं.

करण जौहर ने की भविष्यवाणी, कहा सनी देओल की 'बॉर्डर 2' ब्लॉकबस्टर होगी

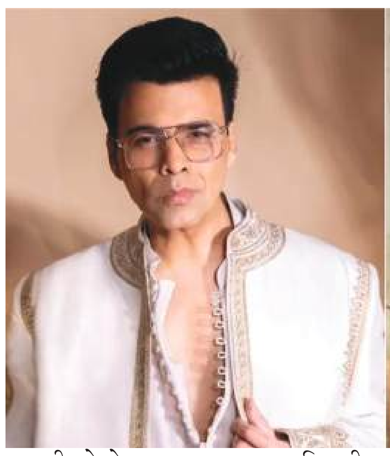

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर 'बॉर्डर 2' का ट्रेलर कल रिलीज हुआ। ट्रेलर जारी होने के बाद फिल्म को लेकर फैंस का उत्साह और भी बढ़ गया है। कई लोगों ने इस ट्रेलर की काफी तारीफ की है। अब निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने भी 'बॉर्डर 2' के ट्रेलर का रिव्यू किया है। उन्होंने फिल्म को लेकर एक बड़ी भविष्यवाणी भी की है।

करण ने ट्रेलर को बताया इमोशनल और देशभक्ति से भरपूर

करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम पर 'बॉर्डर 2' के ट्रेलर को लेकर एक स्टोरी साझा की है। इस स्टोरी में करण ने 'बॉर्डर 2' के ट्रेलर की सराहना की है। फिल्म के ब्लॉकबस्टर होने की भविष्यवाणी करते हुए करण ने लिखा, 'बॉर्डर 2 जबरदस्त ओपनिंग करेगी। इस ट्रेलर ने अपना काम बखूबी कर दिया है।

ट्रेलर पूरी तरह से ड्रैमेटिक, देशभक्तिपूर्ण और इमोशनल कर देने वाला है। अनुराग सिंह अपनी बेहतरीन फॉर्म में हैं।' करण ने आगे फिल्म के कलाकारों की भी तारीफ करते हुए लिखा, 'सनी देओल अपनी जबरदस्त स्टार पावर से दहाड़ते हैं। वरुण धवन की खामोशी इतनी प्रभावशाली है कि वे उससे भी सशक्त संदेश देते हैं। दिलजीत दोसांझ शानदार और भावपूर्ण हैं। अहान शेट्टी की स्क्रीन पर दमदार मौजूदगी है। भूषण कुमार को बधाई।'

ट्रेलर की शुरुआत सनी देओल के निडर होकर पाकिस्तानी टैंक की ओर देखने से होती है। इसके बाद वो एक फौजी के लिए बॉर्डर का मतलब समझाते हुए जोशीला भाषण देते हैं। इसके बाद ट्रेलर में एंट्री होती है फिल्म के बाकी कलाकारों वरुण धवन (थल सेना के सैनिक), दिलजीत दोसांझ (वायु सेना के सिपाही) और अहान शेट्टी (एक नौसेना अधिकारी) की। 'बॉर्डर 2' 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध से प्रेरित है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे भारत की सेना की तीनों टुकड़ियों ने मिलकर युद्ध लड़ा था।

23 जनवरी को रिलीज होगी फिल्म

अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित 'बॉर्डर 2' को जेपी दत्ता और टी-सीरीज ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी के अलावा सोनम बाजवा, मोना सिंह, आन्या सिंह और मेधा राणा भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

एक्शन-कॉमेडी और थ्रिलर हर जॉनर की फिल्मों में हिट हैं विजय सेतुपति

साउथ और बॉलीवुड की फिल्मों और सीरीज में अपने शानदार अभिनय से सभी का दिल जीत चुके विजय सेतुपति आज अपना 48वां जन्मदिन मना रहे हैं। विजय सेतुपति का जन्म 16 जनवरी 1978 को तमिलनाडु के राजपालयम में हुआ था। उन्होंने शुरुआत में दुबई में अकाउंटेंट का काम किया, लेकिन बाद में एक्टिंग में आए। पहले वे फिल्मों में छोटे रोल और बैकग्राउंड एक्टर के रूप में काम करते थे।

विजय सेतुपति के करियर की शुरुआत

विजय सेतुपति ने बतौर हीरो के रूप में डेब्यू 2010 में फिल्म थेनमेरकु परुवाकात्रु से किया। उन्हें असली सफलता 2012 में मिली, जब सुंदरपांडियन , पिज्जा, और नादुवुला कोंजम पक्कथा कानोम जैसी हिट फिल्में कीं। इसके बाद वे तमिल सिनेमा के सबसे पॉपुलर एक्टर बन गए। उन्होंने कॉमेडी, थ्रिलर, रोमांस, एक्शन और ड्रामा हर तरह की फिल्में की हैं। वे प्रोड्यूसर भी हैं। उनके बेहतरीन काम के लिए उन्हें नेशनल फिल्म अवॉर्ड और फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिल चुका है।

साउथ की फिल्में और फेम

विजय सेतुपति मुख्य रूप से तमिल सिनेमा (साउथ) में काम करते हैं और वहां के वह सुपरस्टार हैं। उन्होंने रजनीकांत, थलपति विजय, और कमल हासन जैसे बड़े सितारों के साथ काम किया है। उनकी साउथ फिल्मों से उन्हें बहुत फेम मिला है। ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं और उनकी एक्टिंग की तारीफ हुई। कुछ प्रमुख हिट फिल्में हैं-

विजय का बॉलीवुड करियर

विजय सेतुपति ने बॉलीवुड में भी धमाल मचाया है। उनकी प्रमुख बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स हैं-

फ़र्ज़ी - अमेजन प्राइम पर वेब सीरीज, इस सीरीज में उन्होंने शाहिद कपूर के साथ काम किया है। यह एक क्राइम-ड्रामा वेब सीरीज है।

क्रिसमस की बधाई- कटरीना कैफ के साथ थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन श्रीराम राघवन ने किया। यह हिंदी-तमिल में रिलीज हुई। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली, लेकिन उनकी परफॉर्मेंस की खूब तारीफ हुई।

'जवान'- शाहरुख खान की सुपरहिट फिल्म 'जवान' में बेहतरीन अभिनय से सभी का दिल जीत लिया।

द फैमिली मैन 3 - यह एक वेब सीरीज है, जिसमें विजय ने मनोज बाजपेयी के दोस्त का अभिनय निभाया है।

विजय सेतुपति की हिट फिल्में

विजय की कुछ सबसे ज्यादा चर्चित और हिट फिल्मों की लिस्ट में पिज़्ज़ा, सुधु कव्वुम, विक्रम वेधा, '96, सुपर डीलक्स, पेट्टा, मास्टर, विक्रम, जवान, महाराजा, और विदुथलाई(पार्ट 1 और 2) जैसी फिल्में शामिल हैं।

विजय सेतुपति की नेट वर्थ

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विजय सेतुपति की अनुमानित नेट वर्थ 120 से 180 करोड़ रुपये के बीच है। वह एक फिल्म के लिए 15-20 करोड़ रुपये चार्ज करते हैं, साथ ही ब्रांड एंडोर्समेंट और प्रोडक्शन से कमाई करते हैं।

2026 में उनके कई प्रोजेक्ट्स हैं, जिनमें शामिल हैं-

गांधी वार्ता- एक साइलेंट फिल्म (बिना डायलॉग), जिसमें अरविंद स्वामी और अदिति राव हैदरी हैं। यह 30 जनवरी 2026 को रिलीज हो रही है। ए.आर. रहमान का म्यूजिक है।

पीसाचू 2 - मई 2026 में रिलीज हो सकती है।

जेलर 2- रजनीकांत की फिल्म में स्पेशल कैमियो (जून 2026 के आसपास)

इनके अलावा विजय के बाकी प्रोजेक्ट्स में 'अरसन' और 'पुरी जगन्नाथ' तेलुगु फिल्में भी पोस्ट-प्रोडक्शन में हैं।

एक दिन मूवी में साई पल्लवी के साथ रोमांस करते दिखेंगे आमिर खान के लाडले जुनैद खान

आमिर खान के बेटे जुनैद खान अपनी अगली फिल्म 'एक दिन' को लेकर सुर्खियों में हैं। बीते दिन इसका पोस्टर जारी किया गया और साथ ही रिलीज डेट का एलान किया गया था। आज शुक्रवार को मेकर्स ने फिल्म का टीजर रिलीज किया है। इस फिल्म में जुनैद के साथ साई पल्लवी लीड रोल में हैं। टीजर में दोनों एक-दूजे से रोमांस करते दिखे हैं।

साई के लिए धड़का जुनैद का दिल! पर्दे पर हुआ जादू

जुनैद खान और साई पल्लवी की इस फिल्म को जुनैद के पिता और एक्टर आमिर खान प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म का टीजर आमिर खान टॉकीज के यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है। इसकी शुरुआत बड़े खूबसूरत तरीके से हुई है। साई और जुनैद आईने में एक-दूसरे को देखते हैं। जुनैद कहते हैं, 'तुम्हारी मुस्कुराहट मुझे बहुत अच्छी लगती है मीरा। तुम्हारा दिल जीतूंगा या नहीं ये नहीं पता'।

इसके बाद दोनों बर्फीली वादियों में एक-दूजे के साथ कीमती पल बिताते हैं और फिर अचानक सपना टूटता है।

कब रिलीज होगी 'एक दिन'?

आगे के दृश्य में साई पल्लवी कहती हैं, 'फिल्मों में कितना जादू होता है न, कितना मैजिकल है। मगर असल जिंदगी में कभी ऐसा नहीं होता।' जवाब मिलता है। कभी-कभी होता है जादू'। जुनैद और साई, दोनों के बीच कमाल की केमिस्ट्री दिखी है। यह फिल्म 01 मई 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म के निर्देशन की कमान सुनील पांडे ने संभाली है।

साई पल्लवी का बॉलीवुड डेब्यू

इस फिल्म के जरिए साई पल्लवी बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं। 'एक दिन' के टीजर में उनके बोलने के लहजे में साउथ की लचक महसूस हुई है। मगर, पर्दे पर उनकी उपस्थिति कमाल की है। फिल्म के टीजर पर नेटिजन्स की सकारात्मक प्रतिक्रिया आ रही है।

क्या थाई फिल्म की रीमेक है 'एक दिन'

फिल्म 'एक दिन' को कथित तौर पर थाई फिल्म 'वन डे' का रीमेक कहा जा रहा है। यहां तक कि कल रिलीज हुए पोस्टर के बाद इसे लेकर और ज्यादा चर्चा शुरू हो गई है। पोस्टर को लेकर नेटिजन्स ने मेकर्स पर मूल फिल्म से कॉपी करने के आरोप तक लगाए हैं।

अर्शदीप सिंह के साथ बर्ताव पर आग-बबूला हुए आर अश्विन

टीम इंडिया के मैनेजमेंट पर उठाए सवाल

टीम इंडिया में जगह बनाने की होड़ हमेशा से कड़ी रही है. हालांकि जब लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को बिना ठोस वजह के बाहर बैठाया जाए, तो सवाल उठना लाजमी है. भारत के दिग्गज ऑफ स्पिनर और मौजूदा क्रिकेट पंडित रविचंद्रन अश्विन का भी कुछ ऐसा ही मानना है. न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले और दूसरे वनडे में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने पर अश्विन ने अपने यूट्यूब शो में खुलकर नाराजगी जाहिर की है.

क्यों आग-बबूला हुए आर अश्विन?

अश्विन का मानना है कि अर्शदीप जैसे भरोसेमंद गेंदबाज को लगातार बेंच पर बैठाने का फैसला गलत है. टीम मैनेजमेंट ने दलील दी कि हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा को मैच प्रैक्टिस देना जरूरी था, लेकिन अश्विन इस सोच से सहमत नहीं दिखे. उनका कहना है कि मैच नहीं खेलने से अर्शदीप "रस्टी" हो सकते हैं, यानी उनकी लय और आत्मविश्वास पर असर पड़ सकता है.

अश्विन ने कहा कि हर समय नए गेंदबाजों को मौके देना ठीक है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि जो खिलाड़ी लगातार अच्छा कर रहा है, उसे नजरअंदाज किया जाए. उन्होंने सवाल उठाया कि कोई अर्शदीप की मानसिक स्थिति के बारे में क्यों नहीं सोचता.

'यह आत्मविश्वास का खेल है'

अश्विन ने साफ कहा कि क्रिकेट सिर्फ स्किल का नहीं, बल्कि आत्मविश्वास का खेल है. अगर एक गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद टीम से बाहर बैठा रहेगा, तो उसका मनोबल गिरना तय है.

उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की स्थिति अक्सर गेंदबाजों के साथ ही होती है, बल्लेबाजों के साथ नहीं. पूर्व स्पिनर ने अपने अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि वह खुद इस दौर से गुजर चुके हैं, इसलिए उन्हें पता है कि ऐसे फैसले खिलाड़ियों को अंदर से कितना प्रभावित करते हैं.

टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी या गलत मैनेजमेंट?

कुछ लोगों का मानना है कि अर्शदीप को इसलिए आराम दिया गया क्योंकि उन्हें आने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए बचाकर रखा जा रहा है. हालांकि अश्विन का तर्क है कि अर्शदीप इस फॉर्मेट में भी पूरी तरह "ऑटोमैटिक चॉइस" नहीं रहे हैं, खासकर गौतम गंभीर के कोच बनने के बाद.

अश्विन ने यह भी कहा कि अगर अर्शदीप को तीसरे वनडे में खिलाया भी जाता है, तो इससे पहले दो मैच बाहर बैठाने का नुकसान खत्म नहीं हो जाता. उन्होंने कहा कि खिलाड़ी को शुरुआत से भरोसा मिलना चाहिए, ताकि वह सिर उठाकर मैदान में उतरे. अंत में अश्विन ने साफ शब्दों में कहा कि अर्शदीप सिंह को जब-जब मौका मिला है, उन्होंने टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है. वह प्लेइंग इलेवन में सम्मान के साथ जगह पाने के हकदार हैं.

सूर्यकुमार यादव विवाद में नया मोड़, खुशी मुखर्जी पर 100 करोड़ के मानहानि का केस हुआ दर्ज

भारतीय क्रिकेट टीम के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को लेकर दिया गया एक बयान अब अभिनेत्री खुशी मुखर्जी के लिए बड़ी मुसीबत बनता नजर आ रहा है. सोशल मीडिया पर वायरल हुए उनके इंटरव्यू के बाद यह मामला अब कानूनी लड़ाई तक पहुंच गया है. सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने खुशी मुखर्जी के खिलाफ 100 करोड़ रुपये का मानहानि का दावा ठोक दिया है.

यह पूरा मामला तब सामने आया, जब खुशी मुखर्जी ने एक इंटरव्यू में दावा किया था कि सूर्यकुमार यादव उन्हें बार-बार मैसेज किया करते थे. यह बयान सामने आते ही सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया और क्रिकेट फैंस ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी.

शिकायत दर्ज, पुलिस तक पहुंचा मामला

फैजान अंसारी, जो मुंबई के रहने वाले हैं, ने इस मामले में गाजीपुर पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दी है. अंसारी का कहना है कि खुशी मुखर्जी के आरोप पूरी तरह बेबुनियाद हैं और इससे एक

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर की छवि को नुकसान पहुंचा है. उन्होंने दावा किया कि ऐसे बयान सिर्फ सुर्खियों में आने और पब्लिसिटी पाने के मकसद से दिए गए.

अंसारी ने बताया कि वह इस शिकायत को दर्ज कराने के लिए खुद मुंबई से गाजीपुर पहुंचे. उनका कहना है कि इस तरह के आरोप किसी खिलाड़ी की निजी और पेशेवर छवि दोनों को प्रभावित करते हैं, जो किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जा सकता.

कड़ी कार्रवाई की मांग

मीडिया से बातचीत में फैजान अंसारी ने कहा कि वह इस मामले में सख्त कानूनी कदम उठाना चाहते हैं. उनके मुताबिक, खुशी मुखर्जी के खिलाफ गंभीर धाराओं में FIR दर्ज होनी चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि अगर आरोप साबित नहीं होते हैं, तो दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए. अंसारी ने यह भी दावा किया कि सोशल मीडिया पर उनकी बड़ी पहुंच है और वह इस मुद्दे को हर प्लेटफॉर्म तक ले जाएंगे. उनका कहना है कि यह सिर्फ सूर्यकुमार यादव की नहीं, बल्कि पूरे देश के एक सम्मानित खिलाड़ी की प्रतिष्ठा का सवाल है.

100 करोड़ का मानहानि केस

फैजान अंसारी ने साफ किया कि वह अभिनेत्री के खिलाफ 100 करोड़ रुपये का मानहानि मुकदमा दायर करा चुके हैं. उन्होंने यह भी कहा कि अगर खुशी मुखर्जी अपने दावों को सबूतों के साथ साबित कर देती हैं, तो वह सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को तैयार हैं. हालांकि जब तक ऐसा नहीं होता, वह पीछे हटने वाले नहीं हैं.

खुशी मुखर्जी ने अपने इंटरव्यू में यह जरूर कहा था कि उनके और सूर्यकुमार यादव के बीच कभी कोई निजी या रोमांटिक रिश्ता नहीं रहा. हालांकि, उनके मैसेज वाले बयान ने ही पूरे विवाद को जन्म दिया.

आरजे महवश के साथ नाम जुड़ने पर क्या बोले चहल?

धनश्री से तलाक और निजी जीवन को लेकर की खुलकर बात

भारतीय गेंदबाज युजवेंद्र चहल ने पिछले साल मार्च में अपनी पूर्व पत्नी धनश्री वर्मा से तलाक ले लिया था। इसके बाद से ही वे लगातार सुर्खियों में बने रहे। मार्च 2025 में भी धनश्री वर्मा से अलगाव को लेकर चल रहे विवादों के कारण उनका नाम चर्चा में रहा। साल 2020 में शादी के बाद, धनश्री वर्मा को युजवेंद्र चहल के कुछ प्रशंसकों द्वारा अपमानजनक टिप्पणियों का सामना करना पड़ा। वहीं, युजवेंद्र चहल भी उस समय चर्चा में आए जब उन्हें कथित गर्लफ्रेंड आरजे महवश के साथ कई जगह देखा गया, जबकि उनका तलाक अभी अंतिम रूप से पूरा नहीं हुआ था। अब युजवेंद्र चहल ने इन सभी मुद्दों पर मैशेबल इंडिया को दिए गए एक इंटरव्यू में अपनी बात खुलकर रखी है।

महवश को डेट कर रहे चहल?

जब उनसे महवश के साथ वायरल वीडियो के बारे में पूछा गया, तो चहल ने डेटिंग की अफवाहों को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि वे खुश हैं और किसी के साथ रिश्ते में नहीं हैं। महवश को सिर्फ एक

दोस्त बताते हुए उन्होंने कहा, 'यार, दोस्त वगैरह घूमते हैं तो प्रॉब्लम नहीं है न कि वीडियो आ जाता है। कोई रिश्ता नहीं। खुश हूं सिंगल।'

सोशल मीडिया ट्रोलिंग के बारे में क्या बोले चहल?

इंटरव्यू में चहल ने सोशल मीडिया पर मिलने वाले ट्रोलिंग और नफरत पर भी बात की। उन्होंने बताया कि अब उन्हें यह परेशान नहीं करता। उन्होंने आगे कहा, 'मैंने अपने लाइफ में ट्रोलिंग से लेकर, गलियों से लेकर, मां-बहन की गाली, सब देखा है सोशल मीडिया पर। तो मैं उस चीज से निकल चुका हूं। मुझे इतना फर्क नहीं पड़ता, लोग गाली देकर जाएँगे, कोई प्रॉब्लम नहीं। मेरी बिल्ड पर मैंने बहुत ट्रोलिंग देखी है, मेरे दांतों पर भी देखी है। जो ट्रोल करना है, वो मुझे क्या, किसी को भी ट्रोल करेगा।'

चहल ने यह भी बताया कि करियर के शुरुआती दिनों में ट्रोलिंग उन्हें प्रभावित करती थी, क्योंकि यह उनके लिए नई चीज थी। उन्होंने कहा, 'स्टार्टिंग में अफेक्ट करता था क्योंकि ये चीज़ नई थी। कोई इतना गंदा भी बोल सकता है, बिना मुझसे या मेरे परिवार से मिले। अब तो अपना ओपन इंस्टाग्राम है, जो आना है आओ, गाली देकर जाओ। हेट आएगी अब, खुछ रहे वो भी, हेट करने वाले।'

तलाक के दौरान चहल को कैसी तकलीफ हुई?

युजवेंद्र चहल ने खुलासा किया कि उनके तलाक के कठिन समय में उन्हें एंग्जाइटी और पैनिक अटैक्स का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि इन अटैक्स के दौरान हाथ कांपने लगते, चेहरा सिकुड़ जाता और सुन्न हो जाता, और कई बार इतनी तकलीफ होती कि होश ही खो देते थे। इस बारे में उन्होंने कहा कि थेरेपी से काफी मदद मिली और अब वे पूरी तरह फिट और ठीक हैं।

टी20 विश्व कप से पहले पाकिस्तान टीम में खुशी की खबर

पाकिस्तान के तेज गेंदबाजी आक्रमण की रीढ़ माने जाने वाले शाहीन शाह अफरीदी चोट से उबरने के बाद फिर से नेट्स में लौट आए हैं. उनकी वापसी से पाकिस्तान के आगामी टी20 विश्व कप अभियान को बड़ी राहत मिली है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, टीम की मेडिकल पैनल को भरोसा है कि शाहीन अगले सप्ताह तक पूरी तरह फिट होकर अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में होंगे.

रिपोर्ट के अनुसार, शाहीन अफरीदी ने गुरुवार को नेट्स में 15 मिनट तक पूरे रन-अप के साथ गेंदबाजी की और उतनी ही देर बल्लेबाजी भी की. इस दौरान उन्हें किसी भी तरह की असहजता महसूस नहीं हुई. इससे पहले आशंका जताई जा रही थी कि बिग बैश लीग (बीबीएल) के दौरान लगी चोट के कारण वह टी20 विश्व कप से बाहर हो सकते हैं.

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के मेडिकल पैनल से जुड़े सूत्रों ने बताया, "शाहीन ने पूरे रन-अप के साथ 15 मिनट तक गेंदबाजी की और उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं हुई. यह पाकिस्तान के लिए बेहद सकारात्मक संकेत है, क्योंकि वह विश्व कप में गेंदबाजी आक्रमण का अहम हिस्सा हैं."

इससे पहले उनकी घुटने की पुरानी चोट के दोबारा उभरने की आशंका थी. यही चोट 2022 में पाकिस्तान के लिए उनकी कई अहम मैचों में अनुपस्थिति की वजह बनी थी, खासकर इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में. सूत्रों के मुताबिक, "उनका रिहैब पूरा हो चुका है और अब वह गेंदबाजी कर रहे हैं. इसका मतलब है कि वह इस महीने के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में खेल सकते हैं, लेकिन टीम प्रबंधन श्रीलंका रवाना होने से पहले उन्हें जोखिम में नहीं डालना चाहता."

पाकिस्तान के नए मेडिकल पैनल प्रमुख डॉ. जावेद मुगल ने शाहीन के रिहैब की निगरानी की और उनकी फिटनेस प्रगति पर संतोष जताया है। मेडिकल टीम ने तेज गेंदबाज को कुछ एहतियाती उपाय अपनाने की सलाह दी है. रिपोर्ट में कहा गया है कि मेडिकल पैनल ने शाहीन को शुरुआत में 15 से 25 मिनट तक गेंदबाजी कराने और फिर धीरे-धीरे अवधि बढ़ाने की सिफारिश की है. साथ ही यह भी सुझाव दिया गया है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में उन्हें आराम देकर विश्व कप से पहले अभ्यास मैचों में उतारा जाए.

25 वर्षीय शाहीन अफरीदी को बिग बैश लीग के दौरान ब्रिस्बेन हीट की ओर से खेलते हुए बाएं घुटने में चोट लगी थी. उनका यह पहला बीबीएल सीजन ज्यादा सफल नहीं रहा, जहां उन्होंने चार मैचों में केवल दो विकेट लिए और प्रति विकेट औसत 76.5 रहा. इसके अलावा, पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ पहले मैच में दो बीमर फेंकने के कारण उन्हें गेंदबाजी से निलंबित भी किया गया था. ब्रिस्बेन में कराए गए एमआरआई स्कैन में कोई गंभीर चोट सामने नहीं आई थी, लेकिन इसके बावजूद पीसीबी ने एहतियातन शाहीन को बिग बैश लीग से वापस बुलाकर लाहौर भेज दिया.

125 शतक जड़ने वाले खिलाड़ी का एक और धमाका छक्का मारकर भारत को दिलाई रोमांचक जीत

अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय टीम ने शानदार अंदाज में अपने अभियान की शुरुआत की है. पहले मुकाबले में भारत ने अमेरिका को 6 विकेट से हराकर साफ संदेश दे दिया कि टीम इस टूर्नामेंट में खिताब की मजबूत दावेदार है. गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन और फिर अभिज्ञान कुंडू की समझदारी भरी पारी ने भारत को आसान जीत दिला दी.

अभिज्ञान कुंडू बने जीत के हीरो

इस जीत के हीरो रहे अभिज्ञान कुंडू. वह जब मैदान पर आए उस समय भारत की हालत काफी खराब थी. मुश्किल घड़ी में अभिज्ञान कुंडू ने मोर्चा संभाला और पारी को संभालते हुए टीम को जीत की ओर ले गए. उन्होंने धैर्य के साथ बल्लेबाजी की और विहान मल्होत्रा व कनिष्क चौहान के साथ जरूरी साझेदारियां की. कुंडू ने नाबाद 42 रनों की शानदार पारी खेली और अंत में छक्का लगाकर भारत को मुकाबला जिता दिया. खास बात यह है कि अभिज्ञान कुंडू जूनियर क्रिकेट में अब तक 125 शतक

लगा चुके हैं, जो उनकी असाधारण प्रतिभा को दिखाता है.

अमेरिका की बल्लेबाजी हुई पूरी तरह ढेर

मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए अमेरिका की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाई. पूरी अमेरिकी टीम 35.2 ओवर में सिर्फ 107 रन बनाकर ऑलआउट हो गई. भारत की तेज और अनुशासित गेंदबाजी के आगे अमेरिकी बल्लेबाज दबाव में नजर आए और नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे. कोई भी बल्लेबाज लंबी पारी नहीं खेल सका.

हेनिल पटेल ने बदला मैच का रुख

अमेरिका को छोटे स्कोर पर समेटने में सबसे बड़ी भूमिका हेनिल पटेल की रही. इस युवा तेज गेंदबाज ने अपने स्पेल में कहर बरपाया और 7 ओवर में केवल 16 रन देकर 5 विकेट झटके. अंडर-19 वर्ल्ड कप में किसी भारतीय गेंदबाज का यह कारनामा पिछले कई सालों में देखने को मिला है. उनकी गेंदबाजी ने मैच की दिशा वहीं तय कर दी.

रन चेज में लड़खड़ाई शुरुआत

बारिश के कारण भारत को संशोधित लक्ष्य मिला और टीम को 96 रन बनाने थे. लक्ष्य आसान लग रहा था, लेकिन भारतीय पारी की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही. वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे और वेदांत त्रिवेदी जल्दी आउट होकर पवेलियन लौट गए. एक समय भारत ने 25 रन पर अपने 3 अहम विकेट गंवा दिए, जिससे मुकाबला थोड़ा दिलचस्प हो गया.

टॉप ऑर्डर की चिंता, अगला मुकाबला बांग्लादेश से

हालांकि भारत ने मुकाबला जीत लिया, लेकिन टॉप ऑर्डर का जल्दी आउट होना टीम के लिए चिंता का विषय रहेगा. जिम्बाब्वे की परिस्थितियों में युवा बल्लेबाज थोड़े असहज नजर आए. अब भारतीय टीम का अगला मुकाबला 17 जनवरी को बांग्लादेश के खिलाफ बुलावायो में खेला जाएगा, जहां टॉप ऑर्डर से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी.

वर्ल्ड रिकॉर्ड के करीब रोहित शर्मा, इंदौर वनडे में तोड़ सकते हैं शाहिद अफरीदी का महारिकॉर्ड

रोहित शर्मा के पास इंदौर में इतिहास रचने का मौका है, जहां भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे खेला जाएगा. वडोदरा में भारत ने पहला और न्यूजीलैंड ने राजकोट में खेले गए दूसरे वनडे में जीत दर्ज की थी. सीरीज 1-1 से बराबर है और तीसरा वनडे सीरीज का निर्णायक मुकाबला है, जो 18 जनवरी को होल्कर स्टेडियम में है.

रोहित शर्मा का बल्ला अभी तक इस सीरीज में खामोश रहा है, वह दोनों ही वनडे में फ्लॉप रहे. वडोदरा में खेले गए पहले वनडे में रोहित ने 26 और दूसरे वनडे में 24 रन बनाए थे. उम्मीद है इंदौर में उनका बल्ला चलेगा, जहां 2 साल पहले उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 101 रनों की पारी खेली थी.

रोहित शर्मा तोड़ सकते हैं अफरीदी का रिकॉर्ड

रोहित के पास मौका है कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में शाहिद अफरीदी का रिकॉर्ड तोड़े. न्यूजीलैंड के

खिलाफ वनडे में सबसे ज्यादा छक्के अफरीदी के नाम है, उन्होंने 50 छक्के लगाए हैं.

रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में अभी तक 49 छक्के लगाए हैं. इंदौर में 2 छक्के लगाकर वह शाहिद अफरीदी का रिकॉर्ड तोड़ देंगे और न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे.

इंदौर में कैसा है रोहित का रिकॉर्ड

रोहित शर्मा ने इंदौर में 5 वनडे मैच खेले हैं, जिनमें 205 रन बनाए हैं. यहां वह एक शतक लगा चुके हैं. इस ग्राउंड पर उन्होंने वनडे क्रिकेट में 10 छक्के और 18 चौके लगाए हैं. इस ग्राउंड पर सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर शुभमन गिल हैं, जो अभी कप्तान हैं. उन्होंने यहां 2 वनडे में 212 रन बनाए हैं, उन्होंने दोनों पारियों में शतक लगाए हैं.

लाइव प्रसारण डिटेल

भारत बनाम न्यूजीलैंड तीसरा वनडे रविवार, 18 जनवरी को इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेला जाएगा. मैच दोपहर 1:30 बजे से शुरू होगा, टॉस 1 बजे होगा. मैच का लाइव प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा. लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार ऐप और वेबसाइट पर होगी.

स्टार्टअप इंडिया के 10 साल पूरे

रिफॉर्म पर सरकार के दावों में कितान दम? कितना मिला लाभ

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज स्टार्टअप इंडिया मूवमेंट की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाया। राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस पर प्रधानमंत्री ने भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम से जुड़े सभी हितधारकों को बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा कि आज का दिन खास है क्योंकि हम स्टार्टअप इंडिया की शुरुआत के एक दशक पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। यह दिन हमारे लोगों, खासकर युवाओं के साहस, नवाचार की भावना और उद्यमशीलता के जज्बे को सलाम करने का है, जिन्होंने भारत को वैश्विक स्टार्टअप इकोसिस्टम में मजबूत पहचान दिलाई है।प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार सभी संबंधित पक्षों के साथ मिलकर भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को और सशक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सुधारों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' ने स्टार्टअप्स के लिए ऐसा अनुकूल माहौल तैयार किया है, जिससे वे अंतरिक्ष, रक्षा जैसे उन क्षेत्रों में भी कदम रख पा रहे हैं, जिन्हें पहले असंभव माना जाता था। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय स्टार्टअप्स आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं, जहां युवा जोखिम उठाकर नई समस्याओं के समाधान खोज रहे हैं। प्रधानमंत्री ने मेंटर्स, इनक्यूबेटर्स, निवेशकों, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य सहयोगी संस्थाओं के योगदान को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि इनका मार्गदर्शन और सहयोग युवाओं को नवाचार और विकास के लिए प्रेरित करता है।स्टार्टअप इंडिया की शुरुआत 16 जनवरी 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक परिवर्तनकारी राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में की थी।इसका उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना, उद्यमिता को प्रोत्साहित करना और निवेश आधारित विकास को गति देना था, ताकि भारत नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला देश बन सके। पिछले एक दशक में स्टार्टअप इंडिया भारत की आर्थिक और नवाचार संरचना का एक मजबूत स्तंभ बनकर उभरा है। इस दौरान संस्थागत तंत्र को मजबूती मिली, पूंजी और मेंटरशिप तक पहुंच बढ़ी और स्टार्टअप्स के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ। आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में देशभर में दो लाख से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता दी गई है।

ट्रंप ने बेचना शुरू किया वेनेजुएला का तेल

रातों–रात आसमान पर पहुंचे दाम!

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने वेनेजुएला के विशाल तेल भंडार पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है.निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने और हिरासत में लेने के बाद, अब वहां का 'काला सोना' यानी कच्चा तेल सीधे वाशिंगटन की निगरानी में बिकना शुरू हो गया है. हैरानी की बात यह है कि अमेरिका के दखल देते ही इस तेल की कीमत में भारी उछाल आया है. महज पहले ही सौदे में अमेरिका ने हजारों करोड़ रुपये का तेल बेच डाला है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में हलचल तेज हो गई है.

पहली ही डील में हुई बंपर कमाई

आधिकारिक रिपोर्टों के मुताबिक, अमेरिका ने वेनेजुएला के कच्चे तेल की बिक्री का पहला चरण पूरा कर लिया है. इस पहले सौदे के तहत करीब 500 मिलियन डॉलर (लगभग 4,529 करोड़ रुपये) का तेल बेचा गया है. अमेरिकी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि यह बिक्री प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और आने वाले हफ्तों में ऐसे और भी सौदे देखने को मिलेंगे.

ट्रंप सरकार में एनर्जी सेक्रेटरी क्रिस राइट ने इस मुनाफे पर खुशी जताते हुए कहा कि जब यही तेल मादुरो के शासन में बेचा जाता था, तो उसे कम कीमत मिलती थी. लेकिन अब जब अमेरिका इसे बेच रहा है, तो बाजार में उसी बैरल के लिए 30% ज्यादा कीमत मिल रही है. यह बिक्री उस 2 अरब डॉलर के समझौते का हिस्सा है, जो हाल ही में वाशिंगटन और काराकास के बीच तय हुआ था.

ट्रंप का 'मास्टरप्लान' तैयार

ट्रंप ने साफ कर दिया है कि वेनेजुएला के तेल संसाधनों का इस्तेमाल अब अमेरिका की शर्तों और निगरानी में होगा. उन्होंने बताया कि वेनेजुएला अपने 30 से 50 मिलियन बैरल तेल को अमेरिका को सौंपेगा, जिसे मौजूदा बाजार भाव पर बेचा जाएगा.

ट्रंप ने अपनी योजना साझा करते हुए कहा कि तेल बेचने से मिलने वाला यह पैसा सीधे किसी सरकार के हाथ में नहीं जाएगा, बल्कि इसे वह खुद कंट्रोल करेंगे. इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि इस फंड का फायदा वेनेजुएला और अमेरिका दोनों को मिले. मादुरो के पकड़े जाने के बाद से ही अमेरिका की नजर वहां के तेल भंडारों के सही प्रबंधन पर टिकी थी.

बर्बाद इंडस्ट्री को फिर खड़ा करने के लिए 100 बिलियन डॉलर

वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा साबित कच्चा तेल भंडार (लगभग 303 बिलियन बैरल) मौजूद है, लेकिन पिछले कुछ दशकों में वहां के हालात बदतर हो गए थे. खराब रखरखाव और निवेश की कमी के कारण वहां का तेल उद्योग चरमरा गया था. 1990 के दशक में जहां 3.5 मिलियन बैरल तेल रोज निकलता था, वह घटकर अब सिर्फ 8 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया है. इस स्थिति को बदलने के लिए ट्रंप ने बड़ा ऐलान किया है. उन्होंने कहा कि बड़ी तेल कंपनियां वेनेजुएला के एनर्जी सेक्टर को फिर से खड़ा करने के लिए कम से कम 100 बिलियन डॉलर का निवेश करेंगी.

भारतीय बाजार हरे निशान पर हुआ बंद

रुपया 50 पैसे गिरकर 90 .84 पर बंद

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। इंफोसिस के शेयरों में आई तेज उछाल के चलते सेंसेक्स और निफ्टी जैसे शेयर बाजार उच्च स्तर पर बंद हुए। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 के लिए अपने राजस्व वृद्धि अनुमान को बढ़ाया था। रुपया लगातार तीसरे सत्र में गिरकर शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 50 पैसे गिरकर अपने सबसे निचले स्तर 90.84 (अस्थायी) के करीब बंद हुआ। दो दिनों की गिरावट के बाद, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 187.64 अंक या 0.23 प्रतिशत चढ़कर 83,570.35 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 752.26 अंक या 0.90 प्रतिशत बढ़कर 84,134.97 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 28.75 अंक या 0.11 प्रतिशत बढ़कर 25,694.35 पर पहुंच गया।सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, अल्ट्राटेक सीमेंट और एचडीएफसी बैंक भी लाभ कमाने वालों में शामिल थे। इसके विपरीत, इटरनल, एशियन पेंट्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, सन फार्मा और मारुति पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। बंगलूरू स्थित इंफोसिस के शेयरों में 5.67 प्रतिशत की उछाल आई, क्योंकि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में इसकी परिचालन आय में 8.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह पिछले वर्ष की इसी अवधि के 41,764 करोड़ रुपये से बढ़कर 45,479 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 के लिए अपने राजस्व वृद्धि अनुमान को स्थिर मुद्रा में पहले के 2-3 प्रतिशत से बढ़ाकर 3-3.5 प्रतिशत कर दिया है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने गुरुवार को कहा कि भारत और अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के बहुत करीब हैं और दोनों पक्षों के तैयार होने पर इसकी घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों की वार्ता टीमें लगभग सभी लंबित मुद्दों पर चर्चा कर रही हैं।आईटी और मिड-सेगमेंट बैंकिंग शेयरों के बेहतर तीसरी तिमाही के नतीजों के चलते सत्र के दौरान शेयर बाजारों में सकारात्मक गति देखने को मिली। हालांकि, कारोबार बंद होने के समय मुनाफावसूली ने तेजी को सीमित कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप बाजार में मामूली बढ़त ही दर्ज की गई। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि प्रमुख उद्योग सूचकांक द्वारा राजस्व वृद्धि अनुमानों में ऊपर की ओर संशोधन और प्रौद्योगिकी पर बढ़ते खर्च की उम्मीदों के कारण आईटी क्षेत्र ने बेहतर प्रदर्शन किया।

प्राइवेट जॉब करने वालों का अब नहीं अटकेगा काम, ईपीएफओ के करोड़ों सब्सक्राइबर्स को मिलेगी बड़ी राहत

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के करोड़ों सब्सक्राइबर्स के लिए गुड़ न्यूज है। ईपीएफओ अपने सदस्यों को बड़ी राहत देने जा रहा है। संगठन एडवांस या फाइनल क्लेम करते समय पुराने सर्विस रेकॉर्ड को वेरिफाई करने में आ रही दिक्कतों को दूर करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , ब्लॉकचेन और मशीन लर्निंग जैसी नई तकनीकों का इस्तेमाल करने की तैयारी में है। इससे सदस्यों के रेकॉर्ड की प्रामाणिकता की जांच की जा सकेगी। एक अधिकारी ने बताया, जो लोग यूएएन सिस्टम शुरू होने से पहले ईपीएफओ से जुड़े थे, उन्हें अक्सर अपने पुराने सर्विस रेकॉर्ड को वेरिफाई करने में परेशानी होती है। इसकी कई वजहें हो सकती हैं, जैसे कंपनी बंद हो जाना या कागजात का ठीक से न होना। इस समस्या को हल करने के लिए, नई तकनीकों का इस्तेमाल करने और ऐसे मॉडल बनाने की योजना है जो क्लेम और सदस्य की प्रामाणिकता के बारे में निष्कर्ष निकालने में मदद कर सकें।

क्या होगा फायदा?

इन एडवांस तकनीकों का इस्तेमाल उन सदस्यों की मदद करेगा जो अपने अलग-अलग जगहों पर काम करने के कारण अपने कई मेंबर अकाउंट्स को यूनिवर्सल अकाउंट नंबर से मर्ज नहीं कर पाते।

रेकॉर्ड में अनियमितताओं के कारण ऐसा होता है। इसके अलावा ये तकनीकें उन सदस्यों के लिए भी फायदेमंद होंगी जो इनऑपरेटिव अकाउंट्स का क्लेम करना चाहते हैं। 2014 में शुरू हुआ

12 अंकों का यूएएन एक यूनिक पहचान नंबर है। यह अलग-अलग एम्प्लॉयर्स से मिले सभी मेंबर आईडी के लिए एक छाते की तरह काम करता है। इससे सदस्य अपने पूरे करियर के दौरान अपने सभी प्रोविडेंट फंड से जुड़े योगदानों को एक ही नंबर के तहत मैनेज कर सकते हैं। इससे पीएफ को ट्रैक करना, ट्रांसफर करना और ऑनलाइन एक्सेस करना आसान हो जाता है। नए सदस्यों के लिए भी यह अपने अकाउंट्स को पोर्ट करना आसान बनाता है क्योंकि यह यूएएन से जुड़ा होता है।

सरकार के लेटेस्ट आंकड़ों के मुताबिक मार्च 2024 तक 20.3 करोड़ यूएएन अलॉट किए जा चुके थे, जबकि 30 करोड़ से ज्यादा मेंबर अकाउंट्स थे। इनमें से 7.3 करोड़ यूएएन एक्टिव रूप से रिटायरमेंट फंड बॉडी में योगदान कर रहे हैं। प्राइवेट जॉब करने वाले वर्कर्स के मूल वेतन में से 12 फीसदी उनके पीएफ अकाउंट में जाता है। इसी तरह एम्प्लॉयर के हिस्से के 12 फीसदी में से 3.67% पेंशन फंड में और 8.33% हिस्सा कर्मचारी के पीएफ अकाउंट में जाता है।

क्या व्यापार झटकों के बावजूद वैश्विक अर्थव्यवस्था की रफ्तार बनी रहेगी? आईएमएफ प्रमुख ने क्या कहा?

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था ने व्यापार से जुड़े झटकों के बावजूद उल्लेखनीय मजबूती दिखाई है। उन्होंने कहा कि आगे भी विकास काफी मजबूत बना रह सकता है। रॉयटर्स को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने संकेत दिया कि आईएमएफ अपने आगामी आर्थिक पूर्वानुमानों में वैश्विक विकास दर को मामूली रूप से ऊपर की ओर संशोधित कर सकता है।आईएमएफ अपना वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अपडेट 19 जनवरी को जारी करने वाला है। इससे पहले अक्तूबर में आईएमएफ ने 2025 के लिए वैश्विक जीडीपी ग्रोथ अनुमान को 3.0% से बढ़ाकर 3.2% किया था। वहीं 2026 के लिए 3.1% का अनुमान बरकरार रखा गया था। उस समय आकलन किया गया था कि अमेरिकी टैरिफ का असर पहले की आशंका से कम रहा।

जॉर्जीवा ने कहा कि दुनिया की अर्थव्यवस्था असाधारण रूप से लचीली साबित हुई है। व्यापार झटकों ने वैश्विक विकास को पटरी से नहीं उतारा है। फिलहाल प्रदर्शन मजबूत है, लेकिन जोखिम अभी भी नीचे की ओर झुके हुए हैं।

उन्होंने आगाह किया कि भू-राजनीतिक तनाव और तेजी से हो रहे तकनीकी बदलाव, खासकर एआई में हो रहा भारी निवेश, भविष्य के लिए बड़े जोखिम पैदा कर सकते हैं। अगर एआई में निवेश से अपेक्षित उत्पादकता लाभ नहीं मिला, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर वित्तीय दबाव का सामना करना पड़ सकता है। जॉर्जीएवा ने यह भी चिंता जताई कि कई देशों ने संभावित नए झटकों से निपटने के लिए पर्याप्त वित्तीय भंडार नहीं बनाए हैं। उन्होंने बताया कि आईएमएफ के पास फिलहाल 50 ऋण कार्यक्रम चल रहे हैं, जो ऐतिहासिक रूप से ऊंचा स्तर है, और आगे और देशों के मदद मांगने की आशंका है।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर बोलते हुए आईएमएफ प्रमुख ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए व्यापक टैरिफ के बावजूद अमेरिका का आर्थिक प्रदर्शन काफी प्रभावशाली रहा है। उन्होंने कहा कि वास्तविक टैरिफ स्तर शुरुआती धमकियों से कम रहे और अमेरिका वैश्विक व्यापार का केवल 13 से 14% हिस्सा है।

महंगे होने वाले हैं स्मार्टफोन, टीवी और लैपटॉप

30% बढ़ सकती है कीमत, वजह मेमोरी चिप्स की मांग बढी

नई दिल्ली,16 जनवरी (एजेंसियां)। अगर आपकी स्मार्टफोन, टीवी और लैपटॉप लेने की योजना है तो यह खबर आपके काम की है। अगले दो महीनों में इनकी कीमत में 4 से 8% तक की बढ़ोतरी हो सकती है। इंडस्ट्री के जानकारों और मार्केट एक्सपर्ट्स ने यह बात कही है। स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनियों को मेमोरी चिप्स की बढ़ती मांग का सामना करना पड़ रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और हाई-परफॉरमेंस कंप्यूटिंग के बढ़ते इस्तेमाल की वजह से मेमोरी चिप्स की डिमांड बहुत बढ़ गई है।

इसी वजह से इनकी कीमतें भी आसमान छू रही हैं। स्थिति इतनी गंभीर है कि इंडस्ट्री के बड़े अधिकारियों का कहना है कि इस साल हर तिमाही या हर महीने कीमतें बढ़ने का यह सिलसिला जारी रह सकता है। मार्केट को ट्रैक करने वाली कंपनी काउंटरपॉइंट रिसर्च के मुताबिक मेमोरी मार्केट एक हाइपर-बुल फेज में आ गया है। पिछले तीन महीनों में कीमतों में 50% की बढ़ोतरी के बाद इस तिमाही में यह और 40-50% बढ़ेंगी। अप्रैल से जून के बीच इनमें और 20% का इजाफा होने की उम्मीद है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के रिसर्च डायरेक्टर तरुण पाठक ने कहा, वीवो और नथिंग जैसी कुछ स्मार्टफोन कंपनियों ने जनवरी में ही 3,000-5,000 तक कीमतें बढ़ा दी हैं। वहीं सैमसंग जैसी कंपनियां सीधे तौर पर दाम बढ़ाने के बजाय कैशबैक और डिस्काउंट कम कर रही हैं। मेमोरी की कीमतें 2026 और अगले साल भी बढ़ती रहेंगी। कंपनियां नई लॉन्चिंग में इन बढ़ी हुई कीमतों को शामिल करेंगी, लेकिन हो सकता है कि वे डिस्प्ले जैसे कुछ कंपोनेंट्स की क्वालिटी कम कर दें ताकि लागत को कंट्रोल किया जा सके। फोन बनाने वाली कंपनियों का कहना है कि मेमोरी चिप्स की सप्लाई मिलना मुश्किल हो गया है। इसी तरह टीवी बनाने वाली कंपनी सुपर प्लास्ट्रोनिक्स का कहना है कि उसे मेमोरी चिप्स के ऑर्डर का सिर्फ दसवां हिस्सा ही मिल पा रहा है। यह कंपनी कोडक, थॉमसन और ब्लू-पंक ब्रांड के तहत टीवी बेचती है। सुपर प्लास्ट्रोनिक्स के सीईओ अवनीत सिंह मारवाह ने बताया, हमने नवंबर में 7% कीमतें बढ़ाई थीं, अब इस महीने 10% और बढ़ा रहे हैं और फरवरी में 4% और बढ़ाने की योजना है। रिपब्लिक डे सेल में डिस्काउंट बहुत कम देखने को मिलेंगे।

अब सिर्फ तेल तक नहीं बात, रूस ने भारत पर लगा दिया बड़ा दांव

नई दिल्ली,16 जनवरी (एजेंसियां)। रूस भारत को अपने गैर-ऊर्जा क्षेत्र में निवेश के लिए प्रमुख भागीदार के रूप में देखने लगा है। वह भारत में गैर-ऊर्जा वाले ज्वाइंट वेंचर (जेवी) पर बड़ा दांव लगा रहा है। इंजीनियरिंग, जहाज निर्माण, आईटी, रिन्यूएबल एनर्जी, रिफाइनिंग और मेटलर्जी जैसे क्षेत्रों में उत्पादों के लोकलाइजेशन के लिए कई रूसी कंपनियां भारत में बातचीत कर रही हैं। यह डेवलपमेंट दिसंबर में नई दिल्ली में हुई द्विपक्षीय वार्षिक शिखर बैठक की पृष्ठभूमि में आया है। इसका मुख्य एजेंडा आर्थिक सहयोग था। रूस के भारत में व्यापार प्रतिनिधि आंद्रेई सोबोलेव ने रूसी समाचार एजेंसी टीएएसएस को बताया कि मॉस्को के विदेश आर्थिक एजेंडा में भारत प्राथमिकता में बना हुआ है। यह सबकुछ ऐसे समय में हो रहा है जब भू-राजनीतिक चुनौतियां चरम पर हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर भारी-भरकम टैरिफ लगाए हैं। कुल 50% टैरफि में 25% रूसी तेल आयात के कारण लगा है। वहीं, अमेरिका भारत के साथ एक व्यापार समझौते को लेकर भी अंतिम स्टेज में हैं। रूस भारत को किसी भी तरह से अमेरिका के पाले में नहीं जाने देना चाहता है। दोनों देशों के रश्ति दशकों से बेहद मजबूत रहे हैं।दोनों देश व्यापार को डायवर्स बनाने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही गैर-संसाधन और गैर-ऊर्जा वस्तुओं के हिस्से को बढ़ाने में जुटे हैं। सोबोलेव ने कहा कि यह दोनों तरफ से स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने आगे बताया कि रूसी कंपनियां भारत को उत्पादन के लोकलाइजेशन के लिए एक आशाजनक स्थान के रूप में देखती हैं। वे न केवल घरेलू बाजार को टारगेट कर रही हैं, बल्कि दक्षिण एशियाई और तीसरे देशों के बाजारों में भी विस्तार करना चाहती हैं। वहीं, भारतीय व्यवसाय भी रूसी बाजार में अवसरों की तलाश कर रहे हैं।उत्तरी समुद्री मार्ग रूसी-भारतीय सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। दोनों सरकारों ने स्थायी माल ढुलाई आधार बनाने और परिवहन के लिए आर्थिक मापदंड तय करने पर सहमति जताई है। वे संयुक्त लॉजिस्टिक्स और जहाज निर्माण परियोजनाओं की संभावनाओं पर भी विचार कर रहे हैं। सोबोलेव ने टीएएसएस को बताया कि यह मध्यम और लंबी अवधि में इस मार्ग में व्यवसायों की बढ़ती व्यावहारिक रुचि को दर्शाता है।उत्तरी समुद्री मार्ग आर्कटिक महासागर के रूसी हिस्से में मुख्य समुद्री मार्ग है।

चांदी 2.83 लाख केजी के ऑल टाइम हाई पर

4 दिन में कीमत 40 हजार बढ़ी; सोना 1.42 लाख/10 ग्राम बिक रहा

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। चांदी के दाम में आज 16 जनवरी को लगातार चौथे दिन तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार चांदी की कीमत 5,208 रुपए बढ़कर 2,82,720 रुपए प्रति किलो के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। इससे पहले 14 जनवरी को चांदी की कीमत 2,77,512 रुपए थी। चार दिन में चांदी 40 हजार रुपए महंगी हो चुकी है। वहीं, सोने के दाम में तीन दिन की तेजी के बाद आज गिरावट है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव आज 298 रुपए गिरकर 1,41,717 रुपए पर ओपन हुआ था। 14 जनवरी को इसने 1,42,015 रुपए पर ऑल टाइम हाई बनाया था।

आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआई सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

2025 में सोना 75% और चांदी 167% महंगी हुई

पिछले साल यानी 2025 में सोने की कीमत 57,033 रुपए (75%) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया। चांदी का भाव भी इस दौरान 1,44,403 रुपए (167%) बढ़ा। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो इस साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-53
भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्यास्त. 17-57
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - माघ कृष्ण पक्ष शनिवार 17 January 2026
तिथि - चतुर्दशी 00-04 रात तक उपरान्त अमावस्या
नक्षत्र - मूल 08-12 तक उपरान्त पूर्वाषाढा
योग - व्याघात 21-17 तक उप. हर्षण
करण - विष्टी (भद्रा) 11-16 तक उप. शकुनि

भद्रा काल 11-16 तक

मकरे बुध - 10-22 से

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	मकर	मे	मकर....	06-42 बजे
चंद्र	धनु	मे	कुंभ....	08-33 बजे
मंगल	मकर	मे	मीन....	10-11 बजे
बुध	धनु	मे	मेष.....	11-47 बजे
गुरु	मिथुन	मे	वृष....	13-31 बजे
शुक्र	मकर	मे	मिथुन..	15-33 बजे
शनि	मीन	मे	कर्क...	17-45 बजे
राहु	कुंभ	मे	सिंह---	19-57 बजे
केतु	सिंह	मे	कन्या--	22-03 बजे
			तुला----	00-09 बजे
			वृश्चिक..	02-18 बजे
			धनु.....	04-32 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 09-39 11-02

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
काल 06-53 - 08-15 अशुभ	लाभ 17-54 - 19-38 शुभ
शुभ 08-15 - 09-39 शुभ	उत्पात19-38 - 21-14 अशुभ
रोग।। 09-39 - 11-02 अशुभ	शुभ 21-14 - 22-50 शुभ
उत्पात11-02 - 12-26 अशुभ	अमृत 22-50 - 00-26 शुभ
चंचल 12-26 - 13-50 शुभ	चंचल 00-26 - 02-02 शुभ
लाभ 13-50 - 15-14 शुभ	रोग 02-02 - 03-39 अशुभ
अमृत 15-14 - 16-38 शुभ	काल 03-39 - 05-15 अशुभ
काल 16-34 - 17-57 अशुभ	लाभ 05-15 - 06-52 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आपकी रचनात्मकता और तीक्ष्ण सोच आपको आसानी से सीखने और विचारों को व्यक्त करने में मदद करती है। आप जानकारी को जल्दी से अवशोषित करते हैं और सीखने के माहौल में अच्छा प्रदर्शन करते हैं। भावनात्मक उतार-चढ़ाव संचार को प्रभावित कर सकते हैं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
काम के प्रति आपका सहज दृष्टिकोण बढ़ा हुआ है, जबकि तीक्ष्ण विश्लेषणात्मक कौशल परियोजनाओं और कार्यों को विस्तृत, सावधानीपूर्वक संभालने में सहायता करते हैं। अपने अहंकार को सफलतापूर्वक संलग्न करें और चुनौतियों से निपटने के लिए अपने दिमाग का उपयोग करें। आपके पास मजबूत प्रेरक क्षमताएं हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आप पा सकते हैं कि चुपचाप और स्वतंत्र रूप से काम करने से सबसे अच्छे परिणाम मिलते हैं। ज़िम्मेदारी की एक मज़बूत भावना आपको केंद्रित रखती है, जबकि भावनात्मक गहराई आपके प्रयासों को अर्थ देती है। सहानुभूति आपकी बातचीत का मार्गदर्शन करती है, और विनम्र बने रहने से आपको चुनौतियों से पार पाने में मदद मिलती है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
साहसी ऊर्जा आपको अपने करियर में आगे बढ़ने में मदद करती है, जबकि नए विचार नए दृष्टिकोणों को जन्म देते हैं। स्पष्ट सोच और निरंतर प्रयास प्रगति की ओर ले जाते हैं। हालाँकि कभी-कभी आपको लय में कुछ कमी महसूस हो सकती है, लेकिन आपके सामाजिक संबंध आपको सहारा देते हैं।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप खुद को साहसी और भावनात्मक रूप से मजबूत महसूस करते हैं, जिससे यह आपके करियर में आत्मविश्वास से भरे कदम उठाने का एक बेहतरीन समय है। जमीन पर बने रहने के लिए व्यावहारिक, तथ्य-आधारित कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें। व्यक्तिगत संबंधों को काम या पढ़ाई में बाधा बनने से रोकें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
सिंह राशि में सूर्य आज कार्यस्थल पर आपके आत्मविश्वास और रचनात्मकता को बढ़ाएगा और आपको साहसिक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। मेष राशि में चंद्रमा के साथ, पढ़ाई और कार्यों के प्रति आपकी प्रेरणा उच्च रहेगी, जिससे आपको तेज़ी से प्रगति मिलेगी।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपका आत्मविश्वास और उत्साह आपके काम और पढ़ाई में एक मज़बूत गति प्रदान करते हैं, जिससे आपको साहसिक पहल करने में मदद मिलती है। मानसिक कुशाग्रता आपको अवसरों का लाभ उठाने की शक्ति देती है, लेकिन अनावश्यक बहस या अत्यधिक आलोचनात्मक रवैये से बचें। प्रेरक ऊर्जा प्रबल है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपका स्वाभाविक आकर्षण दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करता है, जिससे सहयोग सहज और अधिक उत्पादक बनता है। मानसिक स्पष्टता सीखने और निर्णय लेने, दोनों में सहायक होती है, जिससे आपको विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में मदद मिलती है। महत्वाकांक्षा जहाँ आपकी प्रेरणा को बढ़ाती है, वहीं भावनात्मक आवेग गलत कदम उठाने का कारण बन सकता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आपका आत्मविश्वास सबसे अलग है, इसलिए यह काम पर अपने कौशल दिखाने का एक शानदार समय है। अपनी सहज प्रवृत्ति पर भरोसा करें क्योंकि वे आपको रचनात्मक समाधान खोजने में मदद कर सकती हैं। अपनी साहसी ऊर्जा को दयालुता के साथ संतुलित करें, खासकर समूह सेटिंग में।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपका स्वाभाविक करिश्मा आपको काम पर अलग दिखने में मदद करता है, जबकि एक अनुशासित मानसिकता आपको केंद्रित रखती है। करियर में वृद्धि आशाजनक लगती है, जो आशावाद और विस्तार लाती है। रिश्तों में तनाव उभर सकता है, लेकिन शांत और चतुराईपूर्ण संचार किसी भी संघर्ष को कम कर सकता है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज आप काम पर भावनात्मक रूप से ज़्यादा जुड़े हुए महसूस कर सकते हैं, जिससे सकारात्मक और सहायक माहौल बनेगा। नए विचार सामने आने की संभावना है, जो आपको नए और आविष्कारशील तरीकों से काम करने के लिए प्रेरित करेंगे। स्पष्ट और आत्मविश्वासपूर्ण संचार आपको अपने विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में मदद करता है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
एकांत गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करें, धैर्य में शक्ति पाएं। चुनौतियाँ आ सकती हैं, फिर भी आपकी मेहनत रंग लाएगी। आप किसी भी बाधा का डटकर सामना कर पाएंगे। बाधाओं पर काबू पाने में धैर्य रखें। संतुलन बनाए रखें, और आपका समर्पण आपको काम और अध्ययन की मांगों के माध्यम से मार्गदर्शन करेगा।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

हाई कोर्ट ने रांची पुलिस की जांच पर लगाई रोक

ईडी ऑफिस जांच करने पहुंची थी पुलिस, दो ईडी अधिकारियों से की थी पूछताछ

रांची, 16 जनवरी (एजेंसियां)। रांची पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ ईडी द्वारा झारखंड हाईकोर्ट में दायर याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति संजय कुमार द्विवेदी ने संतोष कुमार द्वारा एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई एफआईआर के आधार पर ईडी अधिकारियों के खिलाफ पुलिस जांच पर रोक लगा दी।

न्यायमूर्ति संजय कुमार द्विवेदी ने केंद्रीय एजेंसी को मामले में केंद्रीय गृह सचिव को पक्षकार बनाने का निर्देश दिया। साथ ही ईडी कार्यालय की सुरक्षा सीआईएसएफ/बीएसएफ या किसी अर्धसैनिक बल को सौंपने का निर्देश दिया है।

कोर्ट ने रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन को भी ईडी कार्यालय की उचित सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि यदि ईडी कार्यालय और उसके अधिकारियों की सुरक्षा में कोई चूक होती है, तो इसके लिए रांची के एसएसपी सीधे तौर पर जिम्मेदार होंगे। मामले में अगली सुनवाई 9 फरवरी को होगी।

दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दो अधिकारियों पर मारपीट के आरोपों की जांच करने रांची पुलिस की टीम गुरुवार सुबह ईडी ऑफिस पहुंची थी। सदर और सिटी डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ईडी के सहायक निदेशक प्रतीक और सहायक शुभम से पूछताछ की।

ई-साक्ष्य एकत्र किए थे। जांच एजेंसी के दोनों अधिकारियों के खिलाफ पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, हटिया योजना (डोरंडा) के क्लर्क संतोष कुमार ने 12 जनवरी को एयरपोर्ट थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी।

इधर, इस मामले को लेकर ईडी ने झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। इसमें पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की गई। इस याचिका पर शुक्रवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई।

ईडी के अधिकारियों ने सिर पर डंडे से वार किया: संतोष कुमार

एफआईआर में संतोष कुमार ने कहा है कि पूछताछ के दौरान ईडी के अधिकारियों ने उनके सिर पर डंडे से वार किया। गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। इससे उसका सिर फट गया। उसे सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां सिर पर छह टांके लगे। अधिकारियों ने डॉक्टर को सच्चाई न बताने का दबाव डाला। धमकाया कि ऐसा किया तो पूरे परिवार को जेल भेज दिया जाएगा। इसके बाद उसे फिर ईडी कार्यालय ले जाया गया था।

ईडी के अधिकारियों ने कहा- संतोष को समन नहीं दिया था। वह खुद आया था और आईओ के पास गया। आईओ ने उससे कुछ फॉर्म भरवाए। फिर पूछताछ शुरू की। जेल में उसने कुछ लोगों का नाम बताया था। उसके बारे में पूछा तो कोई जानकारी नहीं दी। आईओ ने कहा कि तुम नहीं बताओगे तो तुम्हारे घर वाले जवाब देंगे। इस पर वह भड़क गया। टेबल पर रखे शीशे के जग को अपने सिर पर मार लिया। अधिकारी उसे सदर अस्पताल ले गए। वहां एक टांका लगा। उसने लिखकर दिया है कि खुद सिर पर जग मारा है। रांची पुलिस को पूछताछ में हमने पूरा सहयोग किया। फोटोग्राफी करने दी। टूटे शीशे को साथ ले गई। इधर रांची एसएसपी ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

इससे पहले पुलिस की टीम जैसे ही ईडी ऑफिस पहुंची, वहां केंद्रीय बल के अतिरिक्त जवानों को बुला लिया गया, ताकि विधि-व्यवस्था न बिगड़े। रांची पुलिस और केंद्रीय पुलिस बल के जवान ऑफिस परिसर में तक तैनात रहे, जब तक जांच पूरी नहीं हो गई। उधर, पुलिस की इस कार्रवाई के बाद राजनीति भी गरमा गई है।

रांची पुलिस की कार्रवाई ईडी के साक्ष्यों को नष्ट करने की साजिश है : बाबूलाल

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया कि रांची स्थित ईडी कार्यालय में पुलिस कार्रवाई की आड़ में साक्ष्य नष्ट करने की साजिश हो रही है। उन्होंने कहा कि वहां मुख्यमंत्री और पुलिस-प्रशासन से जुड़े हजारों करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार से संबंधित अहम दस्तावेज मौजूद हैं। मरांडी ने पीएमओ और गृह मंत्रालय से ईडी कार्यालय में केंद्रीय बलों की स्थायी तैनाती की मांग की।

केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग करने पर बाबूलाल पर केस दर्ज करें : सुप्रियो

झामुमो के प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने बाबूलाल मरांडी के बयान पर आपत्ति जताई।

उन्होंने कहा कि जब कोई एफआईआर दर्ज होती है, तो पुलिस का जांच के लिए जाना स्वाभाविक है। मरांडी केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग कर राज्य पुलिस और केंद्रीय बलों में टकराव की स्थिति पैदा करना चाहते हैं। उन्होंने बाबूलाल मरांडी के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज करने की मांग भी की।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ कैरव गांधी के घर पहुंचे

परिजनों से की मुलाकात, झारखंड की कानून-व्यवस्था पर सरकार को घेरा

जमशेदपुर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ जमशेदपुर पहुंचे और कैरव गांधी के आवास पर उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने परिवार के सदस्यों से घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी ली।

परिजनों से बातचीत के बाद संजय सेठ ने मीडिया से बात करते हुए झारखंड की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि झारखंड में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।

राज्य में अपराधियों का मनोबल बढ़ रहा है: संजय सेठ

उन्होंने सुझाव दिया कि झारखंड को बिहार और 'योगी मॉडल' से सीखना चाहिए और राज्य में 'योगी मॉडल' लागू करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में अपराधियों का मनोबल बढ़ रहा है और आम जनता असुरक्षित महसूस कर रही है। उन्होंने कहा कि हत्या, लूट, छिनतई, मारपीट और संगठित अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन सरकार और प्रशासन इस पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। संजय सेठ ने दावा किया कि अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है, जिससे कानून का डर खत्म हो रहा है।

रक्षा राज्य मंत्री ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वे इस मामले को गंभीरता से उठाएंगे और संबंधित अधिकारियों से बात कर निष्पक्ष व त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने दोषियों को बख्शे न जाने और पीड़ित परिवार को पूरा न्याय मिलने पर जोर दिया।

संजय सेठ ने राज्य सरकार से झारखंड में कानून-व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। इस दौरान स्थानीय भाजपा नेता और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे, जिन्होंने राज्य में बढ़ते अपराध पर चिंता व्यक्त की।

11 वर्षीय दिव्यांग बच्ची घुटनों के बल ढो रही लकड़ियां

गरीबी ऐसी कि माता-पिता ने छोड़ा सिंगरौली में नाना-नानी कर रहे पालन-पोषण

दिल कुमारी, दिव्यांग

सिंगरौली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। सिंगरौली जिले में 11 वर्षीय आदिवासी दिव्यांग बच्ची दिल कुमारी बैगा का घुटनों के बल सिर पर लकड़ी का गट्ठा ढोते हुए वीडियो सामने आया है। वीडियो छत्तीसगढ़ बॉर्डर के पास स्थित बारहपन गांव का है। मामला सामने आने के बाद पड़ताल की, जिसके बाद प्रशासन ने बच्ची तक पहुंचकर मदद का आश्वासन दिया।

जांच में सामने आया कि दिल कुमारी तीसरी कक्षा की छात्रा है और जन्म से ही दोनों पैरों से दिव्यांग है। वह अपने नाना राम ब्रिज बैगा और नानी सोनमती बैगा के साथ रहती है।

नाना ने बताया कि बच्ची की मां उर्मिला बैगा की चार संतानें हैं, लेकिन दिल कुमारी की दिव्यांगता के कारण उसकी देखभाल संभव नहीं हो पा रही थी, इसलिए नाना-नानी ने ही उसकी परवरिश की जिम्मेदारी संभाली है।

वीडियो में बच्ची के सिर पर लकड़ी ढोने को लेकर उठे सवालों पर नाना राम ब्रिज भावुक हो गए। उन्होंने बताया, "हमने उसे कभी जंगल से लकड़ी लाने के लिए नहीं कहा। शायद उसे लगा होगा कि ठंड में नाना-नानी को आग की जरूरत होगी। इसी सोच के साथ वह खुद लकड़ी लेने निकल गई।"

नाना ने यह भी बताया कि उन्होंने कई बार पंचायत स्तर पर मदद के लिए सरपंच और अन्य जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई, लेकिन अब तक कोई ठोस सहायता नहीं मिल पाई। गरीबी और लाचारी के बीच बच्ची पढ़ाई भी कर रही है, लेकिन उसकी दिव्यांगता उसके हर कदम को मुश्किल बना देती है।

वीडियो सामने आने के बाद कई कांग्रेस नेता सूर्य द्विवेदी बच्ची से मिलने गांव पहुंचे। उन्होंने बताया कि फेसबुक पर वीडियो शेयर होने के बाद जब उसे लाखों व्यूज मिले, तो उन्हें लगा कि सिर्फ शेयर करना काफी नहीं है, मदद जरूरी है। सूर्य द्विवेदी ने कहा, "हम प्रशासन से बात करेंगे। अगर शासन स्तर पर मदद नहीं मिलती है, तो हम अपने स्तर पर इस बिटिया की सहायता करेंगे।"

इस मामले की जानकारी प्रशासन तक पहुंचाए जाने के बाद शुक्रवार को प्रशासन हरकत में आया। बच्ची और उसके परिजनों को जिला मुख्यालय बुलाया गया। रेड क्रॉस सोसाइटी के जरिए बच्ची को ट्राइसिकल प्रदान की गई, ताकि उसकी दैनिक आवाजाही आसान हो सके।

एडिशनल सीईओ जिला पंचायत आईबी डामोर ने बताया कि बच्ची का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जा रहा है।

दिव्यांगता को ध्यान में रखते हुए उसके संभावित ऑपरेशन की भी व्यवस्था की जा रही है। साथ ही, सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत जो भी सुविधाएं संभव होंगी, वे बच्ची को उपलब्ध कराई जाएगी।

युवक पर फायरिंग, कान के पास से निकली गोली

धनबाद, 16 जनवरी (एजेंसियां)। धनबाद के झाड़ूडीह स्थित एक अपार्टमेंट में गुरुवार रात फायरिंग की घटना से हड़कंप मच गया। नशे में धुत एक युवक ने राजेश झा नामक व्यक्ति पर गोली चला दी, जो उनके कान के पास से निकल गई। इस घटना के बाद पूरे अपार्टमेंट और आसपास के इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी अपार्टमेंट के नीचे शराब के नशे में हंगामा कर रहा था। इसी दौरान उसने अचानक राजेश झा को निशाना बनाकर फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि गोली राजेश झा के कान के पास से छूते हुए निकल गई, जिससे वे बाल-बाल बच गए। राजेश झा की पत्नी कंचन झा ने बताया कि आरोपी देवेंद्र सिंह, जो उसी अपार्टमेंट की पहली मंजिल पर रहता है, नशे की हालत में उनके पति के पास आया।

डीआरजी दंपती के घर समेत 40 मकानों पर चला बुलडोजर

बीजापुर में रोते-रोते लोग बोले- प्रशासन घर तोड़ रहा, गांव जाएंगे तो नक्सली मार डालेंगे

बीजापुर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। बीजापुर में न्यू बस स्टैंड के पीछे अब तक 40 अवैध मकान ढहाए जा चुके हैं और कार्रवाई लगातार जारी है। इस दौरान डिसट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) दंपती का घर भी तोड़ा गया, जबकि जवान ड्यूटी पर गया हुआ है। घर में मौजूद उसकी पत्नी के मुताबिक, वे यहां 2006 से रह रहे हैं, और गांव में उनके पास कोई घर नहीं है। कार्रवाई के दौरान कई महिलाओं की रोती हुई तस्वीरें भी सामने आई हैं। महिलाएं सवाल कर रही थीं- हम कहां जाएंगे?

पीड़ित गंगा माड़वी का कहना है कि वे अपने परिवार के साथ पिछले 4 सालों से यहां रह रहे हैं। नक्सली हिंसा के कारण वे अपने गांव को छोड़कर यहां आए थे। प्रशासन से बातचीत के बाद उन्होंने घर बनाया और नियमित रूप से टैक्स भी जमा कर रहे थे। अब प्रशासन घरों को तोड़ रहा है। गांव वापस गए तो नक्सली मार देंगे।

गंगा के मुताबिक तीन महीने पहले उन्हें मकान खाली करने का नोटिस मिला था, जिस पर मामला कोर्ट में चल रहा है। उन्हें यह भरोसा भी दिलाया गया था कि घर नहीं तोड़ा जाएगा, लेकिन अब अचानक मकानों को गिराया जा रहा है।

वहीं अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई के दौरान बीजापुर नगरपालिका, तहसीलदार और पुलिस बल के जवान मौके पर मौजूद हैं। कार्रवाई के बारे में जानकारी देते हुए नगर पालिका परिषद बीजापुर के सीएमओ बीएल नुरेटी ने बताया कि 55 मकान न्यू बस स्टैंड के पीछे है। जहां अभी कार्रवाई हो रही। सभी को तोड़े जाएंगे। 20 मकान शांति नगर में है। जहां इसके बाद कार्रवाई होगी।

कारोबारी से 11 करोड़ की ठगी

हाई-टेक एब्रेसिव्स कंपनी ने बैंक में गिरवी रखी जमीन बेची, डायरेक्टर समेत 3 आरोपी गिरफ्तार, 9 फरार

रायपुर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर में कारोबारी से जमीन के नाम पर 11 करोड़ 51 लाख की ठगी हुई है। पीड़ित ने हाई-टेक एब्रेसिव्स प्राइवेट लिमिटेड और उससे जुड़े डायरेक्टर, प्रमोटर शेयर होल्डरों और प्रॉपर्टी ब्रोकर पर आरोप लगाया है। मामला सरस्वती नगर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, पीड़ित कारोबारी का नाम विकास कुमार गोयल है। संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड डायरेक्टर हैं। सरस्वती नगर में रहते हैं। उन्होंने बलौदाबाजार में जमीन खरीदी और एग्रीमेंट कर 11 करोड़ 51 लाख रुपए एडवांस में दे दिए थे। बाद में पता चला कि जमीन पहले से बैंक में गिरवी है।

इसके बाद कारोबारी विकास ने हाई-टेक एब्रेसिव्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर, प्रमोटर शेयरहोल्डर और प्रॉपर्टी ब्रोकर से पैसे मांगे तो उन्होंने पैसे देने से इनकार कर दिया।

पुलिस ने हाई-टेक एब्रेसिव्स कंपनी के डॉयरेक्टर, प्रमोटर और शेयरहोल्डर को गिरफ्तार किया है। अन्य 9 की तलाश जारी है।

दरअसल, विकास कुमार गोयल 16 जनवरी को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत में बताया कि 15 अक्टूबर 2025 को हाई-टेक एब्रेसिव्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों और प्रॉपर्टी ब्रोकर रोहित कुमार घृतलहरे ने बलौदाबाजार के सिमगा तहसील के ग्राम नेवधा में स्थित लगभग 22.347 हेक्टेयर जमीन की जानकारी दी।

आरोप है कि नारायण प्रसाद टेकरीवाल, लक्ष्मीचंद गुरवानी, पंकज टेकरीवाल, विनोद बाजोरिया, राघवेन्द्र चंद सिन्हा, सेजल राठौर, शकुन्तला देवी टेकरीवाल, रोहित कुमार घृतलहरे, निशा अग्रवाल, निना जैन, नीता मस्कारा और प्रीतम कुमार टेकरीवाल ने भरोसा दिलाया कि जमीन में कोई गड़बड़ी नहीं है।

कारोबारी ने बताया कि सेल्स एग्रीमेंट के बाद संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड ने अलग-अलग तारीखों पर चेक और RTGS के जरिए हाई-टेक एब्रेसिव्स प्राइवेट लिमिटेड के अकाउंट में कुल 11.51 करोड़ रुपए एडवांस पेमेंट के तौर पर ट्रांसफर किए।

मां चंचला महोत्सव: 40 हजार से अधिक श्रद्धालु हुए शामिल

जामताड़ा, 16 जनवरी (एजेंसियां)। जामताड़ा जिले में शुक्रवार को 13वां वार्षिक मां चंचला महोत्सव माघ माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर मनाया गया। इस अवसर पर 21 हजार कन्याओं ने कलश यात्रा निकाली, जिसमें 40 हजार से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए।

यह महोत्सव जामताड़ा जिले की कुलदेवी मां चंचला को समर्पित है और इसे जिले के प्रमुख त्योहारों में से एक माना जाता है। इस वार्षिक आयोजन में जिले भर से श्रद्धालु हिस्सा लेते हैं। यात्रा में शामिल होने के लिए महिलाएं और कन्याएं सुबह स्नान कर पारंपरिक वेशभूषा में मंदिर के सामने कतारबद्ध खड़ी हो गईं। मंदिर के कुल पुजारी ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश यात्रा का शुभारंभ किया।

मां चंचला महोत्सव समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र मंडल मुख्य यजमान के रूप में कलश उठाकर यात्रा में शामिल हुए। यात्रा चंचला मंदिर से सुबह 10 बजे शुरू होकर स्टेशन रोड, सुभाष चौक, टावर चौक होते हुए हनुमान मंदिर पहुंची, जहां पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद यात्रा जामताड़ा मुख्य बाजार से होते हुए वापस चंचला मंदिर पहुंची।

यात्रा में सात घोड़ों के रथ पर मां चंचला की प्रतिमा स्थापित की गई थी। विभिन्न झांकियां भी प्रस्तुत की गईं, जिनमें आदिवासी संस्कृति के नृत्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर श्रद्धालु उत्साहपूर्वक थिरकते दिखे।

पिकअप-बाइक की टक्कर, एक की मौत

चतरा, 16 जनवरी (एजेंसियां)। चतरा-इटखोरी मुख्य मार्ग पर गुरुवार रात एक सड़क दुर्घटना में इटखोरी प्रखंड के प्रेमनगर निवासी दिलीप भुइयां (पुत्र रामचरण भुइयां) की मौके पर मौत हो गई। यह घटना गुरुवार रात करीब 8 बजे हुई।

जानकारी के अनुसार, दिलीप अपने दोस्त विनोद के साथ बाइक से चतरा के इको पार्क से लौट रहे थे। भेड़िफार्म के 'बेल गाछ' के समीप विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप वैन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

पत्रकार पर हमला: कार रोककर रॉड से तोड़ा शीशा

साथी को पकड़कर पीटा, अवैध-खनन की रिपोर्टिंग करने गए थे, क्रेशर मालिक बोला- पैसे मांग रहे थे

रायपुर/गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 16 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़-मध्य प्रदेश बॉर्डर पर गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में पत्रकार पर 3 क्रेशर कारोबारियों ने हमला कर दिया। आरोपियों ने पत्रकार की कार रोक कर गाली-गलौज की, फिर जान से मारने की धमकी दी। गाड़ी से उतरने के लिए कहा। पत्रकार कार से बाहर नहीं निकला तो लोहे की रॉड से शीशा तोड़ दिया। पत्रकार के चेहरे और माथे पर चोटें आईं।

घायल हालत में पत्रकार ने कार आगे बढ़ाई, जो खेत में चली गई। इस दौरान कार का एक दरवाजा खुल गया। आरोपियों ने पत्रकार के साथी को पकड़ लिया। पत्रकार ने कार तेजी से आगे बढ़ाई और किसी तरह नजदीकी थाने पहुंचा।

आरोपियों ने पत्रकार के साथी को रॉड से पीटा। किसी तरह भागकर उसने अपनी जान बचाई। पत्रकार अवैध खनन से जुड़ी रिपोर्टिंग करने गए थे। दूसरी ओर क्रेशर व्यवसायी ने पत्रकार और उसके साथी पर उनसे पैसे मांगने का आरोप लगाया है। फिलहाल, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत की है। दोनों पक्षों की शिकायत पर पुलिस ने अलग-अलग एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मामला गौरेला थाना क्षेत्र का है। इस घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि एक कार को 3 लोग रास्ते में रोक लेते हैं। कार में बैठा शख्स उसे आगे की बात कह रहा है, लेकिन इसी दौरान 3 लोगों में एक व्यक्ति रॉड से कार की शीशे पर हमला करता है। जानकारी के मुताबिक आरोपियों का क्रेशर प्लांट सीमा से लगे एमपी के अनूपपुर जिले में संचालित है।

पेंड्रा के सुशांत गौतम (33) पेशे से पत्रकार हैं। वे 8 जनवरी 2026 को अमरकंटक और मैकल पर्वत क्षेत्र से अवैध खनन और क्रेशर संचालन की कवरेज के लिए गए थे। उनके साथ सहयोगी रितेश गुप्ता भी थे। शाम को रिपोर्टिंग के बाद जब वो लौट रहे थे। जैसे ही धनौली गांव पहुंचे तो वहां कुछ लोगों ने सामने से एक सफेद कार, साइड में एक हाइवा और पीछे से एक फोर व्हीलर लगाकर उनका रास्ता पूरी तरह बंद कर दिया। इसके बाद जय प्रकाश शिवसदानी उर्फ जेठू, सुधीर बाली और लल्लन तिवारी अपने ड्राइवर और कुछ अज्ञात लोगों के साथ वहां आए गाली-गलौज करने लगे। उन्होंने जान से मारने की धमकी दी और जबरन गाड़ी से उतरने के लिए दबाव बनाया। सुशांत और उनके साथी रितेश गाड़ी के अंदर से लगातार 'ऐसा मत करो' चिल्लाते रहे और मोबाइल से वीडियो रिकॉर्डिंग भी कर रहे थे। इसी दौरान एक लल्लन तिवारी ने लोहे की रॉड से कार के ड्राइवर साइड का कांच तोड़ दिया।

इस हमले में सुशांत के चेहरे और माथे पर चोटें आईं। घायल हालत में पत्रकार ने कार आगे बढ़ाई, जो खेत में चली गई।

बच्ची से रेप के आरोपी के मकान पर चलेगा बुलडोजर

रायपुर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। 9 साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी अब्दुल सज्जाद अंसारी (65) के खिलाफ अब नगर निगम सख्त कार्रवाई करने जा रही है। आरोपी के अवैध मकान को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर चलाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। रायपुर की मेयर मीनल चौबे ने इस संबंध में नोटिस जारी किया है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, आरोपी का मकान नियमों के खिलाफ बना हुआ है। तय समय सीमा तक जवाब नहीं मिलने पर निगम द्वारा तोड़फोड़ की कार्रवाई की जाएगी।

कुशवाहा को छोड़कर नितिन नबीन के पास पहुंचे विधायक

पटना, 16 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में सियासी दही-चूड़ा भोज जारी है। आज शुक्रवार को बीजेपी के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन पटना में दो जगह भोज किया। इसमें उपेंद्र कुशवाहा के विधायक भी पहुंचे।

आईआरसीटीसी घोटाले में आरोप तय होने के बाद लालू परिवार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। लोअर फैसले को राबड़ी देवी ने चुनौती दी है। इधर, बिहार चुनाव में मिली हार और विदेश यात्रा के बाद तेजस्वी यादव एक्टिव नजर आ रहे हैं। उनके आवास पर पार्टी मीटिंग है।

बिहार की राजनीति में बीते कुछ दिनों से सियासी दही-चूड़ा भोज जारी है। इसी कड़ी में बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन आज शुक्रवार को 2 जगह भोज दिया। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का पद संभालने के बाद पहली बार नितिन नबीन बड़ा आयोजन था। पहला भोज पटना न्यू क्लब में रखा गया। नितिन नाबीन के दही चूड़ा भोज में रालोम के नाराज विधायक रामेश्वर महतो और आलोक सिंह भी शामिल हुए। वहीं, दूसरा भोज नितिन नबीन आज ही अपने मंत्री आवास पर दिया। नितिन नबीन ने सीएम नीतीश कुमार को भी न्योता दिया था। मुख्यमंत्री बेतिया में सभा करने के बाद नितिन नबीन के भोज में पहुंचे थे।

वेनेजुएलाई नेता ने अपना नोबेल पुरस्कार ट्रम्प को दिया

वॉशिंगटन, 16 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो से मुलाकात की। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अगवा करने के बाद यह उनकी किसी भी वेनेजुएलाई नेता से पहली आमने-सामने की मुलाकात थी।

मुलाकात के बाद माचाडो ने कहा कि उन्होंने ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार का मेडल भेंट किया है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि आज हम वेनेजुएलावासियों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है।'

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में मचाडो ने ट्रम्प को अपना पुरस्कार सौंपने के बारे में बताया, लेकिन उन्होंने दूसरी कोई जानकारी नहीं दी। वहीं, व्हाइट हाउस ने भी यह नहीं बताया कि ट्रम्प ने मेडल स्वीकार किया या नहीं।

व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद मचाडो ने बाहर जुटे समर्थकों से स्पेनिश में कहा, 'हम राष्ट्रपति ट्रम्प पर भरोसा कर सकते हैं।' हालांकि, ट्रम्प ने अब तक माचाडो को वेनेजुएला की नई नेता के रूप में समर्थन नहीं दिया है। इसकी बजाय वे वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज के साथ काम कर रहे हैं।

ट्रम्प हमेशा नोबेल शांति पुरस्कार लेने की इच्छा जताते रहे हैं। जब यह मचाडो को मिला तो उन्होंने नाराजगी जताई।

दूसरी ओर नोबेल कमेटी ने पहले कहा था कि नोबेल पुरस्कार की घोषणा हो जाने के बाद इसे रद्द नहीं किया जा सकता। न ही इसे साझा किया जा सकता है और न ही किसी और को हस्तांतरित किया जा सकता है। यह निर्णय अंतिम है और हमेशा के लिए मान्य रहेगा। वहीं, गुरुवार को व्हाइट हाउस में हुई बैठक से पहले नोबेल संस्थान ने X पर पोस्ट कर बताया कि एक पदक के मालिक बदल सकते हैं, लेकिन नोबेल शांति पुरस्कार विजेता की उपाधि नहीं बदल सकती।

अक्टूबर 2025 में मचाडो को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें 'वेनेजुएला के लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए उनके प्रयासों और तानाशाही से शांतिपूर्ण लड़ाई' के लिए यह सम्मान मिला था।

मचाडो ने ट्रम्प को नोबेल पुरस्कार देते हुए 1825 में अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम के हीरो मार्क्विस डे लाफायेट का उदाहरण दिया।

उन्होंने कहा, '200 साल पहले मार्क्विस डे लाफायेट ने जॉर्ज वॉशिंगटन की तस्वीर वाला मेडल साइमन बोलिवर को दिया था, जो अमेरिका और वेनेजुएला के बीच स्वतंत्रता की लड़ाई में भाईचारे का प्रतीक था। अब, बोलिवर के लोगों ने वॉशिंगटन के उत्तराधिकारी (ट्रम्प) को नोबेल मेडल लौटाया है।

लाफायेट ने दक्षिण अमेरिका के आजादी के नेता साइमन बोलिवर को एक खास सोने का पदक भेजा। इस पदक पर अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन की तस्वीर बनी हुई थी।

यह तोहफा दोनों देशों के बीच भाईचारे और तानाशाही के खिलाफ साझा लड़ाई का प्रतीक था। बोलिवर ने इस पदक को बहुत सम्मान दिया और इसे हमेशा पहनते रहे। वेनेजुएला के लोग खुद को बोलिवर के वंशज मानते हैं। ट्रम्प ने सोशल मीडिया ट्रूथ सोशल पर पोस्ट कर मारिया कोरिना मचाडो से मुलाकात को सम्मानजनक बताया।

अमेरिकी राजदूत की ईरान को चेतावनी

ट्रम्प बातें नहीं करते, एक्शन लेते हैं, ईरान का जवाब– हमला किया तो छोड़ेंगे नहीं

वॉशिंगटन, 16 जनवरी (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की आपात बैठक में अमेरिका ने गुरुवार को ईरान को कड़ा संदेश दिया है। अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने साफ कर दिया है कि ईरान में विरोध प्रदर्शनों पर हो रही क्रूर दमनकारी कार्रवाई को रोकने के लिए सभी विकल्प खुले हैं।

उन्होंने ईरान के लोगों की बहादुरी की सराहना की और कहा कि ईरान के लोगों ने इतिहास में कभी भी इतने जोरदार तरीके से आजादी की मांग नहीं की। वाल्ट्ज ने कहा, 'ट्रम्प एक्शन लेने वाले इंसान हैं, लंबी-लंबी बातें करने वाले नहीं।'

उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान के नेतृत्व को पता होना चाहिए कि अमेरिका इस नरसंहार को रोकने के लिए कोई भी कदम उठा सकता है। 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद की इस बैठक में ईरान के उप-राजदूत ने जवाब दिया कि उनका देश टकराव नहीं चाहता, लेकिन अगर अमेरिका की ओर से कोई आक्रामक कदम उठाया गया तो ईरान जवाब देगा।

यूएन में अमेरिका के प्रतिनिधि माइक वॉल्ट्ज ने बैठक में ईरान सरकार की कार्रवाई की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ईरान में इंटरनेट ब्लैकआउट के कारण यह पता लगाना मुश्किल हो गया है कि सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर कितनी सख्ती की है।

वॉल्ट्ज ने कहा, 'ईरान सरकार का यह दावा कि हाल में हुए प्रदर्शनों के पीछे विदेशी ताकत हैं, यह दिखाता है कि ईरानी सरकार अपने ही लोगों से डर रही है। साथ ही सारा इल्जाम दूसरों के मत्थे मढ़ रही है। ट्रम्प ने कई बार ईरान को चेतावनी दी थी कि अगर प्रदर्शनकारियों की हत्या जारी रही तो गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

गुरुवार को ट्रम्प ने बताया कि हत्याएं अब कम हो रही हैं। व्हाइट हाउस ने भी पुष्टि की कि ट्रम्प के दबाव के बाद ईरान ने 800 लोगों की फांसी की योजना रोक दी है।

संयुक्त राष्ट्र की सहायक महासचिव मार्था पोबी ने परिषद को बताया कि ये प्रदर्शन तेजी से फैले। इसमें काफी जान-माल का नुकसान हुआ है। मानवाधिकार संगठनों के अनुसार, अब तक 3,428 प्रदर्शनकारियों को मार डाला गया, जबकि 18,000 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र इन आंकड़ों की पुष्टि नहीं कर सका है। उन्होंने ईरान सरकार से अपील की है कि प्रदर्शन से जुड़े मामलों में किसी भी फांसी को रोका जाए। सभी मौतों की पारदर्शी जांच हो और कैदियों के साथ मानवीय व्यवहार किया जाए।

सुरक्षा परिषद की बैठक में ईरान ने अमेरिकी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के उप राजदूत गुलाम हुसैन दर्जी ने कहा कि अमेरिका गलत जानकारी फैला रहा है और जानबूझकर अशांति को हिंसा की ओर मोड़ रहा है।

पूर्व राष्ट्रपति को पांच साल की जेल

मार्शल लॉ लागू करने के मामलों में सुनाई गई पहली सजा

सियोल, 16 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को पांच साल जेल की सजा सुनाई है। ये सजा यून सुक योल को देश में मार्शल लॉ लागू करने के एक मामले में सुनाई गई है। यून सुक योल पर 2024 के अंत में देश में मार्शल लॉ लगाने के आरोप में आठ मामले दर्ज किए गए थे। इन्हीं में से पहले मामले में सजा सुनाई गई है। उनके खिलाफ सबसे गंभीर आरोप यह है कि उन्होंने मार्शल लॉ लागू करने के दौरान एक विद्रोह का नेतृत्व किया, और इसके लिए पूर्व राष्ट्रपति को मौत की सजा तक हो सकती है। सियोल के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने शुक्रवार को सुनाए अपने फैसले में पूर्व राष्ट्रपति पर गिरफ्तारी से बचने और गिरफ्तारी का विरोध करने के आरोप में सजा सुनाई है।

यून सुक योल को महाभियोग द्वारा राष्ट्रपति पद से हटाया गया था और उसके बाद गिरफ्तार किया गया था। यून सुक योल पर आरोप है कि उन्होंने दिसंबर 2024 में देश में कुछ समय के लिए मार्शल लॉ लगाया था। हालांकि यून ने अपने बचाव में कहा कि उनका देश को सैन्य शासन के अधीन रखने का कोई इरादा नहीं था बल्कि वे सिर्फ लोगों को ये दिखाना चाहते थे कि उदारवादियों द्वारा अपने एजेंडा को चलाने के लिए संसद को नियंत्रित किया जा रहा है। जांच में कहा गया कि यून सुक योल ने अपने शासन को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए देश में मार्शल लॉ लगाया था। पूर्व राष्ट्रपति पर बगावत, सत्ता के गलत इस्तेमाल और अन्य आपराधिक मामलों में आरोप तय किए गए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने कसा शिकंजा तो चीन की शरण में पहुंचा कनाडा

भुला दी दुश्मनी, बताया 'रणनीतिक पार्टनर'

बीजिंग, 16 जनवरी (एजेंसियां)। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी चीन के दौरे पर पहुंचे हैं। उन्होंने शी जिनपिंग के साथ मुलाकात करते हुए दोनों देशों के बेहतर रिश्ते पर जोर दिया है। कार्नी ने नई वैश्विक हकीकत को समझने पर जोर देते हुए चीन के साथ संबंधों पर जोर दिया है। यह आठ साल में किसी कनाडाई नेता की पहली बीजिंग यात्रा है। ऐसे में इसे एक नए 'वर्ल्ड ऑर्डर' की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। कार्नी की इस यात्रा और चीन से संबंध सुधारने को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कनाडा पर सख्त रुख से उपजे गुस्से के तौर पर देखा जा रहा है। ट्रंप ने बीते साल राष्ट्रपति बनने के बाद से लगातार यूरोप और कनाडा जैसे सहयोगियों को धमकियां दी हैं।

पीपल्स ग्रेट हॉल में शी जिनपिंग के साथ मुलाकात में कार्नी ने कहा कि हम मिलकर इस रिश्ते की पिछली अच्छी बातों को आगे बढ़ा सकते हैं। ताकि नई वैश्विक वास्तविकताओं के हिसाब से एक नया रिश्ता बनाया जा सके। कार्नी ने कहा कि ये सहयोग हमारी नई रणनीतिक साझेदारी की नींव बनेंगे और कृषि, ऊर्जा, वित्त क्षेत्र में अवसर प्रदान करेंगे।

कार्नी के दौरे के पीछे का गणित

कार्नी ने शुक्रवार को कनाडा और चीन के शुरुआती व्यापार समझौते पर पहुंचने की जानकारी दी है। इस डील का मकसद टैरिफ कम करना है, जिसमें चीन से 49,000 इलेक्ट्रिक वाहन रियायती टैरिफ दरों पर आयात करना शामिल है। डोनाल्ड ट्रंप के कनाडाई सामानों पर टैरिफ बढ़ाने के बाद कार्नी ने अमेरिका पर कनाडा की निर्भरता कम करने की कोशिश के तहत चीन से संबंध ठीक करने की कोशिश की है।

द गार्डियन की रिपोर्ट कहती है कि कार्नी की चीन की राजकीय यात्रा 'डिप्लोमैटिक कैलकुलेशन' का नतीजा है। यह अमेरिका के साथ कनाडा के ट्रेड वॉर और ट्रेडिंग पार्टनर से बढ़ते आर्थिक दबाव को कम करने के लिए एक्सपोर्ट बढ़ाने की जरूरत को दिखाती है। चीन-कनाडा ने लंबे समय से अटके क्लीन एनर्जी और फॉसिल फ्यूल पर सहयोग करने के लिए एक समझौते पर साइन किए हैं।

चीन-कनाडा में समझौते

क्लीन एनर्जी और फॉसिल फ्यूल पर समझौता कनाडा के लिए चीन से ज्यादा क्लीन-एनर्जी टेक्नोलॉजी इंपोर्ट करने का रास्ता खोलता है। साथ्र ही चीनी बाजार में कनाडाई फॉसिल फ्यूल एक्सपोर्ट की संभावना बढ़ाता है, जो कार्नी की गैर-अमेरिकी एक्सपोर्ट को दोगुना करने की कोशिश का हिस्सा है। चीनी राष्ट्रपति शी ने कार्नी का स्वागत करते हुए कहा कि सहयोग बहाल करने के प्रयासों को देखकर वह खुश हैं।

कनाडा और चीन के संबंध साल 2018 में खराब हो गए थे। उस समय कनाडा ने अमेरिकी वारंट पर हुआवेई की चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर मेंग वानझोउ को गिरफ्तार किया। जवाब में चीन ने जासूसी के आरोपों में दो कनाडाई नागरिकों को हिरासत में लिया था।

ईरान संकट खत्म करने की कवायद तेज?

नेतन्याहू से चर्चा कर पुतिन ने ईरानी राष्ट्रपति को मिलाया फोन

मॉस्को, 16 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच रूस ने कूटनीतिक पहल तेज कर दी है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने पहले इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू से फोन पर बातचीत की और इसके तुरंत बाद ईरान के राष्ट्रपति से संपर्क साधा। क्रेमलिन के मुताबिक, पुतिन क्षेत्र में तनाव घटाने और स्थिरता बहाल करने के लिए राजनीतिक और कूटनीतिक प्रयासों के पक्ष में हैं। रूस का कहना है कि पुतिन मध्य पूर्व और ईरान से जुड़े हालात में तनाव कम करने के लिए सक्रिय रहेंगे। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने बताया कि पुतिन क्षेत्रीय हालात को शांत करने की दिशा में प्रयास जारी रखेंगे। इससे पहले पुतिन ने नेतन्याहू से बातचीत में रूस की मध्यस्थता की पेशकश भी रखी और कहा कि सुरक्षा व स्थिरता के लिए राजनीतिक रास्ता ही बेहतर विकल्प है।

नेतन्याहू से फोन पर बातचीत में पुतिन ने मध्य पूर्व और ईरान की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। क्रेमलिन के अनुसार, पुतिन ने स्पष्ट किया कि रूस क्षेत्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों को तेज करने के पक्ष में है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी तरह के सैन्य टकराव से बचना सभी पक्षों के हित में होगा।

पुतिन का ईरानी राष्ट्रपति से फोन पर संवाद इस बात का संकेत है कि रूस दोनों पक्षों ईरान और इस्राइल से सीधे बात कर रहा है।

मां को ढूंढने नीदरलैंड से भारत आए मेयर

कहा– कर्ण को कुंती से मिलने का अधिकार 41 साल पहले मां ने शेल्टर–होम में छोड़ा था

एम्स्टर्डम, 16 जनवरी (एजेंसियां)। नागपुर में साल 1985 में एक अविवाहित मां ने अपने 3 दिन के बच्चे को एक शेल्टर होम में छोड़ दिया। एक महीने बाद नीदरलैंड से भारत घूमने आए एक कपल ने उसे गोद ले लिया और अपने साथ ले गए।

इस घटना को 41 साल बीत चुके हैं। वह बच्चा अब नीदरलैंड की राजधानी एम्स्टर्डम के पास मौजूद शहर हीमस्टेड का मेयर बन गया है। हीमस्टेड के मेयर फाल्गुन बिन्नेन्डिज्क अब अपनी मां को ढूंढना चाहते हैं। वे आखिरी बार दिसंबर 2025 में भारत आए थे। ये जानकारी अब सामने आई है। फाल्गुन का कहना है- मैंने महाभारत पढ़ी है और मुझे लगता है कि हर कर्ण को कुंती से मिलने का अधिकार है। मैं अपनी मां से सिर्फ एक बार मिलना चाहता हूं और बताना चाहता हूं कि मुझे बड़े प्यार से बड़ा किया गया है।

फाल्गुन का जन्म 10 फरवरी, 1985 में हुआ। उनकी मां उन्हें नागपुर के 'मातृ सेवा संघ' नाम के एक शेल्टर होम में छोड़ गई थीं, जहां वे करीब एक महीने तक रहे। शेल्टर होम की नर्स ने उन्हें फाल्गुन नाम दिया। हिंदू कैलेंडर के मुताबिक, फाल्गुन महीने में ही बच्चे का जन्म हुआ था। फाल्गुन 2025 में तीन बार भारत आए। उन्हें एक अधिकारी की मदद से शेल्टर होम की उस नर्स का पता चला, जो फाल्गुन के जन्म के समय वहां काम करती थीं। वे अब रिटायर हो चुकी है।

फाल्गुन अगस्त 2025 में नागपुर आए थे। नागपुर कलेक्टर विपिन इटांकर की मदद से वे उस नर्स के घर भी गए, जहां उन्हें पता चला कि उनका नाम नर्स ने ही रखा था। नर्स से मिलकर फाल्गुन ने कहा, 'मैं उनसे मिलकर बहुत खुश हुआ। उस महिला से मिलना एक कभी न भूलने वाला अनुभव था, जिसने मुझे मेरी पहचान दी।'

नागपुर नगर पालिका आयुक्त अभिजीत चौधरी ने फाल्गुन के जन्म से जुड़े दस्तावेज ढूंढ़ने में मदद की।

अमेरिकी सांसद ने पूछा- क्या आदमी प्रेग्नेंट हो सकता है

भारतवंशी डॉक्टर बोलीं– ये पॉलिटिकल सवाल, कई पेशेंट खुद को महिला नहीं मानतीं

वॉशिंगटन, 16 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका की सीनेट में हुई एक सुनवाई के दौरान प्रेग्नेंसी और जेंडर को लेकर तीखी बहस हुई। इस दौरान भारतीय मूल अमेरिकी स्त्री रोग एक्सपर्ट डॉ. निशा वर्मा ने इस सवाल का सीधा जवाब देने से इनकार कर दिया कि क्या पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं।

सुनवाई के दौरान रिपब्लिकन सांसद जोश हॉले ने डॉ. वर्मा से पूछा था की- 'क्या पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं?' इस पर डॉ. वर्मा ने सीधा हां या ना में जवाब नहीं दिया। उन्होंने इसे पॉलिटिकल सवाल बताया। डॉ. वर्मा ने कहा कि वे ऐसे मरीजों का इलाज करती हैं जो खुद को महिला नहीं मानते।

दरअसल गुरुवार को अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट में 'हेल्थ, एजुकेशन, लेबर और पेंशेंट कमेटी' की सुनवाई हुई। इसका मकसद 'महिलाओं की सुरक्षाः केमिकल अबॉर्शन दवाओं के खतरों को उजागर करना' था। डॉ. निशा वर्मा डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से गवाही देने पहुंची थीं।

डॉ. वर्मा एक प्रेग्नेंसी हेल्थ एडवाइजर हैं और फिजिशियंस फॉर रिप्रोडक्टिव हेल्थ से जुड़ी हुई हैं। अपने शुरुआती बयान में उन्होंने मेडिकल अबॉर्शन का बचाव किया और कहा कि ये दवाएं लंबे समय से इस्तेमाल में हैं और सुरक्षित हैं।

उन्होंने बताया कि अबॉर्शन दवाओं पर 100 से ज्यादा साइंटिफिक रिसर्च हो चुके हैं और ये दवाएं सुरक्षित और असरदार साबित हुई हैं। उनके मुताबिक, साल 2000 में मंजूरी मिलने के बाद से अमेरिका में अब तक 75 लाख से ज्यादा लोगों ने अबॉर्शन पिल्स का इस्तेमाल किया है।

सीनेटर हॉले ने बार-बार उनसे सीधा जवाब देने को कहा और जोर दिया कि यह सवाल राजनीति का नहीं बल्कि बायोलॉजी का है। उन्होंने कहा कि वह एक डॉक्टर के तौर पर डॉ. वर्मा की विश्वसनीयता परख रहे हैं।

जवाब में डॉ. वर्मा ने कहा कि ऐसे सवाल मरीजों की सच्चाई को बहुत आसान तरीके से देखने की कोशिश करते हैं और इन्हें अक्सर राजनीतिक मकसद से इस्तेमाल किया जाता है। जोश हॉले ने इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि प्रेग्नेंट महिलाएं होती हैं, पुरुष नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि डॉ. वर्मा बायोलॉजी की बुनियादी सच्चाई को स्वीकार नहीं कर रहीं और ऐसे में उनकी गवाही पर भरोसा करना मुश्किल है।

इस्लामिक नाटो, अरब देशों से फाइटर जेट-मिसाइल डील

मुस्लिम वर्ल्ड में कैसे पैर पसार रही पाकिस्तानी फौज?

इस्लामाबाद, 16 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही एक बयान में कहा कि उनके देश के जेएफ-17 लड़ाकू विमानों की मांग तेजी से बढ़ी है।

ये सौदे इतने बड़े स्तर पर हो रहे हैं कि आने वाले वर्षों में उनके देश को दुनिया से कर्ज की जरूरत नहीं होगी। आसिफ को बड़बोला नेता कहा जाता है लेकिन ये एक सच है कि बीते कुछ समय में पाकिस्तान के रक्षा क्षेत्र को काफी बढ़ावा मिला है। खासतौर से चीन से मिल रहा सहयोग पाकिस्तान के डिफेंस सेक्टर को बढ़ा रहा है और अरब में अपने ग्राहक तलाश रहा है।

चीन की मदद उत्साहित पाकिस्तान अरब दुनिया में मिलिट्री मौजूदगी बढ़ा रहा है। इस्लामाबाद ने बीते साल सऊदी अरब के साथ डिफेंस डील है। फिलहाल उसकी सूडान के साथ अरबों डॉलर के हथियारो समझौते पर बात चल रही है। पाकिस्तान नाटो जैसा इस्लामिक देशों का सैन्य गठबंधन भी चाहता है। इसमें शुरुआती तौर पर पाकिस्तान के साथ तुर्की और सऊदी शामिल होंगे।

यह खासतौर से भारत के लिए चिंता का सबब है। पाकिस्तान के मंत्री रजा हयात ने हाल ही में रॉयटर्स से एक बातचीत में खुलासा किया कि पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की के बीच सैन्य समझौते पर बातचीत चल रही है।

उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान-सऊदी अरब-तुर्की त्रिपक्षीय समझौते पर पहले से ही काम चल रहा है। हालांकि यह पिछले साल हुए सऊदी-पाकिस्तानी द्विपक्षीय समझौते से अलग है।'

हयात के मुताबिक, पाकिस्तान-सऊदी अरब-तुर्की त्रिपक्षीय समझौते का ड्राफ्ट हमारे पास है। समझौते का ड्राफ्ट सऊदी अरब और तुर्की के पास भी है। तीनों देशों की सरकारें इस पर बीते 10 महीने से विचार-विमर्श कर रहे हैं। इस डील को पूरा करने के लिए तीनों देशों के बीच अंतिम सहमति जल्दी ही हो सकती है।

बांग्लादेश में नहीं थम रहे अल्पसंख्यकों पर हमले

ढाका, 16 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमले की घटनाएं नहीं थम रही हैं और कट्टरपंथी खुलेआम हिंदुओं को निशाना बना रहे हैं। ताजा मामले में एक हिंदू शिक्षक के घर में आग लगा दी गई। घटना बांग्लादेश के सिलहट जिले के गोवाइनघाट इलाके की है। जहां शिक्षक बिरेंद्र कुमार के घर को आग के हवाले कर दिया गया।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। हालांकि गनीमत रही की इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। घटना के बाद पीड़ित परिवार और स्थानीय हिंदू समुदाय बेहद डरा हुआ है। वीडियो में दिख रहा है कि आग लगने पर शिक्षका परिवार बाहर निकलने की कोशिश कर रहा है।

हेलिकॉप्टर को उठाकर ले जा रहा इजरायली आर्मी का हेलिकॉप्टर क्रैश

सैकड़ों फीट ऊपर से गिरे

तेल अवीव, 16 जनवरी (एजेंसियां)। इजरायली आर्मी का एक हेलिकॉप्टर शुक्रवार को हादसे का शिकार हो गया। हादसा तब हुआ, जब ये हेलिकॉप्टर दूसरे दुर्घटनाग्रस्त हेलिकॉप्टर को रेस्क्यू कर रहा था।

इजरायली आर्मी का हेलिकॉप्टर जब पहाड़ी इलाके से दूसरे हेलीकॉप्टर को लेकर उड़ा तो ऊंचाई पर जाने के बाद अचानक जंजीर टूट गई और हेलीकॉप्टर नीचे आ गिरे। इस हादसे का वीडियो सामने आया है। हादसे के इस वीडियो की काफी ज्यादा चर्चा है।

इजरायली आर्मी ने बताया है कि वेस्ट बैंक में हादसा हुआ है। हालांकि इस दौरान कोई घायल नहीं हुआ है। इजरायल का ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर इस सप्ताह की शुरुआत में खराब मौसम के कारण वेस्ट बैंक के गुश एट्जियन इलाके में आपातकालीन लैंडिंग करते हुए क्षतिग्रस्त हो गया था। एक दूसरा हेलिकॉप्टर इसे उठाकर ले जाया जा रहा था, तभी यह जमीन पर गिर गया। इस घटना की जांच के लिए वायु सेना प्रमुख मेजर जनरल तोमर बार ने सैन्य जांच समिति के गठन का आदेश दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, गुश एट्जियन क्षेत्र से हेलिकॉप्टर को सुरक्षित निकालने के लि बचाव अभियान चलाया गया। बचाव अभियान के दौरान हेलिकॉप्टर को उठाया जा रहा था, तभी वह अचानक क्रेन से छूट गया और नीचे गिर गया। गनीमत यह रही कि इस दुर्घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर को हिब्रू में यंशूफ यानी उल्लू कहा जाता है। यह इजरायली वायु सेना के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इनका इस्तेमाल परिवहन के अलावा सैन्य अभियानों के दौरान सैनिकों को उतारने और उठाने के लिए किया जाता है। इस हेलिकॉप्टर के लिए इस तरह की दुर्घटनाएं दुर्लभ हैं।

वसुंधरा बोलीं-पैर के छाले कभी मेरी राह नहीं रोक पाए

छालों को पिन से फोड़कर आगे बढ़ जाती; नेता 5 साल एसी में रहते हैं, हम ऐसा नहीं करते

झालावाड़, 16 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने कहा- 'मैं चलती रही उम्रभर दुआओं के साथ, पांव के छाले कभी मेरी राहें नहीं रोक पाए।' जब सांसद थीं, तब पदयात्रा करती थीं। पावों में छाले पड़ जाते तो उन्हें पिन से फोड़कर आगे बढ़ जाती। पूर्व सीएम गुरुवार को झालावाड़ के उन्हेल में जनसभा को संबोधित कर रही थीं। पूर्व सीएम ने सांसद दुष्यंत सिंह की आशीर्वाद यात्रा को रवाना किया। राजे ने कहा कि यह पदयात्रा' इस क्षेत्र की उन्नति, विकास और आपके विश्वास की यात्रा है।

ज्यादातर नेता चुनाव के समय आते हैं और चुनाव जीत कर चले जाते हैं। पूरे 5 साल एसी में रहते हैं, पर हम ऐसा नहीं करते। हम हमारे क्षेत्र को परिवार मानते हैं। हम क्षेत्र के लोगों को मतदाता नहीं, भाग्य निर्माता मानते हैं।

राजे ने कहा आपके सांसद हमेशा जनता के बीच रहते हैं। सब जगह पहुंचने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा यह यात्रा राजनीतिक यात्रा नहीं, यह यात्रा अपनों की, अपनों के लिए अपनों की ओर से यात्रा है। लोगों से जुड़ने, जनता की आवाज सुनने और लोगों के सपनों को पूरा करने की यात्रा है।

उन्होंने कहा- इस यात्रा का लक्ष्य है, हर नागरिक का सम्मान हो। हर व्यक्ति का उत्थान हो। हर वाजिब समस्या का समाधान हो। यह एक ऐसी यात्रा है, जिसमें सांसद आपके खेतों की मिट्टी, आपके बच्चों की मुस्कान, आपकी मेहनत को अपनाने आए हैं। आपकी तकलीफ को गले लगाने आए हैं।

प्रसिद्ध धार्मिक स्थल उन्हेंल नागेश्वर से सांसद दुष्यंत सिंह ने 3 दिवसीय यात्रा की शुरुआत की। इस दौरान सांसद ने कहा कि क्षेत्र का विकास और जनहित उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और ग्रामीणों को विश्वास दिलाया कि उनकी समस्याएं जल्द दूर होगी।

छात्र के नारे लगाने पर भड़कीं एसडीएम, बोलीं-नेता मत बनो

किससे बात कर रहे हो; टीचर के ट्रांसफर के विरोध में धरने पर बैठी छात्राएं बेहोश हुई

भीलवाड़ा, 16 जनवरी (एजेंसियां)। भीलवाड़ा में स्कूल लेक्चरर के ट्रांसफर के विरोध में धरने पर बैठी 7 छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई। छात्राएं सुबह से भूखी थीं। इसके चलते 2 छात्राएं बेहोश हो गईं, जबकि 5 अन्य बदहवास होकर रोने लगीं। इस पर टीचर्स और साथी स्टूडेंट्स ने पानी पिलाकर छात्राओं को संभाला।

बेहोश हुईं छात्राओं को स्टाफ रूम में ले जाया गया, जहां डॉक्टर को बुलाकर उनका चेकअप करवाया और घर भेज दिया गया। इससे पहले एसडीएम तान्या रिणवा धरने पर बैठे छात्र-छात्राओं से बात करने पहुंचीं। इस दौरान एक छात्र खड़ा होकर नारे लगाने लगा तो एसडीएम भड़क गईं।

एसडीएम और छात्र के बीच बहस हो गई। एसडीएम ने छात्र से कहा- टीचर ने आपको पढ़ाया है तो अमेरिका की पांच नदियों के नाम बताओ। बच्चे ने जवाब देने से मना कर दिया। इस पर एसडीएम ने कहा- आप नेता मत बनो।

दरअसल, 11 जनवरी को नंदराय कस्बे के राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक स्कूल में पदस्थापित भूगोल के लेक्चरर शंकरलाल जाट का ट्रांसफर भीलवाड़ा के राजेंद्र मार्ग स्कूल में कर दिया गया था। इससे नाराज छात्र-छात्राएं 12 जनवरी को शाम करीब 4 बजे धरने पर बैठ गए।

जब कोई अधिकारी सुनवाई के लिए नहीं पहुंचा तो छात्र रात को धरना स्थल पर ही सो गए। कड़ाके की ठंड के बाद भी बच्चे 3 दिनों से धरना स्थल पर ही सो रहे हैं। ट्रांसफर से नाराज छात्र-छात्राएं 14 जनवरी को टीसी कटवाने को तैयार हो गए। ग्रामीण और परिजन भी बच्चों का समर्थन करते हुए आंदोलन में साथ दे रहे हैं। गुरुवार शाम करीब 5.30 बजे धरने पर बैठी 7 छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई। इसमें से 2 छात्राएं बेहोश गई, जबकि अन्य 5 बदहवास होकर रोने लगीं। सभी छात्राएं सुबह से भूखी थीं। छात्राओं के बेहोश होने पर स्कूल के टीचर्स और साथी छात्र छात्राओं को स्टाफ रूम में ले गए। डॉक्टर को मौके पर बुलाकर उनका चेकअप करवाया गया। इसके बाद उनको घर भेज दिया गया। सीनियर सेकेंडरी स्कूल में करीब 600 स्टूडेंट्स पढ़ते हैं।

मिर्धा परिवार में विरासत की जंग

डॉ. ज्योति और मनीष मिर्धा: समाधि स्थल पर 'हक' या जमीन पर 'कब्जा'?

जोधपुर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। नागौर के कद्दावर मिर्धा परिवार की जोधपुर में संपत्ति और विरासत को लेकर छिड़ा विवाद अब पुलिस थाने से निकलकर सोशल मीडिया के अखाड़े तक पहुंच गया है। जोधपुर के सूंथला स्थित फार्म हाउस पर 'समाधि स्थल' को लेकर पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा और उनके चचेरे भाई मनीष मिर्धा आमने-सामने हैं।

गुरुवार, 15 जनवरी की रात मनीष मिर्धा ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट लिखकर अपना दर्द बयां किया, तो शुक्रवार, 16 जनवरी की दोपहर ज्योति मिर्धा ने भी पलटवार करते हुए इसे 'जमीन कब्जाने की सुनियोजित साजिश' करार दिया।

अपने पिता भानु प्रकाश मिर्धा के निधन के बाद मनीष मिर्धा ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्होंने अपने पिता की समाधि का निर्माण कार्य पारिवारिक समाधि स्थल पर शुरू करवाया था।

पूर्वजों का हवाला: मनीष ने लिखा, ₹वहां मेरी परदादी गोगी देवी (1982), मेरे बड़े भाई रवि मिर्धा (1987) और दादा नाथूराम मिर्धा (1996) की समाधि स्थित है। उनके बगल में ही पिताजी की समाधि बनवा रहा था।

आरोप: उनका आरोप है कि पुलिस ने आकर काम रुकवा दिया, क्योंकि ज्योति मिर्धा ने इसे अपनी निजी संपत्ति बताया। मनीष ने दावा किया कि 2004 के बंटवारे के वक्त यह तय हुआ था कि समाधि स्थल दोनों परिवारों का सांझा रहेगा।

दोगुनी जमीन का ऑफर: मनीष ने दावा किया कि उन्होंने समाधि स्थल के बदले दोगुनी जमीन देने की पेशकश की थी, लेकिन तब ज्योति मिर्धा और उनकी मां वीणा मिर्धा ने यह कहते हुए इनकार कर दिया था कि वे इतने 'गए-बीते' नहीं हैं कि समाधि के बदले जमीन लेंगे।

मनीष के आरोपों के बाद विदेश में मौजूद ज्योति मिर्धा ने शुक्रवार को 'X' और फेसबुक पर लंबी पोस्ट लिखकर जवाब दिया।

बंटवारे का सच: ज्योति ने लिखा, 2004 में बंटवारे के समय, जब दादा जी के समाधि-स्थल को अलग रखने का प्रस्ताव रखा गया, तब दोनों पिता-पुत्र (स्व. भानु प्रकाश और मनीष) ने स्पष्ट मना करते हुए इसे हम दोनों बहनों के हिस्से में ही रखवाया था।

श्मशान vs समाधि: ज्योति ने तर्क दिया कि भानु प्रकाश का अंतिम संस्कार उन्होंने (मनीष ने) अपने हिस्से की जमीन में किया, लेकिन अब समाधि उनकी (ज्योति की) खातेदारी जमीन में बनाना चाहते हैं। उन्होंने सवाल उठाया, ₹हिंदू संस्कारों में जहां अंतिम संस्कार होता है, समाधि भी वहीं बनती है₹।

राजनीतिक स्टंट: ज्योति ने इसे राजनीति चमकाने का प्रयास बताते हुए कहा कि जब उनकी दादी का निधन हुआ था, तब मनीष का कोई 'इंटरेस्ट' नहीं था, लेकिन अब इसे मुद्दा बनाया जा रहा है।

इस पूरे विवाद का केंद्र फार्म हाउस के अंदर बना 150 वर्ग गज का वह समाधि स्थल है, जो परिवार की भावनाओं से जुड़ा है। मनीष मिर्धा पक्ष का दावा है कि डॉ. ज्योति मिर्धा इस बेशकीमती जमीन को बेचना चाहती हैं, लेकिन बीच में आ रहा पैतृक समाधि स्थल सौदे में बाधा बन रहा है।

मनीष का आरोप है कि ज्योति मिर्धा इस समाधि स्थल को हटाना चाहती हैं, जबकि वे अपने पूर्वजों की निशानी को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यहां पर सबसे पहले 1982 में नाथूराम मिर्धा की मां की समाधि बनाई गई थी। 1987 में मनीष के बड़े भाई रवि की समाधि बनी।

ट्रेलर से भिड़ी बिजनेसमैन की कार, 4 की मौत

गाड़ी के परखच्चे उड़े, गेट काटकर शवों को निकाला; 6 साल का बेटा बाल-बाल बचा

चित्तौड़गढ़, 16 जनवरी (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़-उदयपुर नेशनल हाईवे पर सामने से आ रहे ट्रेलर से बिजनेसमैन की कार भिड़ गई। इस हादसे में बिजनेसमैन, उसकी पत्नी सहित 4 लोगों की मौत हो गई। उनका 6 साल का बेटा बाल-बाल बच गया। कार का गेट काटकर शवों को बाहर निकाला गया। दुर्घटना चित्तौड़गढ़ जिला मुख्यालय से करीब 35 किमी दूर भादसोड़ा इलाके के नरबदिया गांव के पास हुआ।

भादसोड़ा थाने के ASI प्रेमचंद ने बताया- हादसा गुरुवार रात करीब 2 बजे हुआ। बिजनेसमैन का परिवार शादी समारोह से लौट रहा था। हाईवे पर अचानक कोई जानवर आ गया था। उसे बचाने के चक्कर में कार डिवाइडर से टकरा गई। उसके बाद दूसरी लेन में सामने से आ रही ट्रेलर से भिड़ गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए।

पुलिस के अनुसार हादसे के समय कार की रफ्तार काफी तेज थी, जिससे नुकसान और ज्यादा हुआ। हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई। कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। क्रेन बुलाकर दुर्घटनाग्रस्त कार को हटवाया गया।

मरने वाले चारों लोग एक ही परिवार के थे। मृतकों की पहचान रिंकेश नानवानी (40), उनकी पत्नी सुहानी (38), उनकी चाची रजनी (58) और उनके फूफा हीरानंद लालवानी (60) के रूप में हुई है। रिंकेश, सुहानी चित्तौड़गढ़ के मधुबन इलाके के

रहने वाले थे। चाची रजनी चित्तौड़गढ़ के प्रतापनगर इलाके की रहने वाली थीं। हीरानंद लालवानी फिलहाल इंदौर में रहते थे। मूल रूप से वह रतलाम के रहने वाले थे।

कार रिंकेश चला रहे थे। उनके साथ आगे की सीट पर उनकी पत्नी सुहानी बैठी थी।

रसोई में मिला महिला का शव, बेटे का आरोप-पिता ने मारा

गेट पर मिला ताला, तोड़कर अंदर गया बेटा तो लहूलुहान मां मिली

अजमेर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। अजमेर में 51 साल की महिला की घर में मौत हो गई। महिला के गले पर चोट के निशान थे। बेटा घर आया तो ताला लगा मिला। ताला तोड़कर अंदर जाने पर रसोई में मां का शव मिला। बेटे ने अपने पिता पर ही मां की हत्या करने का शक जताया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घटना वाले दिन महिला का अपने पति से झगड़ा हुआ था। मामला आदर्श नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम का है। जेएलएन हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा।

आदर्श नगर थाने के एएसआई सतनारायण ने बताया- महिला मोहिनी देवी (51) पत्नी भागचंद का अपने माखुपुरा स्थित घर में शव मिला था। पुलिस को जेएलएन हॉस्पिटल से घटना के बारे में पता चला था। महिला के बेटे अजय सिंह ने हत्या का शक जताते हुए शिकायत दी है।

महिला का पति झगड़े के बाद 31 दिसंबर को घर से निकल गया था। रिश्तेदारों को कहता था कि बेटे और पत्नी ने उन्हें मारकर घर से निकाल दिया है। घटना वाले दिन भी फोन पर पति-पत्नी का झगड़ा हुआ था। पति ड्राइवर था, लंबे से काम छोड़ रखा था।

बेटे अजय सिंह ने पुलिस को बताया-वह बैंक ऑफ बड़ौदा में नौकरी करता है। वह गुरुवार सुबह 9:30 बजे के करीब मां से बात करने के बाद ऑफिस चला गया था। दोपहर में बहन का कॉल आया। उसने कहा कि मां का फोन स्विच ऑफ आ रहा है। वह शाम को घर पहुंचा तो ताले लगे हुए थे। इसके बाद बाइक पर रिश्तेदारों के पास गया लेकिन मां का कुछ पता नहीं चला।

बेटे ने बताया- वह वापस घर आया और ताले तोड़कर अंदर गया। तब तक किराएदार भी घर आ गए थे। उन्होंने बताया कि मां ने उनके फोन से मेरे से पिता से बात की थी। फोन पर ही दोनों का झगड़ा हो गया था। इस बीच बहन का वापस कॉल आया।

फतेहपुर में एक परिवार की 7 महिलाओं की अर्थी उठी

एक ही घर की सात महिलाओं की मौत से सभी की आंखें नम हो गई

सड़क हादसे में हुई थी मौत, एक साथ किया गया अंतिम संस्कार

फतेहपुर (सीकर), 16 जनवरी (एजेंसियां)। सीकर में बुधवार को हुए भीषण सड़क हादसे में फतेहपुर के एक ही परिवार की सात महिलाओं की मौत हो गई थी। गुरुवार को दो महिलाओं का अंतिम संस्कार कर दिया गया था। शुक्रवार को एक साथ 5 अर्थियां उठी, जिनको चिताओं को एक साथ अग्नि दी गई।

यह हादसा तब हुआ जब वे एक अंतिम संस्कार में शामिल होकर लौट रही थीं। जानकारी के अनुसार, ललित सैनी की मां मोहिनी देवी की ननद का निधन हो गया था। उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए परिवार के सदस्य गए थे।

वापस लौटते समय परिवार की आठ महिलाएं एक ही अर्टिगा कार में सवार थीं। इनमें मोहिनी देवी (80), उनकी पत्नी तुलसी (45), दो भाभियां चंदा देवी (55) पत्नी सुरेंद्र और बरखा देवी पत्नी ओमप्रकाश, बहन इंद्रा (60), संतोष (45) पत्नी सत्यनारायण माली, चाची आशा (60) पत्नी मुरारी लाल और सुरेंद्र की बेटी सोनू शामिल थीं। पुरुषों का एक अन्य वाहन पीछे चल रहा था।

हरसावा से करीब एक किलोमीटर पहले, सभी ने एक ढाबे पर चाय पी थी। वहां से निकलने के बाद, महिलाओं से भरी कार एक पिकअप से टकराकर अनियंत्रित हो गई और सामने से आ रहे ट्रक में जा घुसी।

ललित सैनी ने बताया- जिस कार में महिलाएं सवार थीं, उसके पीछे उनके परिवार की एक और गाड़ी चल रही थी, जिसमें वह खुद मौजूद थे। उनकी गाड़ी और दुर्घटनाग्रस्त कार के बीच लगभग एक किलोमीटर का फासला था। हादसे के लगभग 50 सेकंड बाद ही वे घटनास्थल पर पहुंच गए। वहां का मंजर भयावह था। शव चारों ओर बिखरे पड़े थे और कुछ गाड़ी के अंदर फंसे हुए थे। ट्रक से टक्कर की तेज आवाज सुनकर आस-पास के लोग भी मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से शवों को बाहर निकाला गया और अस्पताल भेजा गया। सभी घायलों को फतेहपुर के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। वहां मोहिनी, चंदा, तुलसी, इंद्रा, संतोष और आशा को मृत घोषित कर दिया गया। ड्राइवर वसीम, सोनू और बरखा को सीकर रेफर किया गया। सीकर में बरखा ने भी दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों की संख्या सात हो गई।

9वीं क्लास की छात्रा पर तेजाब फेंका

घर से स्कूल जा रही थी, बाइक पर आया था बदमाश; हेलमेट लगा रखा था

श्रीगंगानगर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर में 9वीं क्लास की छात्रा पर तेजाब फेंककर बाइक सवार युवक फरार हो गया। तेजाब छात्रा के चेहरे पर नहीं गिरा। हालांकि उसके कंधे और हाथ झुलस गए। पहचान छुपाने के लिए बदमाश ने हेलमेट पहन रखा था। वहीं बाइक की नंबर प्लेट को भी ढक रखा था। घटना केसरीसिंहपुर थाना इलाके में शुक्रवार सुबह 9 बजे की है। इसका वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में बाइक सवार बदमाश नजर आ रहा है।

थाना प्रभारी बलवंत राम ने बताया- 13 साल की छात्रा स्कूल जा रही थी। इसी दौरान स्कूल से 250 मीटर पहले घटना हुई। बाइक सवार युवक उसके पास पहुंचा और तेजाब फेंका। बाइक की रफ्तार तेज होने और हड़बड़ाहट के चलते आरोपी छात्रा के चेहरे को निशाना नहीं बना सके। आसपास मौजूद लोगों ने छात्रा की मदद की और परिजनों को सूचना दी।

थाना प्रभारी ने बताया- पुलिस टीम छात्रा और उसके परिजनों से पूछताछ कर रही है। साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। घटना के बाद छात्रा के परिवार में दहशत का माहौल है। परिजन सहमे हुए हैं। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द कार्रवाई की जाएगी।

दो ट्रकों में भिड़ंत, तीन की मौत एक गंभीर घायल

कोटा-लालसोट मेगा हाईवे पर हुआ हादसा

सवाई माधोपुर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर जिले के कोटा-लालसोट मेगा स्टेट हाईवे पर स्थित कुस्तला सर्किल के पास गुरुवार रात दो ट्रकों की आमने-सामने टक्कर में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर किया गया है।

रवांजना डूंगर थाना अधिकारी दिलीप कुमार ने बताया कि एक ट्रक सवाई माधोपुर की ओर से आ रहा था, जबकि दूसरा ट्रक 8 लेन एक्सप्रेस-वे की तरफ से हाईवे पर उतरा था। एक ट्रक में सब्जियां भरी हुई थीं, जबकि दूसरे में प्लाई बोर्ड लदा हुआ था। रात करीब 11 बजे कुस्तला सर्किल के पास दोनों ट्रकों के बीच जोरदार टक्कर हो गई।

हादसा इतना भीषण था कि दोनों ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

कुछ ही देर में रवांजना डूंगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया।

पुलिस ने ट्रकों में फंसे चारों लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल भिजवाया। इलाज के दौरान तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक की हालत गंभीर होने पर उसे जयपुर रैफर किया गया।

थानाधिकारी दिलीप कुमार ने बताया कि मौके से मिले आधार कार्ड के आधार पर दो मृतकों की पहचान सुनील कुमार पांडेय और भवानी के रूप में हुई है। तीसरे मृतक और गंभीर घायल की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

बैठक में सिर पर परात, कंधे पर फावड़ा लेकर पहुंचा कांग्रेस पार्षद

जिला प्रमुख पर लगाए पक्षपात के आरोप

अलवर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। अलवर जिला परिषद में साधारण सभा की बैठक शुरू हो गई है। बैठक से पहले वार्ड 21 के कांग्रेस पार्षद जगदीश जाटव ने अनोखे तरीके से विरोध दर्ज कराया। वे मनरेगा बचाव की थीम पर कंधे पर फावड़ा और सिर पर परात लेकर जिला परिषद परिसर पहुंचे। इसके बाद वे साधारण सभा की बैठक में भी फावड़ा और परात साथ लेकर बैठ गए। बता दें कि साधारण सभा की बैठक 9 जनवरी को आयोजित होनी थी, लेकिन कोरम के अभाव में स्थगित कर दी गई। उसके बाद 16 जनवरी नई तारीख तय की गई। बैठक में पहुंचे कांग्रेस पार्षद जगदीश जाटव ने आरोप लगाया कि सरकार ने मनरेगा का नाम तो बदल दिया और काम के दिन 25 बढ़ा दिए, लेकिन मजदूरों को न तो काम की गारंटी मिल रही है और न ही समय पर मजदूरी का भुगतान हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि मनरेगा का उद्देश्य गरीब और मजदूर वर्ग को राहत देना था, लेकिन वर्तमान व्यवस्था में मजदूर परेशान हैं। जाटव ने जिला प्रमुख पर भी पक्षपात के आरोप लगाए।

शराब से भरी कार के साथ डूबे 2 दोस्त, मौत

गेट लॉक होने के कारण गाड़ी से बाहर नहीं निकल पाए

टोंक, 16 जनवरी (एजेंसियां)। शराब के कार्टून से भरी कार तालाब (नाडी) में गिर गई। उसमें सवार सेल्समैन और उसके दोस्त की डूबने से मौत हो गई। हादसा गुरुवार रात टोंक के झिराना इलाका के अरनिया काकड़ गांव के पास हुआ। शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे ग्रामीणों को तालाब में कार नजर आई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कार से दोनों युवकों के शव बाहर निकाले।

थाना प्रभारी राजेंद्र प्रसाद ने बताया- हंसराज (40) पुत्र गोपाल गुर्जर और उनका दोस्त हंसराज (42) पुत्र भैरूलाल गुर्जर शराब के ठेके पर सेल्समैन थे। दोनों टोंक के डिग्गी इलाके के सोडा के रहने वाले थे। गुरुवार रात कार में देसी शराब के पव्वों से भरे कार्टून लेकर गांव की ओर जा रहे थे। इसी दौरान दादिया नाड़ी के पास टर्न पर कार बेकाबू हो गई। गाड़ी सीधे तालाब में जा गिरी। कार गेट लॉक होने के कारण दोनों बाहर नहीं निकल पाए। हंसराज और उसका दोस्त दोनों गाड़ी में ही फंस गए और दम तोड़ दिया।

शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे अरनिया काकड़ गांव के लोगों ने पुलिस को तालाब में कार गिरने की सूचना दी। कार का कुछ हिस्सा पानी के ऊपर दिखाई दे रहा था। एक ग्रामीण पानी में उतरा और कार का गेट खोलकर अंदर देखा तो ड्राइविंग सीट पर युवक दिखाई दिया। कुछ देर बाद पीछे का गेट खोला गया, जहां एक और युवक शराब के कार्टून के नीचे दबा हुआ नजर आया।

पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से दोनों शवों को बाहर निकाला। इसके बाद ट्रैक्टर की सहायता से कार को पानी से बाहर निकाला गया। झिराना (टोंक) हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम के बाद दोनों युवकों के शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए।

चाइनीज मांझा बेचने वालों पर पुलिस की कार्रवाई
12 गिरफ्तार, 1.88 लाख का माल जब्त

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में प्रतिबंधित चाइनीज मांझा की बिक्री और आपूर्ति के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए विभिन्न थाना क्षेत्रों से 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 1.88 लाख रुपये मूल्य की चाइनीज मांझे की बॉबिन भी जब्त की है। विश्वसनीय सूचना के आधार पर काचीगुड़ा पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में काचीगुड़ा निवासी नोमुला संतोष कुमार, उनकी मां नोमुला पुष्पा (मोती मार्केट), मंगलघाट निवासी ललित सिंह, ढूलपेट के शिवलाल नगर निवासी काशीराम सिंह और मंगलघाट निवासी ओमप्रकाश सिंह शामिल हैं। वहीं ढूलपेट के बालराम गली निवासी कपिल फरार बताया जा रहा है।

सिकंदराबाद के डीसीपी ने बताया कि आरोपी ललित सिंह पहले भी एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार हो चुका है। काचीगुड़ा पुलिस ने 106 बॉबिन, जिसकी कीमत करीब 1,06,000 रुपये है, बरामद की।

पूछताछ में संतोष कुमार ने स्वीकार किया कि उसने चाइनीज मांझा ललित सिंह से खरीदा था। इसके बाद पुलिस ने ढूलपेट में छापेमारी कर ललित सिंह के घर से 35 बॉबिन और बरामद की। आरोपी ने बताया कि वह यह माल दो महीने पहले दिल्ली के लाल कुआं इलाके से लाया था। इस कार्रवाई में अतिरिक्त डीसीपी सिकंदराबाद जोन जे. नरसैया, एसीपी एल. रमेश के निर्देशन में पुलिस टीमों ने काम किया। वहीं दोमलगुड़ा और उस्मानिया यूनिवर्सिटी पुलिस ने शेष आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने चेतावनी दी है कि प्रतिबंधित चाइनीज मांझा की बिक्री करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अत्तापुर में दो ड्रग तस्कर गिरफ्तार

एक लाख रुपये के नशीले पदार्थ जब्त

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद टास्क फोर्स ने शुक्रवार को अत्तापुर इलाके में कार्रवाई करते हुए दो नशीले पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार किया और करीब एक लाख रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए। पुलिस के अनुसार आरोपियों के पास से 8 ग्राम एमडीएमए और 0.8 ग्राम ओजी बरामद हुआ है, जिसे वे शहर में ग्राहकों को बेचने की तैयारी में थे।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आईटी भर्तीकर्ता अनवर हुसैन (33) और कार चालक बुर्रा संपत (31) के रूप में हुई है। जांच में सामने आया है कि दोनों ने बेंगलुरू के एक ड्रग आपूर्तिकर्ता चरण से यह नशीला पदार्थ हासिल किया था, जो फिलहाल फरार बताया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने ड्रग्स खरीदने के लिए 38 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर किए थे। विश्वसनीय सूचना के आधार पर टास्क फोर्स ने छापा मारकर दोनों को गिरफ्तार किया और आगे की कार्रवाई के लिए अत्तापुर पुलिस के हवाले कर दिया।

डोंगरेजी महाराज जन्म शताब्दी संबंधी बैनर का विमोचन

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूज्य श्री रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला इंजापुर के तत्वावधान मे आयोजित पूज्य डोंगरेजी महाराज जन्म शताब्दी महोत्सव संबंधी बैनर का विमोचन किया गया।

गौशाला के अशोक पटेल एवं जयंती पटेल ने बताया कि पूज्य श्री रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला इंजापुर द्वारा आगामी 15 फरवरी के दिन लोक डायरो का आयोजन किया जा रहा है। निलकंठ विद्यापीठ में विशाल लोक डायरो आयोजन संबंधी बैनर का विमोचन निलकंठ विद्यापीठ के संस्थापक पूज्य शास्त्री सत्यप्रकाश दास स्वामीजी के करकमलों से किया गया। बैनर विमोचन अवसर पर विवेक स्वामी, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमेन जसमत पटेल व ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, जिवरामभाई पटेल, शिवलाल पटेल, पुनीत पटेल, मनोज पटेल, तरूण महेता, वसंत पटेल, अशोक पटेल, सुरेश पटेल, किरण पटेल, हसमुख पटेल, भगवान पटेल, प्रभु पटेल, घनश्याम पटेल, हरजीवन पटेल, लालजीभाई पटेल, रमेश मजेठीया, मुन्नाभाई आदि ने भाग लिया।

मंदिरों का विकास श्रद्धालुओं की आस्था के अनुरूप किया जा रहा है : मंत्री सीतक्का

करीमनगर, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के पंचायत राज, ग्रामीण विकास, ग्रामीण जल आपूर्ति और महिला एवं बाल कल्याण विभागों की मंत्री डी. सीतक्का ने शुक्रवार को कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली जनता सरकार राज्य के मंदिरों के विकास और विस्तार कार्य श्रद्धालुओं की आस्था के अनुसार कर रही है। मंत्री सीतक्का ने वेमुलवाड़ा शहर के श्री भीमेश्वर स्वामी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। मंदिर पहुंचने पर राज्य सरकार के व्हिप एवं वेमुलवाड़ा विधायक अदी श्रीनिवास, इंचार्ज कलेक्टर गरिमा अग्रवाल और एसपी महेश बी. गीत ने उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानपूर्वक स्वागत किया।

इस अवसर पर मंदिर के पुजारियों और अधिकारियों ने मंत्री का पूर्णकुंभ (शुभ कलश) के साथ स्वागत किया। मंत्री ने पहले बैल व्रत किया और उसके बाद भगवान भीमेश्वर स्वामी की विशेष पूजा-अर्चना की। उन्होंने गायत्री माता के दर्शन भी किए। मंदिर अधिकारियों और पुजारियों ने उन्हें भगवान का प्रसाद अर्पित किया और वैदिक आशीर्वाद प्रदान किया। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली जनता सरकार उन मंदिरों के विकास और विस्तार कार्यों को प्रारंभ कर रही है, जिनमें श्रद्धालुओं का अत्यधिक आगमन होता है। सरकार के व्हिप और वेमुलवाड़ा विधायक अदी श्रीनिवास ने कहा कि उन्होंने मंत्री पोन्नम प्रभाकर, श्रीधर बाबू और लक्ष्मण कुमार के साथ मिलकर वेमुलवाड़ा राजन्ना मंदिर के विस्तार कार्यों का मामला मुख्यमंत्री के ध्यान में लाया। इसके बाद मुख्यमंत्री और मंत्रियों ने स्वयं मंदिर के विकास कार्यों का निरीक्षण किया और उन्हें प्रारंभ किया। उन्होंने बताया कि राजन्ना मंदिर के विस्तार कार्य 150 करोड़ रुपये के बजट के साथ चल रहे हैं, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर दर्शन और सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मंत्री ने यह भी बताया कि मेडारम में सममक्का-सरलम्मा जातरा मंचों के पुनर्निर्माण और विकास कार्य तेजी से पूरे किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने इन कार्यों के लिए 200 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मंजूर की है और यह काम आदिवासी पुजारियों और श्रद्धालुओं की आस्था के अनुसार इस तरह किया जा रहा है कि यह सैकड़ों वर्षों तक टिक सके और आने वाली पीढ़ियों के लिए इस इतिहास की जानकारी बनी रहे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री और मंत्रिगण 18 जनवरी को मेदारम जाएंगे और वहां कैबिनेट बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि 19 जनवरी को मुख्यमंत्री और मंत्री मेदारम जातरा कार्यों का उद्घाटन करेंगे।

150 करोड़ रुपये से राजन्ना मंदिर का विस्तार :

अदी श्रीनिवास ने कहा कि वेमुलवाड़ा श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर के विस्तार कार्य मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली जनता सरकार के अंतर्गत 150 करोड़ रुपये के बजट के साथ प्रारंभ किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि कार्य ऐसा किया जा रहा है कि भगवान राजन्ना के भक्तों को शीघ्र दर्शन और बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

362 करोड़ के विकास कार्यों का शुभारंभ करेंगे सीएम : पोंगुलेटी

18 जनवरी को होगा भव्य कार्यक्रम

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास एवं सूचना मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी 18 जनवरी को पूर्ववर्ती खम्मम जिले के पलाईर विधानसभा क्षेत्र का दौरा करेंगे। शुक्रवार को एडुलापुरम नगर पालिका क्षेत्र के मद्दुलपल्ली गांव में मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री इस दौरान कुल 362 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे।

उन्होंने बताया कि मद्दुलपल्ली में मुख्यमंत्री जेएनटीयू कॉलेज का शिलान्यास करेंगे और नर्सिंग कॉलेज का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा मुन्नेरु-पलेरु लिंक नहर के निर्माण कार्यों की शुरूआत की जाएगी। मद्दुलपल्ली कृषि बाजार का भी उद्घाटन किया जाएगा।

पोंगुलेटी ने कहा कि मुख्यमंत्री कुसुमांची में निर्माणाधीन 100 बेड वाले अस्पताल का भी शिलान्यास करेंगे। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, उत्तम कुमार रेड्डी, दामोदर राजनरसिंह, वाकिटी श्रीहरि सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। मंत्री ने बताया कि इसी मंच से मुख्यमंत्री संयुक्त खम्मम जिले के प्रमुख पार्टी कार्यकर्ताओं को आगामी नगर पालिका और निगम चुनावों की तैयारियों को लेकर मार्गदर्शन भी देंगे।

सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट द्वारा आयोजित सीजन-7 क्रिकेट, खो-खो प्रतियोगिता में क्रिकेट टीम विजेता आईजी तुर्कयामजाल, यू-15 विजेता आईजी तुर्कयामजाल जूनियर, खो-खो बालिका विजेता नादरगुल, खो-खो महिला बी.एन.रेड्डी की विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान कर उपस्थित अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, सहसचिव गजाराम सैंणचा, खेल मंत्री धनराज वरपा, सह खेल मंत्री मोतीलाल चोयल, पदाधिकारी, समाज बन्धु व खेल प्रेमी। मैच की हिन्दी कॉमेन्ट्री हिरालाल सैंणचा, परबत सोलंकी व दिलीप आगलेचा ने की।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग नं.CAT-PnU-00057

Seq. No.AA/1 : लॉट नं./वर्ग : PnU-WAT-DVD-WRL-77-25-1 (PAY AND USE-LOUNGES/WAITING/RETIRING/CLOAK ROOMS), विवरण : आधुनिक सुविधाओं और अमेनिटीज़ के साथ AC वेटिंग रूम का अपग्रेडेशन, रख-रखाव एवं संचालन, उदाहरण के लिए ; दुव्वाडा (DVD) स्टेशन के प्लेटफॉर्म नं.1 पर 384.81 वर्ग फुट एरिया में टूरिस्ट कियोस्क।

दर यूनिट : वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क, ट्रिप/दिवस : 1096, लॉट प्रारंभ होने की तिथि व समय : दिनांक : 16.01.2026 को 1100 बजे, लॉट समाप्ति की तिथि व समय : दिनांक: 16.01.2026 को 1130 बजे, न्यूनतम वृद्धि (%): 0.2, लॉट स्थिति: प्रकाशित कैटलॉग में नया।

द्रष्टव्य : संपूर्ण सूचनावली www.ireps.gov.in में उपलब्ध।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/वाल्टियर

PR-1020/Q/25-26

पूर्व तट रेलवे

सेवानिवृत्त रेलवे पैरा मेडिकल कर्मियों की नियुक्ति के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू

रोजगार सूचना सं. 1/2026/WAT/Med/Rtd.Pharmacist and H&MI/Contract, दिनांक : 08.01.2026

रेलवे बोर्ड के पत्र सं. E(NG)II/2005/RC-4/SC/2Pt.I, दिनांक 28.06.2024 (RBE No.59/2024) एवं 30.06.2025 में बताई गई शर्तों के अनुसार 15.10.2026 तक की अवधि के लिए पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मण्डल के चिकित्सा विभाग में पैरा मेडिकल वर्ग (ग्रुप-सी) में निम्नवर्णित पदों को भरने के लिए सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों को नियुक्त करने का प्रस्ताव है।

वर्ग	वेतन सीमा + ग्रेड वेतन + स्तर	पदों की प्रस्तावित संख्या
फार्मासिस्ट	Level-5 (GP: 2800 in VI PC)	02 (Nil UR + Nil SC + 02 ST)
हेल्थ एवं मलेरिया इन्स्पेक्टर	Level-6 (GP: 4200 in VI PC)	03 (01 UR + Nil SC + 02 ST)

वॉक-इन इंटरव्यू

स्थान	मण्डल रेलवे अस्पताल / वाल्टियर (मुख्य चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय) / पूर्व तट रेलवे/ दोंडापार्ती जंक्शन / विशाखापट्टनम।
तिथि	30.01.2026 (शुक्रवार)।
समय	आवेदन का पंजीकरण : सुबह 11.00 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक। साक्षात्कार : उसी दिन दोपहर 12.30 बजे से। टिप्पणी : बंद होने का समय अर्थात् दोपहर 12.30 बजे के बाद किसी भी आवेदन का पंजीकरण नहीं किया जाएगा।

द्रष्टव्य : विस्तृत विवरण के लिए कृपया वेबसाइट : www.eastcoastrail.indianrailways. gov.in ➲ About us ➲ Division ➲ Waltair Division ➲ Walk in Interview & Notifications का अवलोकन करें।

PR-1012/Q/25-26 वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी/वाल्टियर

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-नीलामी सूचनाः एनडीडी डिवीजन/एससीआर/ई-नीलामी/ 2025 दि.13-01-2026

PUB:1775

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, नांदेड डिवीजन द्वारा नांदेड डिवीजन के विविध स्थानों पर एटीएमज, एसएलआर/वीपीयु, पे एण्ड यूज टायलेट्स, विज्ञापनों, छिटपुट-स्थैतिक-सेवाओं के प्रति लीजिंग प्रदान करने तथा पार्किंग कान्ट्रैक्ट्स या संविदाओं को प्रदान करने हेतु 18 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के भारतीय नागरिकों/फर्मो से ई-नीलामी आमंत्रित हैं। जिसे **वेबसाइटः**https://www.ireps.gov.in पर अधिसूचित किया गया है। तत्संबंधित विवरण नीचे दिया गया हैः-

क्रम संख्याः1, कैटलाग संख्याः एनडीडी-एटीएम-11-एनडीडी, रिमार्क्स/विवरणः 05 वर्ष की अवधि हेतु निम्न स्थानों पर एटीएम ठेका--नांदेड डीओसी (डिविजनल रेलवे आफिस), मुदखेड, नांदेड पीएफ-01 (एटीएम-02 एन्ट्रेस के पास), नांदेड पीएफ-04 (एटीएम-01 के बाजू) नागरसोल, पूर्णा, परतूर, सेलू, किनवट, आदिलाबाद, गंगाखेड। नीलामी की तिथिः 28-01-26, नीलामी शुरू समयः 11.00 बजे, नीलामी बंद समयः 13.10 बजे

क्रम संख्याः2, कैटलाग संख्याः एनडीडी-पीएनयु-34-एनडीडी, रिमार्क्स/विवरणः 03 वर्ष की अवधि हेतु निम्न स्थानों पर पे एण्ड यूज टायलेट्स ठेका-हिंगोली, परतूर, बसमत, पूर्णा पीएफ नं.-01, सेलू व गंगाखेड। नीलामी की तिथिः 28-01-26, नीलामी शुरू समयः 10.00 बजे, नीलामी बंद समयः 11.20 बजे

क्रम संख्याः3, कैटलाग संख्याः एनडीडी-पार्क-33-एनडीडी, रिमार्क्स/विवरणः 03 वर्ष की अवधि हेतु निम्न स्थानों पर पार्किंग ठेका-सहस्रकुंड, रोटेगांव,बसमत, पूर्णा व अकोट्। नीलामी की तिथिः 28-01-26, नीलामी शुरू समयः 10.30 बजे, नीलामी बंद समयः 11.40 बजे

क्रम संख्याः4 कैटलाग संख्याः एनडीडी-पार्सल-45 रिमार्क्स/विवरणः 03 वर्ष की अवधि हेतु निम्न ट्रेन नं. पर पार्सल एसएलआर लीजिंग-रेल सं.16004/एफ1, 20812/एफ1, 12788/एफ1, 12072/एफ1, 17232/एफ1, 20810/एफ1, 17618/एफ1, 12421/आर1, 22723/एफ1, 12767/एफ1, 14621/एफ1, 12753/एफ1, 17664/एफ1, 12485/आर1, 17614/एफ1, 17630/एफ1 तथा ट्रेन में वीपी -रेल सं.12715/12716, नीलामी की तिथिः 28-01-26, नीलामी शुरू समयः 10.00 बजे, नीलामी बंद समयः 13.10 बजे

क्रम संख्याः5, कैटलाग संख्याः एनडीडी-छिटपुटस्थैतिक6, रिमार्क्स/विवरणः 1. तीन वर्ष की अवधि हेतु एनडीडी व सीपीएसएन पर वेस्ट मैनेजमेंट कान्ट्रैक्ट या ठेका। 2. पांच वर्ष की अवधि हेतु एनडीडी व सीपीएसएन पर बैटरी से संचालित कारों का तत्संबंधित कार्य। 3.पांच वर्ष की अवधि हेतु नांदेड डिवीजन के विविध स्थानों पर वाटर वेन्डिंग मशीन का ठेका। नीलामी की तिथिः 28-01-26, नीलामी शुरू समयः 11.00 बजे, नीलामी बंद समयः 14.50 बजे

क्रम संख्याः6, कैटलाग संख्याः एनडीडी-एडीवीटी-34-एनडीडी, रिमार्क्स/विवरणः 1. तीन व पांच वर्ष की अवधि हेतु वंदे भारत एक्सप्रेस की रेल सं. 20705/20706, एनडीडी-सीएसएमटी-एनडीडी व 22226/22225 एसयुआर-सीएसएमटी-एसयुआर के सभी भीतरी कोचेस में फैक्ट्री-फिट्टेड 32 एलडीडी टीवीज द्वारा इन्फोटेनमेंट बुकलेट वितरण तथा विज्ञापन अधिकारों हेतु ठेका। 2. निम्न स्थानों पर होर्डिंग्स ओओएच द्वारा विज्ञापन या एडवर्टाइजमेंट-पांच वर्ष की अवधि हेतु पीबीएन पर रेलवे कालोनी बाउण्डरी वाल एण्ड गुड्स आफिस बाउण्डरी वाल, एनडीडी, एमयुड, एनडीडी पर एन्ट्री गेट (आरपीएफ आफिस) से बस स्टैण्ड तक, रेलवे हास्पीटल हिंगोली गेट से रेलवे कालोनी नांदेड स्टेशन, सीपीएसएन, जे, पीबीएन, ओओएच क्लस्टर-III की तरफ, एग्जिट गेट वाल से वानी व युएमएम साइड की तरफ तथा एडीबी स्टेशन के पास इन एण्ड आउट गेट साइड वाल, एडीबी, डीओबी नांदेड से संघवी कार्नर से एमएसइबी आफिस तक, फ्लाइओवर ब्रिज के पास रोड साइड तथा रोड साइड से ओआरएच के समीप सीपीएसएन व एनएसएल के पास उक्त कार्य। 3. होर्डिंग्स आरडीएन द्वारा विज्ञापन-5 वर्ष की अवधि हेतु जे, सीपीएसएन, एनएसएल व पीबीएन पर। नीलामी तिथिः 28-01-26, नीलामी शुरू समयः 10.30 बजे, नीलामी बंद समयः 14.10 बजे

इच्छुक पार्टीज तथा ठेकेदारगण निम्न महत्वपूर्ण बात पर ध्यान दें कि, ई-नीलामी सूचना के बारे में अधिक विवरण तथा संबंधित विवरण हेतु उपरोक्त वेबसाइट पर जाएं।

अधिक जानकारी हेतु कृपया अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर किसी भी कार्यालयीन दिन में समय 10.00 से 17.00 के मध्य संपर्क करें।

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, नांदेड

A2246

पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

हरिद्वार, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पतंजलि विश्वविद्यालय और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के तत्वावधान में, अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से, अमेरिका की शैक्षणिक शाखा ग्लोबल नॉलेज फाउंडेशन निदेशक, भारतीय मानक ब्यूरो देहरादून और यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड ईस्टर्न शोर के बिजनेस, मैनेजमेंट और अकाउंटिंग विभाग की संयुक्त पहल में स्वास्थ्य सेवा और प्रबंधन में स्मार्ट तकनीकों के एकीकरण पर त्रिदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 15-17 जनवरी को पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन एवं विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित की गई। संगोष्ठी का आयोजन स्मार्ट तकनीकों के एकीकरण के माध्यम से प्रौद्योगिकी-प्रेरित, दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रबंधन को बढ़ावा देने और वैश्विक स्तर पर जन-स्वास्थ्य सुधार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया। आचार्य बालकृष्ण ने अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न देकर किया। शुभारंभ दीप प्रज्वलन, धन्वंतरि वंदना और चंद्रमोहन व उनकी टीम के समूहगान से हुआ। कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन कुलपति प्रो. मयंक कुमार अग्रवाल ने दिया, तत्पश्चात आचार्य श्री एवं अतिथियों ने सार पुस्तक का लोकार्पण किया।

अपने प्रेरक संबोधन में डॉ. देव शर्मा ने कबीर के दोहे के माध्यम से सेवा और लोककल्याण पर जोर दिया, डिजिटल स्वास्थ्य प्रबंधन, साइबर सुरक्षा और एआई-सहायित स्मार्ट प्रणालियों के माध्यम से सुरक्षित, प्रभावी और उन्नत चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता रेखांकित की। कार्यक्रम में आईआईटी मंडी के निदेशक प्रो. लक्ष्मीधर बेहरा ने सिंक्रोना सिटी, नवाचार, स्टार्टअप्स और पतंजलि द्वारा भारतीय ज्ञान और सनातन मूल्यों के संरक्षण पर भी बल दिया।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि सहस्त्र चंद्र दर्शन भारतीय सनातन परंपरा में दीर्घायु, स्वस्थ और ज्ञानपूर्ण जीवन के उत्सव का प्रतीक है, जिसका सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व अत्यंत गहरा है। उन्होंने भूमंडलीकरण की अवधारणा पर चर्चा करते हुए कहा कि इससे विश्व के देश आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक रूप से एक-दूसरे से जुड़े हैं, जिससे विश्व वैश्विक गांव बन रहा है। मुख्य अतिथि सचिन चौधरी ने बीआईएस द्वारा राष्ट्रीय मानकों, गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. कमलकिशोर पंत ने टेलीमेडिसिन, डिजिटल स्वास्थ्य, एआई और भारतीय संस्कृति के वैश्विक महत्व पर विचार साझा किए।

पतंजलि हर्बल रिसर्च की अनुसंधान प्रमुख डॉ. वेदप्रिया आर्या ने कार्यक्रम की रूपरेखा और उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का समग्र परिचय प्रस्तुत किया। इसके अलावा, अन्य विशेषज्ञों डॉ. प्रशांत कटियार, डॉ. कनक सोनी, प्रो. मयंक अग्रवाल, डॉ. सविता और समस्त पतंजलि वैज्ञानिक, छात्र-छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही।

राकेश जयसवाल नगरसेवक जामबाग ने राज्य कार्यालय, नामपल्ली में महाराष्ट्र शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की प्रबल जीत के जश्न में भाग लिया, अवसर पर लालसिंह नगरसेवक, दर्शन नगरसेवक, उमा महेंद्र, वरिष्ठ भाजपा नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

एमसीईएमई को सेना प्रमुख की यूनिट प्रशंसा

जयपुर में अलंकरण समारोह में मिला सम्मान

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सेना दिवस 2026 की पूर्व संध्या पर जयपुर में आयोजित अलंकरण समारोह में सेना प्रमुख ने मिलिट्री कॉलेज ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एमसीईएमई) को प्रतिष्ठित सेना प्रमुख की यूनिट प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया। 1946 में स्थापित एमसीईएमई के लगभग आठ दशक के इतिहास में यह चीफ एप्रिसिएशन अवार्ड एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। यह सम्मान पिछले दो वर्षों में संस्थान द्वारा प्रशिक्षण गुणवत्ता में सुधार और आपातकालीन चिकित्सा कोर के जवानों एवं अधिकारियों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्रदान करने के प्रयासों की मान्यता के रूप में दिया गया है। इन प्रयासों के चलते एमसीईएमई को भारतीय सेना के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण संस्थानों में शामिल किया गया है।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने एमसीईएमई के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल नीरज वार्ष्णेय को यह पुरस्कार प्रदान किया। बताया गया कि पिछले दो वर्षों में एमसीईएमई में रणनीतिक लक्ष्यों, तेज तकनीकी विकास और उद्योग सहयोग के तहत व्यापक परिवर्तन किए गए हैं। प्रशिक्षण अवसंरचना का आधुनिकीकरण, उन्नत प्रशिक्षण प्रयोगशालाओं का उन्नयन और कक्षाओं को तकनीक-सक्षम शिक्षण वातावरण में बदलने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके साथ ही पाठ्यक्रम में भी बड़े बदलाव किए गए हैं। ड्रोन, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, रोबोटिक्स और मानवरहित हवाई हमले जैसी उभरती तकनीकों पर नए वैकल्पिक विषय जोड़े गए हैं, ताकि अग्निवीरों और अधिकारियों दोनों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

बीएमसी परिणाम...

बीजेपी के अंदर देवेंद्र फडणवीस का तेजी से उभार हुआ हैं। अभी केंद्र की राजनीति में नितिन गडकरी को छोड़ दें तो किसी नेता का वैसा कद नहीं है। ऐसे में दवेंद्र फडणवीस के नाम की चर्चा होने लगी है। अटल-अडवाणी के दौरान महाराष्ट्र से दिल्ली में बीजेपी के अंदर सबसे ताकतवर चेहरे के रूप में प्रमोद महाजन थे। देवेंद्र फडणवीस के उभार के बाद यह चर्चा सियासी गलियारे में है कि क्या वह आने वाले दिनों में दिल्ली में बड़ा रोल निभा सकते हैं। क्योंकि बीजेपी में इन दिनों जेनरेशन परिवर्तन का दौर चल रहा है। उसी कड़ी में अध्यक्ष पद को लेकर नितिन नवीन जैसे यंग चेहरे को आगे किया गया है।

वहीं, देवेंद्र फडणवीस राष्ट्रीय स्तर पर प्रबंधन कुशलता दिखा चुके हैं। 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान पहली बार उन्हें वहां का चुनाव प्रभारी बनाया गया था। गठबंधन के साथियों सीटों को लेकर पेंच फंस रहा था। बीजेपी की कुछ सीटों पर जेडीयू की नजर थी। देवेंद्र फडणवीस ने अपने कुशलता का परिचय दिया और अड़े रहे। बाद में सहयोगी दलों को झुकना पड़ा। उनकी रणनीति का नतीजा था कि बिहार में आरजेडी के बाद जेडीयू सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। गौरतलब है कि देवेंद्र फडणवीस के पास निगम, संगठन से लेकर सरकार तक में काम करने का अनुभव है।

वह नागपुर के मेयर रह चुके हैं। बाद में महाराष्ट्र बीजेपी के अध्यक्ष बने और अब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री हैं।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.VSKP-ELECTG-25-26-WC-38, दिनांक : 08.01.2026

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल में अमृत भारत स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म में मल्टीपर्पस पोल का प्रावधान (फेज़-I)।

निविदा मूल्य (रुपये में) : 63,36,235.52, EMD (रुपये में) : 1,26,700/-, पूरा होने की अवधि : 120 दिन।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक : 29.01.2026 को 1330 बजे, निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 29.01.2026 को 1600 बजे।

निविदा सूचना सं.VSKP-ELECTG-25-26-WC-39, दिनांक : 08.01.2026

कार्य का नाम : WMY स्थित रिसेप्शन यार्ड (RYD) एवं न्यू कोचिंग कॉम्प्लेक्स (NCC) में यार्ड रूपान्तरण के साथ टर्न टेबल का प्रावधान।

निविदा मूल्य (रुपये में) : 37,40,701.10, धरोहर राशि (रुपये में) : 74,800/-, पूरा होने की अवधि : 240 दिन।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक : 30.01.2026 को 1330 बजे, निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 30.01.2026 को 1600 बजे।

निविदा दस्तावेज से संबंधित संपूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

कोई भी जारी शुद्धिपत्र की जानकारी के लिए निविदाकार उपरोक्त वेबसाइट का अवलोकन करें।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता(G), वाल्टियर

PR-1014/Q/25-26

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-North-WAT-02-2026 दिनांक : 09.01.2026

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के कोरापुट-रायगड़ा लाइन में सहायक मण्डल अभियन्ता/लक्ष्मीपुर रोड के अधिकार क्षेत्र के अधीन टिकिरि स्टेशन पर 20 बिस्तर क्षमता वाले नई रनिंग रूम बिल्डिंग का निर्माण।

विज्ञापित मूल्य : ₹ 2,27,37,762.29, EMD : ₹ 2,63,700/-

(2) सूचना सं.: eT-North-WAT-03-2026 दिनांक : 09.01.2026

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के कोरापुट-रायगड़ा लाइन में सहायक मण्डल अभियन्ता/लक्ष्मीपुर रोड के अधिकार क्षेत्र के अधीन दामनजोड़ि स्टेशन पर रनिंग रूम का संवर्धन एवं उन्नतीकरण।

विज्ञापित मूल्य : ₹ 1,95,28,475.37, EMD : ₹ 2,47,700/-

कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने (दोनों क्रम सं. के लिए)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 03.02.2026 को 1500 बजे (दोनों निविदा के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन: अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-1015/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता

Email : svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper : epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement : swadds1@gmail.com

टी20 वर्ल्ड कप : वेन्यू बदलने की मांग के बीच आईसीसी बांग्लादेश भेजेगा डेलीगेशन

ढाका, 16 अगस्त (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में बांग्लादेश की भागीदारी को लेकर जारी गतिरोध को सुलझाने के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) आमने-सामने की बातचीत के लिए बांग्लादेश में एक डेलीगेशन भेजेगा। टी20 फॉर्मेट के महाकुंभ की शुरुआत 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने जा रही है। आईसीसी सूत्रों ने 'आईएएनएस' को बताया है कि डेलीगेशन कुछ दिनों में टी20 वर्ल्ड कप के संबंध में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों के साथ अंतिम बार आमने-सामने की मीटिंग करेगा। ई-मेल और वर्चुअल मीटिंग के जरिए इस मुद्दे को सुलझाने के पिछले प्रयास सफल नहीं रहे थे। ऐसे में आईसीसी अधिकारियों की यह यात्रा एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

सूत्रों ने बताया, आईसीसी डेलीगेशन कुछ दिनों में टी20 वर्ल्ड कप के संबंध में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अधिकारियों के साथ आखिरी बार आमने-सामने की मीटिंग के लिए बांग्लादेश जाएगा। इसके बाद फैसला सुनाया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि एक ओर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और वहां के खेल मंत्रालय ने भारत में कोई भी मैच न खेलने पर कड़ा रुख अपनाया है। वहीं, दूसरी तरफ भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को टीम से हटाने के लिए कहा था।

'द डेली स्टार' ने खेल सलाहकार आसिफ नजरुल के हवाले से कहा, ₹नवीनतम अपडेट के अनुसार, अमीनुल इस्लाम ने मुझे बताया कि आईसीसी की एक टीम बातचीत के लिए बांग्लादेश आ सकती है। हमारे रुख में बदलाव की कोई संभावना नहीं है। हम वर्ल्ड कप में खेलने के लिए उत्सुक हैं, खासकर श्रीलंका में। मुझे पूरा विश्वास है कि इसे आयोजित करना असंभव नहीं है।₹

बांग्लादेश को भारत में तीन मैच खेलने हैं। यह टीम 7 फरवरी को वेस्टइंडीज, 9 फरवरी को इटली और 14 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ कोलकाता में मुकाबले खेलेगी। इसके बाद उसे नेपाल के खिलाफ 17 फरवरी को मुंबई में मैच खेलना है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की मांग है कि उसकी टीम के विश्व कप मुकाबले भारत से बाहर आयोजित करवाए जाएं, लेकिन आईसीसी ने बताया है कि टूर्नामेंट का शेड्यूल पहले ही फाइनल हो चुका है। इसके साथ ही आईसीसी ने बीसीबी से अपने रुख पर फिर से विचार करने का आग्रह किया है, लेकिन बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड अपने रुख पर कायम रहा। दोनों पक्ष एक संभावित समाधान खोजने के लिए बातचीत जारी रखने पर सहमत हुए हैं।

बांग्लादेशी क्रिकेटर्स को मिल रही है जान से मारने की धमकी, अध्यक्ष ने किया खुलासा, कहा- 'मुझे भी कॉल...'

ढाका, 16 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट में अभी कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है. गुरुवार को बांग्लादेश क्रिकेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि जब तक बीसीबी डायरेक्टर नजमुल इस्लाम को उनके पद से हटाया नहीं जाएगा, कोई भी खिलाड़ी क्रिकेट नहीं खेलेगा. इसी कारण बीपीएल 2026 का पहला मैच रद्द हो गया. बीसीबी को डायरेक्टर को पद से हटाना पड़ा, हालांकि इसके बाद ढाका में कुछ लोगों ने नाराजगी जाहिर करते हुए स्टेडियम के बाहर तोड़फोड़ की. अब वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष ने खुलासा किया है कि उन्हें और खिलाड़ियों को जान से मारने की धमकी भी आ रही है.बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने डायरेक्टर नजमुल इस्लाम को उनके पद से हटा दिया है, जिसके बाद CWAB (क्रिकेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ बांग्लादेश) ने अपना प्रोटेस्ट खत्म किया. नजमुल ने तमीम इकबाल को 'इंडियन एजेंट' कहा था. इसी बयान से खिलाड़ी नाराज हुए थे. क्रिकबज की रिपोर्ट में जब बांग्लादेश क्रिकेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहम्मद मिथुन से पूछा गया कि क्या वैसा हो रहा है जैसा आप चाहते थे?

इस पर उन्होंने कहा, नहीं, सब कुछ वैसा नहीं हुआ जैसा हम चाहते थे. लेकिन क्रिकेट के लिए और हर खिलाड़ी के बारे में सोचते हुए, हमें कुछ बातों पर समझौता करना पड़ा. शुरुआत में हम बहुत सख्त थे, यह मानने में कोई दिक्कत नहीं है कि हम आखिर तक अपनी बात पर कायम नहीं रह पाए, लेकिन हम हमेशा चाहते थे कि मैच हो. जब हमने देखा कि अगर हम अपनी बात पर अड़े रहे तो मैच बिल्कुल नहीं होगा, तो हमें कुछ मामलों में झुकना पड़ा.

खिलाड़ियों को मिली जान से मारने की धमकी

रिपोर्ट में उनसे पूछा गया कि धमकी मिल रही है? इस पर उन्होंने बताया, ₹यह सच है और मुझे ऐसा अनुभव पहले कभी नहीं हुआ. यह मेरी जिंदगी में पहली बार हुआ है. मुझे याद नहीं कि मैं कभी किसी विवादित बातचीत में शामिल हुआ हूं. यह मेरी समझ से बाहर है. मैंने कब देश के खिलाफ बात की है?

मिथुन ने बताया कि अभी तक इसके बारे में बोर्ड को नहीं बताया है. उन्होंने कहा कि मुझे अनजान नंबरों से फोन आ रहे हैं. उनके अनुसार सिर्फ उन्हें ही नहीं बल्कि कई खिलाड़ियों को भी जान से मारने की धमकी दी जा रही है.

उन्होंने कहा, मैंने बोर्ड को अभी तक नहीं बताया. सच बताऊं तो, मैं अपने मोबाइल पर अनजान नंबरों से कॉल नहीं उठा रहा हूं. लेकिन मैं व्हाट्सप्प पर मैसेज या वॉइस नोट नहीं रोक सकता. मुझसे इस बारे में वहां पूछा गया था. मेरा नंबर लोगों के पास है क्योंकि यह CWAB की तरफ से प्रेस को जाता है. इसीलिए मुझे अधिक कॉल और मैसेज आते हैं. लेकिन मैंने दूसरे खिलाड़ियों से भी सुना है कि उन्हें धमकियां मिली हैं, अलग-अलग तरह की धमकियां. मैंने अभी तक इस बारे में बोर्ड से बात नहीं की है.

गौतम गंभीर पर सनसनीखेज आरोप, रोहित शर्मा को एकदिवसीय कप्तानी से हटवाया; पूर्व क्रिकेटर के बयान पर बवाल

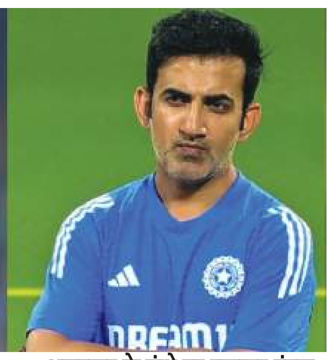

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। साल 2024, अक्टूबर का महीना, ऑस्ट्रेलियाई टूर के लिए भारत की वनडे टीम का एलान होना था. जैसे ही शुभमन गिल के नाम के आगे 'कप्तान' लिखा आया, भारतीय क्रिकेट फैंस समझ चुके थे कि रोहित शर्मा और विराट कोहली का दौर खत्म हो चला है. रोहित शर्मा से कप्तानी ऐसे समय पर छीनी गई, जब कुछ महीने पहले ही भारत उनकी कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी जीता था. अब भारत के पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने गौतम गंभीर पर सनसनीखेज आरोप लगा दिए हैं.

अगरकर के कंधे पर रखकर बंदूक चलाई

मनोज तिवारी ने रोहित शर्मा को वनडे कप्तानी से हटाए जाने के फैसले को लेकर कहा , मैं नहीं जानता कि इसकी मुख्य वजह क्या रही होगी. अजीत अगरकर का व्यक्तित्व बहुत सशक्त है, वो ऐसे लीडर हैं जो कठिन फैसले लेने से पीछे नहीं हटते हैं. हमें यह भी विचार करना चाहिए कि क्या उन्हें किसी और ने अपने कंधे पर बंदूक चलाने के लिए प्रभावित किया था.

गौतम गंभीर भी...

मनोज तिवारी ने गौतम गंभीर का नाम लिए बिना कहा कि चाहे दुनिया के सामने फैसला चीफ सेलेक्टर (अजीत अगरकर) ने सुनाया हो, लेकिन इसमें कोच का योगदान भी अवश्य रहा होगा. मनोज तिवारी ने कहा, ऐसे फैसले कोई अकेला नहीं लेता है, दोनों इसके लिए बराबर जिम्मेदार हैं.

रोहित शर्मा का अपमान

पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने मौजूदा वनडे टीम के हाल पर कहा कि प्लेइंग इलेवन के चयन में निरंतर गलती होती रही हैं. तिवारी ने यह तक कहा कि उनकी वनडे क्रिकेट देखने में दिलचस्पी कम होने लगी है.

उन्होंने कहा, जब एक टी20 वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी के विजेता कप्तान को अचानक किसी नए कप्तान से रिप्लेस कर दिया जाए, ये अनावश्यक था. मैं रोहित के साथ खेल चुका हूं और उनके साथ जुड़ाव महसूस हुआ और जिस तरह ये सब हुआ, मुझे बिल्कुल पसंद नहीं आया. यह उस क्रिकेटर के प्रति अपमानजनक प्रतीत हुआ, जिसने क्रिकेट जगत को इतना कुछ दिया है.

क्या वैभव सूर्यवंशी बदल देंगे रिकॉर्ड बुक? विराट कोहली को पीछे छोड़ने के लिए चाहिए चार रन

बुलवायो, 16 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के खिलाफ अंडर-19 विश्व कप 2026 के पहले मैच में भारतीय स्टार बल्लेबाज 14 साल के वैभव सूर्यवंशी उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए और केवल दो रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उनके आउट होने के साथ ही विराट कोहली का अंडर-19 क्रिकेट में रनों के रिकॉर्ड को तोड़ने का मौका भी फिलहाल टल गया। अब वैभव को 17 जनवरी को ग्रुप-बी में भारत और बांग्लादेश की टक्कर में यह मौका मिलेगा। वह उस मौके को पूरी तरह भुनाने की कोशिश करेंगे।

दरअसल, कोहली ने भारत के लिए अंडर-19 वनडे क्रिकेट में 28 मैचों में 46.57 की औसत से 978 रन बनाए थे। इनमें एक शतक और छह अर्धशतक शामिल थे। कोहली अंडर-19 वनडे में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में सातवें स्थान पर हैं।

वैभव को अमेरिका के खिलाफ कोहली के 978 रनों के रिकॉर्ड को पार करने के लिए सिर्फ छह रन चाहिए थे, लेकिन अब उन्हें अगले मैच तक का इंतजार करना होगा। वैभव के नाम 19 अंडर-19 वनडे मैचों में 975 रन दर्ज हैं। इस दौरान उनका औसत 51.31 का रहा। उन्होंने तीन शतक और चार अर्धशतक लगाए हैं।

अब भारत 17 जनवरी को बांग्लादेश के खिलाफ अपना अगला मैच खेलेगा। अगर वैभव अगले मैच में सिर्फ चार रन बना लेते हैं, तो वह विराट कोहली के 978 रनों के आंकड़े को पीछे छोड़कर भारत के लिए इस स्तर पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सातवें नंबर पर आ जाएंगे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हुए वॉशिंगटन सुंदर

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मुकाबलों की टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। सुंदर फिलहाल पसली की चोट से उबर रहे हैं। वह वडोदरा में वनडे सीरीज के पहले मैच के दौरान चोटिल हुए थे। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि सुंदर टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए समय पर फिट हो पाएंगे या नहीं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज 21 जनवरी से नागपुर के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में शुरू होगी। यह दोनों देशों के लिए टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी का हिस्सा है, जिसकी शुरुआत 7 फरवरी से होगी। एक सूत्र ने बताया कि वॉशिंगटन न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं, क्योंकि वडोदरा में खेले गए वनडे मैच में लगी चोट से उबरने में उन्हें कुछ और हफ्ते लगेंगे। यह अभी पता नहीं चला है कि वह टी20 वर्ल्ड कप के लिए समय पर पूरी तरह फिट हो पाएंगे या नहीं। वॉशिंगटन के शनिवार को बेंगलुरु में स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिपोर्ट करने की संभावना है और वहां पहुंचने के बाद उन्हें अपनी रिकवरी टाइमलाइन के बारे में और पता चलेगा।

यह न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले भारत को लगा दूसरा झटका है। इससे पहले तिलक वर्मा सीरीज से बाहर हो गए थे। रविवार को बीसीए स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के दौरान गेंदबाजी करते समय उन्हें बाईं निचली पसली के क्षेत्र में तेज दर्द महसूस हुआ था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सुंदर की जगह 26 वर्षीय आयुष बडोनी को टीम में शामिल किया है, जिससे उन्हें पहली बार राष्ट्रीय टीम में जगह मिली।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टी20 मैच 21 जनवरी को नागपुर में खेला जाएगा। इसके बाद 23 जनवरी को रायपुर में दूसरा टी20 मैच आयोजित होगा। तीसरा मैच 25 जनवरी को गुवाहाटी में खेला जाना है। इसके बाद 28 जनवरी को चौथा मैच विशाखापत्तनम में खेला जाएगा। सीरीज का अंतिम मैच 31 जनवरी को तिरुवनंतपुरम में होगा।

फुटबॉल लीग कोपा डेल रे से रियल मैड्रिड बाहर अल्बासेटे की जीत ने सबको चौंकाया

मैड्रिड, 16 अगस्त (एजेंसियां)। अल्बासेटे के कार्लोस बेलमोंटे स्टेडियम में आयोजित फुटबॉल लीग कोपा डेल रे में रियल मैड्रिड को हार का सामना करना पड़ा। उनकी टीम को दूसरी टियर की टीम अल्बासेटे ने 3-2 से शिकस्त दी। अल्वारो अर्बेलोआ का रियल मैड्रिड के कोच के तौर पर यह डेब्यू मुकाबला था, जिसमें उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा। घने कोहरे के बीच हुए मुकाबले के लिए आर्बेलोआ ने अपनी पुरानी टीम कास्तिया बी-टीम के खिलाड़ियों पर भरोसा जताया और युवा खिलाड़ियों जॉर्ज सेस्टेरो और डेविड जिमेनेज को शुरुआती एकादश में शामिल किया। दूसरी ओर, अल्बासेटे ने भी अपने कई नियमित खिलाड़ियों को आराम दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, मैच का पहला गोल 42वें मिनट में अल्बासेटे की ओर से आया। कॉर्नर किक पर जावी विल्लार ने शानदार तरीके से गेंद को जाल में पहुंचाकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। पहले हाफ के अंतिम पलों में रियल मैड्रिड ने वापसी की। इंजरी टाइम में फ्रैंको मस्तांतुओनो ने गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। इस गोल में डीन हॉयसन के हेडर से मिली मदद अहम रही।

दूसरे हाफ के अंतिम चरण में मुकाबला और रोमांचक हो गया। 82वें मिनट में जेफ्टे बेटानकोर ने अल्बासेटे को फिर से बढ़त दिला दी। यह गोल तब आया जब गोंजालो गार्सिया गेंद को ठीक से क्लियर नहीं कर सके और बेटानकोर ने वॉली मारकर गेंद को गोल में डाल दिया।

इसके बाद लगा कि रियल मैड्रिड मैच को एक्स्ट्रा टाइम में ले जाएगा। गोंजालो गार्सिया ने कॉर्नर से हेडर लगाकर 2-2 की बराबरी कर दी, लेकिन यह खुशी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। इंजरी टाइम के चौथे मिनट यानी 94वें मिनट में जेफ्टे बेटानकोर ने तेज काउंटर अटैक के बाद निर्णायक गोल कर अल्बासेटे को ऐतिहासिक जीत दिला दी। उनका पहला शॉट भले ही रोका गया, लेकिन रीबाउंड पर उन्होंने शांति से गेंद को गोलकीपर आंद्रेई लूनिन के ऊपर से चिप कर नेट में पहुंचा दिया।

इस बीच, कोपा डेल रे के अन्य मुकाबलों में रियल बेटिस ने एल्चे को 2-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। एल्चे ने 58वें मिनट में लियो पेट्रोट के गोल से बढ़त बनाई, लेकिन चिमी अविला ने 68वें और 81वें मिनट में दो गोल दागकर मैच का रुख पलट दिया।

एक अन्य मैच में डेपोर्टिवो अलावेस ने रायो वायेकानो को 2-0 से हराकर 2018 के बाद पहली बार क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अलावेस की ओर से टोनी मार्टिनेज और कार्लोस विसेंटे ने गोल किए। वहीं रायो के लिए यह रात बेहद खराब रही, जहां सर्जियो कैमेलो चोटिल हो गए और इसी पलाज़ोन को रेड कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर कर दिया गया।

फॉर्मूला 1 : रेड बुल ने सीजन 2026 के लिए पेश की अपनी नई लिवरी

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। रेड बुल रेसिंग ने फॉर्मूला 1 2026 सीजन के लिए अपनी नई कार की लिवरी का खुलासा किया है। यह कार्यक्रम मिशिगन सेंट्रल स्टेशन में आयोजित किया गया। मिल्टन कीन्स स्थित इस टीम ने डेट्रॉइट शहर में शानदार अंदाज में अपनी नई डिजाइन पेश की। डेट्रॉइट फ़ोर्ड का गृहनगर है और रेड बुल इसी कंपनी के साथ मिलकर अपना पहला फॉर्मूला वन पावर यूनिट तैयार कर रही है। रेड बुल के पायलट मार्टिन सोनका ने एक अनोखा कारनामा किया। उन्होंने हवाई जहाज से कार के ऊपर डली चादर को उड़ाकर हटाया और नई लिवरी को लोगों के सामने पेश किया।

जब एनर्जी ड्रिंक बनाने वाली इस कंपनी ने साल 2005 में फॉर्मूला वन में कदम रखा था, तब कार पर चमकदार फिनिश का इस्तेमाल किया गया था। नई लिवरी उसी पुराने अंदाज की याद दिलाती है।

टीम का कहना है कि आरबी22 की 2026 डिजाइन में इस्तेमाल किया गया "हेरिटेज व्हाइट बेस" कार को ज़्यादा गहराई और साफ़ लुक देता है, जिससे 'सन एंड बुल' का मशहूर लोगो और भी उभरकर दिखता है।

इस सीजन में इसैक हाज़ार चार बार के विश्व चैंपियन मैक्स वेरस्टैपेन के साथ टीम में शामिल होंगे। इसैक सिस्टर टीम रेसिंग बुल्स को छोड़ चुके हैं। रेड बुल ने आखिरी बार 2023 में टीम्स चैंपियनशिप जीती थी और अब टीम एक बार फिर विश्व खिताब जीतने की उम्मीद कर रही है।

वेरस्टैपेन 2026 सीज़न के लिए नंबर 3 (उनका पसंदीदा नंबर) के साथ रेसिंग करेंगे। इससे पहले वह संख्या 33 के साथ उतरते थे, जो अब उनके पूर्व साथी डैनियल रिकियार्डो इस्तेमाल करते थे।

पिछले सीजन में रेड बुल टीम्स चैंपियनशिप में तीसरे स्थान पर रही थी। वहीं वेरस्टैपेन ने शानदार वापसी करते हुए 2024 के अबू धाबी में होने वाली आखिरी से पहले की रेस तक ड्राइवर्स खिताब की दौड़ बनाए रखी।

उनके टीममेट हडजार, रेसिंग बुल्स के साथ सिर्फ एक सीज़न के बाद रेड बुल में शामिल होने के बाद नंबर छह के साथ रेसिंग जारी रखेंगे। तकनीकी टीम की ज़िम्मेदारी पियरे वाशे संभालेंगे, जबकि पिछले सीज़न के बीच में क्रिश्चियन हॉर्नर की जगह टीम प्रिंसिपल बने लॉरेंट मेकीज टीम का नेतृत्व करेंगे।

जिंदगी और मौत से जंग लड़ रहा 38 साल का तेज गेंदबाज शपूर जादरान

स्पोर्ट्स डेस्क, 16 अगस्त (एजेंसियां)। 10 साल का करियर, अनगिनत यादें... अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शपूर जादरान इस समय बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं. 38 साल के शपूर गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के चलते अस्पताल में भर्ती हैं और उनकी हालत को लेकर क्रिकेट जगत में चिंता बढ़ गई है. युद्ध, संघर्ष और सीमित संसाधनों के बीच अफगानिस्तान क्रिकेट को पहचान दिलाने वाले शपूर जादरान हमेशा मैदान पर जुझारू खिलाड़ी के तौर पर जाने गए, लेकिन अब वह मैदान के बाहर जिंदगी की सबसे बड़ी जंग लड़ रहे हैं.

परिवार और बोर्ड ने दी सेहत की जानकारी

परिवार के सदस्यों के अनुसार, शपूर जादरान पिछले कुछ समय से लगातार अस्वस्थ चल रहे थे. 12 जनवरी 2026 को उनके भाई घमाई जादरान ने सोशल मीडिया के जरिए उनकी हालत की जानकारी साझा की. उन्होंने बताया कि शपूर की तबीयत गंभीर है और उनका इलाज अस्पताल में चल रहा है. इसके बाद अफगानिस्तान क्रिकेट से जुड़े सूत्रों ने भी पुष्टि की कि शपूर की व्हाइट ब्लड सेल काउंट ड्रॉप हो गया है. जिससे उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है. हालांकि, उनकी बीमारी को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक मेडिकल डिटेल सामने नहीं आई है.

शपूर जादरान का करियर

अगर शपूर जादरान के क्रिकेट करियर की बात करें, तो वह अफगानिस्तान क्रिकेट के शुरुआती दौर के सबसे भरोसेमंद तेज गेंदबाजों में गिने जाते हैं. उन्होंने साल 2009 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था, जब अफगानिस्तान टीम अपनी पहचान बनाने के संघर्ष में थी. करीब 10 साल लंबे करियर में उन्होंने देश के लिए कुल 80 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले. इसमें 44 वनडे और 36 टी20 मुकाबले शामिल हैं. वनडे क्रिकेट में उनके नाम 43 विकेट हैं, जबकि टी20 में उन्होंने 37 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा.

टी20 वर्ल्ड कप से पहले नेपाल का बड़ा कदम, इयान हार्वे को बॉलिंग कंसल्टेंट नियुक्त किया

काठमांडू, 16 अगस्त (एजेंसियां)। पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत 7 फरवरी से होगी, जिससे पहले कोचिंग स्टाफ को मजबूत करने के लिए नेपाल ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई सीमर इयान हार्वे को बॉलिंग कंसल्टेंट नियुक्त किया है। 53 वर्षीय इयान हार्वे इससे पहले ग्लूस्टरशायर के हेड कोच रह चुके हैं। इसी काउंटी के लिए उन्होंने अपने करियर की शुरुआत करते हुए बतौर विदेशी पेशेवर खेला था। दिसंबर 1997 में अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करने वाले इयान हार्वे ने ऑस्ट्रेलिया की तरफ से 73 वनडे मुकाबले खेले, जिसमें 30.31 की औसत के साथ 85 विकेट निकाले। इसके अलावा, उन्होंने बल्ले से 17.87 की औसत के साथ 715 रन का योगदान दिया। वह उस ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थे, जिसने 2003 में दक्षिण अफ्रीका में वनडे वर्ल्ड कप जीता।

हार्वे ने एक टी20 ऑलराउंडर के तौर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई, जो अपनी चतुर बॉलिंग वेरिएशन जैसे सटीक यॉर्कर के लिए जाने जाते थे। उन्होंने अपने करियर में 54 टी20 मुकाबले खेले, जिसमें 23.73 की औसत के साथ 52 विकेट निकाले। इसके साथ ही उन्होंने 3 शतक और 5 अर्धशतक के साथ 1,470 रन जोड़े।

ग्रुप-सी में मौजूद नेपाल की टीम 8 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले के साथ अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद यह टीम 12 फरवरी को इटली से भिड़ेगी। 15 फरवरी को नेपाल का सामना वेस्टइंडीज से होगा, जबकि 17 फरवरी को उसकी भिड़ंत बांग्लादेश से होगी। इस टीम के सभी ग्रुप मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाने हैं।

भले ही टी20 वर्ल्ड कप 2024 में नेपाल कोई जीत दर्ज नहीं कर सका था, लेकिन इस टीम ने साउथ अफ्रीका और बांग्लादेश को कड़ी टक्कर दी।

एशियाई टीम ने वर्ल्ड कप में अपने दूसरे कार्यकाल के लिए एक मजबूत टीम बनाई है, जिसकी कप्तानी रोहित पौडेल कर रहे हैं। उन्हें दीपेंद्र सिंह ऐरी का अच्छा साथ मिलेगा, जिन्हें उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए नेपाल की टीमः रोहित पौडेल (कप्तान), दीपेंद्र सिंह ऐरी, संदीप लामिछाने, कुशल भुर्टेल, आसिफ शेख, संदीप जोरा, आरिफ शेख, बसीर अहमद, सोमपाल कामी, करण केसी, नंदन यादव, गुलशन झा, ललित राजबंशी, शेर मल्ला, लोकेश बम।।

सैन्य-नागरिक समन्वय को सशक्त करने हेतु हैदराबाद में सीएमएलसी का आयोजन

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सैन्य-नागरिक सहयोग को मजबूत करने और बहुआयामी मुद्दों पर आपसी समन्वय बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारतीय सेना के मुख्यालय तेलंगाना एवं आंध्र सब एरिया (एचक्यू पीएएसए) ने 15 जनवरी को हैदराबाद स्थित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में सिविल मिलिट्री लायजन कॉन्फ्रेंस (सीएमएलसी) का आयोजन किया।

सम्मेलन में तेलंगाना सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, भारतीय सेना के उच्च पदस्थ सैन्य अधिकारियों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों तथा विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसका उद्देश्य सैन्य-नागरिक सहभागिता को सुदृढ़ करना, आपसी समझ विकसित करना तथा समयबद्ध समाधान और बेहतर समन्वय सुनिश्चित करना रहा। इस सम्मेलन का संयुक्त नेतृत्व तेलंगाना के मुख्य सचिव और जनरल ऑफिसर कमांडिंग, टीएएसए ने किया, जबकि अध्यक्षता मुख्यमंत्री श्री ए. रेवंत रेड्डी ने की।

मुख्यमंत्री ने नागरिक और सैन्य संस्थाओं के बीच मजबूत तालमेल को राज्य की सुरक्षा और विकास के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। बैठक में शिक्षा, राजस्व, आबकारी, ऊर्जा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, शहरी विकास, परिवहन, वित्त, गृह, कानून-व्यवस्था, सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास तथा सामान्य प्रशासन विभाग सहित कई विभागों के अधिकारियों ने सुरक्षा, रक्षा भूमि से जुड़े मामलों, सैनिकों व पूर्व सैनिकों के कल्याण तथा प्रशासनिक मुद्दों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री श्री रेवंत रेड्डी ने पूर्व सैनिकों से जुड़े मामलों को आगे बढ़ाने, प्रतिकूल कब्जे के अंतर्गत रक्षा भूमि से संबंधित मुद्दों के समाधान सहित विभिन्न विषयों पर राज्य सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। सम्मेलन को सैन्य और नागरिक संस्थाओं के बीच सहयोग व समझ को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

दोनों पक्षों ने भविष्य में भी इस प्रकार की बैठकों को नियमित रूप से आयोजित करने पर सहमति जताई, ताकि 'सम्पूर्ण राष्ट्र दृष्टिकोण' के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा और समावेशी विकास को और अधिक मजबूती मिल सके।

बिजली की बाड़ लगाकर हिरण का शिकार

तीन आरोपी गिरफ्तार, दो फरार

कुमराम भीम, आसिफाबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पेंचिकलपेट मंडल के लोदपल्ली गांव के बाहरी इलाके में एक नहर में बिजली की बाड़ लगाकर चित्तीदार हिरण का शिकार करने के आरोप में गुरुवार को वन विभाग ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। पेंचिकलपेट वन रेंज अधिकारी अनिल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आदिपेल्ली गांव निवासी गद्दाम श्रीशैलम, नैनी पोशन्ना और रेड्डी राजम के रूप में हुई है। वहीं लोदपल्ली के सेगम सुधाकर और आदिपेल्ली के गद्दाम सिद्धेश अभी फरार हैं। अधिकारियों के अनुसार सभी आरोपी आदतन अपराधी हैं।

पूछताछ में तीनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने ग्रामीणों को हिरण का मांस बेचकर जल्दी पैसा कमाने के उद्देश्य से यह अपराध किया। उन्होंने बताया कि वे कागजनगर डिवीजन के विभिन्न इलाकों में जलाशयों और नहरों पर बिजली व लोहे की बाड़ लगाकर लंबे समय से जंगली जानवरों का शिकार कर रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मंदिर तोड़फोड़ मामले में संदिग्ध गिरफ्तार

24 घंटे के भीतर पुलिस की कार्रवाई

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुरनापुल दरवाजा स्थित मैसम्मा मंदिर में हुई तोड़फोड़ की घटना में शामिल एक संदिग्ध को हैदराबाद पुलिस ने गुरुवार देर रात गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधिकारियों ने आरोपी की पहचान सार्वजनिक नहीं की है। आरोप है कि संदिग्ध ने मंदिर के बरामदे में रखे एक फ्लेक्सी बैनर और एक पॉप-अप मूर्ति को नुकसान पहुंचाया था। पुलिस के अनुसार, कमाटिपुरा पुलिस ने घटना के 24 घंटे के भीतर ही संदिग्ध की पहचान कर उसे हिरासत में ले लिया। आगे की जांच और अतिरिक्त साक्ष्य जुटाने के लिए आरोपी से पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि यह त्वरित कार्रवाई हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार की सीधी निगरानी में की गई।

पुराना पुल हिंसा मामले में जेआईएच ने पुलिस से की कार्रवाई की मांग

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जामियत-ए-इस्लामी हिंद, ग्रेटर हैदराबाद ने पुराना पुल क्षेत्र में हालिया हिंसा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। डॉ. मुबाशिर अहमद ने कहा कि ऐसे घटनाएं हैदराबाद की सामूहिक सद्भावना को प्रभावित करती हैं और इन्हें कड़े शब्दों में निंदा करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि एक स्थल पर कथित हमले की झूठी अफवाहों ने अनावश्यक तनाव पैदा किया, जिससे कुछ बदमाशों ने संपत्ति को नुकसान पहुंचाया और निर्दोष लोगों पर हमला किया। यह व्यवहार अस्वीकार्य और शहर की प्रतिष्ठा के लिए हानिकारक है।

मुबाशिर ने यह भी चिंता जताई कि सुरक्षा बलों के मौजूद होने के बावजूद कुछ क्षेत्रों में अशांति जारी रही। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि वे चूक का विश्लेषण करें और इसे दोबारा न होने दें। जामियत-ए-इस्लामी हिंद ने सरकार से आग्रह किया कि हिंसा में शामिल सभी लोगों की पहचान कर निष्पक्ष और सख्त कार्रवाई की जाए, प्रभावितों को तत्काल मुआवजा दिया जाए और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ाई जाए। उन्होंने आम जनता, खासकर युवाओं से अपील की कि वे अफवाहों से दूर रहें, जिम्मेदारी से काम करें और शांति बनाए रखने में सहयोग दें। जेआईएच ग्रेटर हैदराबाद सद्भावना और न्याय की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

19 जनवरी को फिर खुलेगा सम्मक्का-सरक्का मंदिर

सीएम रेवंत रेड्डी करेंगे पुनः उद्घाटन

राजन्ना सिरसिल्ला, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज और ग्रामीण विकास मंत्री दंसारी अनुसूया ने बताया कि मेडाराम स्थित सम्मक्का-सरक्का मंदिर को 19 जनवरी को फिर से श्रद्धालुओं के लिए खोला जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी आधुनिक सुविधाओं के साथ जीर्णोद्धार किए गए मंदिर का पुनः उद्घाटन करेंगे, ताकि यह अगले हजार वर्षों तक भक्तों की सेवा कर सके। उन्होंने बताया कि 18 जनवरी को मेडाराम में मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें पूरा मंत्रिमंडल शामिल होगा। बैठक के बाद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी मेडाराम में ही रात्रि विश्राम करेंगे और अगले दिन सम्मक्का-सरक्का मंदिर का पुनः उद्घाटन करेंगे।

इससे पहले मंत्री दंसारी अनुसूया ने परिवार के सदस्यों के साथ वेमुलावाड़ा में श्री राजराजेश्वर स्वामी के दर्शन किए। उन्होंने विशेष पूजा-अर्चना के साथ मंदिर की प्रसिद्ध रस्म कोडमोक्कू भी अदा की। मीडियाकर्मियों से बातचीत में उन्होंने बताया कि प्रारंभ में केवल सम्मक्का-सरक्का के गद्देलू विकसित करने की योजना थी, लेकिन मुख्यमंत्री द्वारा पूरे मंदिर के विकास के लिए पर्याप्त धनराशि स्वीकृत करने के आश्वासन के बाद योजना में बदलाव किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद सम्मक्का-सरक्का और वेमुलावाड़ा दोनों मंदिरों का एक साथ विकास किया जा रहा है। स्थानीय विधायक आदि श्रीनिवास सरकार से धनराशि स्वीकृत कराकर वेमुलावाड़ा मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। गोदावरी पुष्करलू को लेकर उन्होंने बताया कि सरकार बसारा से भद्राचलम तक गोदावरी नदी के विकास की योजना पर काम कर रही है। सम्मक्का-सरक्का जतारा के समापन के बाद गोदावरी बेल्ट के मंत्री और विधायक पुष्करम से जुड़े कार्यों को लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे।

78वां भारतीय सेना दिवस समारोह मना

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 78वें भारतीय सेना दिवस के अवसर पर सेकंडराबाद के 1 ईएमई सेंटर के युद्ध स्मारक में पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम तेलंगाना और आंध्र उपक्षेत्र के मुख्यालय के तहत संपन्न हुआ। मेजर जनरल अजय मिश्रा, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, तेलंगाना और आंध्र उपक्षेत्र, अन्य वरिष्ठ अधिकारी और सभी रैंक के जवानों ने देश की सेवा में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारतीय सेना दिवस हर साल उस दिन मनाया जाता है जब 1949 में भारत के पहले चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ, फील्ड मार्शल केएम करियप्पा ने भारतीय सेना की कमान संभाली थी। यह दिन भारतीय सेना की बहादुरी, निस्वार्थ सेवा और देश की सुरक्षा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। समारोह में शहीद सैनिकों के योगदान को याद करते हुए उनके सम्मान में प्रतिबद्धता दोहराई गई और जवानों को प्रेरित किया गया कि वे भारतीय सेना और राष्ट्र की परंपराओं को आगे बढ़ाते रहें।

टीटीडी के एसवी गोशाला में गोपूजा महोत्सव

तिरुपति, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कणुमा त्योहार के अवसर पर टीटीडी के एसवी गोशाला में गोपूजा महोत्सव भव्य रूप से मनाया गया। शुक्रवार को टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी अनिल कुमार सिंघल और बोर्ड सदस्य भानु प्रकाश रेड्डी कार्यक्रम में शामिल हुए। श्री वेनुगोपालस्वामी मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत वीनू गानम से हुई, इसके बाद गोब्बेम्मा पूजा, गो-गजा-वृषभ-अश्व पूजा संपन्न हुई। दास साहित्य, अन्नामच आर्य और एचडीपीपी कलाकारों ने भजन, कोलताम और संकीर्तन प्रस्तुत किए। गोसंरक्षण ट्रस्ट के प्रभारी निदेशक डॉ. शिव कुमार, अन्य अधिकारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए।

गोलकोंडा किले के पास शुरू हुआ हॉट एयर बैलून फेस्टिवल

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पर्यटन कैलेंडर में नया आकर्षण जोड़ते हुए गोलकोंडा किले के पास गोल्फ क्लब परिसर में हॉट एयर बैलून फेस्टिवल का भव्य उद्घाटन शुक्रवार को किया गया। पर्यटन और संस्कृति मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने समारोह का उद्घाटन किया और इसके बाद हॉट एयर बैलून की सवारी भी की। मंत्री ने लगभग डेढ़ घंटे हवा में बिताए और 13 किलोमीटर की दूरी तय की। सवारी की शुरूआत गोलकोंडा गोल्फ क्लब से हुई और यह अप्पाजीगुड़ा के बाहरी इलाके पर समाप्त हुई, जिससे हैदराबाद और आसपास के नजारों का शानदार हवाई दृश्य देखने को मिला।

मंत्री कृष्ण राव ने इसे यादगार

अनुभव बताया और कहा कि यह पहल राज्य के पर्यटन क्षेत्र में एक नया अध्याय खोल रही है। उन्होंने बताया कि राज्य की विरासत और नवाचार दोनों पर ध्यान देने के साथ ऐसे आयोजन पर्यटन को आधुनिक और भविष्योन्मुखी बनाते हैं। कृष्ण राव ने कहा कि राज्य की नई पर्यटन नीति निजी निवेश को आकर्षित करने और सार्वजनिक-निजी साझेदारी के माध्यम से विश्वस्तरीय अवसंरचना व सेवाओं को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्थायी आजीविका के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, आज आकाश में उठते हुए बैलून तेलंगाना पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रतीक हैं। उद्घाटन समारोह में तेलंगाना टूरिज़्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक क्रांति वल्लूरी और पर्यटन विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे।

केटीआर के बनाए प्रोजेक्ट पर रिबन काट रहे हैं सीएम रेवंत : हरीश राव

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री हरीश राव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि वे तेलंगाना में बीते मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) द्वारा बनाए गए सिंचाई और विकास प्रोजेक्ट्स का श्रेय अपने नाम कर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। हरीश राव ने कहा कि पिछले दो सालों में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में एक भी नया प्रोजेक्ट नहीं बनाया गया। रेवंत रेड्डी का केवल काम यही रहा कि केसीआर के पूरे प्रोजेक्ट पर रिबन काटें और इसे अपने कार्य के रूप में पेश करें।

उन्होंने कहा कि केसीआर ने आदिलाबाद जिले में चनाका-कोराटा बैराज, पंप हाउस, मुख्य नहर और सबस्टेशन बनाने के लिए 1,200 करोड़ रुपये खर्च किए और 1,600 एकड़ भूमि अधिग्रहित की। जबकि वर्तमान सरकार ने दो वर्षों में एक भी एकड़ भूमि अधिग्रहित नहीं की, न ही नहर खोदी और न ही किसी एक एकड़ में पानी पहुंचाया।

मी-सेवा का औद्योगिक प्रदर्शनी में नागरिक सेवा स्टॉल

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली स्थित ऑल इंडिया इंडस्ट्रियल एग्ज़ीबिशन में मी-सेवा ने नागरिकों की सुविधा के लिए विशेष सेवा स्टॉल की स्थापना की है।

यह स्टॉल खिलौना ट्रेन स्टेशन के ठीक सामने लगाया गया है, जिससे प्रदर्शनी में आने वाले लोगों को आसानी से इसकी जानकारी मिल सके और सेवाओं का लाभ उठाया जा सके। स्टॉल पर उपलब्ध सेवाओं को लेकर आम जनता में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। मी-सेवा आयुक्त रवि किरण ने इस अवसर पर कहा कि यह पहल सरकार की उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके तहत नागरिक सेवाओं को सीधे जनता तक पहुंचाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि उच्च भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर ऐसे स्टॉल लगाने से डिजिटल गवर्नेंस के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और नागरिकों को सरकारी सेवाओं तक त्वरित पहुंच मिलेगी। स्टॉल पर आधार पंजीकरण, संशोधन व अद्यतन सहित सभी आधार संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अलावा मी-सेवा मंच पर उपलब्ध लगभग 580 सेवाओं- जैसे विभिन्न प्रमाणपत्र, परमिट, लाइसेंस, बिल भुगतान तथा कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी सेवाओं- का भी लाभ नागरिक उठा सकते हैं। नागरिकों की सहायता के लिए प्रशिक्षित मी-सेवा कर्मियों को तैनात किया गया है, जो लोगों के प्रश्नों का समाधान कर रहे हैं और आवेदनों की प्रक्रिया को सरल बना रहे हैं।

यह पहल तेलंगाना सरकार की पारदर्शी, दक्ष और नागरिक-केंद्रित सेवा व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। मी-सेवा का यह स्टॉल पूरी प्रदर्शनी अवधि तक आम जनता के लिए खुला रहेगा।

चीनी मांझे से करंट लगने पर दो मजदूर झुलसे

पतंग उड़ाते समय हुआ हादसा

संगारेड्डी, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जहीराबाद कस्बे के बाबू मोहन कॉलोनी में गुरुवार को प्रतिबंधित चीनी मांझे के बिजली की तारों के संपर्क में आने से दो प्रवासी मजदूर करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। बताया गया कि प्रवासी मजदूर नीरज और मनोज संक्रांति के अवसर पर अपने किराए के मकान की छत से चीनी मांझे का इस्तेमाल कर पतंग उड़ा रहे थे। इसी दौरान मांझा पास से गुजर रही बिजली की तारों से टकरा गया, जिससे दोनों को तेज बिजली का झटका लगा। हादसे में दोनों मजदूर बुरी तरह झुलस गए।

उन्हें पहले स्थानीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया, इसके बाद बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद रेफर किया गया। चिकित्सकों के अनुसार दोनों में से एक की हालत गंभीर बनी हुई है।

अदालत में लड़ेंगे, कानून सबके लिए बराबर

टिप्पणी मामले में तलसानी श्रीनिवास यादव का बयान

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेताओं द्वारा दर्ज कराए गए मामलों पर पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वह इन मामलों का कानूनी रूप से सामना करेंगे और जोर दिया कि कानून सभी पर समान रूप से लागू होना चाहिए, चाहे वह सत्ता में बैठे लोग ही क्यों न हों? बताया गया कि सिकंदराबाद नगर निगम की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ कथित तौर पर अपशब्दों के इस्तेमाल को लेकर कांग्रेस नेता रवि किरण की शिकायत पर तलसानी श्रीनिवास यादव के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। एसआर नगर पुलिस

ने केस दर्ज किया, जबकि महाकाली पुलिस स्टेशन में भी शिकायत दी गई।

हालांकि बाद में तलसानी श्रीनिवास यादव ने अपने बयान को वापस लेते हुए कहा कि वह गुस्से में बोल गए थे, लेकिन इसके बावजूद कांग्रेस नेताओं ने उनके खिलाफ कई शिकायतें दर्ज कराईं। गुरुवार को सिकंदराबाद छावनी में बीआरएस की एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस सरकार पर सिकंदराबाद की 220 साल पुरानी पहचान को खत्म करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। इस दौरान उन्होंने 1% जनवरी को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से शुरू होने वाली बचाओ सिकंदराबाद शांति रैली का पोस्टर भी जारी किया। उन्होंने बताया कि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव इस रैली में मुख्य अतिथि होंगे और पार्टी से जुड़े बिना सभी नागरिकों से रैली में शामिल होने की अपील की। पूर्व मंत्री ने कहा कि अगर उनके अस्तित्व और आत्मसम्मान पर चोट की गई तो वे चुप नहीं बैठेंगे और सरकार की कथित साजिशों के खिलाफ सामूहिक विरोध किया जाएगा।

बीआरएस विधायकों की अयोग्यता पर दो हफ्ते में फैसला

सुप्रीम कोर्ट की विधानसभा अध्यक्ष को अंतिम चेतावनी

हैदराबाद, 16 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष को अंतिम चेतावनी देते हुए तीन बीआरएस विधायकों के खिलाफ लंबित अयोग्यता याचिकाओं पर दो सप्ताह के भीतर फैसला करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने पहले के आदेशों के बावजूद लंबे समय से हो रही देरी पर कड़ी नाराजगी जताई और स्पष्ट किया कि आगे कोई समय विस्तार नहीं दिया जाएगा।

न्यायालय ने विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश दिया है कि शेष याचिकाओं का निपटारा कर अगली सुनवाई से पहले स्थिति रिपोर्ट भी प्रस्तुत की जाए। यह निर्देश न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की पीठ ने दिया। पीठ 31 जुलाई को दिए गए अपने उस आदेश के अनुपालन की समीक्षा कर रही थी, जिसमें बीआरएस विधायकों

के कांग्रेस में शामिल होने से जुड़ी दस अयोग्यता याचिकाओं के निपटारे के लिए तीन माह का समय तय किया गया था।

समय सीमा के भीतर कार्रवाई न होने पर स्पीकर के खिलाफ अवमानना याचिकाएं दाखिल की गई थीं।

पिछले महीने विधानसभा अध्यक्ष ने सात याचिकाएं खारिज कर दी थीं, जबकि तीन अब भी लंबित हैं। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने शेष याचिकाओं पर निर्णय के लिए आठ सप्ताह का समय मांगा, लेकिन याचिकाकर्ताओं की ओर से इस मांग का कड़ा विरोध किया गया। उनका कहना था कि विधानसभा अध्यक्ष बार-बार सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का पालन करने में विफल रहे हैं और लगातार देरी की जा रही है।

सरकार की ओर से देरी का कारण स्पीकर की आंखों की सर्जरी और प्रशासनिक बदलाव बताए गए, जिस पर याचिकाकर्ताओं ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि दलबदल से जुड़े मामलों में स्पष्ट तथ्यों के बावजूद कार्रवाई नहीं की गई। न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह ने टिप्पणी की कि पहले दिए गए आश्वासनों के बावजूद कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। बेंच ने साफ शब्दों में कहा कि अब और समय नहीं दिया जाएगा और दो सप्ताह के भीतर निर्णय अनिवार्य है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.